THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 11 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.11 2082 मंगलवार, 8 अप्रैल-2025

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✻ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

जमीन के बदले नौकरी घोटाले में ईडी को झटका

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय को सुप्रीम कोर्ट से भारतीय रेलवे में कथित जमीन के बदले नौकरी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में करारा झटका लगा है। कोर्ट ने राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव के करीबी सहयोगी और व्यवसायी अमित कत्याल को दी गई जमानत के खिलाफ ईडी की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और राजेश बिंदल की पीठ ने कहा कि वह दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने के लिए इच्छुक नहीं है। पीठ ने कहा, कोई बड़ी मछली नहीं। मुख्य आरोपियों को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। केवल छोटी मछलियों के पीछे क्यों पड़े हैं? क्या आप उनके पीछे जाने से डरते हैं? आपने 11 अन्य आरोपियों को क्यों नहीं गिरफ्तार किया?

सेंसेक्स में साल की दूसरी बड़ी गिरावट

> 3939 अंक गिरकर 1712 अंक संभला : 73,137 पर बंद हुआ

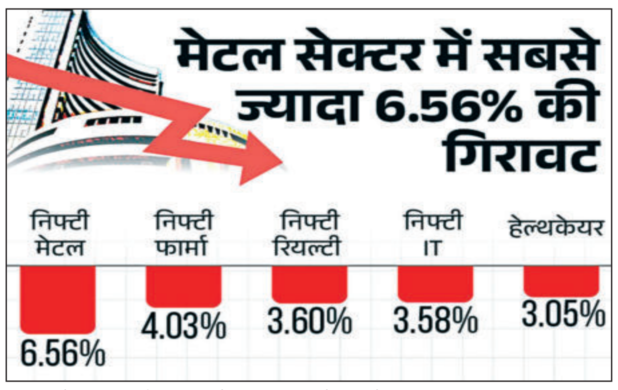

मुंबई, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी सोमवार 7 अप्रैल को साल की दूसरी बड़ी गिरावट आई। सेंसेक्स 2226 अंक (2.95 प्रतिशत) गिरकर 73,137 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 742 अंक (3.24 प्रतिशत) की गिरावट रही, ये 22,161 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले 4 जून 2024 को बाजार 5.74 प्रतिशत गिरा था।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 29 में गिरावट रही। टाटा स्टील, टाटा मोटर्स और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर में 7 प्रतिशत तक गिरावट रही। जोमैटो का शेयर 0.17 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। एनएसई के सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी मेटल सबसे ज्यादा 6.75 प्रतिशत गिरा। रियल्टी में 5.69 प्रतिशत गिरावट रही। ऑटो, फार्मा, सरकारी बैंक, ऑयल एंड गैस और आईटी सेक्टर 4 प्रतिशत नीचे बंद हुए। 2 अप्रैल से अब तक कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) के दाम 12.11 प्रतिशत घट चुके हैं। वहीं आज ब्रेंट क्रूड 4 प्रतिशत टूटकर 64 डॉलर के नीचे फिसल चुका है। ये बीते 4 साल का निचला स्तर है।

बाजार में गिरावट की 3 वजह :

> ट्रम्प का रेसिप्रोकल टैरिफ : अमेरिका ने भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। भारत के अलावा चीन पर 34 प्रतिशत, यूरोपीय यूनियन पर 20 प्रतिशत, साउथ कोरिया पर 25 प्रतिशत, जापान पर 24 प्रतिशत, वियतनाम पर 46 प्रतिशत और ताइवान पर 32 प्रतिशत टैरिफ लगेगा।

> चीन ने जवाबी 34 प्रतिशत टैरिफ लगाया : चीन ने शुक्रवार को अमेरिका पर 34 प्रतिशत जवाबी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। नया टैरिफ 10 अप्रैल से लागू होगा। 3 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने दुनियाभर में जैसे को तैसा टैरिफ लगाया था। इसमें चीन पर 34 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया था। अब चीन ने उतना ही टैरिफ अमेरिका पर लगा दिया है।

> इकोनॉमिक स्लोडाउन की चिंता : टैरिफ से सामान महंगा होने पर लोग कम खरीदारी करेंगे, जिससे अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी हो सकती है। साथ ही, मांग कम होने से कच्चे तेल की कीमतें भी गिरी हैं। ये कमजोर इकोनॉमिक एक्टिविटी का संकेत है। इससे निवेशकों का भरोसा डगमगाया है।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1,850 पॉइंट या 4.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ 38,630 के स्तर पर आ गया है। वहीं स्मॉलकैप इंडेक्स 42,999.82. 2,860 पॉइंट या 6.20 प्रतिशत नीचे कारोबार कर रहा है। शेयर बाजार में बिकवाली से निवेशकों की वेल्थ करीब 15 लाख करोड़ रुपये घट गई है। शुक्रवार, 4 अप्रैल को बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का ओवरऑल मार्केट कैप 404 लाख करोड़ रुपये था जो आज सोमवार बाजार बंद होने के बाद लगभग 389 लाख करोड़ रुपये रह गया है।

एक्साइज ड्यूटी 2 रुपए बढ़ी, पर महंगे नहीं होंगे पेट्रोल-डीजल

आदेश के आधे घंटे बाद केंद्र की सफाई-यह खर्चा पेट्रोलियम कंपनियां उठाएंगी

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 2 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दी है। हालांकि, आधे घंटे बाद ये भी साफ किया कि इससे पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे। ये खर्चा पेट्रोलियम कंपनियां उठाएंगी। अभी सरकार पेट्रोल पर 19.90 रुपए लीटर और डीजल पर 15.80 रुपए लीटर एक्साइज ड्यूटी वसूल रही है। इस बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल पर 21.90 रुपए लीटर और डीजल पर 17.80 रुपए लीटर ड्यूटी लगेगी। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ड्यूटी को कच्चे तेल की घटी कीमतों से एडजस्ट किया जाएगा। अगर आगे भी कच्चे तेल के दाम घटे रहे तो पेट्रोल-डीजल के दामों में गिरावट आ सकती है।

महंगी हुई रसोई गैस

घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। आम जनता को महंगाई के मोर्चे पर एक और झटका लगा है। एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों बढ़ गईं हैं। घरेलू गैस सिलेंडर और उज्जवला योजना के तहत मिलने वाले सिलेंडर पर 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को वितरण कंपनियों की ओर से रसोई गैस या एलपीजी की कीमत में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी किए जाने का एलान किया। मंत्री ने कहा कि उज्ज्वला और सामान्य श्रेणी के ग्राहकों दोनों के लिए गैस की कीमत में इजाफा किया गया है।

सामान्य उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 803 रुपये से बढ़कर 853 रुपये हो जाएगी और उज्ज्वला योजना के तहत उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 503 रुपये से बढ़कर 553 रुपये हो जाएगी।

वक्फ अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट का तत्काल सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। सोमवार को दायर की गई याचिका को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने तत्काल सुनवाई से इनकार किया। हालांकि पीठ ने ये बात जरूर कही कि जब ईमेल भेजकर तत्काल लिस्टिंग कराने की व्यवस्था है तो फिर मौलिक उल्लेख क्यों किया जा रहा है। पीठ ने कहा है कि उचित समय पर याचिका पर सुनवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और ए एम सिंघवी ने पीठ के समक्ष तत्काल सुनवाई का आग्रह किया। पीठ ने कहा कि ईमेल के जरिए जब भेजने की व्यवस्था है तो तत्काल सुनवाई का कोई औचित्य नहीं। जिसके बाद सीजेआई ने फिर अपनी बात दोहराई कि हर रोज सभी मामले दोपहर में पेश किए जाते हैं, जिसके बाद अदालत उन्हें सूचीबद्ध करने पर निर्णय लेती है। सुप्रीम कोर्ट में अलग-अलग कुल 11 याचिका दायर की जा चुकी है। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद, हैदराबाद से सांसद और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी, आप विधायक अमानतुल्ला खान, जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी, केरल सुन्नी विद्वानों की संस्था केरल जमीयतुल उलेमा, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया की ओर से वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर याचिका दायर की गई है। संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा से वक्फ संशोधन अधिनियम पास होने के बाद पास होने के बाद बीते 5 अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपनी मंजूरी दे दी। उसके पहले संसद में अधिनियम जब बिल के रूप में पेश हुआ तो विपक्ष द्वारा खूब हंगामा किया गया। लोकसभा में 2 अप्रैल को 12 घंटे की लंबी बहस के बाद वोटिंग हुई जिसमें 288 वोट पक्ष में जबकि 232 वोट बिल के विपक्ष में पड़े थे।

सीडीएस ने दिया अंतरिक्ष संस्कृति विकसित करने पर जोर

कहा-यह युद्ध के नए क्षेत्र के रूप में उभर रहा

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने अंतरिक्ष संस्कृति विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मानवता एक ऐसे युग के मुहाने पर है जहां अंतरिक्ष युद्ध के एक नए क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। इसलिए अंतरिक्ष संस्कृति को विकसित किया जाए। इसमें सिद्धांत, शोध और समर्पित युद्ध विद्यालय शामिल किए जाएं।

दिल्ली में भारतीय रक्षा अंतरिक्ष संगोष्ठी के तीसरे संस्करण के उद्घाटन के दौरान सीडीएस अनिल चौहान ने कहा कि भविष्य में सेनाओं के पास अपने स्वयं के अंतरिक्ष युद्ध विद्यालय भी होंगे। अतीत में समुद्री संस्कृति ने पुर्तगाली, स्पेनिश, अंग्रेजी या डच को दुनिया पर हावी किया। इसके बाद एयरोस्पेस संस्कृति ने अमेरिका और यूरोपीय देशों को हवाई क्षेत्र पर वर्चस्व स्थापित करने में मदद की। दोनों ही क्षेत्रों का युद्ध पर स्थायी प्रभाव है। सैन्य शक्ति वास्तव में इस विशेष संस्कृति के विकास और उस दिशा में क्षमताओं के निर्माण के इर्द-गिर्द केंद्रित थी। उन्होंने कहा कि आज हम एक ऐसे युग के मुहाने पर हैं, जहां अंतरिक्ष युद्ध के एक नए क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। यह युद्ध पर हावी होने जा रहा है। युद्ध के तीन प्राथमिक तत्व (भूमि, समुद्र, वायु) अंतरिक्ष पर निर्भर होंगे। उन्होंने कहा कि जब समुद्री क्षेत्र ने युद्ध का विस्तार किया तो युद्ध का परिणाम या तो समुद्री क्षेत्र में तय किया जा सकता था या इसका भूमि पर युद्ध पर बड़ा प्रभाव था। जनरल ने कहा कि जब वायु शक्ति युद्ध लड़ने का एक प्रमुख साधन बन गई। इसमें या तो आप हवाई क्षेत्र में युद्ध का फैसला करते हैं या भूमि या समुद्री क्षेत्र पर युद्ध पर बड़ा प्रभाव डालते हैं। अब जब हम कहते हैं कि अंतरिक्ष इन तीन तत्वों पर प्रभाव डालने जा रहा है, तो यह महत्वपूर्ण है कि हम अंतरिक्ष को समझें। अंतरिक्ष भविष्य में युद्ध की बुनियादी संरचना बनने जा रहा है।

मुस्लिम लॉ बोर्ड ने भी खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। देशभर में नए वक्फ कानून को लेकर सियासी गर्माहट तेज है। आरोप प्रत्यारोप की राजनीति भी अपने चरम पर है। विपक्ष और कई मुस्लिम लीग इस संधोशन के विरोध में अपनी आवाज बुलंद कर रहे है। इसी बीच ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने भी नए वक्फ कानून 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। बता दें कि बीते दिनों लोकसभा और राज्यसभा में विधेयक के पारित होने के बाद पांच अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस अधिनियम को मंजूरी दी थी। इसके बाद से अभी तक वक्फ संशोधन विधेयक के विरोध में यह सातवीं याचिका है जो सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई है। एआईएमपीएलबी ने 6 अप्रैल को अपनी याचिका में कहा कि वक्फ कानून मनमाना और भेदभावपूर्ण है।

राहुल बोले-ट्रंप की वजह से शेयर बाजार में गिरावट

> देश में गरीब, आदिवासी सेकंड सिटीजन > मोदी जी माय एक्सपेरीमेंट विथ लाइज लिखेंगे

बेगूसराय,पटना, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। सोमवार को बिहार दौरे पर पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार और आरएसएस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा- महात्मा गांधी ने माय एक्सपेरिमेंट्स विथ ट्रुथ लिखा था। मोदी जी शायद माय एक्सपेरिमेंट्स विथ लाइज लिखेंगे।

आरएसएस पर हमला बोलते हुए कहा, देश के संविधान में सावरकर की सोच नहीं है। इसमें महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू और अंबेडकर जैसे लोगों की सोच है। आज इस देश में आदिवासी, दलित, पिछड़े वर्ग, ईबीसी सेकंड सिटीजन है। शेयर बाजार में भारी गिरावट पर राहुल ने कहा, अमेरिकी प्रेसिडेंट ट्रम्प ने शेयर बाजार की धज्जियां उड़ी दी है। आज मार्केट धराशाई हो गया है। बिहार में हाल ही में बदले गए कांग्रेस जिलाध्यक्षों का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पहले हमारे जिलाध्यक्षों की लिस्ट में 2 तिहाई अपर कास्ट के लोग थे, लेकिन अब हमने दो तिहाई दलित-गरीबों को शामिल किया है। राहुल गांधी ने कहा- तेलंगाना में हमने जातीय गणना करवाई। अगर आप तेलंगाना में उन लोगों की लिस्ट निकाले जिन्होंने बैंक से लोन लिया है तो उसमें कोई ईबीसी, दलित, आदिवासी नहीं मिलेगा। तेलंगाना में जाति का पूरा का पूरा डेटा हमारे पास है। इससे हम आपको आपका हक दिलवा सकते हैं।

राहुल गांधी के सामने कांग्रेस कार्यकर्ता भिड़े

पटना, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार प्रदेश कार्यालय में सोमवार को यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जमकर गुंडागर्दी की। अंदर राहुल गांधी जिला अध्यक्षों और नेताओं के साथ विधानसभा चुनाव को लेकर बैठक कर रहे थे। उसी दौरान बाहर कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए।

बताया जा रहा है कि बैठक के दौरान कुछ कार्यकर्ताओं के बीच तू-तू-मैं-मैं हो गई। इससे नाराज पूर्व अध्यक्ष अखिलेश सिंह बैठक के बीच से बाहर निकल गए। उनके पीछे उनका समर्थक रवि रंजन जा रहा था, तभी यूथ कांग्रेस से जुड़ा असद और पूर्व विधायक टुन्ना चोर-चोर के नारे लगाने लगे। रवि रंजन ने जब विरोध किया तो उसको दौड़ा दिया। टुन्ना ने उसे पटक दिया और लात-घूंसे से पीटने लगे। बीच में अखिलेश सिंह ने बीच-बचाव कर उसे छुड़ाया।

शहीदों के परिवारों से मिले शाह

कठुआ, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह ने आज कठुआ जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास स्थित बीएसएफ पोस्ट का दौरा किया। इस दौरान, उन्होंने बीएसएफ के जवानों की सराहना की और उनके कठिन हालात में देश की सीमाओं को बचाने के उनके प्रयासों को सराहा। गृहमंत्री ने कहा कि बीएसएफ के जवानों द्वारा सीमाओं की रक्षा में संघर्ष की कोई तुलना नहीं की जा सकती। उन्होंने जवानों की साहस और समर्पण की प्रशंसा की और उनके योगदान का उच्चतम सम्मान दिया।

जिले में भारत-पाक सीमा पर अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया और कहा कि सरकार सीमा सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए नई तकनीकों का उपयोग करेगी। उनका कहना था कि विशेष रूप से भूमिगत सीमा पार सुरंगों को खोजने के लिए तकनीकी उपायों को लागू करना चाहिए। शाह ने कहा कि सीमा सुरक्षा बलों को इन नई तकनीकों से अधिक कुशलता से काम करने का मौका मिलेगा।

आसाराम को फिर 1 जुलाई तक अंतरिम जमानत

हाईकोर्ट ने राहत दी, 31 मार्च को ढाई महीने की बेल खत्म हुई थी

जोधपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। जोधपुर के आश्रम में नाबालिग से रेप के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को गुजरात के बाद अब राजस्थान हाईकोर्ट से भी राहत मिली है। कोर्ट ने उसकी अंतरिम जमानत 1 जुलाई तक बढ़ा दी है।

हाईकोर्ट ने आसाराम को सुप्रीम कोर्ट की ओर से पूर्व में जारी शर्तों का पालन करने के लिए कहा है। जस्टिस दिनेश मेहता और जस्टिस विनीत कुमार की खंडपीठ में सोमवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने आसाराम को 30 जून तक की अंतरिम जमानत दी तो वकील ने अंतिम दिन छुट्टी होने की बात कहते हुए इसे 1 जुलाई तक करने का आग्रह किया। आसाराम 14 जनवरी से 31 मार्च तक अंतरिम जमानत पर था। ये पीरियड खत्म होने पर 1 अप्रैल को आसाराम ने सरेंडर कर दिया था। उसी रात वह प्राइवेट अस्पताल में भर्ती हो गया था और अभी भी वहीं पर भर्ती है।

आसाराम के वकील निशांत बोड़ा ने बताया- मामले में 2 अप्रैल को सुनवाई हुई थी। पीड़िता के वकील पीसी सोलंकी ने आसाराम पर सुप्रीम कोर्ट की प्रवचन नहीं करने की शर्त का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। इसके बाद हाईकोर्ट ने आसाराम से शपथ पत्र पेश करने को कहा था। निशांत बोड़ा ने बताया- कोर्ट में आज शपथ पत्र पेश किया। कोर्ट ने सवाल किया कि आसाराम ने अंतरिम जमानत मिलने के बाद प्रवचन किए या नहीं? वहीं पीड़ित की ओर से भी एफिडेविट मांगा गया। पीड़ित पक्ष के वकील पीसी सोलंकी ने बताया कि आसाराम ने सुप्रीम कोर्ट की ओर से दी गई अंतरिम जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया है। उन्होंने शर्त का उल्लंघन करने से संबंधित तथ्य रखे।

सरकार की जांच रिपोर्ट भी कोर्ट में पेश : सरकार की ओर से भी जांच कर रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत की गई। इसमें उन 3 कॉन्स्टेबल के बयान भी दर्ज किए गए थे, जो अंतरिम जमानत के दौरान आसाराम के साथ रहे। उनके बयान में यही आया कि आसाराम कभी-कभार अपने दो-चार साधकों से जरूर मिला, लेकिन सार्वजनिक रूप से कहीं प्रवचन नहीं किया। आसाराम की ओर से वकील निशांत बोड़ा ने शपथ पत्र पेश कर कोर्ट को बताया कि सर्वोच्च न्यायालय की किसी भी शर्त का उल्लंघन नहीं किया गया है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद जस्टिस जस्टिस दिनेश मेहता और जस्टिस विनीत कुमार की खंडपीठ ने कहा- सरकार की जांच रिपोर्ट में भी आसाराम की ओर से प्रवचन किए जाने की पुष्टि नहीं हो रही है।

'मोदी और ट्रंप अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने में माहिर'

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के जवाबी टैरिफ के बाद शेयर बाजार में आई गिरावट को लेकर कांग्रेस ने हमला बोला है। कांग्रेस ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों ही अपनी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने में माहिर हैं। बाजार भी अनुमान के मुताबिक टैरिफिंग तरीके से प्रतिक्रिया कर रहा है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद को अच्छे दोस्त बताते हैं। दोनों ही अपनी अर्थव्यवस्थाओं को खुद ही नुकसान पहुंचाने में माहिर हैं। 8 नवंबर 2016 को नोटबंदी हुई थी। 2 अप्रैल 2025 को विचित्र जवाबी टैरिफ लगाए हैं। बाजार टैरिफ लगाने के तरीके पर पूर्वानुमानित प्रतिक्रिया दे रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी टैरिफ से उपजी आशंकाओं और अमेरिकी बाजार की रिकॉर्ड गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को बड़ी गिरावट हुई।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा : वक्फ कानून पर हंगामा

एनसी विधायक ने काला कोट फाड़कर हवा में लहराया, कई विधायकों ने फाड़े कागज

जम्मू, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सोमवार को वक्फ कानून को लेकर जमकर हंगामा हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस के स्थगन प्रस्ताव पर जमकर बवाल हुआ है। नेशनल कॉन्फ्रेंस वक्फ बिल पर चर्चा करने की मांग कर रही है। नेकां नेता तनवीर सादिक वक्फ कानून के खिलाफ स्थगन प्रस्ताव लाने की मांग की।

स्पीकर ने कहा मामला न्यायालय में विचाराधीन इसलिए इस पर चर्चा नहीं हो सकती। भाजपा ने पहले सवाल-जवाब करवाने की मांग की थी, नेकां विधायकों ने "वक्फ बिल ना मंजूर, इसे वापस करो" आदि के नारे लगाए। नेशनल कॉन्फ्रेंस विधायकों के हंगामे के बाद विधानसभा की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। दोबारा कार्यवाही शुरू होते ही नेकां के सहयोगी दल के विधायकों ने नारेबाजी शुरू कर दी। नेशनल कॉन्फ्रेंस और उनके सहयोगी दल के विधायक वक्फ कानून पर बहस करने की मांग पर अड़े रहे। भाजपा के विधायक भी सदन में प्रश्न आवर की कॉपियां लेकर खड़े हो गए। सदन में दोनों पक्षों के विधायकों ने जमकर नारेबाजी शुरू कर दी। इस दौरान सदन में नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक अब्दुल मजीद लार्मी ने अपना काला कोट भी फाड़ लिया। सदन में हवा में उन्होंने काला कोट लहराया। साथ ही दूसरे विधायकों ने कागज भी फाड़ दिए। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही 20 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। उन्होंने सदन में कार्यवाही को शांतिपूर्वक चलाने की अपील की। वक्फ संशोधन अधिनियम पर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में मचे बवाल पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक नजीर अहमद गुरेजी ने कहा कि हमें नहीं लगता कि यह कानून मुसलमानों के हित में बनाया गया है, बल्कि सिर्फ वोट पाने के लिए बनाया गया है। जब तक इस मामले पर चर्चा की इजाजत नहीं दी जाती, हम सदन की कार्यवाही नहीं चलने देंगे। वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में मचे बवाल पर कांग्रेस विधायक इरफान हफीज लोन ने कहा, हम देश को बताना चाहते हैं कि हम इस अधिनियम के खिलाफ हैं। यह धर्मनिरपेक्षता और संघवाद पर हमला है। इस तरह (काले कपड़े के साथ) हम अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं।

हम अपना विरोध जताना जारी रखेंगे। वक्फ संशोधन अधिनियम पर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में मचे बवाल पर माकपा विधायक एम.वाई. तारिगामी ने कहा कि हमारे विचार से यह (वक्फ संशोधन अधिनियम) देश के धर्मनिरपेक्ष ढांचे के खिलाफ है। 200 से अधिक सांसदों ने इस विधेयक के खिलाफ मतदान किया और कहा कि हर समुदाय को अपनी संपत्ति का प्रबंधन करने का अधिकार है... यह विषय हमारे लिए महत्वपूर्ण है और हमें इस पर चर्चा करनी चाहिए।

युवक ने बीच सड़क लड़की को गलत तरीके से छुआ

कर्नाटक के गृहमंत्री बोले- बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों में ऐसी घटनाएं होती रहती हैं

बेंगलुरु, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बेंगलुरु के एक वायरल वीडियो में युवक सड़क पर दो लड़कियों के पास जाकर उन्हें गलत तरीके से छूकर भागता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो बेंगलुरु के बीटीएम लेआउट इलाके का है। घटना 3 अप्रैल की है।

सोमवार को जब कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर से इस पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा- इस तरह की घटनाएं बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों में होती रहती हैं। हालांकि उन्होंने मामले को लेकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही। साथ ही उन्होंने पुलिस को गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया। छेड़छाड़ के बाद आरोपी भागता दिखा। बेंगलुरु पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज कर लिया है। मामले में अब तक पीड़ित की तरफ से कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है।

बेंगलुरु पुलिस ने खुद एक्शन लेते हुए मामला दर्ज किया है। पिछले साल अगस्त में भी ऐसी ही एक घटना कैमरे में कैद हुई थी। बेंगलुरु के कोनानाकुंटे इलाके में एक महिला को एक व्यक्ति ने छेड़ा था। आरोपी कैब ड्राइवर को घटना के दो दिन बाद गिरफ्तार कर लिया गया था। पिछले साल साझा किए गए सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2023 में बेंगलुरु में महिलाओं के खिलाफ अपराध में वृद्धि देखी गई।

ममता बोलीं- काबिल टीचर्स के लिए कोर्ट का फैसला अन्यायपूर्ण

मत समझिए हमने इसे स्वीकार किया, यह कहने के लिए जेल भेज सकते हैं

कोलकाता, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। 3 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल भर्ती घोटाले से जुड़े कोलकाता हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा और 2016 में 25,752 शिक्षकों और स्टाफर्स की नियुक्ति को अवैध बताते हुए भर्ती रद्द कर दी थी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को उन शिक्षकों और स्टाफर्स से मुलाकात की, जिनकी भर्ती सुप्रीम कोर्ट ने निरस्त कर दी है। ममता बनर्जी ने कहा कि हम कोर्ट के आदेश से बंधे हुए हैं। यह फैसला उन कैंडिडेट्स के लिए अन्याय है, जो काबिल शिक्षक थे। ममता ने यह मुलाकात कोलकाता के नेताजी इनडोर स्टेडियम में की। इस दौरान उन्होंने कहा, आप लोग यह मत समझिए कि हमने फैसले को स्वीकार कर लिया है। हम पत्थरदिल नहीं हैं। मुझे ऐसा कहने के लिए जेल भी डाल सकते हैं, लेकिन मुझे फर्क नहीं पड़ता है। दरअसल, 3 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल भर्ती घोटाले से जुड़े कोलकाता हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन की 2016 में 25,752 शिक्षकों और स्टाफर्स की नियुक्ति को अवैध बताते हुए भर्ती रद्द कर दी थी। अदालत ने कहा था कि भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां थीं।

भाजपा लगातार इस मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे और उन्हें जेल भेजने की मांग कर रही है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को भाजपा विधायकों के साथ मिलकर ममता सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान अधिकारी ने कहा- ममता बनर्जी को जेल जाना होगा। वह मुख्य आरोपी हैं। उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी ने नौकरियों के बदले 700 करोड़ रुपए की रिश्वत ली है।

वहीं, केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने दावा किया कि ममता बनर्जी शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में जेल जाने वाली दूसरी मुख्यमंत्री होंगी। हरियाणा के चार बार मुख्यमंत्री रहे दिवंगत ओम प्रकाश चौटाला ऐसे ही एक मामले में 2013 में जेल गए थे।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ममता ने कहा- वह व्यक्तिगत रूप से सुप्रीम कोर्ट के फैसले को स्वीकार नहीं करती हैं, लेकिन उनकी सरकार इसे लागू करेगी और चयन प्रक्रिया को फिर से दोहराएगी। उन्होंने सवाल किया कि क्या विपक्षी BJP और CPM चाहते हैं कि बंगाल की शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो जाए।

देश में अगले 11 दिन भीषण गर्मी का अनुमान

बाड़मेर में 26 साल का रिकॉर्ड टूटा, एमपी में हीटवेव

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। आज सोमवार को 14 जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। रविवार को बाड़मेर-जैसलमेर में पारा 45 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। पिछले 26 साल में बाड़मेर में अप्रैल के पहले हफ्ते में यह सबसे ज्यादा तापमान है। अगले कुछ दिन गर्म से राहत मिलने की संभावना नहीं है। मध्य प्रदेश में भी भीषण गर्मी ने समय से पहले ही दस्तक दे दी है। रविवार को भोपाल का तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इस सीजन में यह सबसे ज्यादा है। प्रदेश के 13 जिलों में तापमान 40 से 42.2 डिग्री के बीच रहा। मौसम विभाग के अनुसार, आज नीमच, मंदसौर, भिंड, मुरैना, श्योपुर और रतलाम में लू चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने 11 दिन तक देश के अधिकतर राज्यों में लू चलने और अधिकतम तापमान 40 डिग्री के आसपास रहने अनुमान लगाया है। 10 अप्रैल तक राजस्थान, गुजरात के कुछ जिलों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री से ऊपर जा सकता है। उत्तर प्रदेश में इस साल अप्रैल से जून तक तापमान सामान्य से ज्यादा रहने और हीटवेव चलने की आशंका है। दिन का तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहने का अनुमान है। रात का तापमान भी सामान्य से ज्यादा रह सकता है। बीते दिन दिल्ली का अधिकतम तापमान 38.2 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 3.1 डिग्री ज्यादा है, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.5 डिग्री कम 18.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

इंडिगो की फ्लाइट में महिला की मौत

विमान मुंबई से वाराणसी जा रहा था; छत्रपति संभाजीनगर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग हुई

मुंबई, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई से वाराणसी जा रही इंडिगो एयरलाइंस की एक फ्लाइट में 89 साल की महिला की मौत हो गई। इसके बाद विमान की महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि महिला उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर की रहने वाली थी।

उनका नाम सुशीला देवी था। वे मुंबई से फ्लाइट में सवार हुई थीं। उड़ान के दौरान उनकी तबीयत खराब हुई। मेडिकल इमरजेंसी की वजह से 6 अप्रैल रात करीब 10 बजे विमान को चिकलथाना एयरपोर्ट पर उतारा गया। एयरपोर्ट पर मेडिकल टीम ने उनकी जांच की, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

मणिपुर में मुस्लिम भाजपा नेता का घर जलाया

नए वक्फ बिल का समर्थन किया था; अब प्रधानमंत्री से एक्ट वापस लेने की अपील की

इंफाल, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। नए वक्फ कानून का समर्थन करने पर मणिपुर के थोउबल जिले में रविवार को भीड़ ने भाजपा बीजेपी के अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष असगर अली मकाकमयुम के घर में तोड़फोड़ की और आग लगा दी।

घटना के बाद असगर अली ने माफी मांगी और केंद्र सरकार से नए वक्फ कानून को वापस लेने की अपील की। उन्होंने पोस्ट में पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को भी टैग किया। कृपया इस मुद्दे पर राजनीति न करें। मैंने जो कुछ भी कहा, अगर उससे किसी की भावनाएं आहत हुई हैं, तो मैं माफी चाहता हूं। मैं केंद्र सरकार से अनुरोध करता हूं कि इस कानून को वापस ले लिया जाए। इस बीच, आज राष्ट्रीय जनता दल नए वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेगा। सुप्रीम कोर्ट में अब तक 6 याचिकाएं दाखिल हो चुकी हैं।

सरकार ने नए कानून को लेकर गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। कानून को लागू करने की तारीख को लेकर केंद्र सरकार अलग नोटिफिकेशन जारी करेगी। यह बिल (अब कानून) 2 अप्रैल को लोकसभा और 3 अप्रैल को राज्यसभा में 12-12 घंटे की चर्चा के बाद पास हुआ था। इस पर चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा था- कानून का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों में हो रहे पक्षपात, दुरुपयोग और अतिक्रमण को रोकना है। बिल को राज्यसभा में 128 सदस्यों ने समर्थन दिया था, 95 ने विरोध किया। लोकसभा में यह बिल 2 अप्रैल की आधी रात पारित हुआ था। इस दौरान 288 सांसदों ने समर्थन में और 232 ने विरोध में वोट डाला था।

वक्फ बिल पर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का विरोध

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने शनिवार शाम को वक्फ बिल के विरोध में दो पेज का लेटर जारी किया और 11 अप्रैल से पूरे देश में विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की। कहा कि हम सभी धार्मिक, समुदाय-आधारित और सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन करेंगे।

पंजाब पुलिस की इंस्टाक्वीन मूसेवाला परिवार की सिक्योरिटी में रही

साथी बलविंदर मिलने आता था, सुरक्षा इंचार्ज ने शक होने पर ड्यूटी से हटाया

बठिंडा, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के बठिंडा में हेरोइन के साथ पकड़ी गई हेड कॉन्स्टेबल और इंस्टाक्वीन अमनदीप कौर के मामले में रोजाना नए खुलासे हो रहे हैं। कुछ साल पहले जब अमनदीप कौर मानसा में तैनात थी, तब उसे पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के परिवार की सुरक्षा में लगाया गया था। ठीक तरीके से ड्यूटी न करने के कारण सिक्योरिटी इंचार्ज ने उसे वहां से हटा दिया था। सूत्रों के अनुसार, जब अमनदीप कौर मूसेवाला के घर पर तैनात थी, तो उसका साथी बलविंदर उर्फ सोनू उसके पास आता-जाता रहता था। सिक्योरिटी इंचार्ज राजिंदर, अमनदीप की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। उन्होंने उस समय मानसा के SSP नानक सिंह को भी इस बारे में सूचित किया था, जिसके बाद अमनदीप को वहां से हटा दिया गया था।

अमनदीप कौर 2011 में पंजाब पुलिस में भर्ती हुई। 14 साल के अपने जॉब करियर में वह तीसरी बार अरेस्ट हो चुकी है। उसने करोड़ों की संपत्ति बनाई, लेकिन अपने नाम पर 1 स्कूटी है। गिरफ्तारी से पहले वह बठिंडा के जिस पॉश इलाके की 8 मरले की कोठी में रह रही थी वो भी किसी और के नाम है। उसने तिब्बत ओरिजिन का शिह त्ज़ु डॉगी पाल रखा है। भारत में इसकी ब्रीड 60 हजार से डेढ़ लाख रुपए के बीच है जो इसकी पुरानी पीढ़ियों की हिस्ट्री पर डिपेंड करती है। ये डॉगी तिब्बत के लोग चीन के राजा को खुश करने के लिए भेंट करते थे। इसको पालना भी आसान नहीं है।

कोलकाता में रामनवमी रैली पर टारगेट हमला

बंगाल बीजेपी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार का दावा- गाड़ियों पर पत्थर बरसाए गए, पुलिस ने कहा- परमिशन नहीं थी

कोलकाता, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बीजेपी अध्यक्ष और सांसद सुकांत मजूमदार ने रविवार को दावा किया कि कोलकाता के पार्क सर्कस सेवन पॉइंट इलाके में रामनवमी की रैली पर हमला हुआ। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर वीडियो शेयर कर मजूमदार ने लिखा- सिर्फ भगवा झंडा ले जाने पर गाड़ियों पर पत्थर बरसाए गए। शीशे (विंडशील्ड) तोड़ दिए गए। अराजकता फैलाई गई। यह कोई सामान्य घटना नहीं बल्कि टारगेट हिंसा थी। जवाब में कोलकाता पुलिस ने कहा- किसी भी जुलूस के लिए परमिशन नहीं ली गई थी। न ही इलाके में ऐसी कोई ऐसी गतिविधि हुई। गाड़ी को नुकसान पहुंचने की सूचना मिलने पर पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया और स्थिति सामान्य है। जांच के लिए केस दर्ज किया जा रहा है। किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें।

देशभर में रविवार को रामनवमी मनाई गई। यूपी, एमपी, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, झारखंड में रामनवमी पर जुलूस निकाले गए। पश्चिम बंगाल में भाजपा और टीएमसी की लगभग 2500 जुलूस निर्धारित थे। राज्य में 6 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। ड्रोन और सीसीटीवी से नजर रखी गई।

रामनवमी पर बंगाली हिंदूओं ने सिस्टम हिला दियाः हिंसा के समय पुलिस कहां थी? वहीं थी और खामोश होकर देख रही थी।

सुप्रीम कोर्ट परिसर के 26 पेड़ों को ट्रांसप्लांट की मंजूरी

260 नए पेड़ लगाने के शर्त पर दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट भवन के विस्तार के लिए दिल्ली हाईकोर्ट ने परिसर में खड़े 26 पेड़ों के ट्रांसप्लांट की मंजूरी दे दी है। इस प्रोजेक्ट के तहत नए कोर्टरूम, कॉन्स्टीट्यूशनल कोर्ट, जजों के चैंबर और वकीलों के लिए अच्छी सुविधाएं बनाई जाएंगी।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट प्रोजेक्ट डिविजन-1 और सेंट्रल पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर 26 पेड़ ट्रांसप्लांट करने की परमिशन मांगी थी। इसको जस्टिस जस्मीत सिंह की बेंच ने मंजूरी दे दी। इसके बाद अब परिसर में मौजूद 16 पेड़ों को सुप्रीम कोर्ट गेट A और B के बीच बगीचे की किनारे वाली जगह पर ट्रांसप्लांट किया जाएगा। वहीं 10 पेड़ गेट नंबर 1 के पास एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग के कोने में शिफ्ट होंगे।

दिल्ली हाईकोर्ट ने पेड़ों को ट्रांसप्लांट करने की इजाजत देने से पहले 26 पेड़ों के बदले 260 नए पेड़ लगाने की शर्त रखी थी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वकील सुधीर मिश्रा ने कोर्ट को बताया कि ये सभी 260 पेड़ सुंदर नर्सरी में लगाए जा चुके हैं। कोर्ट ने कहा कि पेड़ ट्रांसप्लांट को लेकर ट्री ऑफिसर का पहले वाला आदेश (स्पीकिंग ऑर्डर) नहीं माना गया। इस कारण ट्री ऑफिसर को दो हफ्तों के अंदर नया स्पीकिंग ऑर्डर देना होगा। इसमें दिल्ली प्रिजर्वेशन ऑफ ट्रीज एक्ट और पहले के कोर्ट फैसलों के आधार पर परमिट देना होगा। पिछले महीने तेलंगाना में हैदराबाद यूनिवर्सिटी के पास 400 एकड़ जमीन पर पेड़ों की कटाई हुई। इसको लेकर हैदराबाद यूनिवर्सिटी के छात्रों ने बड़ी संख्या में विरोध किया। इस पर जब देशभर में विरोध शुरू हुआ तो सुप्रीम कोर्ट ने 3 अप्रैल को हैदराबाद यूनिवर्सिटी के पास की जमीन पर किसी भी तरह की गतिविधि पर रोक लगा दी। कोर्ट ने कहा- तेलंगाना सरकार को जमीन पर पेड़ों की सुरक्षा के अलावा कोई गतिविधि नहीं करनी चाहिए। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने राज्य में पेड़ों की कटाई को बहुत गंभीर बताया। पीठ ने कहा- तेलंगाना हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार की रिपोर्ट इसकी खतरनाक तस्वीर दिखाती है। रिपोर्ट से पता चलता है कि बड़ी संख्या में पेड़ काटे गए हैं।

इसके अलावा पीठ ने तेलंगाना के मुख्य सचिव से यूनिवर्सिटी के पास की जमीन पर पेड़ काटकर काम शुरू करने की जल्दी पर जवाब मांगा है। साथ ही पूछा है कि क्या राज्य ने इस तरह की गतिविधियों (पेड़ों की कटाई) के लिए पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव का असेसमेंट सार्टिफिकेट लिया है।

गुजरात में कांग्रेस के महाअधिवेशन पर सैम पित्रोदा ने कहा

सेशन में आइडियॉलोजी पर अच्छी चर्चा होती है, लेकिन एग्जिक्यूशन नहीं हो पाता

अहमदाबाद, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। मुझे गर्व है कि कांग्रेस पार्टी ने अपना अगला अधिवेशन गुजरात में आयोजित किया है। यह बहुत ही सामयिक कदम है, क्योंकि देश धीरे-धीरे गांधीवादी विचारों से दूर होता जा रहा है। अब यह कांग्रेस का काम है कि वह देखे कि इस विचारधारा को कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है। मेरा मानना है कि अधिवेशन में अच्छी चर्चा होती है। विचारधारा पर बात होती है, लेकिन क्रियान्वयन नहीं हो पाता। रायपुर और जयपुर में पिछले सम्मेलनों में लिए गए निर्णयों का कितना क्रियान्वयन हुआ है? ये शब्द हैं देश में टेलीकॉम क्रांति लाने वाले सैम पित्रोदा के। गुजरात में हो रहे अधिवेशन को लेकर दैनिक भास्कर ने उनसे बातचीत की। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह यह इंटरव्यू एक गुजराती और गांधीवादी के रूप में दे रहे हैं। सुरेन्द्रनगर जिले के हलवद तालुका के टिकर गांव के मूल निवासी 82 वर्षीय पित्रोदा फिलहाल अपने परिवार के साथ अमेरिका में रहते हैं।

अनंत अंबानी ने 170 किमी की पदयात्रा पूरी की

भगवान द्वारकाधीश का आभार व्यक्त किया, पत्नी राधिका मर्चेंट और मां नीता अंबानी भी पहुंची

अहमदाबाद, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरपर्सन मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी ने रविवार को अपनी 170 किमी की पदयात्रा पूरी की। अनंत तड़के श्री द्वारकाधीश मंदिर पहुंचे। अपनी यात्रा के समापन पर अनंत अंबानी ने भगवान द्वारकाधीश के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ' यह मेरी अपनी आध्यात्मिक यात्रा है। मैंने इसे भगवान का नाम लेकर शुरू किया था और उनका नाम लेकर ही इसे समाप्त करूंगा। मैं भगवान द्वारकाधीश को धन्यवाद देना चाहता हूं।' 10 अप्रैल को अनंत अंबानी का जन्मदिन है। अनंत अपना 30वां जन्मदिन द्वारका में ही मनाएंगे। अनंत ने अपनी यात्रा 28 मार्च को जामनगर के मोती खावड़ी से शुरू की थी। लोगों को ट्रैफिक और सिक्योरिटी के चलते मुश्किल से बचाने के लिए अनंत ज्यादातर रात में यात्रा करते थे। पदयात्रा के अंतिम दिन अनंत अंबानी के साथ उनकी पत्नी राधिका मर्चेंट और मां नीता अंबानी भी शामिल हुईं।

नीता अंबानी ने अपने बेटे की इस आध्यात्मिक यात्रा पर कहा, 'एक मां के लिए यह बहुत गर्व की बात है। मेरा बेटा अनंत द्वारकाधीश के इस पवित्र स्थान तक अपनी पदयात्रा पूरी करने में सफल रहा।' अनंत ने अपनी यात्रा कई स्वास्थ्य समस्याओं के बावजूद पूरी की। उन्हें कशिंग सिंड्रोम मोटापा, अस्थमा और सांस लेने में कठिनाई जैसी तकलीफ है। यात्रा के दौरान उन्होंने हनुमान चालीसा, सुंदरकांड और देवी स्तोत्र का भी जाप किया था।

मुनंबम जमीन विवाद

गांव की जमीन पर वक्फ बोर्ड के दावे की जांच जारी रखेगा न्यायिक आयोग

एर्नाकुलम,7 अप्रैल (एजेंसियां)। मुनंबम जमीन विवाद के मामले में सोमवार को केरल हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सुनवाई की। उच्च न्यायालय ने इस दौरान एक जज की बेंच के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें मामले की जांच के लिए न्यायिक आयोग के गठन को रद्द कर दिया गया था। गौरतलब है कि इस मामले में न्यायिक आयोग के गठन का एलान खुद केरल सरकार ने किया था। हालांकि, हाईकोर्ट की एकल जज की पीठ ने 17 मार्च को इस न्यायिक आयोग की नियुक्ति को रद्द कर दिया। इसी मामले में सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस नितिन जामदार और जस्टिस एस. मनु की डिवीजन बेंच ने एक अंतरिम आदेश पारित किया और एकल पीठ के फैसले पर रोक लगा दी।

हाईकोर्ट ने अपने ताजा आदेश में साफ किया कि न्यायिक आयोग अगले आदेश तक अस्थायी तौर पर काम करता रहेगा। अपील पर आगे की सुनवाई गर्मी की छुट्टियों के बाद जून में होगी।

अदालत के आदेश को लेकर केरल के कानून मंत्री पी. राजीव ने कहा कि अब आयोग अपना कार्य कर सकता है और सरकार जरूरी प्रक्रियाओं के साथ आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि एकल पीठ के आदेश की वजह से आयोग को अपना काम करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला। लेकिन अब यह आयोग अपना काम आगे बढ़ाएगा। उन्होंने साफ किया कि मुनंबम से किसी को भी नहीं निकाला जाएगा।

गौरतलब है कि बीते साल नवंबर में राज्य सरकार ने एक न्यायिक आयोग के गठन का एलान किया था। इसकी अध्यक्षता केरल हाईकोर्ट के पूर्व कार्यकारी चीफ जस्टिस सीएन रामचंद्रन नायर को सौंपी गई थी।

पंजाब के पुलिस स्टेशन पर आतंकी हमले का दावा

खालिस्तानी संगठन बब्बर खालसा ने लिखा- रॉकेट लॉन्चर से कराया, पीलीभीत एनकाउंटर का बदला लिया

गुरदासपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के बटाला में खालिस्तानी आतंकियों ने रविवार-सोमवार की रात किला लाल सिंह पुलिस स्टेशन पर हमला करने का दावा किया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बब्बर खालसा इंटरनेशनल ने लिखा कि हैप्पी पासियां ने इसकी जिम्मेदारी ली है। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में हुए एनकाउंटर का बदला लेने के लिए रॉकेट लॉन्चर से पुलिस स्टेशन पर हमला किया गया। किला लाल सिंह के पास रहने वाले लोगों ने बताया कि रात 3 बजे जोरदार धमाके की आवाज आई थी। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। फिलहाल कोई अधिकारी इस पर बयान नहीं दे रहा है। उनका कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। खालिस्तानी संगठन की ओर से की गई पोस्ट में लिखा है- ₹वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह... बटाला के निकट किला लाल सिंह गांव के पुलिस स्टेशन पर कल रात रॉकेट लांचर से हमला हुआ। इसकी जिम्मेदारी मैं हैप्पी पासियां, मन्नू अगवान और गोपी नवांशहरिया लेता हूं।

यह यूपी पीलीभीत और बटाला में पुलिस द्वारा किए गए एनकाउंटरों का बदला था। एनकाउंटर की कार्रवाई के दौरान मुंशी से लेकर पुलिस अधिकारी तक सभी पुलिसकर्मियों के नाम, जिनका नाम FIR में होगा, हम उन्हें 31 तारीख तक भाजी मोड़ेंगे (उनके किए की सजा देंगे)।

मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि ये हमले तब तक जारी रहेंगे, जब तक यह पुलिस सिख समुदाय पर अत्याचार करना बंद नहीं करेगी। हमारी सरकार के अत्याचारियों को इसी तरह जवाब मिलता रहेगा और अब सिखों को अपनी गुलामी का एहसास हो जाना चाहिए।

हम में से बाकी लोग और हमारा संगठन सरकार को एक घोषणा देना चाहते हैं। दिल्ली वासियों, हिम्मत रखो, सिंह समुदाय की रक्षा के लिए मैदान में उतर आए हैं। बहुत जल्द ही मिलते हैं। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में 23 दिसंबर 2024 को 3 खालिस्तानी आतंकियों को एनकाउंटर में मार गिराया गया था। पीलीभीत पुलिस और पंजाब पुलिस ने यह एनकाउंटर किया था। सभी आतंकी खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के सदस्य थे।

सुविचार

बीती को बीती कर, बीती बातों से शिक्षा लेकर आगे के लिए सावधान रहिये

भट्टी ने एचसीयू के छात्रों के खिलाफ दर्ज मामलों को तत्काल वापस लेने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने पुलिस अधिकारियों को कांचे गच्चीबावली भूमि मुद्दे के संबंध में हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय (एचसीयू) के छात्रों के खिलाफ दर्ज मामलों को तुरंत वापस लेने का आदेश दिया है। उपमुख्यमंत्री ने सोमवार को यहां सचिवालय में हैदराबाद विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (यूएचटीए) और नागरिक समाज समूहों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा के बाद आदेश जारी किए। भट्टी विक्रमार्क ने सुझाव दिया कि न्यायिक हिरासत में चल रहे दो छात्रों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। उन्होंने कानून विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मामलों को वापस लेने की प्रक्रिया में उत्पन्न होने वाली किसी भी कानूनी समस्या से बचने के लिए पुलिस अधिकारियों को उचित निर्देश प्रदान करें। कांचा गच्चीबावली भूमि मुद्दे को सुलझाने के लिए गठित उप-समिति के सदस्य मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, तेलंगाना के लिए एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, कांग्रेस कार्यसमिति के विशेष आमंत्रित सदस्य वामशी चंद रेड्डी, खुफिया महानिदेशक शिवधर रेड्डी, साइबराबाद पुलिस आयुक्त अभिषेक मोहंती और कानून विभाग के अधिकारी भी बैठक में मौजूद थे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क की अध्यक्षता वाली उप-समिति ने कहा कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार 400 एकड़ भूमि की सुरक्षा के लिए पुलिस की मौजूदगी जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार यूओएच प्रशासन को परिसर के बाकी हिस्सों से पुलिस को हटाने के अपने इरादे के बारे में लिखेगी और छात्रों और परिसर की संपत्ति की सुरक्षा के बारे में प्रशासन के आश्वासन के अधीन, 400 एकड़ भूमि को छोड़कर, परिसर से पुलिस को हटा लिया जाएगा। उक्त क्षेत्र में किसी भी गतिविधि को रोकने तथा यथास्थिति बनाए रखने के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के मद्देनजर, सरकार न्यायालय के अगले आदेश तक शिक्षकों तथा छात्रों सहित किसी को भी सर्वेक्षण की अनुमति नहीं दे सकेगी। समिति छात्रों के अनुरोध पर परिसर का दौरा करने के पक्ष में है, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय में चल रहे मामले तथा संभावित विवाद को देखते हुए, तत्काल दौरे की योजना नहीं बनाई जा सकती। हालांकि, समिति छात्रों को उनकी चिंताओं तथा सुझावों को सुनने के लिए बैठक के लिए आमंत्रित करती है। बैठक के दौरान, मंत्रियों ने नागरिक समाज समूहों तथा यूएचटीए द्वारा की गई अन्य मांगों तथा सुझावों का उचित संज्ञान लिया तथा नागरिक समूहों के परामर्श से उन पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

तेलंगाना विधान परिषद में नवनिर्वाचित एमएलसी ने ली शपथ

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने सोमवार को शिक्षक और विधायक कोटे से नव निर्वाचित एमएलसी को शपथ दिलाई। विधायक कोटे के तहत, कांग्रेस नेता विजयशांति, अद्दांकी दयाकर, शंकर नाइक, बीआरएस नेता दासोजू श्रवण और सीपीआई नेता नेल्लिकंती सत्यम को सर्वसम्मति से चुना गया।

इसी तरह, हाल ही में हुए करीमनगर स्नातक और शिक्षक एमएलसी चुनावों में, भाजपा उम्मीदवार अंजी रेड्डी और मल्का कोमरैया निर्वाचित हुए। पीआरटीयू का प्रतिनिधित्व करते हुए, श्रीपाल रेड्डी खम्मम शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से विजयी हुए। समारोह में केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, भाजपा सांसद के लक्ष्मण, आईटी मंत्री डी श्रीधर बाबू, सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और अन्य लोग शामिल हुए।

तेलंगाना सरकार का बड़ा कदम

400 एकड़ जमीन मामले में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने कांचा गच्चीबावली में 400 एकड़ जमीन से जुड़े मामले में सोमवार को हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की। याचिका में कथित तौर पर झूठी कहानियां फैलाने के लिए एआई-जनित सामग्री का इस्तेमाल करने के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

यह याचिका मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा कथित झूठे आख्यानों पर गंभीरता से संज्ञान लेने के बाद दायर की गई थी, जो हैदराबाद विश्वविद्यालय से सटे 400 एकड़ भूमि पर आईटी अवसंरचना विकसित करने के सरकार के कदम में बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने 5 अप्रैल को अधिकारियों को हैदराबाद विश्वविद्यालय की भूमि पर कथित अतिक्रमण के संबंध में "भ्रामक" एआई सामग्री के निर्माण की जांच के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाने का निर्देश दिया था। तेलंगाना सरकार द्वारा कांचा गच्चीबावली में 400 एकड़ भूमि को आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए विकसित करने की योजना का यूओएच छात्र संघ ने विरोध किया है। इस मामले की सुनवाई अब तेलंगाना उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में चल रही है। आंदोलनकारी छात्रों का दावा है कि 400 एकड़ जमीन विश्वविद्यालय की है, जबकि राज्य सरकार का कहना है कि यह जमीन उसकी है।

क्रिकेट सट्टा रैकेट का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। महाकाली पुलिस के साथ हैदराबाद के साउथ जोन टीम के कमिश्नर टास्क फोर्स के अधिकारियों ने चार ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा आयोजकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में गोदेला संदीप कुमार, एस. अभिषेक कुमार, विनय सिंह और पी. यशवंत गुप्ता शामिल हैं। आरोपियों की निशानदेही पर 92,120 रुपये की नकद और 4 सेल फोन जब्त किए गए। आरोपी व्यक्ति सिकंदराबाद, गोशामहल और मंगलहाट हैदराबाद में रहते हैं। वे ऑनलाइन वेब लिंक का उपयोग करके मुख्य बुकी एडेम निवासी नई दिल्ली की मदद से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी का आयोजन कर रहे हैं, जो सट्टेबाजों को लॉगिन आईडी और पासवर्ड प्रदान करते हैं, जो महांकाली पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत अवैध रूप से आसानी से पैसा कमाने का एक मौका का खेल है। गुप्त सूचना पर, आयुक्त की टास्क फोर्स, दक्षिण क्षेत्र टीम, हैदराबाद ने महांकाली पुलिस के साथ महाकाली मंदिर के पास आरोपियों को पकड़ा और राशि और सेल फोन जब्त कर लिए। पकड़े गए आरोपियों और जब्त की गई सामग्री को आगे की जांच के लिए एसएचओ महांकाली पीएस को सौंप दिया गया। गिरफ्तारियां एस. राघवेंद्र, पुलिस निरीक्षक, दक्षिण क्षेत्र और एसआई एस/एम. महेश, के. नरसिमुलु, जी. अंजनेयुलु, एन. नवीन और दक्षिण क्षेत्र टास्क फोर्स, हैदराबाद शहर के कर्मचारियों ने महाकाली पुलिस, हैदराबाद के साथ मिलकर की।

जन समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पहल की जाए : इलांबर्ती

> जन सुनवाई में आयुक्त ने शहर भर से आए लोगों के अनुरोध प्राप्त किए

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त इलांबर्ती ने अधिकारियों को प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान जनता से प्राप्त अनुरोधों को शीघ्रता से हल करने में पहल करने की सलाह दी। सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जन सुनवाई में आयुक्त ने शहर भर से आए लोगों के अनुरोध प्राप्त किए, उनकी गहन जांच की तथा संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही समाधान निकालने के निर्देश दिए। इस अवसर पर बोलते हुए आयुक्त इलांबर्ती ने कहा कि अधिकारियों को शहर के लोगों की समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करने के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समस्याओं का शीघ्र समाधान करें तथा यदि समस्या का समाधान न हो तो कारण स्पष्ट रूप से बताएं। जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जन सुनवाई के दौरान कुल 41 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 19 नगर नियोजन विभाग से संबंधित, 5 कर अनुभाग से, इंजीनियरिंग विभाग, प्रशासन, संपदा, सतर्कता, पशु चिकित्सा, वित्त और आवास विभागों से एक-एक, भूमि अधिग्रहण और खेल विभागों से तीन-तीन और फोन कॉल के माध्यम से 4 शिकायतें प्राप्त हुईं। जीएचएमसी के अंतर्गत छह क्षेत्रों में कुल 79 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 38 कुकटपल्ली जोन में, 13 सिकंदराबाद जोन में, 13 सेरिलिंगमपल्ली जोन में, 10 एलबी नगर जोन में, एक खैरताबाद जोन में और 4 चारमीनार जोन में प्राप्त हुए। सार्वजनिक कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त शिवकुमार नायुडू, वेणुगोपाल, रघु प्रसाद, चंद्रकांत रेड्डी, वेणुगोपाल रेड्डी, गीता राधिका, अतिरिक्त सीसीपी, प्रदीप, वाटर वर्क्स जीएम साई रमना, डिप्टी सीईओ पनासा रेड्डी सुनंदा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अब्दुल वकील, मूल्यांकन अधिकारी महेश कुलकर्णी, यूबीडी निदेशक वेंकटेश्वर राव और अन्य ने भाग लिया।

लिफ्ट दुर्घटना में तीन महिलाएं घायल

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार रात आसिफ नगर के मुराद नगर स्थित एक अपार्टमेंट परिसर में लिफ्ट के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से तीन महिलाएं घायल हो गईं।

स्थानीय निवासियों ने पुलिस को बताया कि यह घटना उस समय घटी जब लिफ्ट की रस्सी (ट्रैक्शन केबल) भूतल से चौथी मंजिल पर पहुंचते ही अचानक टूट गई, जिससे लिफ्ट केबिन और उसमें बैठे लोग नीचे गिर गए। जानकारी के अनुसार, इस घटना में तीन लोग घायल हुए हैं। अपार्टमेंट में रहने वाले अन्य लोगों ने जब जोरदार धमाका सुना तो वे मौके पर पहुंचे और पीड़ितों को बचाने लगे। उन्होंने तुरंत एंबुलेंस को भी बुलाया और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया।

उनकी हालत स्थिर है। हालांकि लिफ्ट में दो बच्चे भी थे, लेकिन वे सौभाग्य से बच गए। स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और लिफ्ट के फेल होने के कारणों और परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी। आसिफ नगर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पोनुगोटी ने अपनी पैतृक संपत्ति दान की

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया कन्फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड, हैदराबाद के उपाध्यक्ष और डेवलपमेंट एंड वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ द ब्लाइंड, हैदराबाद के महासचिव पोनुगोटी चोक्का राव ने अपने पैतृक गांव वेंकटद्रिपलेम, टिप्पर्थी मंडल में अपनी पैतृक संपत्ति को औपचारिक रूप से दान करने और ग्राम सचिव प्रसन्ना लक्ष्मी के माध्यम से ग्राम पंचायत को सौंपने के बारे में साझा किया, जिन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है और आश्वासन दिया है कि वह इसे आधिकारिक रूप से औपचारिक रूप देने के लिए अपने उच्च अधिकारियों के पास ले जाएंगी।

'बालों को फिर से उगाने वाले लोशन' की वजह से गंजे पहुंचे अस्पताल, स्पेशलिस्ट हुआ गायब

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूरे बाल पाने की चाहत में कई गंजे लोगों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा, जब एक नाई ने उनके गंजे सिर पर लोशन लगाकर बाल वापस उगने का आश्वासन दिया। यह घटना पुराने शहर के चंदूलाल बारादरी में घटी, जहां दिल्ली के एक नाई सह सोशल मीडिया प्रभावशाली व्यक्ति वकील सलमानी ने दावा किया कि वह बालों को दोबारा उगाने में मदद कर सकता है। फतेह दरवाजा रोड पर बिग बॉस सैलून में काम करने वाले वकील ने पहले लोगों के सिर मुंडवाए और फिर ब्रश से उनके सिर पर सफेद लोशन लगाया। इसके बाद ग्राहकों से कहा गया कि वे लगातार तीन दिन तक शैम्पू, साबुन या हेयर ऑयल का इस्तेमाल न करें, ताकि दवा अपना असर ठीक से दिखा सके।

शुरूआत में वकील ने इंस्टाग्राम और फेसबुक के ज़रिए अपने कारोबार का प्रचार किया। पोस्ट वायरल हो गए और शहर के दूर-दूर से दर्जनों पुरुष, बूढ़े और जवान, रोज़ाना सैलून में आने लगे। हर गुजरते दिन के साथ भीड़ बढ़ती गई और लोग कारों और ऑटो रिक्शा में आने लगे, जिससे व्यस्त मार्ग पर यातायात अव्यवस्था हो गई और स्थानीय निवासियों ने इसकी आलोचना की। इस बिंदु पर, वकील ने अपने सैलून के पास एक खुली सीमा से शो चलाने का फैसला किया। उन्होंने कुछ कुर्सियां रखीं और एक अस्थायी तिरपाल शेड बनाया और यहां से काम करना शुरू कर दिया। स्थानीय निवासी मोहम्मद ताजुद्दीन ने बताया कि हर रोज 100 से 150 लोग लोशन लगवाने के लिए कतार में खड़े होते हैं। ताजुद्दीन ने बताया कि उसने सिर मुंडवाने के लिए 100 रुपये लिए और लोगों से कहा कि लोशन मुफ्त में लगाया जा रहा है। उसने दावा किया कि अगर वह लोशन के लिए पैसे वसूलेगा तो इसका असर नहीं होगा।

कुछ दिन पहले तक यह धंधा चलता रहा, जब कुछ लोगों के सिर पर लोशन लगाने से चकत्ते पड़ गए और वे अस्पताल पहुंच गए। खबर फैल गई और वकील तक पहुंच गई। अनहोनी की आशंका से नाई ने धंधा बंद कर दिया और छिप गया। जिस जगह पर यह शो चल रहा था, वह कालापाथर पुलिस स्टेशन की सीमा में आता है। संपर्क करने पर कालापाथर पुलिस ने कहा कि अभी तक उन्हें किसी की तरफ से कोई शिकायत नहीं मिली है।

एचसीयू भूमि मामले की सुनवाई 24 अप्रैल तक स्थगित

पुलिस ने मन्ने कृष्णक को नोटिस जारी किया

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एचसीयू भूमि विवाद पर हाईकोर्ट में सुनवाई 24 अप्रैल तक स्थगित कर दी गई। खंडपीठ ने कहा कि यह मामला सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में आता है। हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि इस मामले में जवाबी हलफनामा और रिपोर्ट 24 अप्रैल तक पेश की जाए। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट एचसीयू भूमि विवाद की सुनवाई कर रहे हैं। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और पुलिस को 24 अप्रैल तक जवाबी हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया। केंद्र सरकार की ओर से वकील ने भी दलील दी कि सरकार को इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही गच्चीबावली पुलिस ने सोशल मीडिया पर प्रसारित फर्जी वीडियो और जंगल जलाने के वीडियो पर मामला दर्ज कर लिया है। सरकार के वकील ने कोर्ट को बताया कि पुलिस इस मामले में जांच रिपोर्ट के बारे में जवाबी हलफनामा दाखिल करेगी, जिसके बाद हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई 24 अप्रैल तक स्थगित कर दी। दूसरी ओर, गच्चीबावली पुलिस ने कांचा गच्चीबावली की जमीनों पर एआई का इस्तेमाल करके कुछ सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के लिए मामले दर्ज किए हैं। इसके तहत पुलिस ने बीआरएस नेता मन्ने कृष्णक को नोटिस दिया है। पुलिस ने कांचा गच्चीबावली की जमीनों पर एआई का इस्तेमाल करके सोशल मीडिया पर फर्जी वीडियो पोस्ट करने के लिए कृष्णक को नोटिस दिया है। पुलिस ने नोटिस में कहा है कि उन्हें इस महीने की 9, 10 और 11 तारीख को पूछताछ के लिए गच्चीबावली पुलिस स्टेशन आना चाहिए।

चाकू के साथ दो कुख्यात बदमाश गिरफ्तार

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ वेस्ट जोन टीम के अधिकारियों ने गोलकोंडा पुलिस के साथ मिलकर एक आरोपी और गोलकोंडा थाने के एक राउडीशीटर को हिरासत में लिया है, जो गोलकोंडा के बड़ा बाजार में पैसे ऐंठने के लिए जानलेवा चाकू लेकर दुकानदारों और आम लोगों को धमकाते हुए संदिग्ध तरीके से घूम रहे थे। उनके कब्जे से एक जानलेवा चाकू बरामद किया गया। आरोपी सैयद नवाज उर्फ नवाज (गोलकोंडा थाने का राउडीशीटर) निवासी शागली, रेशमबाग, गोलकोंडा, हैदराबाद, खाजा मोइनुद्दीन खान उर्फ इरशाद, निवासी बंजारी दरवाजा, गोलकोंडा, हैदराबाद अपराधी है। पुलिस के अनुसारआरोपी सैयद नवाज और खाजा मोइनुद्दीन खान गोलकोंडा इलाके के निवासी हैं और दोनों ही कॉमन फ्रेंड हैं। सैयद नवाज गोलकोंडा पुलिस स्टेशन का राउडीशीटर है जो हत्या के प्रयास, जबरन वसूली, चोरी और घातक हथियारों के अवैध कब्जे में शामिल है। जबकि, खाजा मोइनुद्दीन खान उर्फ इरशाद मुस्सा उर्फ मोहम्मद इरशाद की आपराधिक पृष्ठभूमि हत्या के प्रयास, जबरन वसूली और घातक हथियारों के अवैध कब्जे में शामिल है। वे बुरी आदतों और विलासितापूर्ण जीवन के आदी है। वे बीते पांच अप्रैल को सैयद नवाज और खाजा मोइनुद्दीन खान एक घातक चाकू से लैस होकर गोलकोंडा के बड़ा बाजार में एक दुकान पर गए। उन्होंने दुकान के मालिक को धमकाया, पैसे की मांग की और मना करने पर चाकू से धमकाते हुए सार्वजनिक अशांति पैदा की। गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, कमिश्नर टास्क फोर्स, दक्षिण पश्चिम ज़ोन टीम, हैदराबाद ने गोलकोंडा पुलिस के साथ मिलकर आरोपी सैयद नवाज और खाजा मोइनुद्दीन खान को पकड़ लिया और उनकी निशानदेही पर एक चाकू जब्त कर लिया। इसके अलावा, पकड़े गए आरोपियों और जब्त चाकू को आगे की कार्रवाई के लिए एसएचओ गोलकोंडा पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया। यह गिरफ्तारी पुलिस निरीक्षक एस. बाला स्वामी, टास्क फोर्स, दक्षिण पश्चिम क्षेत्र की निगरानी में एसआई बी. अजीत सिंह, टास्क फोर्स, दक्षिण पश्चिम क्षेत्र तथा गोलकोंडा पुलिस और उनके कर्मचारियों द्वारा की गई।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं.eT-WAT-SOUTH-05-2025, दिनांक: 01.04.2025

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/MYD/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन वादलापुड़ी-गेट जंक्शन के बीच कि.मी.879/11S-12S स्थित मानवयुक्त समपार सं.SP-6 को बंद करने के बदले में सीमित ऊँचाई वाले उपमार्ग (LHS) का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 9,50,30,632.60, EMD(रुपये में) : 6,25,200/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 06 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 24.04.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-9/Q/25-26

कांचा गच्चीबावली मुद्दे पर कांग्रेस नेताओं में मतभेद

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांचा गच्चीबावली विवाद ने राष्ट्रीय स्तर पर आलोचना के अलावा राज्य में मंत्रियों और कांग्रेस नेताओं के बीच मतभेद को भी जन्म दिया है। कांचा गच्चीबावली भूमि विवाद के सुर्खियों में आने के बाद से, कुछ मंत्रियों को छोड़कर, अन्य इस मुद्दे पर रणनीतिक और स्पष्ट चुप्पी बनाए हुए हैं।

स्थिति इतनी गंभीर है कि कांग्रेस आलाकमान को हस्तक्षेप करना पड़ा और नुकसान की भरपाई के लिए कदम उठाने पड़े। एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन पहले ही सचिवालय में राज्य सरकार द्वारा गठित तीन मंत्रियों की समिति से बातचीत कर चुकी हैं। उन्होंने छात्र संघों, शिक्षक संघों और विभिन्न सार्वजनिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठकें की हैं। राज्य सरकार मामले को दबाने की कोशिश कर रही है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट द्वारा अगले आदेश तक विवादित भूमि पर गतिविधियों को रोकने के आदेश के मद्देनजर उसे बड़ा झटका लगा है। इन सभी घटनाक्रमों के बीच उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, आईटी मंत्री डी श्रीशर बाबू और राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी सहित कुछ मंत्री जवाबी कार्रवाई में लगे हुए हैं, लेकिन अन्य इस मुद्दे से दूर रहना पसंद कर रहे हैं। गांधी भवन के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि कांचा गच्चीबावली विवाद कई लोगों के लिए कड़वी गोली साबित हुआ। इस मुद्दे पर मंत्रियों और नेताओं के बीच कुछ मतभेद हैं, खासकर जिस तरह से मामले को संभाला जा रहा है। वरिष्ठ नेता ने जोर देकर कहा कि बुलडोजरों की तैनाती, पेड़ों की कटाई, छात्रों के विरोध प्रदर्शन, गिरफ्तारियां और हर तरफ से आलोचना, इन सभी कारकों ने नेताओं को बैकफुट पर ला दिया है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने इस मुद्दे पर तीन मंत्रियों की समिति के गठन की घोषणा की थी। हालांकि, समिति में वन मंत्री कोंडा सुरेखा की अनुपस्थिति ने नेताओं के बीच चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि पूरा विवाद वन भूमि और समृद्ध जैव विविधता के विनाश को लेकर था।

सरकार का लक्ष्य दो लाख एआई इंजीनियरों को प्रशिक्षित करना है : मंत्री

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में दो लाख इंजीनियरों को प्रशिक्षित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। महावाणिज्य दूत एडगर पैंग के नेतृत्व में सिंगापुर के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को सचिवालय में श्रीधर बाबू से मुलाकात की। अपनी चर्चा के दौरान, मंत्री ने तेलंगाना को उभरती प्रौद्योगिकियों के केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बढ़ते क्षेत्र में नौकरी के अवसरों का लाभ उठाने के लिए अपने युवाओं को आवश्यक कौशल के साथ तैयार करने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। श्रीधर बाबू ने 'फ्यूचर सिटी' परियोजना के विकास के बारे में भी जानकारी दी, जिसका उद्देश्य वैश्विक मानकों को पूरा करना है, साथ ही उस पहल के तहत एक एआई विश्वविद्यालय की स्थापना भी है। उन्होंने उल्लेख किया कि कई अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने फ्यूचर सिटी पहल में भागीदारी करने में रुचि व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) के केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में ही आईटी, आतिथ्य और अन्य क्षेत्रों से संबंधित लगभग 70 जीसीसी शुरू किए गए हैं। श्रीधर बाबू ने राज्य भर में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार हैदराबाद से परे, खासकर वारंगल और करीमनगर जैसे शहरों में उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहित कर रही है। मंत्री ने दौरे पर आए प्रतिनिधिमंडल से स्थानीय उद्योगपतियों के बीच तेलंगाना में उद्योग स्थापित करने के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाने में मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने प्रौद्योगिकी, कौशल विकास और अन्य क्षेत्रों जैसे क्षेत्रों में सिंगापुर सरकार के साथ सहयोग करने के लिए राज्य की तत्परता की पुष्टि की। बैठक में वाणिज्यदूत वैष्णवी वासुदेवन, प्रथम सचिव (आर्थिक) विवेक रघु रमन और एंटरप्राइज सिंगापुर के क्षेत्रीय निदेशक (भारत-दक्षिण) डेनिस टैम सहित अन्य लोग शामिल हुए।

सपा नेता विनय शंकर तिवारी के घर ईडी रेड

गोरखपुर-लखनऊ समेत 8 ठिकानों पर सर्चिंग; भाई बोले- सरकार के इशारे पर सब हो रहा

गोरखपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। सपा नेता और पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी के 8 ठिकानों पर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की रेड पड़ी है। अलग-अलग बैंकों के 754 करोड़ रुपए हड़पने के मामले में यह कार्रवाई हो रही है। विनय शंकर तिवारी पूर्वांचल के कद्दावर नेता हरिशंकर तिवारी के बेटे हैं। हरिशंकर तिवारी की मौत हो चुकी है।

ईडी ने विनय शंकर तिवारी की कम्पनी गंगोत्री इंटरप्राइजेज के लखनऊ, नोएडा, गोरखपुर, मुंबई और दिल्ली के 8 ठिकानों पर सोमवार सुबह 6 बजे छापा मारा। गोरखपुर में दोपहर 1 बजे तक सर्चिंग चली, फिर टीम लौटी। महाराजगंज में विनय शंकर के रिश्तेदार दीपक पांडेय के यहां भी ईडी की टीम पहुंची। विनय शंकर के भाई कुशल शंकर तिवारी ने कहा- सरकार के इशारे पर सब हो रहा है। 18 मार्च 2024 को ईडी ने विनय शंकर तिवारी की कंपनी गंगोत्री इंटरप्राइजेज की 30.86 करोड़ रुपए की 12 प्रॉपर्टी अटैच की थी। ईडी ने अलग-अलग बैंकों के 754 करोड़ रुपए हड़पने के मामले में यह कार्रवाई की थी। इसमें गोरखपुर, लखनऊ और नोएडा की संपत्तियों को जब्त किया गया था। ईडी ने इस मामले की मुख्य आरोपी रीता तिवारी और अजीत पांडेय के साथ ही गंगोत्री इंटरप्राइजेज के प्रमोटर्स, डायरेक्टर्स, गारंटर्स और रॉयल एम्पायर मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड और कंदर्प कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के नाम दर्ज संपत्तियों को जब्त किया है। रीता तिवारी पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी की पत्नी हैं। विनय शंकर के भाई कुशल शंकर तिवारी ने कहा- एक कागज का टुकड़ा भी नहीं मिला। अगर ये सरकारी मुलाजिम हैं तो सम्मान करते हैं, लेकिन इस तरह बेवजह दबाव बनाया लोकतंत्र के खिलाफ है। सरकार के इशारे पर ये सब हो रहा है। सरकार का ये रवैया निंदनीय है। महराजगंज के कोल्हुई के पकड़ड़िया गांव में ईडी ने जिला पंचायत सदस्य दीपक पांडेय के घर पर छापेमारी की। ईडी की टीम सुबह 6.30 बजे उनके घर पहुंची। दो गाड़ियों से टीम आई थी। दीपक पांडेय पूर्व मंत्री पंडित हरिशंकर तिवारी के रिश्तेदार हैं। यह कार्रवाई सपा नेता विनय शंकर तिवारी के खिलाफ चल रही जांच से जुड़ी मानी जा रही है।

ईडी के मुताबिक, गंगोत्री इंटरप्राइजेज के निदेशकों, प्रमोटर, गारंटर ने मिलीभगत कर बैंकों के दिए 754 करोड़ रुपए की कैश क्रेडिट लिमिट को धोखाधड़ी करके हड़प लिया था। इनमें विनय शंकर तिवारी, पत्नी रीता तिवारी, अजीत कुमार पांडेय की मुख्य भूमिका सामने आई। इसके बाद उनकी 3 शहरों लखनऊ, गोरखपुर और नोएडा की वाणिज्यिक, आवासीय और कृषि भूमि को जब्त किया गया। दरअसल, बैंकों की शिकायत पर सीबीआई ने इस मामले में केस दर्ज किया था, जिसके आधार पर ईडीने भी नामजद आरोपियों के खिलाफ मनी लानड्रिंग का केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच में सामने आया कि बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले 7 बैंकों के कंसोर्टियम से गंगोत्री इंटरप्राइजेज ने 1129.44 करोड़ रुपए की कैश क्रेडिट लिमिट ली थी। बाद में इसे गंगोत्री इंटरप्राइजेज की सहयोगी कंपनियों में डायवर्ट करके निजी संपत्तियों को खरीदा गया।

ईडी ने इस मामले में 23 फरवरी 2024 को विनय शंकर तिवारी और उनके करीबियों के 10 ठिकानों पर छापा मारा था, जहां बैंकों की रकम से खरीदी गई तमाम संपत्तियों के दस्तावेज बरामद हुए थे। इस मामले में ईडी विनय शंकर तिवारी और उनके करीबियों की करीब 103 करोड़ रुपए की संपत्तियों को जब्त कर चुका है।

भागवत बोले-औरंगजेब को न मानने वालों का संघ में स्वागत

भारतीयों की पूजा पद्धति अलग, संस्कृति एक; काशी से बड़े मैसेज दिए

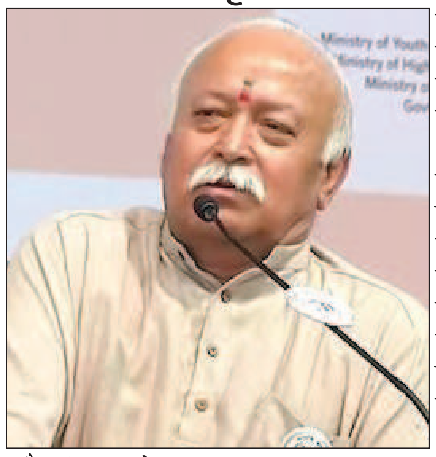

वाराणसी, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने काशी में कहा-औरंगजेब को आदर्श न मानने वाले भारतीयों का संघ में स्वागत है। शाखा में शामिल होने वाले सभी लोग भारत माता की जय बोलें और भगवा ध्वज के प्रति सम्मान प्रकट करें। उन्होंने कहा- भारतीयों का रहन-सहन, पूजा पद्धति अलग हो सकती है, लेकिन संस्कृति एक है। भागवत रविवार सुबह मलदहिया में संघ की शाखा में शामिल हुए। वहां स्वयं सेवकों के सवालों के जवाब दिए।

इससे पहले, 30 मार्च को नागपुर में पीएम मोदी ने भागवत से मुलाकात की थी। अपनी 5 दिवसीय काशी यात्रा में भागवत ने हिंदुत्व पर संदेश दिया। कहा- हिंदू समाज के सभी पंथ, जाति, समुदाय साथ आएं। श्मशान, मंदिर और पानी सब हिंदुओं के लिए एक होना चाहिए।

इसमें भेदभाव क्यों ?

दौरे के पहले दिन भागवत ने बीएचयू के 94 आईआईटीयन और 28 प्रोफेसर के साथ करीब 45 मिनट बात की। इस दौरान उन्हा कहा- आप लोग समय निकालकर गांव की तरफ जरूर जाएं। हम उत्तर प्रदेश की सभी 58 हजार ग्राम पंचायतों में शाखाएं लगवाने की तैयारी कर रहे हैं। भागवत ने 4 बड़े मैसेज दिए। पहला- हिंदू जातियों में नहीं बंटना चाहिए। दूसरा- गांवों में संघ की गतिविधियां बढ़ेंगी। तीसरा- गांव से लेकर शहर तक पढ़े-लिखे युवाओं को संघ से जोड़ा जाएगा। चौथा- 2027 से पहले बीजेपी और संघ एक होगा।

संघ का मानना है कि महाकुंभ के बाद हिंदुत्व को उभार मिला। 45 दिन में जिस तरह से 66.23 करोड़ लोग पहुंचे। ऐसा लगा कि महाकुंभ ने हिंदुओं की सभी जातियों को एक सूत्र में पिरोया। यह एक हिंदू पुनर्जागरण जैसा भाव देकर गया है। अब संघ चाहता है कि हिंदू दोबारा जातियों में बंटा हुआ न दिखे। सनातन को मजबूत करने के लिए उन्होंने पानी, मंदिर और श्मशान एक करने का मैसेज दिया। भागवत ने आईआईटी छात्रों से कहा- समाज में बड़ी विघटनकारी शक्तियां सक्रिय हैं। समाज को बांटने के लिए एक बड़ा बौद्धिक वर्ग भी सक्रिय है। इसके खिलाफ सभी को आगे आना होगा। मोहन भागवत काशी के अलावा मिर्जापुर, गाजीपुर, सोनभद्र भी गए। यहां संघ के अभियानों पर नए स्वयंसेवकों से बात की। उन्हें प्रदेश की सभी 58 हजार ग्राम पंचायतों तक पहुंचने का गुरुमंत्र दिया। उन्होंने शिक्षकों और छात्रों से कहा- आप संघ को ज्यादा समय दें। हमें गांव में शाखाएं शुरू करनी हैं, कई जगह हो भी रही हैं। वहां पंच प्रण यानी सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण की रक्षा, स्वदेशी भावना को बढ़ाना है। इससे हम उत्तम नागरिक का निर्माण कर सकते हैं। इनको जीवन में व्यावहारिक रूप से उतारने की जरूरत है। भागवत ने बौद्धिक सम्मेलन में युवाओं से बातचीत में साफ मैसेज दिया कि अब हमें संघ से ज्यादा से ज्यादा संख्या में युवाओं को जोड़ना है। इसके लिए स्कूल, कॉलेज, IIT और IIM जैसे बड़े संस्थानों तक संघ की सोच और संगठन के बारे में जानकारी पहुंचानी पड़ेगी। मोहन भागवत ने काशी और गोरखपुर दोनों प्रांतों के पदाधिकारियों से कहा- गांव में भी जो सबसे पढ़े-लिखे युवा हों, उन्हें संगठन से जोड़िए और क्षेत्र का चेहरा बनाइए। जातीय और सामाजिक असमानता सबसे ज्यादा ग्रामीण क्षेत्रों में दिखाई देती है। अगर हम हर गांव में 100 युवा संघ की विचारधारा के साथ तैयार कर पाएंगे तो वे जातीय और अन्य सामाजिक असमानताओं को दूर करने में अहम भूमिका अदा करेंगे। पीएम मोदी ने अपने नागपुर दौरे में स्वयंसेवकों की प्रयागराज के महाकुंभ मेले में भूमिका की सराहना की।

क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर ने किया सुसाइड

राइफल से एक गोली मिस हुई तो दूसरी कनपटी पर मारी

प्रयागराज, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रयागराज में इंस्पेक्टर तरुण पांडेय (52) ने लाइसेंसी राइफल से सिर में गोली मारकर सुसाइड कर लिया। वह वाराणसी क्राइम ब्रांच में तैनात थे। कुछ दिनों से प्रयागराज स्थित घर पर अकेले रहते थे। रविवार शाम करीब 5 बजे उन्होंने म्योर रोड स्थित घर में कनपटी पर गोली मारी। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे, लेकिन अंदर से गेट बंद था। आवाज देने पर कोई रिस्पान्स नहीं मिला तो पड़ोसियों ने 112 नंबर पर फोन कर पुलिस बुलाई। पुलिस गेट फांदकर अंदर गई तो इंस्पेक्टर का खून से लथपथ शव बेड पर पड़ा था। तरुण पांडेय को सितंबर में गैरहाजिर होने के चलते सस्पेंड किया गया था। वह रीढ़ की हड्डी में बीमारी के चलते परेशान थे। दिल्ली में उनका इलाज चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, इंस्पेक्टर तरुण पांडेय ने कनपटी में गोली मारी। शव बेड पर था। दोनों पैर जमीन की तरफ थे और पैर के बीच में राइफल थी। आधा शरीर बेड पर और पैर बेड से नीचे थे। जमीन पर बीयर की एक बोतल भी गिरी थी। इंस्पेक्टर के एक हाथ में मोबाइल था, जिसमें दिख रहा था कि वह किसी को वॉयस रिकॉर्डिंग भेजने जा रहे थे। वॉयस रिकॉर्डर ऑन था, हालांकि क्या कुछ रिकॉर्ड हो पाया था या नहीं, इस पर पुलिस अभी कुछ बता नहीं रही है। वह किसको रिकॉर्डिंग भेज रहे थे। यह पता नहीं चल पाया है। फोरेंसिक टीम ने कमरे की जांच में पाया कि एक गोली मिस हो गई, जबकि दूसरी गोली गले के निचले हिस्से को चीरती हुई सिर के ऊपरी हिस्से से आर-पार हो गई। इसके बाद गोली छत पर जा लगी। छत का प्लास्टर उखड़ गया। खून से लथपथ इंस्पेक्टर का चेहरा पहचानना मुश्किल हो रहा था। क्योंकि, गले में गोली लगने से उनकी आंखें तक बाहर निकल आई थीं। प्रयागराज के थरवई के रहने वाले सुनील यादव इंस्पेक्टर तरुण पांडेय की कार चलाते थे। उसने बताया कि साहब ने हमें 10 दिन पहले छुट्टी दी थी और कहा था कि तुम अपने घर जाओ। हम इलाज के लिए दिल्ली जा रहे हैं। दिल्ली से आने पर कॉल करके बुलाएंगे। शनिवार को ही वह दिल्ली से प्रयागराज लौटे थे।

गड्ढों में दबाकर रखे थे 5 करोड़ रुपये

पुलिस ने किया बरामद, आरोपियों ने खेत और घर में छिपाए थे

बागपत, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बागपत और शामली जिले में पुलिस ने करोड़ों की गबन की गई रकम गड्ढों से बरामद कर सनसनी फैला दी है। एटीएम में डालने के नाम पर बैंक से निकाले गए 5.26 करोड़ रुपये में से पांच करोड़ रुपये पुलिस ने खेत और घर में गड्ढे खोदकर बरामद किए हैं। ये बरामदगी रिमांड पर चल रहे मुख्य आरोपियों रॉकी और गौरव की निशानदेही पर हुई है। गौरव ने अपने गांव आरिफपुर खड़खड़ी में घर के अंदर भूसे के नीचे गड्ढा खोदकर नोटों से भरा बैग छिपा रखा था। वहीं रॉकी ने शामली के हसनपुर गांव में खेत में गड्ढा खोदकर करोड़ों दबा दिए थे। रविवार को दोनों ने खुद पुलिस को ये बैग बरामद कराए। 25 मार्च को गौरव और रॉकी को अवैध असलहे के साथ गिरफ्तार किया गया था। इनके साथ चंडीगढ़ पुलिस के इंस्पेक्टर, दो सिपाही और मनीष नामक युवक को भी आरोपी बनाया गया। खुलासा हुआ कि चंडीगढ़ पुलिस की सेटिंग से यह सारा खेल रचा गया था। गौरव, रॉकी समेत छह आरोपियों को बी वारंट पर बागपत लाया गया और पांच दिन की रिमांड पर पुलिस ने पूछताछ शुरू की। सबसे पहले मनीष ने चंडीगढ़ में छिपाकर रखे 50 हजार रुपये बरामद कराए। इसके बाद दोनों मुख्य आरोपियों ने बाक़ी रकम बरामद कराई। एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि आरोपियों की निशानदेही पर पांच करोड़ रुपये बरामद किए गए हैं। फिलहाल रुपयों की गिनती चल रही है। बाक़ी के पैसे आरोपियों ने मौज-मस्ती में खर्च किए या फिर चंडीगढ़ पुलिस, वकील और दोस्तों को बांट दिए।

बाइक छीनने के बाद कंपाउडर को मारी गोली

हथियार से लैस थे बाइक सवार तीन बदमाश

पूर्णिया, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्णिया में रामनवमी की रात बाइक सवार तीन बदमाशों ने बाइक छिनतई के बाद कंपाउंडर विजय कुमार (25) की सीने में गोली मारकर हत्या कर दी। घटना शहर के के. हाट थाना क्षेत्र के कोर्ट स्टेशन रेलवे फाटक की है। घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीओपी पंकज शर्मा, के. हाट थानाध्यक्ष उदय कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों, प्रत्यक्षदर्शी और घर वालों से पूछताछ की और मामले की छानबीन में जुट गई है। मृतक की पहचान बीकोठी थाना क्षेत्र के निपानिया गांव निवासी महेंद्र यादव के बेटे के रूप में हुई है। महेंद्र, लाइन बाजार स्थित पैथोलॉजी में बतौर कंपाउंडर काम किया था। इसके साथ ही वह रनिंग का प्रैक्टिस करता था। घटना की जानकारी देते हुए स्थानीय शंभू कुमार ने बताया कि विजय कुमार के.हाट थाना क्षेत्र के विद्यापति नगर वार्ड नंबर 17 में किराए का कमरा लेकर रह रहा था। वो लाइन बाजार स्थित एक पैथोलॉजी में कंपाउंड के तौर पर काम करता था। वो रोजाना की तरह रविवार को पैथोलॉजी का काम खत्म कर वापस अपने घर लौट रहा था। इसी क्रम में शहर के के. हाट थाना क्षेत्र के कोर्ट स्टेशन रेलवे फाटक के पास अंधेरे और सुनसान रास्ते का फायदा उठाकर तीन बदमाशों ने उसे रुकवाया और फिर पिस्टल के बल पर पल्सर बाइक की छिनतई कर ली। छिनतई के बाद इनमें से एक बदमाशों ने पिस्टल निकाल एक गोली सीधे युवक के सीने में मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद बदमाश पल्सर बाइक लेकर भाग निकले। शहर के के. हाट थाना क्षेत्र के कोर्ट स्टेशन रेलवे फाटक के पास 4 साल पहले भी सौरभ यादव नाम के एक शख्स की पीट पीटकर हत्या की गई थी। छिनतई के बाद बदमाश मौके से भाग निकले थे। वारदात के बाद मौके पर जुटे स्थानीय लोग विजय को लेकर पूर्णिया पहुंचे, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही परिजन मेडिकल कॉलेज पहुंच चुके हैं। वारदात के बाद से परिजनों में चीख-पुकार मची हुई है। इस मामले में सदर पंकज शर्मा ने बताया कि वारदात की सूचना मिलते ही वो दल-बल के साथ अस्पताल पहुंचे थे।

सीने में फंसी गोली, 3 दिनों तक भटका मरीज

4 अप्रैल की रात अपराधियों ने मारी थी बुलेट, प्राइवेट अस्पताल में इलाज के लिए कराया भर्ती

भागलपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। भागलपुर में 4 अप्रैल की रात एक अधेड़ को अज्ञात अपराधियों ने सीने में गोली मार दी। घटना के बाद गोली अधेड़ के सीने में फंस गई। मरीज पिछले तीन दिनों से सीने में फंसी गोली लेकर एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल भटकता रहा। आखिरकार सोमवार को मरीज को भागलपुर के एक प्राइवेट अस्पताल में एडमिट कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। अस्पताल के डायरेक्टर के मुताबिक, मरीज की स्पाइनल सर्जरी होगी। मरीज की पहचान 55 साल के ठाकुर मुर्मू के रूप में हुई है, जो आनंदपुर, सिमरा मोड़ बांका जिले के रहने वाले हैं। जानकारी के मुताबिक, मरीज की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है, जिसकी वजह से उन्हें एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल घूमना पड़ा। मरीज के परिजन के मुताबिक, घटना के बाद उन्हें बांका सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें मायागंज रेफर कर दिया गया। मायागंज पहुंचने के बाद कुछ लोगों ने मरीज के परिजन को प्राइवेट अस्पताल जाने की सलाह दी। लेकिन जब वे एक दो प्राइवेट अस्पताल पहुंचे तो इलाज का खर्च सुनकर परिजन परेशान हो गए और एक अस्पताल से दूसरे अस्पातल लेकर घूमने लगे। आखिरकार मरीज को भागलपुर के एक प्राइवेट अस्पताल में एडमिट कराया गया। मरीज ठाकुर मुर्मू की ओर से आनंदपुर थाने में दिए गए आवेदन के मुताबिक, वे अपनी पत्नी के साथ अपनी झोपड़ी में सो रहे थे। अचानक देर रात बदमाश आए और ठाकुर मुर्मू के सीने में गोली मार दी। गोली चलने की आवाज सुनकर ठाकुर मुर्मू की पत्नी उठी और शोर मचाना शुरू किया। शोर सुनकर ठाकुर मुर्मू का बेटा और बहू भी उठकर बाहर आए। फिर उन्हें अस्पताल ले जाया गया। ठाकुर मुर्मू पेशे से नाई हैं और खेती किसानी भी करते हैं। उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। उनके परिजन ने बताया कि हम लोगों की किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। ठाकुर की पत्नी पल्लू मरांडी ने कहा कि हम लोगों की किसी से कोई दुश्मनी नहीं है, हम लोग झोपड़ी में सोए हुए थे। अचानक दो लोग आए और मेरे पति को गोली मारकर फरार हो गए। पल्लू मरांडी ने कहा कि हम लोगों ने आनंदपुर थाना में 5 अप्रैल को अज्ञात अपराधियों की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई के लिए आवेदन दिया है। पटना के सर्जन डॉक्टर आलोक ने बताया कि अगर किसी भी मरीज के शरीर में 3 दिन से गोली फंसी हुई है तो मरीज की स्थिति काफी गंभीर हो सकती है, ये जानलेवा भी हो सकता है।

'मंत्रीजी दशरथ नहीं, सम्राट अशोक पर बोलिए'

झांसी में रामायण पर बोलने से रोका, मंच छोड़कर चले गए हरगोविंद कुशवाहा

झांसी, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। झांसी में दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री हरगोविंद कुशवाहा को रामायण पर बोलने से रोक दिया गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने कहा- दशरथजी और रामायण से मतलब नहीं है, सम्राट अशोक पर बोलिए। इससे नाराज होकर हरगोविंद कुशवाहा मंच छोड़कर चले गए। यह वाकया 5 अप्रैल का है। इसका वीडियो रविवार शाम को सामने आया। मंत्री हरगोविंद कुशवाहा मगरवारा गांव में सम्राट अशोक जन्मोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। रामायण पर बोलने का विरोध करने पर मंत्री ने कहा- यदि कोई राजनीति के प्रेरित होकर विरोध कर रहा है तो करता रहे। मैं उनको धन्यवाद दूंगा कि आज समाज में एक ऐसी चर्चा शुरू हुई। जिसको लेकर काफी दिनों से लोग गलतफहमी में थे। विरोध करने वालों को यदि रामायण की चौपाइयां पढ़ने से दिक्कत है तो होती रहे। बंगरा ब्लॉक के मगरवारा गांव में 5 अप्रैल को सम्राट अशोक महान जन्मोत्सव कार्यक्रम था। इसमें अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संस्थान के उपाध्यक्ष हरगोविंद कुशवाहा को बुलाया गया था। घटना का 1 मिनट 28 सेकेंड का वीडियो सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि राज्यमंत्री जैसे ही चौपाई पढ़ना शुरू करते हैं, तभी एक युवक बोलता है- मंत्रीजी सम्राट अशोक पर बोलिए। आज रामायण का कुछ काम नहीं है। हरगोविंद कुशवाहा कहते हैं- मुझे क्या बोलना है, आपसे पूछकर नहीं बोलेंगे। युवक कहता है- आप टाइम खा (बर्बाद) रहे हैं। राज्यमंत्री बोले- तो मैं बोलना बंद कर देता हूं और माइक बंद करके पीछे देने लगते हैं। लोग कहते हैं कि नहीं बोलिए आप। युवक फिर कहता है- सम्राट अशोक पर बोलिए, लोगों को जानकारी हो। राज्यमंत्री के पूछने पर युवक अपना नाम प्रेम कुशवाहा बताता है। वो फिर कहता है- आज रामायण का कुछ नहीं है। दशरथजी से हमें कुछ मतलब नहीं है। राज्यमंत्री कहते हैं- अरे हम लवकुश की संतान हैं तो रामायण पर जाएंगे। युवक कहता है कि लवकुश की नहीं हैं, सम्राट अशोक की हैं। राज्यमंत्री कहते हैं सम्राट अशोक बहुत बाद में आए। तब युवक कहता है नहीं आए बाद में। फिर लोग सम्राट अशोक के जयकारे लगाने लगते हैं। इसके बाद राज्यमंत्री कहते हैं कि हम एक उदाहरण दे रहे थे, अब बोल ही नहीं रहे। फिर जय हिंद जय भारत कहकर वो माइक रखकर मंच से उतरकर कार्यक्रम छोड़कर चले गए। हरगोविंद कुशवाहा ने 1969 में चौधरी चरण सिंह से प्रभावित होकर राजनीति में आए। समाजवादी पार्टी के बड़े नेता रहे। वे पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के करीबी थे। झांसी लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं।

पारिवारिक विवाद में महिला ने 2 बेटियों संग खाई जहर

मधेपुरा में गेहूं काटने के दौरान पति से हुआ था झगड़ा, पुलिस हिरासत में पति

मधेपुरा, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। मधेपुरा में पारिवारिक विवाद के चलते महिला ने अपनी दो मासूम बेटियों संग जहर खाकर आत्महत्या कर ली। घटना मुरलीगंज थाना क्षेत्र के बेलोडीह गांव के वार्ड संख्या-4 की है। मृतकों की पहचान राजेश राम की पत्नी चंदन देवी (26) और उसकी बेटी रागिनी कुमारी (5) और निधि कुमारी (3) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतका के ससुराल वाले काफी गरीब हैं। दूसरे के खेतों में मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। रविवार को पति-पत्नी किसी दूसरे के खेत में गेहूं काटने के लिए गए थे। खेत में ही दोनों के बीच विवाद हुआ था, जिसके बाद चंदन देवी घर चली गई। पहले अपनी दोनों बेटियों को जहर खिलाया, फिर खुद भी जहर खा लिया। कुछ देर बाद जब पति मजदूरी कर घर आया, तो उसे पूरे मामले की जानकारी मिली। ग्रामीण डॉक्टर के पास तीनों को ले गए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मृतका के पिता प्रमोद राम ने बताया कि 2019 में चंदन और राजेश की शादी हुई थी। शादी के कुछ साल बाद से ही दोनों में झगड़ा होना शुरू हो गया था। आए दिन दोनों छोटी-छोटी बातों पर लड़ते रहते थे। एक बार विवाद ज्यादा बढ़ने पर अपनी बेटी को अपने साथ लेकर चला गया। उसकी दोनों बेटी को उसके पति के हवाले करके। लेकिन कुछ दिन बाद मुखिया और राजेश के आग्रह करने पर चंदन वापस ससुराल आ गई थी। मुखिया ने आश्वासन दिया था कि अब दोनों के बीच झगड़ा नहीं होगा। मुखिया कि बात पर भरोसा करके और अपनी दोनों नातिन का मुंह देखकर मैंने उसे आने दिया था। किसी को आशंका नहीं था कि यह विवाद इतना गंभीर रूप ले सकता है। उन्होंने बताया कि चंदन कहती थी कि सास-ससुर भी अक्सर झगड़ा करते थे। घटना की सूचना मिलते ही मुरलीगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पति को हिरासत में ले लिया है। सास और ननद फरार है। मुरलीगंज थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है।

अवैध संबंध को लेकर बच्चों के सामने पत्नी की हत्या

रात भर लाश के पास बैठा रहा, बेटी बोली-पापा ने मां का मुंह दबाया फिर कुल्हाड़ी से मारा

बगहा, वाल्मीकिनगर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बगहा में रविवार रात अवैध संबंध के शक में पति ने पत्नी की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी। महिला के चेहरे पर कुल्हाड़ी से कई बार वार किए गए हैं। पत्नी की हत्या के बाद आरोपी पति रातभर लाश के पास बैठा रहा। स्थानीय लोगों के मुताबिक, आरोपी ने लोगों से सुबह पुलिस थाने में सरेंडर करने की बात कही थी, लेकिन फरार हो गया। मृतका की पहचान पूजा देवी (30) के रूप में हुई है। उसकी शादी 2005 में भगन राम (33) से हुई थी। दंपत्ति के तीन छोटे बच्चे हैं। उनके नाम सोनू कुमार (10), सुनीता कुमारी (8) और रितेश (6) है। पुलिस आरोपी भगन राम की तलाश में जुटी है। घटना पश्चिम चंपारण के धनहा थाना क्षेत्र अंतर्गत देवीपुर गांव की है। बेटी सुनीता ने बताया, 'पापा 12 बजे घर आए थे। हम लोग खाना खाकर सो गए थे। पापा ने घर का लाइट बंद कर पहले मां का मुंह दबाया। फिर मां को कुल्हाड़ी से कई बार मारे। इसके बाद सुबह घर से भाग गए।' फिलहाल महिला के मायके वाले तीनों बच्चों को अपने साथ ले गए हैं।

बताया जा रहा है कि आरोपी किसी काम से बाहर निकला हुआ था। रविवार को अचानक वह घर लौटा। इसी दौरान उसने अपनी पत्नी को किसी अन्य व्यक्ति के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया। पहले दोनों में लड़ाई हुई, फिर गुस्से में भगन ने कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर पूजा देवी की हत्या कर दी।

इस दौरान तीनों बच्चे घर में सो रहे थे। हालांकि, लड़ाई के दौरान सुनीता जाग गई थी। उसने अपने पिता को मां को मारते हुए देख लिया। स्थानीय लोगों का कहना है, 'हत्या के बाद आरोपी पति रात भर घर में लाश के पास बैठा रहा और सुबह करीब 5 बजे घर से निकला। उसने गांव वालों से कहा कि वह थाने जाकर सरेंडर करेगा, लेकिन वह थाने नहीं पहुंचा और लापता हो गया।

हत्या की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने फौरन पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद थानाध्यक्ष धर्मवीर भारती के नेतृत्व में पुलिस मौके पर पहुंची। पूजा देवी की लाश घर में खून से लथपथ पड़ी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं, पुलिस ने तीनों बच्चों के बयान भी दर्ज किए हैं।

अखिलेश बोले-लाल जी सुमन को कुछ हुआ तो सीएम जिम्मेदार

करणी सेना पर उनका हाथ, पूरे यूपी में गोरखपुर के लोग राज कर रहे

लखनऊ, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- अगर राणा सांगा पर दिए बयान को लेकर सांसद रामजी लाल सुमन के साथ कोई घटना होती है तो इसके लिए सीएम खुद जिम्मेदार होंगे। क्योंकि वो खुद उस संगठन (करणी सेना) पर हाथ रखे हैं। उन्होंने कहा कि सीएम ऐसे लोगों को बढ़ावा दे रहे हैं। जिस तरह से हिटलर के जमाने में होता था। वहीं इस सरकार में हो रहा है। एक अंडरग्राउंड फौज तैयार कर रखी है। जो समय समय पर थाने में लोगों को अपमानित कर रही है। तहसील में अपमानित कर रही है। अखिलेश ने कहा- भाजपा अपनी नाकामी छिपाने के लिए कम्यूनल रास्ता अपना रही है। खासकर सबसे अयोध्या हारी है। तब से और कम्यूनल हो रही है। पूरे यूपी पर गोरखपुर के लोग राज कर रहे हैं। लखनऊ में सपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश ने ये बातें कहीं। उन्होंने खुद बसपा के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री दद्दू प्रसाद को सपा की सदस्यता दिलाई। इसके अलावा, बसपा के पूर्व कॉर्डिनेटर सलाउद्दीन ने भी सपा जॉइन की। अखिलेश ने केंद्र सरकार की मुद्रा योजना के आंकड़ों को लेकर सवाल उठाए। कहा कि मुद्रा योजना झूठ योजना बनकर रह गई। मुद्रा योजना के तहत 33 लाख करोड़ बांटे गए। इनकी कोई जांच हुई? 52 करोड़ लोगों को लोन दिया गया है तो बेरोजगारी जीरो होनी चाहिए थी। इसका जवाब कौन देगा सरकार या बैंक?उन्होंने कहा कि एक बार फिर मैं मंदिर चला गया तो पूरा मंदिर धोया गया था। अगर 80-20 का गणित उनके पास है तो ये लड़ाई 90-10 की है। रिवर फ्रंट के फव्वारे चोरी कर गोरखपुर भेज दिए। वाटर बस को प्रयागराज भेज दिया गया।मुख्यमंत्री से पूछा जाए कि जीरो पॉवर्टी होती क्या है। 15 करोड़ लोग राशन पा रहे हैं।

लखनऊ में पटाखा बनाते वक्त धमाका

कारखाने का टीन शेड उड़ा, कारीगर घायल

लखनऊ, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। लखनऊ में पटाखा गोदाम में धमाका हो गया। इससे गोदाम का टीन शेड उड़ गया। धमाके से इलाके में दहशत फैल गई। घटना गोसाईंगंज इलाके की है। यहां खेत में टेंपरेरी गोदाम में पटाखा बनाया जा रहा था। धमाके में एक मजदूर के घायल होने की खबर है। मौके पर तमाम ग्रामीण पहुंच गए हैं। लोगों ने जाकर देखा तो जौखंडी निवासी कारीगर सलमान को गोदाम के मलबे में गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा था। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। गांव के बाहर खेत में कारखाना बना रखा था। जौखंडी गांव का रहने वाला निसार गांव के बाहर पटाखा बनाने का कारखाना चलाता है। ग्रामीणों के मुताबिक, सोमवार दोपहर 12.30 बजे निसार का भाई सलमान पटाखा बना रहा था। इसी बीच विस्फोट हो गया। विस्फोट होने पर कारखाने में रखे पटाखे और बारूद में विस्फोट होने लगे। धमाके की गूंज सुन गांव वाले घटना स्थल पर पहुंच गए। लोगों ने देखा सलमान गोदाम के मलबे में दबा था। किसी तरह से उसे निकाला।

कुणाल कामरा को बॉम्बे हाईकोर्ट से राहत
17 अप्रैल तक बढ़ाई अंतरिम सुरक्षा
एफआईआर रद्द करने की याचिका पर आज होगी सुनवाई

मुंबई, 7 अप्रैल(एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर पैरोडी सॉन्ग मामले में कॉमेडियन कुणाल कामरा को बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को बड़ी राहत दी। कोर्ट ने मुंबई पुलिस की एफआईआर में कामरा को दी गई अंतरिम सुरक्षा को 17 अप्रैल तक बढ़ा दिया है, जो आज समाप्त होने वाली थी।

इसके अलावा कामरा ने अपने खिलाफ दर्ज मामले को रद्द करने की मांग करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका भी दायर की है। उन्होंने अपनी याचिका पर सोमवार को तत्काल सुनवाई की मांग की थी। हालांकि, कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई करने से इनकार कर दिया और मंगलवार, 8 अप्रैल को इस मामले में सुनवाई को मंजूरी दी है।

बता दें, कामरा ने 5 अप्रैल को हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें दावा किया गया है कि उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर संविधान से उन्हें मिले मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

वहीं, टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म ने शनिवार को कॉमेडियन कुणाल कामरा का नाम अपनी वेबसाइट की आर्टिस्ट्स लिस्ट से हटा दिया था। साथ ही कामरा से जुड़ा सारा कंटेंट भी वेबसाइट से रिमूव कर दिया है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को कामरा ने अपने शो में गद्दार कहा था। इसके बाद शिवसेना नेता राहुल कनाल ने 3 अप्रैल को बुक माई शो को लेटर लिखकर उनके शो की टिकट नहीं बेचने की मांग की थी।

इसके अलावा कुणाल कामरा तीसरे समन पर भी मुंबई पुलिस के सामने पेश नहीं हुए थे। 2 अप्रैल को उन्हें तीसरा समन भेजा गया था, जिसमें 5 अप्रैल को पेश होने को कहा गया था। दरअसल, कुणाल कामरा के खिलाफ मुंबई के खार थाने में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर पैरोडी सॉन्ग मामले में एफआईआर दर्ज है। कामरा ने स्टैंडअप कॉमेडी शो में पैरोडी की थी, जिसमें शिंदे को गद्दार कहा गया था।

इससे पहले 31 मार्च को मुंबई पुलिस कॉमेडियन कुणाल कामरा के घर पहुंची थी। इस पर कामरा ने सोशल मीडिया पर लिखा था- 'ऐसे पते पर जाना, जहां मैं पिछले दस सालों से नहीं रह रहा हूं। आपके समय और पब्लिक रिसोर्स की बर्बादी है।'

कुणाल कामरा 1 अप्रैल को मद्रास हाईकोर्ट में पेश हुए थे। उन्होंने दावा किया था कि पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है, इसलिए उन्हें ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी जाए। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सुंदर मोहन ने कामरा को ट्रांजिट अग्रिम जमानत दे दी। इसके बाद उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया था। हालांकि, इससे पहले 28 मार्च को हाईकोर्ट ने कामरा को 7 अप्रैल तक की अग्रिम जमानत दी थी।

सुप्रीम कोर्ट बोला- यूपी में जो हो रहा, वो गलत
इन्वेस्टिगेटिंग अफसर को कटघरे में खड़ा करो, डीजीपी 14 दिन में अपना जवाब दें

गाजियाबाद, 7 अप्रैल(एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को यूपी पुलिस को कड़ी फटकार लगाई है। सिविल मुकदमों को क्रिमिनल केस में बदले जाने पर चीफ जस्टिस (सीजेआई) संजीव खन्ना ने कहा, यूपी में जो हो रहा है, वह गलत है। चीफ जस्टिस ने कहा, हर रोज सिविल मुकदमों को आपराधिक मामलों में बदला जा रहा है। यह बेतुका है, सिर्फ पैसे नहीं देने को अपराध नहीं बनाया जा सकता, ये कानून के शासन का पूरी तरह ब्रेकडाउन है। सीजेआई ने कहा, इन्वेस्टिगेटिंग अफसर को कटघरे में खड़ा करो और क्रिमिनल केस बनाओ। अधिकारी को भी तो सबक मिलना चाहिए। चार्जशीट फाइल करने ये कोई तरीका नहीं है। डिप्टी जनरल ऑफ पुलिस से भी कहेंगे कि यूपी में ये जो हो रहा है, वह उसमें कुछ करें। उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि आगे से इस तरह के मामलों में पुलिस पर जुर्माना लगेगा।

दरअसल, ग्रेटर नोएडा में पैसे के लेनदेन के एक मामले को पुलिस ने सिविल केस की जगह क्रिमिनल केस बनाते हुए चार्जशीट दाखिल कर दी थी। याचिककर्ता का कहना था कि पुलिस ने पैसे लेकर मामले को क्रिमिनल बना दिया। पुलिस ने सिविल मुकदमे को आपराधिक मामले में तब्दील करने के बाद समन जारी किया। याचिकाकर्ता ने इसके खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया और एफआईआर रद्द करने की मांग की।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा- उत्तर प्रदेश के वकील सिविल अधिकार क्षेत्र को भूल गए हैं, यह कानून के शासन का पूरी तरह से पतन दिखाता है।

उत्तर प्रदेश में मुकदमों को लेकर जो हो रहा है, वो गलत है। हर दिन सिविल केस आपराधिक मुकदमों में तब्दील हो रहे हैं। ये बहुत बेतुकी बात है, सिर्फ पैसे न दे पाने को अपराध नहीं कह सकते हैं। मैं IO से भी कटघरे में आने के लिए कहूंगा। IO को कटघरे में खड़ा करो और आपराधिक मामला बनाओ। हम ये निर्देश देते हैं, उन्हें भी तो सबक मिले, ये कोई तरीका नहीं है चार्जशीट फाइल करने का। चौंकाने वाली बात तो ये है कि आए दिन यूपी में ये हो रहा है, वकील भूल गए हैं कि नागरिक क्षेत्राधिकार भी है।

संजीव खन्ना ने कहा, अगर अब फिर से इस तरह का कोई मामला आया तो पुलिस पर जुर्माना लगाएंगे। खन्ना ने डीजीपी और आईओ से कहा कि फैसले में कोर्ट ने जो निर्देश दिए हैं, उसको लेकर एफिडेविट जमा करें और आईओ को अदालत में पेश होकर अपना बयान दर्ज करना होगा। एफिडेविट दाखिल करने के लिए दो हफ्तों का समय दिया गया है और मामले को 5 मई के लिए रिलिस्ट कर दिया गया है। यूपी पुलिस के वकील ने कोर्ट के इस निर्देश पर आपत्ति जताई, लेकिन सीजेआई ने कहा कि उन्हें एफिडेविट जमा करने दीजिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही पर तब तक रोक रहेगी।

यह पहली बार नहीं है जब मुख्य न्यायाधीश ने सिविल मामलों को आपराधिक मामलों में बदलने की बढ़ती प्रवृत्ति को चिह्नित किया है। पिछले दिसंबर, 2024 में उन्होंने कहा था कि यह प्रथा कुछ राज्यों में बड़े पैमाने पर है। उन्होंने कहा था कि सिविल मामलों को बार-बार आपराधिक मामलों में बदलने से न्यायपालिका पर ऐसे मामलों का बोझ पड़ता है, जिन्हें सिविल अधिकार क्षेत्र द्वारा निपटाया जा सकता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने अपने अपार्टमेंट में सुसाइड किया

बेंगलुरु, 7 अप्रैल(एजेंसियां)। चिक्काबनवारा इलाके में रहने वाले पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत नायर ने सुसाइड कर लिया। उनका शव उनके अपार्टमेंट में फांसी के फंदे पर लटका मिला। पुलिस ने बताया कि प्रशांत लेनोवो कंपनी में काम करता था। उसकी पत्नी पूजा नायर भी सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। दोनों की शादी 12 साल पहले हुई थी। उनकी 8 साल की बेटी भी है। पुलिस के मुताबिक प्रशांत के पिता ने बताया कि बेटा और बहू के बीच अनबन चल रही थी। दोनों अलग-अलग रह रहे थे। बेटा इसके कारण परेशान चल रहा था।

हिन्दू दो नहीं, चार बच्चे पैदा करें
अखाड़ा परिषद अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज ने की अपील, कहा-सनातन धर्म के लिए संत जरूरी

उज्जैन, 7 अप्रैल(एजेंसियां)। अष्टमी के मौके पर उज्जैन पहुंचे अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी महाराज ने हिन्दू समाज से अपील की है कि वे तीन से चार बच्चे पैदा करें और उनमें से एक को संत बनने के लिए प्रेरित करें, ताकि सनातन धर्म और देश की रक्षा सुनिश्चित की जा सके। आज अधिकतर हिन्दू सिर्फ दो बच्चों पर रुक जाते हैं। यदि सभी ऐसा करेंगे तो आने वाले समय में संतों की संख्या कम हो जाएगी। इसलिए हिन्दू परिवारों को कम से कम चार संतानें उत्पन्न करनी चाहिए, जिनमें से एक को संन्यास के मार्ग पर चलने के लिए तैयार किया जाए। उन्होंने दावा किया कि देशभर से भक्त उनके पास फोन कर रहे हैं, जो अपने बच्चों को संत बनाना चाहते हैं। महाराज का कहना है कि यह धर्म और राष्ट्र दोनों के हित में है। बिहार की राजनीति पर बोलते हुए रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि तेजस्वी यादव भले ही मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे हों, लेकिन अब उनका यह सपना पूरा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री स्पष्ट कर चुके हैं कि बिहार में अगली सरकार भाजपा की ही बनेगी।

साथ ही उन्होंने दावा किया कि लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। ₹चारा घोटाले समेत पुराने मामलों की फिर से जांच शुरू हो चुकी है। आने वाला समय उनके लिए और कठिन हो सकता है। रविंद्र पुरी महाराज बीते तीन दिनों से उज्जैन में हैं और बड़नगर रोड स्थित निरंजनी अखाड़े में कन्या पूजन और भंडारे के कार्यक्रम में शामिल हुए।

मतदान के दौरान वीवीपैट पर्चियों की 100% गिनती की याचिका खारिज

नई दिल्ली, 7 अप्रैल(एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका की सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें चुनाव आयोग को इलेक्ट्रॉनिक गिनती के अलावा वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) पर्चियों की 100 प्रतिशत हाथों से गिनती के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ इस मुद्दे पर दिल्ली उच्च न्यायालय के 12 अगस्त, 2024 के फैसले के खिलाफ हंस राज जैन की याचिका पर विचार कर रही थी।

सीजेआई ने हंस राज जैन की अपील को खारिज करते हुए कहा, 'हमें (दिल्ली उच्च न्यायालय के) विवादित फैसले में हस्तक्षेप करने का कोई अच्छा आधार नहीं मिला।

विशेष अनुमति याचिका खारिज की जाती है'। सीजेआई ने आगे कहा कि उनके नेतृत्व वाली शीर्ष अदालत की पीठ ने पहले भी इसी तरह के मुद्दे उठाते हुए एक फैसला सुनाया था और इसे बार-बार नहीं उठाया जा सकता।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के डेटा का वीवीपीएटी रिकॉर्ड के साथ 100 प्रतिशत क्रॉस-सत्यापन करने की मांग करने वाली याचिकाओं को खारिज करते हुए शीर्ष अदालत ने तब कहा था कि ईवीएम सुरक्षित, सरल, सुरक्षित और उपयोगकर्ता के अनुकूल हैं।

पिछले साल 12 अगस्त को दिल्ली उच्च न्यायालय ने शीर्ष अदालत के फैसलों का हवाला दिया और जैन की याचिका को खारिज कर दिया। इसके बाद उसने अपने फैसले की समीक्षा की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया। हंस राज जैन ने चुनाव आयोग को भविष्य में वीवीपीएटी प्रणाली के उपयुक्त प्रोटोटाइप का उपयोग करने के निर्देश देने की मांग की, जिसमें प्रिंटर को खुला रखा जाता है और मुद्रित मतपत्र, जो कट जाता है और प्रिंटर से बाहर गिर जाता है, मतदान केंद्र छोड़ने से पहले पीठासीन अधिकारी को देने से पहले मतदाता की तरफ सत्यापन के अधीन होता है।

उन्होंने कहा कि नियंत्रण इकाई की तरफ से इलेक्ट्रॉनिक गिनती के अलावा वीवीपीएटी पर्चियों की 100 प्रतिशत गिनती होनी चाहिए।

ड्रग फैक्ट्री सरगना शोएब लाला 6 महीने बाद भी फरार

भोपाल, 7 अप्रैल(एजेंसियां)। भोपाल के बगरोदा में 6 महीने पहले दिल्ली एनसीबी ने जिस ड्रग फैक्ट्री में छापा मारा और 1834 करोड़ का ड्रग पकड़ा वहां कुख्यात ड्रग तस्कर शोएब लाला स्वयं माल लेने आया करता था। 20-20 किलो ड्रग बोरियों में भरकर पैक किया जाता फिर बॉक्स में रख दिया जाता था। माल कीमती होने के चलते शोएब किसी पर भरोसा नहीं करता था। वह स्वयं साथी हरीश आंजना के साथ ट्रक और कार लेकर डिलीवरी लेने आता था। माल कहां और किसी खपाया जाता था उसके अलावा किसी को नहीं पता होता था। आपस में संपर्क रखने के लिए केवल वॉट्सऐप कॉल का इस्तेमाल करता था। हर बार नए नंबर से कॉल करता था। जिन सिम का इस्तेमाल वह करता था, सभी फर्जी होती थीं। एमडी तैयार करने वाले सान्याल बाने को भी उसने एक सिम दे रखी थी। यह सिम भी फर्जी दस्तावेजों पर उठाई गई थी। सान्याल को ड्रग तैयार करने के एवज में शोएब दो लाख रुपए महीने की सैलरी देता था। लेकिन छापे के 6 महीने बाद भी पुलिस के हाथ खाली है। आरोपी कुख्यात ड्रग तस्कर शोएब लाला पुलिस के पकड़ से बाहर है। अमित चतुर्वेदी के एनसीबी अभिरक्षा के दौरान बयान दर्ज किए गए। जिसमें बताया की उसके मित्र चेतन सक्सेना है जो भोपाल का ही निवासी है। जिसके माध्यम से अमित चतुर्वेदी की हरीश आंजना से मुलाकात हुई फिर हरीश ने अमित को शोएब लाला से इंदौर में मिलवाया। इंदौर में शोएब लाला जो की देवल जी जिला प्रतापगढ़ का रहने वाला है, ने बताया की सान्याल बाने अवैध मेफा ड्रोन बनाने में माहिर है। इसके लिए शोएब के कहने पर अमित चतुर्वेदी ने F-63, बगरोदा इंडस्ट्रियल क्षेत्र में एक खाली पड़ी हुई फैक्ट्री जो की एस.के सिंह नाम के व्यक्ति की थी से किराए पर लिया। जिसका कोई भी एग्रीमेंट नही बनाया गया था। शोएब लाला केवल वॉट्सऐप पर ही बात करता था। ताकि कोई सबूत ना रहे। शोएब लाला तकनीकी रूप से दक्ष है एवं बहुत तेज है। उसके द्वारा ही इस पूरी फैक्ट्री के लिए लगने वाला पैसा लगाया गया है। सान्याल और उसके साथ अमित को जो भी पैसा मिलता था वह पूरा हवाला के माध्यम से ही मिलता था।

बीजेपी नेता शुभम अवस्थी पर केस दर्ज
फर्जी डॉक्टर बनकर 1 साल तक अस्पताल में इलाज करता रहा

जबलपुर, 7 अप्रैल(एजेंसियां)। जबलपुर की सिविल लाइंस थाना पुलिस ने रविवार रात भाजपा नेता शुभम अवस्थी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई जिला कोर्ट के आदेश पर की गई है। आरोप है कि शुभम अवस्थी ने कोरोना काल में आपदा के समय फर्जी डिग्री के आधार पर जिला अस्पताल में सरकारी डॉक्टर बनकर काम किया। वह कोरोना संक्रमण काल के दौरान संदिग्धों के सैंपल इकट्ठा करता था और कोरोना पीड़ितों के उपचार में भी सहयोग करता था।

शुभम अवस्थी के फर्जीवाड़े का खुलासा उस समय हुआ जब जबलपुर निवासी शैलेन्द्र बारी ने उसकी डॉक्टरी डिग्री को कोर्ट में चुनौती दी। न्यायालय के निर्देश पर सिविल लाइंस पुलिस ने आरोपी शुभम अवस्थी के खिलाफ धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेजों के इस्तेमाल सहित कई धाराओं में केस दर्ज किया है। फिलहाल शुभम अवस्थी फरार है।

कोरोना की पहली लहर (2020-2021) के बाद संक्रमण नियंत्रण के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग में चिकित्सकों की संविदा नियुक्ति हुई थी। इसी दौरान शुभम अवस्थी ने आयुष चिकित्सक के रूप में फर्जी डिग्री के आधार पर नियुक्ति पा ली। उसने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से बीएएमएस की जाली डिग्री प्रस्तुत की और शासकीय स्वशासी आयुर्वेद कॉलेज का छात्र होने का दावा किया। इसके बाद उसने विक्टोरिया जिला अस्पताल में मरीजों का उपचार किया और सरकारी वेतन भी प्राप्त किया।

शिकायत के बाद छोड़ी नौकरी

शैलेन्द्र बारी द्वारा की गई शिकायत के बाद जब जांच शुरू हुई तो शुभम अवस्थी ने स्वास्थ्य विभाग की नौकरी से इस्तीफा दे दिया। जब पुलिस जांच ठंडे बस्ते में चली गई, तब शैलेन्द्र ने न्यायालय में परिवाद दायर किया। कोर्ट की सुनवाई के बाद पुलिस को एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस की शुरुआती जांच में शुभम अवस्थी की बीएएमएस डिग्री जाली पाई गई है। साथ ही, मध्यप्रदेश आयुर्वेद एवं यूनानी चिकित्सा बोर्ड का जो पंजीयन क्रमांक उसने प्रस्तुत किया, वह भी किसी अन्य चिकित्सक के नाम पर दर्ज पाया गया। फर्जी चिकित्सक की सेवाएं लेने पर स्वास्थ्य विभाग की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। संवेदनशील पद पर नियुक्ति के दौरान दस्तावेजों की जांच और सत्यापन प्रक्रिया को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है। यह नियुक्ति जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के प्रस्ताव पर हुई थी। ऐसे में जांच की आंच स्वास्थ्य अधिकारियों तक भी पहुंच सकती है। शिकायतकर्ता शैलेन्द्र बारी ने बताया, वह अपने एक दोस्त को लेकर इलाज के लिए जिला अस्पताल गए, जहां उन्हें पता चला कि शुभम अवस्थी नाम के डॉक्टर ने कोरोना काल (2020-2021) के दौरान मरीजों का इलाज किया था और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर एक साल तक नौकरी की थी। इस संबंध में मैंने जनवरी, 2023 में शिकायत सीएमएचओ, कलेक्टर और एसपी से की गई, लेकिन जब किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं हुई, तो जिला कोर्ट जबलपुर में परिवाद दायर किया गया। यहां भी मामला लंबित रहा। फिर हाई कोर्ट जबलपुर में याचिका लगाई गई। इस पर हाई कोर्ट ने जिला कोर्ट को 60 दिन के अंदर निर्णय लेने के लिए कहा था।

पुलिस ने खड़किया गैंग के 4 चोर पकड़े, 1 किलो सोना बरामद

इंदौर, 7 अप्रैल(एजेंसियां)। इंदौर की तेजाजी नगर पुलिस ने बांक टांडा के कुख्यात खड़किया गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को आरोपियों की निशानदेही पर शहर के अलग-अलग इलाकों में छापेमारी के दौरान करीब एक दर्जन सुनारों से पूछताछ करनी पड़ी। इनमें से कई के पास से चोरी का करीब 1 किलो सोना बरामद किया गया है। इस कार्रवाई का नेतृत्व प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी कर रहे थे। पुलिस ने दो टीमें बनाई थीं—एक टीम ने सुनारों से पूछताछ की, जबकि दूसरी टीम ने जब्ती की कार्रवाई को अंजाम दिया।

तेजाजी नगर पुलिस ने सबसे पहले गिरोह के सरगना खड़क सिंह उर्फ खड़किया को पकड़ा। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने साथियों के साथ सूने घरों को निशाना बनाकर चोरी करता था। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने गैंग के अन्य तीन सदस्यों—समाल सिंह, गेमर सिंह और रामू को भी गिरफ्तार कर लिया।

डीसीपी विनोद मीणा के मुताबिक, खड़क सिंह पढ़ा-लिखा नहीं है लेकिन महंगी एसयूवी में घूमता है और उसके पास करोड़ों की संपत्ति है। यह गैंग तेजाजी नगर, राजेंद्र नगर और एरोड्रम क्षेत्र में कई वारदातों को अंजाम दे चुका है।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि मनावर निवासी सुनार चेतन चोरी का सोना गलाकर आगे बेचता था। उसकी निशानदेही पर छोटा सराफा के ज्ञानेन्द्र, गजेंद्र उर्फ बंटी, विकास और नंदानगर के अन्य सुनारों से भी पूछताछ की गई। पुलिस ने इनसे करीब 1 किलो सोना बरामद किया है।

गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने 1 किलो 60 ग्राम सोना, 6 किलो 240 ग्राम चांदी, तीन लाख रुपए नकद, दो बाइक, कटर, जैक, फालिया सहित चोरी के अन्य औजार बरामद किए हैं। जब्त सामान की कुल कीमत लगभग 1 करोड़ 28 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस के अनुसार, ये आरोपी वारदात के तुरंत बाद फरार हो जाते थे और पहाड़ियों में जाकर छिप जाते थे। इनके खिलाफ प्रदेश के कई थानों में लूट, चोरी और डकैती के केस दर्ज हैं।

भाजपा में अंदरूनी कलह पर सीएम फडणवीस की चाची ने लगाई फटकार, कहा- हमें कांग्रेस जैसा नहीं बनना चाहिए

चंद्रपुर, 7 अप्रैल(एजेंसियां)। महाराष्ट्र में भाजपा की चंद्रपुर इकाई में अंदरूनी कलह पर सीएम देवेंद्र फडणवीस की चाची ने फटकार लगाई है। उन्होंने नेताओं और कार्यकर्ताओं को आगाह किया कि हमें कांग्रेस जैसा नहीं बनना चाहिए। चंद्रपुर में भाजपा के स्थापना दिवस पर स्थानीय विधायक किशोर जोरगेवार के नेतृत्व में आधिकारिक समारोह को दरकिनार करते हुए वरिष्ठ नेता सुधीर मुनगंटीवार द्वारा अलग कार्यक्रम करने पर पूर्व मंत्री शोभा ताई फडणवीस कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि लोग भाजपा में शामिल होने के लिए कतार में खड़े हैं और अगर हम लड़ते रहेंगे तो क्या लोग यह नहीं कहेंगे कि हम कांग्रेस जैसे हो गए हैं?

उन्होंने पूर्व मंत्री मुनगंटीवार का नाम लिए बिना उनसे नाराजगी जताते हुए कहा, ₹हमें अपनी पार्टी को कांग्रेस जैसा नहीं बनने देना चाहिए। हमें भाजपा की पहचान बनाए रखनी होगी। भाजपा केंद्र और महाराष्ट्र में सत्ता में है, जबकि चंद्रपुर में अंदरूनी कलह है। उन्होंने पूछा कि शहर में दो अलग-अलग कार्यक्रम क्यों आयोजित किए जा रहे हैं? इससे लोगों में क्या संदेश जा रहा है? जोरगेवार चंद्रपुर से विधायक हैं, तो यह उनका कर्तव्य है कि वह कोई कार्यक्रम आयोजित करें और अन्य लोगों को भी खुले दिमाग से यहां कार्यक्रम में शामिल होना चाहिए। पूर्व मंत्री शोभा ताई फडणवीस ने कार्यकर्ताओं को अनुशासन और विनम्रता का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि जब बांग्लादेश, पाकिस्तान और चीन के साथ सीमाओं पर तनाव जैसे गंभीर मुद्दे हैं, तो उन्हें इस तरह की अंदरूनी लड़ाई और तुच्छ प्रोटोकॉल में क्यों शामिल होना चाहिए और सम्मान की तलाश करनी चाहिए? पार्टी नेता नकली गर्व का रोना न रोएं और पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रति आभारी रहें। चंद्रपुर में भाजपा के स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय विधायक किशोर जोरगेवार ने कन्याका हॉल में किया था। जबकि वरिष्ठ नेता मुनगंटीवार ने श्यामाप्रसाद मुखर्जी लाइब्रेरी में एक अलग सभा की मेजबानी की। मुनगंटीवार और जोरगेवार के बीच तनाव 2024 के विधानसभा चुनावों से शुरू हुआ था। तब मुनगंटीवार ने जोरगेवार के भाजपा में शामिल होने का विरोध किया था। मुनगंटीवार के विरोध के बावजूद जोरगेवार को पार्टी में शामिल किया गया और विधानसभा चुनावों में चंद्रपुर विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल की। मुनगंटीवार ने राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले से कहा था कि मैं डूबते सूरज की तरह हूं और आप उगते सूरज की तरह हैं। आपके पास काम करने के लिए अच्छे दिन हैं, लोगों के लिए कुछ अच्छा करें।

माकपा के नए महासचिव एमए बेबी ने केरल सीएम की बेटी का किया बचाव
घोटाले में फंसी हैं टी वीना

तिरुवनंतपुरम , 7 अप्रैल(एजेंसियां)। माकपा के नए महासचिव एमए बेबी ने घोटाले में फंसी केरल के सीएम की बेटी टी वीना का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि टी वीना ने कुछ भी गलत नहीं किया है और सिर्फ सीएम की बेटी होने की वजह से उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। टी वीना को एक कंपनी से अवैध भुगतान लेने के आरोप में एसएफआईओ (गंभीर अपराध जांच कार्यालय) जांच का सामना करना पड़ रहा है। एमए बेबी ने कहा कि सीएम की बेटी ने कुछ भी गलत नहीं किया है और उन्हें फंसाया जा रहा है।

माकपा महासचिव ने कहा कि टी वीना सीएम की बेटी हैं, इसलिए उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। एमए बेबी रविवार को ही माकपा के नए महासचिव नियुक्त हुए हैं। सोमवार को एक मीडिया चैनल के साथ बातचीत में बेबी ने कहा कि माकपा और केरल में सत्ताधारी लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट के शीर्ष पर हमला किया जा रहा है और इनके प्रमुख पिनारई विजयन हैं। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सभी जानते हैं कि इस देश में केंद्रीय जांच एजेंसी कैसे काम करती हैं। माकपा महासचिव ने ऐसे समय सीएम विजयन और उनकी बेटी का समर्थन किया है, जब विपक्षी कांग्रेस और भाजपा सीएम का इस्तीफा मांग रही हैं। दरअसल सीएम की बेटी टी वीना की आईटी कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस पर कोचीन मिनरल्स एंड रुटिले लिमिटेड नामक खनन कंपनी से पैसे लेने का आरोप है। एसएफआईओ की जांच में पता चला कि खनन कंपनी ने बिना किसी आईटी मदद के टी वीना की कंपनी को 2.73 करोड़ रुपये का भुगतान किया। जांच में पता चला है कि दोनों कंपनियों के बीच एक फर्जी समझौता हुआ था, लेकिन दोनों के बीच धन का लेनदेन अवैध है।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जज को केरल उच्च न्यायालय भेजने की सिफारिश

नई दिल्ली, 7 अप्रैल(एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जज को केरल हाईकोर्ट भेजने की सिफारिश की है। अब सरकार की मंजूरी का इंतजार है। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता में कॉलेजियम की बीते महीने दो बैठकें हुईं और तीसरी बैठक बीती 3 अप्रैल को हुई। इन बैठकों में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जज सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी को केरल उच्च न्यायालय भेजने की सिफारिश की गई है। सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर यह जानकारी दी गई है। सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने उत्तर प्रदेश में दीवानी मामले को आपराधिक मामले में बदलने की आलोचना की। मामला नागरिक विवाद से जुड़ा है, जिसे उत्तर प्रदेश पुलिस ने धोखाधड़ी के तहत दर्ज किया, जो आपराधिक मामला बन गया। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर नाराजगी जताई और उत्तर प्रदेश पुलिस के डीजीपी और जांच अधिकारी से हलफनामा दायर करने को कहा है, जिसमें उन्हें बताना है कि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व के आदेश का पालन क्यों नहीं किया गया।

ममता सरकार पर भाजपा के हमले तेज
पूर्व सांसद लॉकेट चटर्जी समेत कई नेता पुलिस हिरासत में

कोलकाता, 7 अप्रैल(एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में 25 हजार से कर्मचारियों की नियुक्ति रद्द किए जाने को लेकर भाजपा ने ममता बनर्जी सरकार को घेरा है। सोमवार को कोलकाता में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस पर पुलिस ने भाजपा नेता लॉकेट चटर्जी और पार्टी कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। भाजपा नेताओं का आरोप है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्कूली शिक्षकों के हितों की रक्षा करने में विफल रहीं, जिन्होंने ईमानदारी से नौकरी पाई है।

नियुक्ति प्रक्रिया में अनियमितता का विरोध करते हुए भाजपा की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा ने एक्साइड क्रॉसिंग से कालीघाट तक लगभग दो किलोमीटर दूरी तक मार्च निकालने की तैयारी की थी। भाजयुमो के एक पदाधिकारी ने बताया कि इससे पहले पुलिसकर्मियों ने पूर्व सांसद लॉकेट चटर्जी और अन्य पदाधिकारियों को उस समय हिरासत में ले लिया। चटर्जी और अन्य पार्टी पदाधिकारियों ने ममता बनर्जी सरकार और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ नारे लगाए।

इससे पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों से मुलाकात की। ममता बनर्जी ने कहा, 'शिक्षा व्यवस्था को नष्ट करने की साजिश चल रही है। 9वीं, 10वीं, 11वीं, 12वीं के शिक्षक उच्च शिक्षा के प्रवेश द्वार हैं। कई शिक्षक स्वर्ण पदक विजेता हैं, उन्होंने अपने जीवन में बेहतरीन परिणाम हासिल किए हैं। आप उन्हें चोर कह रहे हैं। आप उन्हें अक्षम कह रहे हैं। आपको यह अधिकार किसने दिया? कौन यह खेल खेल रहा है? नौकरी खोने वाले लोगों को संबोधित करते हुए ममता ने कहा, 'कृपया यह न समझें कि हमने इसे स्वीकार कर लिया है। हम पत्थर दिल नहीं हैं और ऐसा कहने के लिए मुझे जेल भी हो सकती है, लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं है।

शेयर बाजार में सुनामी

सोमवार को घरेलू बाजार में हुई भीषण बिकवाली के बीच शेयर बाजार में हाहाकार मच गया। देश के बादशाह बने रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर अपने 52 हफ्तों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। बीएसई ने भी जबर्दस्त गोता लगाया। बीते सप्ताह कंपनी के मार्केट कैप में करीब दो लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। बड़ी कंपनियों के शेयरों पर भी जबर्दस्त दबाव दिखा। मेटल सेक्टर के शेयर तो पिघल गया। दूसरी ओर, बीएसई के दिग्गज भी धाराशायी हो गए। हिंदुस्तान जिंक, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, एनएमडीसी तथा जिंदल स्टील एंड पावर तो ऐसे धड़ाम हुए हैं कि इन्हें संभलने में पता नहीं कितना समय लगेगा। ट्रम्प प्रशासन की ओर से जवाबी टैरिफ लगाए जाने से मंदी की आशंकाएं और वैश्विक आर्थिक विकास के प्रति चिंताएं बढ़ गई हैं, जिसके कारण धातु शेयरों में तेज गिरावट दर्ज की गई। बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 19.4 लाख करोड़ रुपये घटकर 383.95 लाख करोड़ रुपये रह गया। सभी प्रमुख सेक्टर का निशान लाल हो गया है, निफ्टी आईटी में 7% से अधिक की गिरावट आई। निफ्टी ऑटो, रियल्टी और ऑयल एंड गैस में भी अधिक की गिरावट आई। व्यापक बाजार में, स्मॉल-कैप और मिड-कैप सूचकांक क्रमशः 10% और 7.3% तक गिरे। बाजार में बढ़े भय के माहौल के कारण इंडिया वीआईएक्स में पहली बार एक दिन में इतना तेज उछाल दिखा। बाजार की गिरावट के बीच वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड में भी बड़ी गिरावट दिखी और यह 2.74 प्रतिशत गिरकर 63.78 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। ट्रंप टैरिफ के बाद शेयर बाजार में आए भूचाल से एशियाई और अमेरिकी बाजारों में भी बड़ी बिकवाली आई है। एशियाई बाजारों में, हांगकांग का हैंगसेंग लगभग 11 प्रतिशत तक गिर गया है। टोक्यो का निक्केई 225 लगभग 7 प्रतिशत तक टूटा है वहीं, शंघाई एसएसई कम्पोजिट सूचकांक 6 प्रतिशत से की गिरावट के साथ कारोबार करता दिख रहा है। पहले से ही विदेशी निवेशकों की ओर से बिकवाली की मार झेल रहे भारतीय बाजार के लिए डोनाल्ड ट्रंप की ओर से घोषित जवाबी टैरिफ नया संकट बनकर सामने आया है। चीन और जापान दोनों सूचकांक में क्रमशः 10 प्रतिशत और 8 प्रतिशत की गिरावट आई है। वैश्विक व्यापार युद्ध और संभावित मंदी से जुड़ी चिंताएं बढ़ गई हैं और इससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हो रही है। कोविड संकट के बाद से बाजार के लिए पिछला सप्ताह सबसे खराब साबित हुआ। दूसरी ओर, अमेरिकी टैरिफ के जवाब में चीन ने भी 10 अप्रैल से सभी अमेरिकी आयातों पर 34 प्रतिशत का जवाबी टैरिफ लगाने का एलान कर दिया है। इसे देखते हुए ऐसा लग रहा है अमेरिका और चीन की ओर से उठाए गए कदमों से मुद्रास्फीति और वैश्विक व्यापार में तनाव बढ़ सकता है। ऐसे में बाजार में तेज खरीदारी लौटने में थोड़ा समय लग सकता है। 2020 के कोविड क्रैश के बाद से सिर्फ दूसरी बार भारतीय बाजार एक ही दिन में 5% से ज्यादा गिरे हैं। निफ्टी अब अपने शिखर से 17% नीचे है। बेंचमार्क इंडेक्स बियर मार्केट क्षेत्र में प्रवेश करने से अब महज 1,000 अंक से भी कम दूर है। आज के ब्लैक मंडे ने भारतीय बाज़ारों को हिलाकर रख दिया है, लेकिन निवेशकों और व्यापारियों को शांत रहना चाहिए। अस्थिरता अवसर लाती है, लेकिन केवल मजबूत जोखिम प्रबंधन के साथ। पारस्परिक टैरिफ, भले ही अस्थायी हों पर इससे कंपनियों और निवेशकों के लिए अनिश्चितता बढ़ी है। अगले कुछ सप्ताहों में भारतीय बाजारों का प्रदर्शन इस बात पर निर्भर करेगा कि हितधारक देशों की ओर से टैरिफ की आग में पानी डाला जाता है या घी। इसके अलावा भारत के खुदरा व घरेलू संस्थागत निवेशकों का व्यवहार भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेगा।

वक्फ संशोधन अधिनियम का क्रमबद्ध विकास

गजेंद्र सिंह

2 अप्रैल 2025 को, केंद्र सरकार ने वक्फ संपत्ति प्रबंधन और शासन में सुधार की आवश्यकता पर एक वर्ष की गहन बहस और चर्चाओं के बाद संसद में वक्फ संशोधन अधिनियम पेश किया। 12 घंटे से अधिक के गहन विचार-विमर्श के बाद, विधेयक 288 मतों के पक्ष में और 232 मतों के विरुद्ध पारित हुआ। भारत में वक्फ शासन का विकास विभिन्न कानूनी लड़ाइयों और प्रणालीगत चुनौतियों से प्रभावित रहा है। वक्फ संपत्ति प्रबंधन से जुड़े दो महत्वपूर्ण मामले इस प्रणाली की समस्याओं को उजागर करते हैं। इमरान कुरैशी बनाम उत्तर प्रदेश वक्फ बोर्ड (2016) मामले में, एक सामाजिक कार्यकर्ता ने लखनऊ में मस्जिद संपत्तियों की निजी डेवलपर्स को अवैध बिक्री का खुलासा किया। इसी प्रकार, फातिमा बी बनाम कर्नाटक वक्फ बोर्ड (2022) मामले में, एक 70 वर्षीय महिला को वक्फ संपत्ति पर स्थित किराए के घर से बेदखल कर दिया गया क्योंकि संपत्ति को बिना किसी पूर्व सूचना के नीलाम कर दिया गया था। ये घटनाएं वक्फ संपत्तियों से जुड़े व्यापक मुद्दों को दर्शाती हैं जिनमें अतिक्रमण, भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन शामिल हैं। इन समस्याओं के समाधान और वक्फ संपत्तियों के मूल उद्देश्य की सुरक्षा हेतु कई विधायी संशोधनों की आवश्यकता महसूस की गई जिसके परिणामस्वरूप वक्फ संशोधन अधिनियम पारित किया गया।भारत में वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और जवाबदेही को मजबूत करने के लिए कानूनी ढांचा दशकों से कई संशोधनों के माध्यम से विकसित हुआ है। वक्फ अधिनियम, 1954 पहला कानून था जिसने संपत्तियों के प्रशासन के लिए राज्य वक्फ बोर्डों की स्थापना की, लेकिन प्रशासनिक अक्षमताओं के कारण इसकी प्रभावशीलता सीमित रही। 1964 के संशोधन का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग को रोकने के लिए वक्फ बोर्डों की शक्तियों को बढ़ाना था। इसके बाद, 1995 के महत्वपूर्ण संशोधन ने वक्फ बोर्डों की भूमिकाओं को अधिक स्पष्ट रूप से परिभाषित किया, राष्ट्रीय निगरानी के लिए केंद्रीय वक्फ परिषद (सीडब्ल्यूसी) की स्थापना की और वक्फ संपत्तियों के दस्तावेज़ीकरण को अनिवार्य बनाया। 2013 के संशोधन ने इस ढांचे को और मजबूत करते हुए वक्फ संपत्तियों को राजस्व रिकॉर्ड में पंजीकृत करना अनिवार्य कर दिया, अतिक्रमण के खिलाफ सख्त प्रावधान जोड़े, और वक्फ बोर्डों को नियमों को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सशक्त बनाया। सबसे हालिया और व्यापक सुधार, वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025, ने कानून को यूएमईईडी अधिनियम के रूप में पुनःब्रांड किया। यह कानून वक्फ संपत्ति रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण, प्रशासन में पारदर्शिता बढ़ाने, अतिक्रमण मामलों के लिए विशेष न्यायाधिकरण स्थापित करने और यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित है कि वक्फ से उत्पन्न आय मुस्लिम समुदाय के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए उपयोग हो। ये संशोधन वक्फ संपत्तियों के कुशल प्रबंधन और उनके मूल उद्देश्य की रक्षा के लिए एक ठोस आधार प्रदान करते हैं। कई महत्वपूर्ण मामलों ने वक्फ शासन में कमियों को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जिससे महत्वपूर्ण संशोधनों का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

मोदी से मुलाकात के बाद भी नहीं सुधरने वाले हैं मोहम्मद यूनुस

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिम्सटेक बैठक के लिए बैंकॉक जाते समय बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की और एक के बाद एक चर्चा की।दोनों देशों ने कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन कहने की जरूरत नहीं है कि इसने मार्ग प्रशस्त किया, कम से कम कुछ हद तक। इस बीच दोनों देशों के संबंधों में काफी कड़वाहट आ गई और इसकी वजह बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा भारत में ली गई शरण थी। अगर वह हमारे पास आए किसी नेता के लिए शरण मांगते हैं तो हम देखेंगे कि उनके उस देश के साथ लंबे समय तक कैसे संबंध हैं। बांग्लादेश के साथ हमारे संबंध अच्छे थे और वास्तव में बांग्लादेश भारत के कारण बना था। तो उस देश को वास्तव में आभारी होना चाहिए, लेकिन बांग्लादेश ऐसा नहीं रहा और इंदिरा गांधी को पाकिस्तान को टुकड़ों में तोड़ना पड़ा और बांग्लादेश बनाना पड़ा। लेकिन इस इतिहास को समझे बिना बांग्लादेश पाकिस्तान को अपना नुकसान ही कर रहा है और इस बात का एहसास होने के बाद ही मोदी ने यूनुस से कहा कि बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों, यानी हिंदुओं पर अत्याचार न करें। ऐसा लगता है कि वे विश्व राजनीति के बारे में ज्यादा नहीं जानते हैं। इसलिए उन्होंने पाकिस्तान के नाम पर बांग्लादेश को मुश्किल में डालने का फैसला किया है। मोदी ने बांग्लादेश में एक लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण राजनीतिक माहौल की अपनी इच्छा व्यक्त की और यह नहीं कहा जा सकता कि यह अनुचित था। अब यूनुस को यह बात कितनी समझ में आई ये तो वे ही जानते हैं। मोदी ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के लिए भारत की चिंता व्यक्त की और दिखाया कि संदेश बांग्लादेश और दुनिया तक भी पहुंचा है। अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और साथ ही महत्वपूर्ण मुद्दा यह था कि गंगा के पानी पर संधि और उसका नवीनीकरण और तीस्ता जल बंटवारा समझौता दो सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे थे। हालांकि बहुत कुछ हासिल नहीं हुआ, लेकिन यह भी कम नहीं है कि दोनों देशों ने कुछ प्रगति की। शेख हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा चर्चा के लिए आया लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं है। बांग्लादेश का कहना है कि भारत को हसीना को अपने साथ नहीं रखना चाहिए लेकिन भारत इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा क्योंकि हसीना देशद्रोही नहीं हैं। वह वहां की नई सरकार के लिए सिरदर्द हो सकती थीं, इसलिए देश ने उन्हें हटाने का फैसला किया और बेगम खालिदा के नेतृत्व को स्वीकार कर लिया। भारत इसे कभी स्वीकार नहीं कर पाएगा। लेकिन मोदी की यात्रा ने इस संबंध में एक आशाजनक कदम उठाया है और जब तक यूनुस उस देश के नेता के रूप में बने रहेंगे, भारत-बांग्लादेश संबंध कम से कम बदतर नहीं होंगे। उन्हें यह भी नहीं पता कि यूनुस कब तक मुख्य सलाहकार के रूप में रहेंगे। इसलिए यह अच्छा है कि भारत ने कोई आतंकवादी निर्णय नहीं लिया। यह मोदी की कूटनीति की जीत थी। यह किसी समाज से कम नहीं है जो मोदी की यात्रा के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से बांग्लादेश को दिया गया है कि वह हर दिन भारत के खिलाफ निराधार आरोप लगाना बंद करे। तथ्य यह है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार वहां कानून और व्यवस्था को नियंत्रित करने में विफल रही है। बांग्लादेश का घटनाक्रम निश्चित रूप से भारत के लिए चिंताजनक है और मोदी की यात्रा से कुछ हद तक आशावादी माहौल बना है। पहली बार मोदी और यूनुस ने एक के बाद एक बातचीत की, लेकिन मोदी ने यूनुस को आश्वस्त किया कि दोनों देशों के बीच संबंध तब तक नहीं सुधरेंगे जब तक कि अल्पसंख्यक हिंदू उस देश में सुरक्षित नहीं होंगे। यात्रा के बाद भारत का बयान अतिरंजित था और इसलिए गलत था। यह सही था कि भारत को ज्यादा सफलता नहीं मिली, लेकिन यह सही होता। गौरतलब है की अब तक की घटनाओं से अब यह स्पष्ट हो गया है कि बांग्लादेश में विद्रोह से बनी अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस पूरी तरह से पाकिस्तान और चीन की गोद में हैं । यूनुस ने यह भी कहा था कि भारत केपूर्वोत्तर राज्य पूरी तरह से भूआबद्ध हैं और बांग्लादेश इस क्षेत्र में समुद्र का संरक्षण करने वाला एकमात्र देश है। निश्चित रूप से इसके पीछे चीन का सिर है। 'चिकन नेक' पर चीन का यह नया कदम है, जिसमें पाकिस्तानी सेना के साथ-साथ आईएसआई भी शामिल है। चीन की चाल को समझने के लिए समझना होगा कि 'चिकन नेक' क्या है। आप देख सकते हैं कि मोहम्मद यूनुस ने जो कहा वह कितना भयानक हो सकता है। भारत के नक्शे को देखिए। अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के आठ राज्यों को पश्चिम बंगाल से जोड़ने वाला गलियारा मुर्गे की गर्दन जैसा दिखता है। यह लगभग 60 किलोमीटर लंबा और चौड़ा है। कुछ स्थानों पर यह केवल 22 किलोमीटर है। चीन अरुणाचल प्रदेश पर दावा करता है और राज्य के गांवों के नाम बदलने के कारोबार में है. चीन कुछ भी करके पूर्वोत्तर राज्यों को भारत से अलग करने की कोशिश कर रहा है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर के नाम से मशहूर 'चिकन नेक' का यह हिस्सा चीन के लिए भारत की कमजोरी है। एक तरफ भूटान और नेपाल है, और दूसरी तरफ बांग्लादेश है। 2017 में, चीन ने भूटान में घुसने और उसी बेल्ट के पास डोकलाम में एक सड़क बनाने की कोशिश की। भारतीय सेना ने बहादुरी दिखाते हुए प्रयास का विरोध किया। विवाद लंबे समय तक चला और अंततः चीनी सैनिकों को पीछे हटना पड़ा। अगर चीन ने सड़क का निर्माण किया होता, तो युद्ध की स्थिति में भारत कमजोर हो जाता। यह बेल्ट उत्तर-पूर्वी सीमा पर भारत की सेना की मुख्य ताकत है। उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चीन और पाकिस्तान इस ताकत को तोड़ना चाहते हैं। उन्हें मोहम्मद यूनुस के रूप में एक सहयोगी मिल गया है। वह सत्ता में बने रहने के लिए भारत के दोनों दुश्मनों का मुकाबला कराकर अपने देश को बेचने को तैयार नजर आ रहा है। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद, यूनुस ने चीन के साथ संबंधों में तेजी से सुधार किया। पाकिस्तान भी इस त्रिकोण में शामिल है। इस साजिश के हिस्से के रूप में, यूनुस चीन गए और यह कहकर खुद को समुद्र का रक्षक घोषित कर दिया कि भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य लैंडलॉक हैं। उनका मतलब था कि चीन अपने देश में अपना आधार स्थापित कर सकता है। व्यापार और व्यवसाय केवल साजिश को छिपाने के लिए किया गया था। भारत ने बांग्लादेश को तीन तरफ से घेर लिया। बांग्लादेश को लगता है कि वह भी तीन तरफ से भारत से घिरा हुआ है। उसका मानना है कि अगर चीन उसके साथ आता है तो उसकी ताकत बढ़ेगी। यूनुस ने चीन को बांग्लादेश में हवाई अड्डा बनाने के लिए भी आमंत्रित किया है। चीन ने बांग्लादेश के लालमोहनहाट जिले में एक हवाई अड्डा बनाने का वादा किया है और एक पाकिस्तानी कंपनी बेस स्थापित करेगी। यही तय किया गया है। इसका मतलब है कि बांग्लादेश के हर कोने में पाकिस्तानी जासूसों को तैनात किया जाएगा। यह पहले ही तय हो चुका है कि पाकिस्तानी सेना बांग्लादेश सेना को प्रशिक्षित करेगी। बांग्लादेश को चीन और उसकी कंपनियों से निवेश, ऋण और अनुदान में लगभग 2.1 बिलियन डॉलर प्रदान करने का वादा भी मिला है।

तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन और बहाली परियोजना भी चीनी कंपनियों के हाथों में जाएगी। चीन को बांग्लादेश को नियंत्रित करने में कोई समस्या नहीं होगी। सोचिए अगर चीन बांग्लादेश में एयरबेस बना ले तो भारत के लिए हालात कितने खतरनाक हो सकते हैं, वो बांग्लादेश के समंदर तक पहुंचने में कामयाब हो गया है, उस देश में अलग-अलग रूपों में चीनी सैनिक तैनात हैं और पाकिस्तानी सेना और आईएसआई अपना खेल खेलने लगते हैं। चीन ने पूर्वोत्तर में बहुत आतंकवाद फैलाया है। मणिपुर में हुई हिंसा में मिले हथियार बहुत चीनी हैं। चीन करता है।बेशक, भारत के सामने कई चुनौतियां हैं, लेकिन भारत का नेतृत्व अब ऐसे हाथों में है जो चुनौतियों से निपटना जानता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नजर थाईलैंड में मो. यूनुस पर पड़ी। हमारे पास नरेंद्र मोदी, अमित शाह और अजीत डोभाल की तिकड़ी है। वे जानते हैं कि किसी भी सांप को कैसे जहर दिया जाता है। एस. जयशंकर कूटनीति के चाणक्य हैं और भारत के बहादुर सैनिक दुश्मन को धूल चटाने में माहिर हैं।

रोजाना बड़ी मात्रा में स्लो पॉइजन का सेवन

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

आज के आधुनिक युग में मनुष्य ने जितनी तरक्की की है, उतना ही स्वास्थ्य से खिलवाड़ भी हुआ है और वक्त के साथ यह लगातार बढ़ रहा है, जिसका कारण मनुष्य स्वयं हैं। हृदय रोग, मस्तिष्क आघात, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियां तेजी से बढ़ रही है, साथ ही मधुमेह, रक्तचाप, मोटापा, कमजोरी, आहार में पोषक तत्वों की कमी की समस्या तो चरम पर है, इस वजह से असमय मौत का आंकड़ा दिन-ब-दिन बढ़ रहा है, कुछ पल पहले एकदम स्वस्थ नजर आनेवाला व्यक्ति, बड़ों से लेकर छोटे-छोटे बच्चे भी खेलते या व्यायाम करते हुए या बैठे-बैठे भी गश खाकर गिरते है और पता चलता है कि मौत हो गयी। एक दशक पहले जो जानलेवा बीमारियां हमें केवल कभी-कभार ही सुनने मिलती थी, अब वो बीमारियां रिश्ते-नातेदारों, आस-पड़ोसियों और हमारे घर-परिवार के लोगों तक पहुंच चुकी हैं। मनुष्य का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहद कमजोर हुआ है, मौसम के करवट लेते ही बीमारियां तुरंत जकड़ लेती हैं। हमारे देश में औसत आयु दर पाश्चात्य देशों की तुलना में लगातार गिर रही हैं। विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2024 में 143 देशों में से भारत को 126वां स्थान दिया गया। भारत खुशी के मामले में पाकिस्तान, लीबिया, इराक, फिलिस्तीन और नाइजर जैसे देशों से भी पीछे हैं। कभी इस समस्या पर गंभीरता से विचार किया है कि बीमारियां तेजी से क्यों बढ़ रही है? क्या वजह हो सकती है? स्वस्थ जीवन जीने के लिए क्या हमें रोज शुद्ध ऑक्सीजन, स्वच्छ पानी और पोषक आहार पर्याप्त मात्रा में मिल रहा है? प्रदूषण और अस्वच्छता हमारी सांसे छीन रही हैं। वायु गुणवत्ता सूचकांक 2024 आंकड़ों के अनुसार, विश्व के उच्चतम पांच सबसे ज्यादा प्रदूषित देशों में भारत देश हैं। भारत का लगभग 70 प्रतिशत जल प्रदूषित है, तथा देश की लगभग आधी नदियाँ पीने या सिंचाई के लिए असुरक्षित है, इस कारण 2024 के वैश्विक जल गुणवत्ता सूचकांक में 122 देशों में से भारत 120वें स्थान पर हैं। 2023 में बीएमजे में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि भारत में हर साल 2.18 मिलियन मौतें बाहरी वायु प्रदूषण के कारण होती हैं। लैंसेट 2019 में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि भारत में 500,000 से अधिक मौतें जल प्रदूषण के कारण हुईं। बड़े पैमाने पर देश में हजारों करोड़ रुपयों का नकली दवाइयों का कारोबार चलता है, बड़े-बड़े सरकारी अस्पतालों में तक नकली दवाइयाँ मरीजों को बांटी जाती हैं। एशिया के बड़े अस्पतालों में शामिल महाराष्ट्र राज्य के नागपुर में स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में यह घटना हाल ही में उजागर हुयी। अन्न उगाने से लेकर हमारे थाली में परोसने तक उसे अनेक हानिकारक रासायनिक प्रक्रियाओं से गुजारा जाता हैं। देश में अशुद्ध खान-पान और अस्वच्छता की समस्या बहुत ही ज्यादा है, लोग स्वार्थ और लालच में इतने अंधे हो चुके है, कि अपने एक रुपये के फायदे के लिए भी लोगों को जहर खिलाने तैयार हैं। हाल ही में महाराष्ट्र के कोल्हापुर शहर से खबर आई कि शवों पर इस्तेमाल की गई बर्फ का उपयोग बाजार में मिलने वाले शीत पेय में किया जा रहा था। आश्चर्यजनक है, कि देश में उत्पादन से ज्यादा दूध और दुग्धजन्य खाद्यपदार्थ बेचे जाते है, देश के 68.7 प्रतिशत दूध और दूध उत्पादों में प्रदूषक पाए गए है। तेल, घी, शक़्कर, नमकीन, मैदेयुक्त खाद्यपदार्थों की मांग अत्याधिक होती है, जबकि यह सेहत पर बेहद बुरा असर करते हैं। शहद, मसाला, चाय पत्ती, तेल, दूध, मिठाइयां, घी, केसर जैसे खाद्यपदार्थों में मिलावट बहुत ज्यादा हैं। बाहरी खाद्य पदार्थों के रंग बहुत ज्यादा तेज और आकर्षित नजर आते है, अधिकांश खाद्य पदार्थों को रंगने के लिए प्राकृतिक रंगों के स्थान पर हानिकारक कृत्रिम रंगों का उपयोग किया जाता है, खाद्य पदार्थों में इस्तेमाल होने वाला बाहरी बर्फ, पानी, चटनियां, सॉसेज, खाद्यतेल गुणवत्ता की कसौटी पर अधिकतम खरी नहीं उतरतीं। देश के अधिकतर स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को खाद्य सामग्रियों में बिना दस्तानों के सीधे हाथ लगाने की बहुत बुरी आदत नजर आती है, इसका खामियाजा ग्राहकों के स्वास्थ्य को भुगतना पड़ता हैं। जो पशुओं के लिए भी ठीक नहीं, वह खाद्य अर्थात घातक कचरा मनुष्य स्वाद लेकर खा रहा हैं। देश में ज्यादातर खाद्य पदार्थों को पैक करने और लपेटने में अखबारों का इस्तेमाल किया जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। एफएसएसएआई के अनुसार, खाद्य पैकेजिंग सामग्री के रूप में शोषक कागज के बजाय समाचार पत्रों के व्यापक उपयोग के कारण भारतीयों में धीरे-धीरे विषाक्तता फैल रही हैं। मैदा रासायनिक रूप से प्रक्षालित (जहरीला) होता है, इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स उच्च होता है जिससे टाइप 2 डायबिटीज हो सकता है, इसमें फाइबर की कमी के कारण यह पाचन तंत्र में बाधा डालता है। खाद्य तेल का व्यापक स्तर पर पुनर्चक्रण कर जंक फूड तैयार किया जाता है, तेल को बार-बार गर्म करने से लिपिड का ऑक्सीडेटिव विघटन होता हैं। दोबारा गर्म किए गए तेल से बने भोजन का लंबे समय तक सेवन करने से व्यक्ति के एंटीऑक्सीडेंट रक्षा नेटवर्क पर गंभीर असर पड़ सकता है, जिससे उच्च रक्तचाप, मधुमेह और संवहनी सूजन जैसी विकृतियां पैदा हो सकती है, आगे चलकर यह जानलेवा बीमारियों का कारण बनते हैं। जंक फूड या बाहरी फूड से उच्च कोलेस्ट्रॉल, हृदय रोग, मधुमेह, गुर्दे की क्षति, मोटापा, यकृत रोग, कैंसर, दंत क्षति, अवसाद, पेट संबंधी विकार, त्वचा संबंधी रोग जैसी समस्याओं की संभावना बढ़ती हैं। पैक्ड फूड, पेय के कारण हम माइक्रोप्लास्टिक का सेवन कर रहे हैं। भारत में 56 प्रतिशत बीमारियाँ अस्वास्थ्यकर आहार से संबंधित हैं। आयुर्वेद कहता है कि, यदि आहार सही नहीं है तो स्वास्थ्य सुधारने के लिए दवा भी काम नहीं करती। स्ट्रीट फूड शेफ या खाद्यपदार्थ विक्रेता सरकारी निर्देशों का कड़ाई से पालन करें। अपने हाथ स्वच्छ धोएं, स्वच्छ बर्तन व उपकरण का प्रयोग करें, दुकान पर स्वच्छता बनाए रखें, कच्चे और पके भोजन को अलग रखें, खाद्यपदार्थ तैयार करने के लिए पीने के पानी का उपयोग करें। धुले हुए साफ कपड़े पहनें, खाद्यपदार्थ बनाते और परोसते समय दस्ताने और एप्रन पहनें। काम करते समय अपना चेहरा, बाल ढकें और अपने चेहरे, सिर, बालों को या शरीर में अन्य कही भी छूने या खरोंचने से बचें। नाखून कटे हुए और साफ रखें। खाद्य पदार्थों को सुरक्षित तापमान पर रखें, बेहतर व अच्छे गुणवत्ता के कच्चे माल का चयन करें, स्थानीय सरकारी नियमों के अनुसार कचरे का योग्य निपटान करें।

तलने के लिए एक ही तेल का पुनर्चक्रण न करें, खाद्यपदार्थों को ढककर रखें, बांसी खाद्यपदार्थों की बिक्री न करें। इन नियमों का पालन सख्ती से होना चाहिए। भले ही स्वच्छता और गुणवत्ता के लिए थोड़ा पैसा ज्यादा खर्चना पड़े, लेकिन सेहत से खिलवाड़ न हों। हमें मरने के लिए कहीं दूर जाने की जरूरत नहीं है, हमारा आसपास का वातावरण और हमारी जीवनशैली ही है जो हमें असामयिक मृत्यु की ओर तेजी से ले जाती है। देश में बहुत से वायरल फूड वीडियो, खबरों से भी खाद्य पदार्थों में गंदगी, घटिया गुणवत्ता वाली खाद्य सामग्री, घातक रासायनिक प्रक्रिया, विषैले रंग और मिलावटखोरी की जानकारी मिलती हैं।

भारत ने मुक्त व्यापार समझौते करने में बढ़ाई दिलचस्पी

कमलेश पांडेय

भारत ने दो देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते करने में दिलचस्पी दिखाई है ताकि उस के कारोबारियों को भी द्विपक्षीय व्यापार के फायदे मिल सकें। जानकारों का कहना है कि भारत अमेरिका समेत ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, ओमान, कतर, न्यूजीलैंड, पेरू, श्रीलंका आदि देशों के साथ मुक्त व्यापार और द्विपक्षीय कारोबार समझौतों पर वार्ता कर रहा है जो यदि सफल हुआ तो इससे हासिल नए बाजार में भारत के छोटे उद्योगों को लगभग डेढ़ दर्जन से ज्यादा करार मिलेंगे। समझा जाता है कि इससे अमेरिका द्वारा भारत पर लगाये गए जवाबी आयात शुल्क भी बेअसर हो जाएंगे। इस बारे में आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि यदि लक्षित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को करने में भारत सफल हो जाता है तो न केवल सीमा शुल्क में कमी आएगी बल्कि उन्हें खत्म भी किया जा सकता है। इससे वहां के बाजारों तक भारतीय मालों की पहुंच भी आसान हो जाएगी। इसके अलावा सम्बन्धित देशों के बीच व्यापार की गति तेज होगी और वहां होने वाले निवेश की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। साथ ही, बौद्धिक संपदा की रक्षा संभव हो सकेगी। विभिन्न सेवाओं का व्यापार भी बढ़ेगा। इससे जहां उन देशों के साथ लॉजिस्टिक लागत कम आएगी, वहीं छोटे व्यवसायों को बम्पर मौके मिलेंगे। यही वजह है कि अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए जवाबी टैरिफ यानी आयात शुल्क के बीच भारत ने दुनिया के बाकी देशों के साथ जारी व्यापार समझौतों की गति तेज कर दी है। बहरहाल भारत सरकार की कोशिश है कि न केवल अमेरिका के साथ द्विपक्षीय समझौता तेजी से पूरा हो बल्कि यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, ब्रिटेन जैसे अन्य देशों के साथ भी मुक्त व्यापार (एफटीए) और द्विपक्षीय समझौतों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। इसके दृष्टिगत भारत सरकार ने अपनी ओर से ततपरता बढ़ा दी है ताकि भारतीय मालों पर अमेरिका द्वारा लगाए गए 26 प्रतिशत आयात शुल्क (अमेरिकी रेसिप्रोकल टैक्स) का न्यूनतम असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़े। समझा जाता है कि भारत सरकार की इस विषयक सफलता से भारत के उद्यमियों को अन्य देशों के साथ मिलकर कारोबार करने का मौका मिलेगा। उल्लेखनीय है कि मौजूदा वक्त में अमेरिकी व्यापार नीतियों के परिवर्तित स्वरूप को देखते हुए अन्य देशों ने भी भारत के साथ चल रहे व्यापार समझौतों को लेकर जारी वार्ता में तेजी लाने की इच्छा जताई है जिसे भारतीय प्रशासन ने भी हरी झंडी दे दी है। उल्लेखनीय है कि फिलवक्त भारत द्वारा न्यूजीलैंड, अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ (ईयू), ओमान, पेरू, कतर, और श्रीलंका जैसे 20 से अधिक देशों के साथ भी व्यापार समझौतों पर वार्ता की जा रही है जिसके सार्थक परिणाम शीघ्र मिलने की उम्मीद है। इनमें अमेरिका, कतर, ओमान, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ जारी वार्ता को अच्छी खासी प्राथमिकता दी जा रही है ताकि इसके सार्थक परिणाम भी बहुत जल्द ही सामने आएं। वहीं, इस बात के प्रबल आसार हैं कि जल्द से जल्द ही इन समझौतों को अंतिम रूप दे दिया जाएगा क्योंकि अब इन्हीं के जरिए भारत बाकी देशों के साथ मिलकर व्यापार के नए अवसर तलाशने की कोशिश कर रहा है। जानकार बताते हैं कि भारत ऑस्ट्रेलिया समेत 13 देशों से इस बाबत पहले ही समझौते कर चुका है। भारत ने विभिन्न देशों/क्षेत्रों अर्थात जापान, दक्षिण कोरिया, आसियान क्षेत्र के देशों और दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया के साथ 13 क्षेत्रीय व्यापार समझौते (आरटीए)/मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि जानकारों का कहना है कि व्यापार समझौतों के जरिए आगे बढ़ने के अवसर हैं लेकिन इसी के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं जिन्हें समझे जाने की जरूरत है। विशेषज्ञ बताते हैं कि भले ही भारत ने कुछ दक्षिण एशियाई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किये हैं लेकिन अब चीन उन देशों में अपनी इकाई लगाकर भारत को माल भेज रहा है जिसे रोके जाने के कूटनीतिक प्रयास करने होंगे, या फिर ऐसे मुक्त व्यापार समझौतों को लेकर भी सजग रहना होगा अन्यथा भारत के राष्ट्रीय हितों को नुकसान तय है। बता दें कि अमेरिका द्वारा भारत पर 26 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने से कपड़ा और परिधान, खनिज पेट्रोलियम, कृषि, मांस, प्रसंस्कृत पैकेट, प्लास्टिक सामान, मेडिकल, चमड़ा, कागज, हीरे, सोना, स्वर्ण उत्पाद, स्टील और धातु, मशीन, कम्प्यूटर, रसायन, फार्मा, इलेक्ट्रिक उत्पाद और टेलिकॉम आदि क्षेत्रों पर सर्वाधिक असर पड़ेगा, इसलिए भारत सरकार इनकी वैकल्पिक राह आसान बनाने में जुटी हुई है। उल्लेखनीय है कि दो देशों के बीच होने वाले द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते के जरिए व्यापार को सुगम बनाया जाता है क्योंकि समझौते के बाद दोनों पक्षों के बीच व्यापार करना आसान हो जाता है। इस तरह के समझौते के दृष्टिगत दोनों देश मिलकर अपने कारोबारियों व कम्पनियों को आयात शुल्क मुक्त या फिर एक निर्धारित न्यूनतम शुल्क के जरिए वस्तुओं एवं सेवाओं की पहुंच को सुनिश्चित कराते हैं।

दफ्तर का लंचबॉक्स युद्ध

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

सरकारी दफ्तर में दो चीजें सबसे ज्यादा जरूरी होती हैं—एक फाइल और दूसरी चाय। अगर किसी का काम रुकवाना हो, तो फाइल गायब कर दो और अगर किसी का दिमाग बंद करवाना हो, तो चाय बंद कर दो। लेकिन कुछ महानुभावों ने इन दोनों के अलावा तीसरी चीज को भी अत्यंत आवश्यक बना दिया था—लंचबॉक्स। जब से ऑफिस बना था, तब से सरकारी कर्मचारी लंचबॉक्स के प्रति जितने समर्पित थे, उतने शायद देश के प्रति भी नहीं थे। दोपहर के ठीक बारह बजते ही एक अजीब सी खलबली मच जाती। टेबलों पर फाइलें धरी रह जातीं और हाथों में टिफिन बॉक्स झूलने लगते। बाबूजी हों या अफसर, सबका ध्यान बस इस बात पर रहता कि किसका टिफिन आज सबसे स्वादिष्ट है। जिन्हें काम करना आता था, वे टिफिन से दूर रहते और जिन्हें टिफिन खोलना आता था, उन्हें काम से दूर रखा जाता। आलम यह था कि लंचबॉक्स की यह अद्भुत परंपरा किसी गुप्त समाज की मीटिंग से कम नहीं थी। पिछले हफ्ते ऑफिस के शर्मा जी की पत्नी मायके गईं, तो उनकी हालत किसी बेरोजगार युवा से भी खराब हो गई। मजबूरी में उन्होंने कैंटीन का सहारा लिया, लेकिन वहाँ की दाल देखकर ऐसा लगा जैसे इसे बनाने वाले का सरकार से पुराना बैर रहा हो। अरे भाई, ये दाल बनाई है या किसी की आत्मा बुलाने के लिए मंत्रोच्चार किया है? शर्मा जी की आँखों में आँसू थे। लेकिन असली हंगामा तब हुआ जब वर्मा जी के टिफिन से महक उठी। सुगंध ऐसी कि अफसर से लेकर चपरासी तक सबकी आँखें चमक उठीं। ₹ये तो वही खुशबू है जो आखिरी बार दादी के हाथों बने आलू के पराठों में आई थी! दफ्तर में एक मूक क्रांति हो चुकी थी। शर्मा जी, जो अभी तक मायूसी में थे, अचानक चीते जैसी फुर्ती से लपके। अरे वर्मा जी, थोड़ा स्वाद तो चखाओ! लेकिन वर्मा जी को अपनी पत्नी के हाथों बने भोजन पर किसी विश्व बैंक की तरह नियंत्रण था। टिफिन डिप्लोमेसी का खेल शुरू हो चुका था। कोई अपनी बीवी की रसोई कला का बखान कर रहा था, तो कोई ₹मेरे घर का अचार, तुम्हारे घर की सब्जी₹ वाली नीति अपनाने में जुटा था। ऑफिस में अब काम की चर्चा कम और रेसिपी की चर्चा ज्यादा होने लगी। अफसरों को भी समझ नहीं आ रहा था कि इस लंचबैठक को कैसे नियंत्रित किया जाए। फाइलें एक कोने में पड़ी रह गईं और भोजन की राजनीति अपने चरम पर थी। इधर शुक्ला जी, जो अपनी डायबिटीज की वजह से सालों से फीकी सब्जी खा रहे थे, उन्होंने वर्मा जी के टिफिन की सुगंध सूंघी और उनकी आत्मा ने विद्रोह कर दिया।

आज कामदा एकादशी के दिन जरूर करें ये उपाय

आज कामदा एकादशी का व्रत किया जायेगा। कहते हैं कामदा एकादशी का व्रत रखने से जातक की सभी इच्छाएं पूरी होती हैं। किसी भी एकादशी व्रत के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने का विधान है। कुछ पुराणों के अनुसार कामदा एकादशी को उपवास करने से श्रेष्ठ संतान की प्राप्ति होती है। बता दूं कि एकादशी का व्रत नित्य और काम्य दोनों है। नित्य का मतलब है, जो व्रत गृहस्थ के लिये करना जरूरी हो और काम्य व्रत का मतलब है- जो किसी वांछित वस्तु की प्राप्ति के लिये किया जाये। यहां साफ-साफ समझ लेना चाहिए कि दोनों पक्षों की एकादशी पर व्रत केवल उनके लिये नित्य है, जो गृहस्थ नहीं है। गृहस्थों के लिये केवल शुक्ल पक्ष की एकादशी पर ही नित्य है, कृष्ण पक्ष में नहीं। इसके अलावा आज के दिन श्री विष्णु दोलोत्सव भी है। आज के दिन शाम के समय श्री विष्णु भगवान की पूजा करके उनकी मूर्ति को झुलाने की परंपरा है। विष्णु भगवान की पूजा के साथ ही कामदा एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा के साथ ही कौन-से विशेष उपाय करने से विभिन्न शुभ फलों की प्राप्ति होगी, आपके जीवन में चल रही सभी समस्याओं का समाधान मिलेगा, आपके बिजनेस की गति निरंतर बढ़ेगी।

कामदा एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा के साथ ही कौन-से विशेष उपाय करने से विभिन्न शुभ फलों की प्राप्ति होगी, आपके जीवन में चल रही सभी समस्याओं का समाधान मिलेगा, आपके बिजनेस की गति निरंतर बढ़ेगी। आईये अब चर्चा शुरू करते है आज किये जाने वाले उपायों की- अगर आप निरंतर रूप से आर्थिक उन्नति चाहते हैं तो आज कामदा एकादशी के दिन स्नान आदि से निवृत्त होकर, साफ कपड़े पहनकर, तुलसी के पौधे के सामने घी का दीपक जलाएं और 'ॐ नमो भगवते नारायणाय' बोलते हुए 11 बार तुलसी के पौधे को प्रणाम करें। आज के दिन ऐसा करने से आपकी आर्थिक उन्नति की रफ्तार तेजी से बढ़ने लगेगी।

अगर आपके बिजनेस का फ्लो धीमी गति से चल रहा है तो आज श्री विष्णु की पूजा के समय एक पीले रंग का कपड़ा लें। अब उसमें 2 हल्दी की गांठ, एक चांदी का सिक्का और एक पीले रंग की कौड़ी रखकर, उस कपड़े में गांठ लगाकर पोटली बना दें। अगर आप चांदी का सिक्का रखने में समर्थ नहीं है तो साधारण एक रूपये का सिक्का उस पोटली में रख दें। अब उस पोटली को भगवान का आशीर्वाद लेकर अपने धन रखने वाले स्थान पर रख लें। आज ऐसा करने से आपका व्यापार तेज गति से चलने लगेगा। अगर आपके दाम्पत्य जीवन से मधुरता कहीं गायब हो गई है या आपके रिश्ते की ऊष्मा कम हो गई है तो आज एक कच्चा, जटा वाला नारियल लेकर, उसे एक पीले कपड़े में लपेट लें। अब नारियल पर उस कपड़े को मौली की सहायता से बांध दें और श्री विष्णु मन्दिर में अर्पित कर दें। आज के दिन ऐसा करने से आपके दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और आपके रिश्ते की ऊष्मा फिर से बहाल होगी।

अगर आपके मन पसंद विवाह में लंबे समय से दिक्कतें आ रही हैं तो आज स्नान आदि के बाद श्री विष्णु और मां लक्ष्मी की मूर्ती या फोटो के आगे बैठकर भगवान के इस मन्त्र का एक माला यानि यानि 108 बार जप करें। मन्त्र इस प्रकार है- "ऊं लक्ष्मी नारायणाय नमः" मंत्र जप के बाद हाथ जोड़कर श्री विष्णु और मां लक्ष्मी से अपने मन पसंद विवाह की सफलता के लिये प्रार्थना करनी चाहिए।आज इस प्रकार मंत्र जप और प्रार्थना करने से आपके मन पसंद विवाह में आ रही परेशानियों का हल जल्द ही निकलेगा। अगर आपके पारिवारिक जीवन में परेशानियां चल रही हैं या आपके परिवार के सदस्यों के बीच अनबन चल रही है, जिसके चलते कोई एक-दूसरे से अच्छे से बात नहीं करता, तो आज श्री विष्णु की पूजा के समय दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर भगवान विष्णु को अर्पित करें। जल में थोड़ा-सा गंगाजल भी डाल दें, तो अच्छा होगा। पूजा के बाद शंख में भरे उस जल को परिवार के सब सदस्यों में प्रसाद के रूप में बांट दें। आज के दिन ऐसा करने से आपके परिवार के सदस्यों के बीच चल रही परेशानियां कम होंगी और सबके बीच मेलजोल बढ़ेगा।

अपने दाम्पत्य जीवन को सुखमय बनाये रखने के लिए आज भगवान विष्णु की विधि-पूर्वक पूजा करने के बाद केले के वृक्ष में जल अर्पित करें और साथ ही घी का दीपक जलाएं। फिर दोनों हाथ जोड़कर, सिर झुकाकर वृक्ष को प्रणाम करें और घर वापस आ जायें। आज के दिन ऐसा करने से आपका दाम्पत्य जीवन सुखमय बना रहेगा और आपके रिश्ते में खुशियां ही खुशियां दस्तक देंगी।

अगर आपको लंबे समय से अच्छी नौकरी नहीं मिल पा रही है या आपका प्रमोशन किसी कारण से अटका हुआ है, तो आज के दिन एक कच्चे मिट्टी के घड़े में गेहूं भरकर, उस पर ढक्कन लगाकर, घड़े को किसी सुपात्र ब्राह्मण को दान कर दें और अपनी बेहतरी के लिये उनके पैर छूकर आशीर्वाद लें। आज के दिन ऐसा करने से आपको जल्द ही अच्छी नौकरी मिलेगी और आपके प्रमोशन में आ रही परेशानी भी जल्द ही दूर होगी।

अगर आप लंबे समय से कर्ज के बोझ से परेशान हैं तो आज के दिन स्नान आदि के बाद पीपल के वृक्ष पर 11 बार कच्चा सूत लपेटते हुए परिक्रमा करें। परिक्रमा पूरी होने के बाद पीपल की जड़ में जल अर्पित करें और हाथ जोड़कर कर्ज से जल्दी मुक्ति पाने के लिये प्रार्थना करें। आज के दिन ऐसा करने से जल्द ही आपके ऊपर से कर्ज का बोझ उतर जायेगा।

अगर आप आज के दिन किसी शुभ कार्य के लिए घर से बाहर जाने वाले हैं, तो घर से निकलते समय हल्दी का तिलक लगाकर जायें, आपके सारे काम बनेंगे। लेकिन अगर आप कुछ दिनों बाद, किसी महत्वपूर्ण कार्य से बाहर जाने वाले हैं या किसी बिजनेस मीटिंग के लिये जाने वाले हैं तो आज एक सफेद सूत का लंबा-सा धागा लेकर, उसे हल्दी से रंग दें और श्री हरि के चरणों में लगाकर, उस धागे में सात गांठें बाधकर, अपने पास रख लें। अब जब भी आप अपने इम्पोर्टेंट काम के लिये बाहर जायें तो इस धागे को अपनी जेब में रख लें। आज के दिन ऐसा करने से आपका काम जरूर सफल होगा।

अगर लाख कोशिशों के बाद भी आपकी आर्थिक स्थिति डामाडौल बनी हुई है और आपको धन लाभ नहीं हो पा रहा है, तो आज श्री विष्णु के निमित्त कामदा एकादशी का उपवास रखें और साथ ही पीले रंग के रेशमी कपड़े में सात हल्दी की गांठें बांधकर केले के पेड़ के नीचे रख आयें। आज के दिन ऐसा करने से आपकी आर्थिक समस्याओं का हल जल्द ही निकलेगा।

अपने करियर की बेहतरी के लिये या अपने बिजनेस को एक नये मुकाम तक पहुंचाने के लिये आज एक पीपल का पत्ता लेकर, उस पर हल्दी से स्वास्तिक का चिन्ह बनाएं और भगवान के चरणों में 'ॐ नमो भगवते नारायणाय' कहते हुए अर्पित कर दें। साथ ही किसी पीले रंग की मिठाई का भोग लगाएं।

अगर मिठाई का भोग नहीं लगा सकते तो केले का फल चढ़ा दें। आज के दिन ऐसा करने से आपके करियर की अच्छी शुरुआत होगी और बिजनेस में आपको मनचाहा मुकाम हासिल होगा।

अगर आपकी लाडली के, यानि आपकी कन्या के विवाह में किसी प्रकार की समस्या आ रही है तो आज बेसन को देशी घी में भूनकर, उसमें पिसी हुई शक्कर मिलाकर, साथ ही हो सके तो उसमें थोड़ा-सा केसर डालकर पूरे 21 लड्डू बनाएं। अगर आप घर पर लड्डू बनाने में समर्थ नहीं है तो बाजार से बेसन के लड्डू खरीदकर ले आयें। अब किसी विष्णु मन्दिर में जाकर या घर पर ही भगवान श्री विष्णु की मूर्ति के चरणों में एक-एक करके वो लड्डू चढ़ाएं। लड्डू चढ़ाते समय श्री विष्णु के मंत्र का जप करना न भूलें। एक लड्डू चढ़ाएं और मंत्र बोलें- 'ॐ नमो भगवते नारायणाय' इसी प्रकार मंत्र बोलते हुए सारे लड्डू भगवान को चढ़ाएं और कपूर से भगवान की आरती करें।

आज के दिन ऐसा करने से आपकी कन्या के विवाह में आ रही परेशानियों का हल जल्द ही निकलेगा। तो ये सारी चर्चा थी आज सर्वार्थ सिद्धि योग, अश्लेषा नक्षत्र और कामदा एकादशी व्रत के बारे में आज कामदा एकादशी के दिन भगवान विष्णु के निमित्त कौन से विशेष उपाय करने से आपके जीवन में चल रही समस्त समस्याओं का समाधान निकलेगा हमने इसकी भी चर्चा की है।

10 अप्रैल को गुरु का नक्षत्र बदलना 3 राशियों के लिए प्रतिकूल

गुरु ग्रह अप्रैल के महीने में नक्षत्र परिवर्तन करने वाले हैं। 10 अप्रैल को गुरु राहिणी नक्षत्र से निकलकर मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश कर जाएंगे। गुरु के इस परिवर्तन से राशिचक्र की कुछ राशियों के जीवन में प्रतिकूल बदलाव देखने को मिल सकते हैं। खासकर करियर और शिक्षा के क्षेत्र में इन राशियों को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन राशि

गुरु ग्रह आपकी हानि भाव में विराजमान हैं। 10 अप्रैल को नक्षत्र परिवर्तन करने के बाद गुरु आपके जीवन में चुनौतियां बढ़ा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में बीते समय में कोई गलती की थी तो उसके कारण किसी तरह की कार्यवाही इस राशि के लोगों पर हो सकती है। बेरोजगार लोगों को कड़ी मेहनत के बाद ही सफलता हासिल होगी। धन आपके पास पर्याप्त मात्रा में होगा लेकिन बेवजह के खर्च इस दौरान बढ़ सकते हैं। अनचाही यात्राएं आपका धन और वक्त बर्बाद कर सकती है।

तुला राशि

स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों के कारण तुला राशि के जातकों को परेशानी आएगी। बढ़ रहे वजन के कारण कोई नई स्वास्थ्य समस्या सामने आ सकती है। छोटे-छोटे खर्चे भी इस दौरान आपकी मोटी कमाई को खत्म कर सकते हैं। इस राशि के जिन लोगों ने हाल ही में जॉब बदली है उनकी कड़ी परीक्षा नए संस्थान में होगी। पारिवारिक जीवन में आपकी किसी योजना को लेकर लोगों की असहमति आपको निराश कर सकती है। विद्यार्थियों की एकाग्रता भंग हो सकती है, गलत संगति से इस राशि के लोगों को संभलकर रहना होगा।

मकर राशि

शनि के स्वामित्व वाली मकर राशि के लोगों की कुछ योजनाएं इस दौरान अटक सकती हैं। घर या वाहन खरीदना चाहते थे तो किसी व्यक्ति की वजह से खरीदने में असफल हो सकते हैं। व्यक्तिगत रूप से आप आगे तो बढ़ेंगे लेकिन परिवार में धन की कमी आपकी चिंता का कारण बनेगी। इस दौरान एक मार्गदर्शक की तरह आपको घर के छोटे सदस्यों को समझाने की कोशिश करनी होगी। विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में अच्छे परिणाम पाने के लिए गुरुजनों से खुलकर बात करनी होगी। किसी पुराने मित्र से जुड़ी कोई बुरी खबर आपको उदास कर सकती है।

घर की इन 3 दिशाओं से जुड़ी गलतियां बनती हैं कंगाली का कारण

वास्तु शास्त्र में दिशाओं को सबसे अधिक महत्व है। सही दिशा में रखी सही वस्तु आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाती है, वहीं किसी दिशा में अगर उस दिशा से संबंधित वस्तु नहीं है तो परेशानियां भी जीवन में पैदा हो सकती हैं। वास्तु के जानकारों के अनुसार, हमारे जीवन की अधिकतर दिक्कतें घर के गलत वास्तु से ही शुरू होती है। ऐसे में आज हम आपको बताने वाले हैं कि वास्तु से जुड़ी वो कौन सी गलतियां हैं जिनके कारण आप धन से जुड़ी समस्याओं का सामना कर सकते हैं।

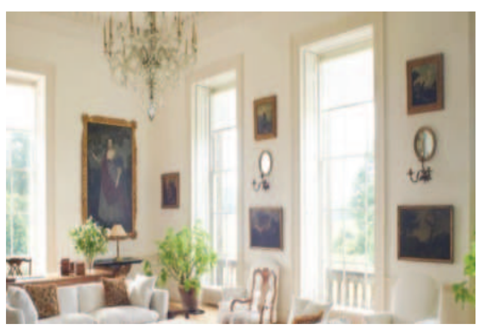

ईशान कोण से जुड़ी गलती

उत्तर-पूर्व दिशा को ईशान कोण कहा जाता है। यही दिशा देवी-देवताओं का स्थान भी कही जाती है। इसलिए इस दिशा में कभी भी गंदगी नहीं रखनी चाहिए। यहां कूड़ा दान रखना, भारी चीजें रखना वास्तु दोष पैदा करता है। इसके साथ ही इस दिशा में बना टॉयलेट और स्टोर रूम भी आपके लिए समस्या का कारण बन सकता है। अगर ये गलतियां आप ईशान कोण में करते हैं तो धन से जुड़ी परेशानियां आपके जीवन में हमेशा आती रहती हैं। वहीं इस दिशा को अगर आप साफ-सुथरा रखते हैं, इस दिशा में पूजा का स्थान बनाते हैं तो जीवन में धन-धान्य की प्राप्ति आपको होती है।

आग्नेय कोण से जुड़ी गलती

दक्षिण-पूर्व दिशा को आग्नेय कोण कहा जाता है। इस दिशा का स्वामी अग्नि देव को माना जाता है। इसलिए कभी भी आपको आग्नेय कोण में पानी की टंकी या पानी से भरे बर्तन नहीं रखने चाहिए। कई बार लोग घर की छत पर टंकी इस दिशा में रख देते हैं, ऐसा करना वास्तु के अनुसार अशुभ माना जाता है। इसकी वजह से आपके घर में कंगाली आ सकती है। आग्नेय कोण में जल, जल से भरे बर्तन रखने से आपको कानूनी पचड़ों में भी फंसना पड़ सकता है। साथ ही घर में लड़ाई झगड़े का कारण भी आग्नेय कोण से जुड़ा वास्तु दोष हो सकता है। इसलिए गलती से भी इस दिशा में पानी न रखें। इस दिशा में दीपक जलाना या लाइट जलाकर रखने से आपको शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं।

उत्तर दिशा से जुड़ी गलती

वास्तु के अनुसार यह दिशा धन के देवता कुबेर है। इसलिए अगर आप चाहते हैं कि कुबेर देव की कृपा आप पर बनी रहे तो इस दिशा से जुड़ी गलती आपको नहीं करनी चाहिए। इस दिशा में गंदगी फैलाना, टूटी-फूटी चीजें रखना, जूते-चप्पल रखना, कांटेदार पौधे रखना अशुभ माना जाता है। अगर आप भी घर की उत्तर दिशा में ये चीजें रखते हैं तो स्वाभाविक तौर पर हमेशा धन से जुड़ी परेशानियां आपके जीवन में आएंगी। इसलिए इस दिशा को आपको हमेशा साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखना चाहिए।

इन घरेलू नुस्खों से 9 ग्रहों को करें मजबूत

कुंडली में जब कोई ग्रह अशुभ हो जाता है तो हम उसके लिए जप, तप, हवन, यज्ञ, दान जैसे उपाय करते हैं. लेकिन कई बार कुछ छोटे-छोटे घरेलू उपाय अपनाकर भी हम अपने ग्रहों को संतुलित और शक्तिशाली बना सकते हैं. हर ग्रह का हमारे जीवन में विशेष महत्व होता है. जब कोई ग्रह सक्रिय होता है तो वह हमारे जीवन में एक विशेष प्रभाव डालता है। आज हम आपको 9 ग्रह के आसान और घरेलू उपाय बता रहे है जिन्हें करने से आप अशुभ ग्रह को प्रसन्न कर सकते है सूर्य को मजबूत करने का उपाय सूर्य आपके जीवन की आधारशिला है. इसे मजबूत करने के लिए।

रोज़ सुबह सूर्य की पहली किरणों में कुछ देर पीठ करके बैठें.

सूर्यास्त से पहले भोजन कर लें.

तांबे के बर्तन में पानी पिएं।

लकड़ी के फर्नीचर का अधिक प्रयोग करें।

भोजन में थोड़ी सी लाल मिर्च जरूर शामिल करें।

चंद्रमा मन का कारक है। इसे संतुलित करने के लिए।

रात में ठंडी चीज़ें खाना बंद करें.

रसदार फल और सलाद का सेवन जरूर करें।

पानी की बर्बादी बिल्कुल न करें।

पुरुष विशेषकर अपनी माता के हाथों से बना भोजन करें।

मंगल को मजबूत करने का उपाय

मंगल साहस और ऊर्जा का प्रतीक है. इसे प्रबल करने के लिए।

जमीन पर या नीची पलंग पर सोने की आदत डालें।

मंगलवार को नमक न खाएं.

गुड़ और दाल का सेवन करें।

लाल रंग के अंतःवस्त्र पहनें।

बुध को मजबूत करने का उपाय बुद्धि, वाणी और संप्रेषण का ग्रह है. इसे मजबूत करने के लिए.

भोजन में हरी सब्जियों को शामिल करें.

सौंदर्य प्रसाधनों का उपयोग कम करें।

अच्छी संगति के लोगों के साथ रहें

रोजाना कुछ देर म्यूजिक जरूर सुनें।

रोज़ स्नान करें और स्वच्छता का ध्यान रखें.

परफ्यूम का प्रयोग करें।

बृहस्पति

ज्ञान, गुरु और धर्म का प्रतीक है. इसे सशक्त करने के लिए.

हल्दी का सेवन करें।

सात्विक भोजन लें और नशे से दूर रहें।

बुरी नजर व नकारात्मक ऊर्जा से बचाता है नमक का पानी

नमक के पानी से हाथ धोने के फायदे

ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के अनुसार, नमक का पानी से हाथ धोना एक बहुत प्रभावी उपाय माना जाता है. यह न सिर्फ नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में मदद करता है, बल्कि कई दूसरे फायदे भी प्रदान करता है. चलिए जानते हैं इन फायदों के बारे में।

नकारात्मक ऊर्जा का नाश

अगर आपको बार बार थकान महसूस होती है या आपके काम अक्सर बिगड़ जाते हैं, तो संभव है कि आपके ऊपर नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव हो. पंडित जी के अनुसार, नमक के पानी से हाथ धोने से इस नकारात्मक ऊर्जा को दूर किया जा सकता है. यह उपाय आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करता है।

बुरी नजर से सुरक्षा

हमारे समाज में यह विश्वास है कि जब हम किसी से मिलते हैं या हाथ मिलाते हैं, तो कभी कभी बुरी

नजर का प्रभाव पड़ता है. ऐसे में नमक के पानी से हाथ धोने से बुरी नजर से बचाव हो सकता है. यह आपके शरीर से नकारात्मक प्रभावों को हटाकर आपको शुद्ध और स्वस्थ रखता है।

शनि और राहु दोष से मुक्ति

ज्योतिष में यह भी माना गया है कि नमक का संबंध शनि और राहु से है. अगर किसी व्यक्ति के जीवन में शनि या राहु का दोष हो, तो नमक से हाथ धोना मददगार साबित हो सकता है. यह ग्रहों की नकारात्मक ऊर्जा को शांत करता है और जीवन में आने वाली परेशानियों से बचाता है।

मानसिक शांति और आत्मविश्वास

नमक के पानी से हाथ धोने का एक और महत्वपूर्ण लाभ यह है कि यह मानसिक शांति और आत्मविश्वास को बढ़ाता है. जब व्यक्ति तनाव महसूस करता है, तो नमक के पानी से हाथ धोने से ऊर्जा का संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है. इससे मानसिक स्थिति में सुधार होता है और व्यक्ति को आत्मविश्वास महसूस होता है।

आर्थिक समस्याओं का समाधान

वास्तु शास्त्र के अनुसार, नमक का इस्तेमाल आर्थिक समस्याओं से निपटने के लिए भी किया जाता है. अगर किसी व्यक्ति को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, तो नमक के पानी से हाथ धोने से स्थिति में सुधार हो सकता है. यह उपाय धन की कमी को दूर करने और समृद्धि आकर्षित करने में मदद करता है।

नमक के पानी से हाथ कब धोने चाहिए ?

ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में कहा गया है कि आपको तब नमक के पानी से हाथ धोने चाहिए, जब आप किसी से मिलकर या हाथ मिलाकर आ रहे हों और भारीपन महसूस कर रहे हों. इसके अलावा, जब आप किसी से मिलकर मानसिक तनाव या थकान महसूस करें, तब भी यह उपाय लाभकारी हो सकता है।

नमक से हाथ धोने में सावधानी

हालांकि नमक का पानी से हाथ धोने के कई फायदे हैं, लेकिन यह ध्यान रखना जरूरी है कि इसे अधिक बार न किया जाए. बार बार नमक से हाथ धोने से राहु और शनि का प्रभाव बढ़ सकता है.

इसके अलावा, गुरुवार के दिन नमक का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए, क्योंकि यह बृहस्पति को कमजोर करता है और जीवन में समस्याएं उत्पन्न कर सकता है।

तलाक के बाद धनश्री की रियलिटी शोज में एंट्री!

धनश्री और चहल का तलाक 20 मार्च 2025 को फाइनल हुआ

'खतरों के खिलाड़ी' में दिलचस्पी, पर्सनल लाइफ के कारण 'बिग बॉस' को लेकर कन्फ्यूजन

सोशल मीडिया स्टार और डांसर धनश्री वर्मा इन दिनों रियलिटी शोज की दुनिया में एंट्री को लेकर चर्चा में हैं। उन्हें प्रोडक्शन हाउसेज से लगातार ऑफर्स मिल रहे हैं। कुछ फॉर्मेट्स पर बातचीत भी चल रही है, लेकिन अब तक उन्होंने किसी शो के लिए हामी नहीं भरी है।

सूत्रों के मुताबिक, धनश्री को एक-दो बड़े रियलिटी शोज के लिए अप्रोच किया गया है। 'खतरों के खिलाड़ी' जैसे फिजिकल टास्क बेस्ड शो को लेकर वह पॉजिटिव हैं। लेकिन 'बिग बॉस' को लेकर वह अब भी कन्फ्यूजन में हैं। शो की टीम चाहती है कि अगर वह 'बिग बॉस' में आती हैं, तो अपनी पर्सनल लाइफ, खासकर युजवेंद्र चहल से शादी और तलाक को लेकर खुलकर बात करें।

धनश्री की पर्सनल लाइफ पहले से ही चर्चा में रही है। उन्होंने साल 2020 में टीम इंडिया के स्पिनर युजवेंद्र चहल से शादी की थी। सोशल मीडिया पर दोनों की जोड़ी काफी फेमस रही। लेकिन कुछ समय पहले दोनों का तलाक हो गया। धनश्री के टीम मेंबर्स का मानना है कि अगर यह शर्त रखी जा रही है, तो उनकी फीस बढ़नी चाहिए। हालांकि, धनश्री फिलहाल किसी इमोशनल या कंट्रोवर्शियल टॉपिक को कैश करने के मूड में नहीं हैं। वह चाहती हैं कि अगर कोई शो करें, तो अपनी पहचान के दम पर करें, ना कि किसी पुराने रिश्ते के नाम पर।

अब तक धनश्री ने किसी भी शो को लेकर फाइनल कमिटमेंट नहीं किया है। एक तरफ उन्हें यह मौका अपने करियर के लिए फायदेमंद लग रहा है, दूसरी तरफ वह सोच रही हैं कि क्या अपनी पर्सनल लाइफ को कैमरे के सामने लाना सही रहेगा?

धनश्री और चहल का तलाक 20 मार्च 2025 को फाइनल हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तलाक सेटलमेंट के तहत चहल ने उन्हें 4.75 करोड़ रुपये एलिमनी देने की बात मानी है। इसमें से 2.37 करोड़ रुपये की पहली किस्त धनश्री को मिल चुकी है। 60 करोड़ की डिमांड की जो अफवाहें थीं, उन्हें धनश्री के परिवार ने गलत बताया है। इस डील और एलिमनी को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। खासकर वर्किंग वुमन को मिलने वाली एलिमनी को लेकर लोग अपनी-अपनी राय रख रहे हैं। धनश्री इससे पहले साल 2023 में 'झलक दिखला जा सीजन 11' में हिस्सा ले चुकी हैं। उस शो में उनके एक्स-हसबैंड युजवेंद्र चहल भी पहुंचे थे और उन्होंने स्टेज पर आकर धनश्री को सपोर्ट किया था।

नुसरत ने 'छोरी 2' के लिए डबल मेहनत की : डायरेक्टर ने कहा- फिल्म में समाज में हो रही बुरी प्रथाओं पर मैसेज दिया

नुसरत भरुचा और सोहा अली खान अपनी अपकमिंग फिल्म छोरी- 2 को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म 11 अप्रैल को ओटीटी पर स्ट्रीम होगी। यह फिल्म छोरी की सीक्वल है। फिल्म 'छोरी' में नुसरत थीं और हम वहीं कहानी आगे ले जा रहे हैं, इसलिए 'छोरी 2' में भी नुसरत ही हैं। हां, हमने इस बार सोहा अली खान को जरूर शामिल किया है। यहां हमने उन्हें दासी के रोल में कास्ट किया है। व हीं , काजोल के साथ फिल्म 'मां' आ रही है। उसकी स्टोरी अजय देवगन सर के पास ऑलरेडी थी। अजय सर ने इसके लिए मुझे चुना यह मेरे लिए बड़ी बात है। मैं शुक्रगुजार हूं कि इतने बड़े और बेहतरीन कॉन्सेप्ट के साथ फिल्म मां को डायरेक्ट करने का मौका मुझे मिला।

नुसरत से 4-5 गुना ज्यादा मेहनत करवाई गई है। छोरी के समय में नुसरत नई-नई थी हॉरर में तो उसको चीजें समझने में थोड़ी-सी दिक्कत हो रही थी। इस बार भी उसे शुरुआत में दिक्कत हुई, फिर उसने अपने आप से ही सब समझ लिया। हालांकि,, वह बेहतरीन एक्ट्रेस हैं, बहुत अच्छा काम पहली में भी किया है। इस बार जब वह सेट पर आईं तो उन्हें इतना तो पता था कि विशाल की दुनिया है तो ये तो ऐसी ही होगी। इसमें कोई कंफर्ट नहीं मिलने वाला है। तो वह पहले ही मेंटली तैयार होकर आई थीं और उन्होंने भी अपने एक्स्ट्रा एफर्ट दिए। उनका काम बेहतरीन और बहुत ही पावरफुल है वो दर्शकों को स्क्रीन पर दिखेगा।

सोहा का जो किरदार है वह हमारा क्रिएट किया हुआ है। सोहा को लेते समय हम सोच रहे थे कि उन्हें ग्रामीण स्पेस में कैसे लाया जाए। कैसे वह देसी भाषा बोले और वैली दिखें। सोहा खुद भी कन्वेंस नहीं थी लेकिन जब उन्होंने पूरी स्क्रिप्ट पढ़ी, नरेशन लिया, फिर कॉस्ट्यूम के ट्रायल हुए तो वह खुद भी कन्वेंस हो गई। उन्हें भी लगा कि ये उनके लिए अच्छा किरदार है। कुछ नया है, चैलेंजिंग है। इसमें उनके तीन प्रोस्थेटिक अवतार हैं और तीनों को उन्होंने बहुत अच्छे से निभाया है। उन्होंने बहुत जबरदस्त काम किया है।

पिछली बार की तुलना में इस बार कहानी और बड़ी है। हमने इसे काफी बड़े स्केल पर शूट किया है। हम बड़ी दुनिया बनाना चाह रहे थे तो सेट भी एक खास तरीके से बना रहे थे। इस बार बहुत सकरे-सकरे सेट्स हैं। कई टर्नल्स भी हैं। ऐसे में शूट करना काफी टिपिकल रहा। टेक्निकल टीम हो या एक्टर्स हो सबके लिए ही चैलेंजिंग था कि इतनी छोटी-छोटी जगहों पर काम कैसे करें।

हमारी इच्छा यही है कि हॉरर के साथ एंटरटेनमेंट भी दें। लोगों को डराते-डराते एक खास बात कह जाएं। हमारे समाज में जो कुछ गलत चीजें चल रही हैं, बुरी प्रथाएं हैं जो नहीं होनी चाहिए। उस पर संदेश दें। इस बार भी कहानी में बहुत कुछ है। एक नया विषय देखने को मिलेगा लेकिन जैसे पहले भी हमने शुरुआत में नहीं बताया था कि फिल्म में क्या है तो इस बार भी वही कोशिश है। पहले एंटरटेनमेंट होना चाहिए फिर दर्शकों को पता चले कि फिल्म तो एक अहम संदेश दे रही है। अगर मैं पहले ही बता दूंगा तो उसका खास इम्पैक्ट नहीं पड़ेगा।

जैकलीन फर्नांडिस की मां किम फर्नांडिस का निधन

जैकलीन फर्नांडिस की मां किम फर्नांडिस का निधन हो गया है। उनकी मां बीते कई दिनों से मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती थीं। निधन के बाद पिता, मां का पार्थिव शरीर लेने हॉस्पिटल पहुंचे थे। इसके बाद उनका अंतिम संस्कार सांताक्रूज के श्मशान घाट में हुआ।

24 मार्च को जैकलीन की मां किम को हार्ट स्ट्रोक आया था, जिसके बाद उन्हें इमरजेंसी में मुंबई के लीलावती हॉस्पिटल में एडमिट करवाया था। उनकी हालत लगातार क्रिटिकल बनी हुई थी। जैकलीन मां के एडमिट होने के बाद स से ही काम से ब्रेक लेकर लगातार अस्पताल के चक्कर काट रही थीं। कई मौकों पर उन्हें हॉस्पिटल में स्पॉट किया गया था।मां की तबीयत बिगड़ने पर छोड़ा था आईपीएल इवेंट

जैकलीन फर्नांडिस को कुछ समय पहले ही इंडियन प्रीमियर लीग में परफॉर्मेंस देनी थी। उनकी परफॉर्मेंस 26 मार्च को राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर के बीच हुए मुकाबले की ओपनिंग में होनी थी। इसकी सारी तैयारियां भी हो चुकी थीं, लेकिन मां को हार्ट स्ट्रोक आने के बाद जैकलीन ने आईपीएल में परफॉर्म करने से इनकार कर दिया था। एक हफ्ते पहले सलमान खान भी जैकलीन फर्नांडिस की मां किम से मिलने लीलावती अस्पताल पहुंचे थे। दोनों साथ में जल्द ही किक 2 में नजर आने वाले हैं।

मंदिर जाने के कारण ट्रोल हुईं सारा अली खान भड़के यूजर्स बोले- नाम बदलकर सीता रख लो

सारा अली खान को अक्सर अपनी प्रोफेशनल लाइफ और पर्सनल लाइफ को लेकर ट्रोल किया जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस नवरात्रि के मौके पर गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर दर्शन करने के लिए पहुंची। सारा ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की। इसके बाद से सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को काफी ट्रोल किया जा रहा है।

सारा अली खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं। फोटोज में सारा सफेद कुर्ता, पायजामा और दुपट्टा पहने नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को देखने के बाद सोशल मीडिया पर लोग काफी भड़क गए हैं। कुछ लोग एक्ट्रेस को नसीहत दे रहे हैं कि वह अपना नाम बदलकर सीता रख लें।

सारा को यूजर्स एडवाइस दे रहे हैं, कि वह या तो अपना नाम चेंज कर लें या फिर धर्म बदल लें। एक यूजर ने एक्ट्रेस की पोस्ट पर कमेंट कर लिखा, यह सब नाटक हैं। तो वहीं एक ने सवाल किया कि सारा कभी इस्लामिक जगहों पर क्यों नहीं जाती हैं? दूसरे ने लिखा, आप इस तरह इस्लाम को बदनाम नहीं कर सकती।

इस पहले फरवरी में सारा अली खान झारखंड के देवघर में बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिर गई थीं। इस दौरान भी सारा ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा था, 'जय बाबा बैद्यनाथ।' जिसके कारण एक्ट्रेस को कमेंट करके ट्रोल किया जा रहा था। एक यूजर ने तो एक्ट्रेस से कह दिया था कि अपना 'नाम बदलकर सीता रख लो।'

सारा ने हाल ही में ट्रोलिंग को लेकर बात करते हुए कहा था, 'मुझे मेरे धर्म को लेकर भी ट्रोल्स किया जाता है, लोग कहते हैं कि तुम मुस्लिम हो और हिंदू मंदिरों में जाती हो। लेकिन मुझे अब इन सब बात से फर्क पड़ना बंद हो गया है। मुझे ट्रोलिंग से डील करने में सबसे ज्यादा हेल्प मेडिटेशन करता है। मुझे मेडिटेशन से यह पता चलता है कि क्या रियल है और क्या नहीं। मेरे लिए समस्या कभी भी ट्रोलिंग नहीं थी, मेरा यह सोचना था कि मैं ही सबसे अच्छी हूं। अब, मैंने यह सोचना ही बंद कर दिया है।'

सारा ने आगे कहा था, 'मैं एक एक्टर के रूप में अभी भी टॉप पर नहीं हूं। कुछ लोग कुछ कलाकारों को पसंद करते हैं, और कुछ को नहीं। एक एक्टर के रूप में मुझे अभी काफी लंबा सफर तय करना है। अभी एक लंबी लाइफ है, अभी काफी कुछ करना है।'

सारा अली खान ने साल 2018 में फिल्म 'केदारनाथ' से अपने करियर की शुरुआत की थी। सारा को हास ही में फिल्म स्काई फोर्स में देखा गया था। इसमें उनके साथ अक्षय कुमार, वीर पहाड़िया और निमरत कौर भी मुख्य भूमिकाओं में थे। सारा जल्द ही अनुराग बसु की रोमांटिक ड्रामा मेट्रो इन दिनों में नजर आएंगी। यह फिल्म लाइफ इन ए मेट्रो (2007) का सीक्वल है। इसमें आदित्य रॉय कपूर, अनुपम खेर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अली फजल और फातिमा सना शेख जैसे कलाकारों भी दिखाई देंगी। यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्म सिकंदर का 200 करोड़ बजट निकल पाना भी मुश्किल

सलमान खान की रिलीज हुई फिल्म सिकंदर से बॉलीवुड और उनके चाहने वालों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन अब फिल्म उम्मीदों पर खरी उतरती नजर नहीं आ रही है। फिल्म 100 करोड़ क्लब में शामिल होने से कुछ ही करोड़ दूर है, हालांकि फिल्म के 7वें दिन का कलेक्शन देखकर ये आकड़ा छू पाना फिल्म के लिए मुश्किल लग रहा है। हालांकि मेकर्स का दावा है कि फिल्म ने वर्ल्डवाइड 178 करोड़ कमाई कर ली है।

हाल ही में आई बॉक्स ऑफिस की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म सिकंदर ने रिलीज के 7वें दिन यानी शनिवार को महज 3.75 करोड़ रुपए का ही कलेक्शन किया है। इसी के साथ फिल्म का भारत में कुल कलेक्शन 97.50 करोड़ हो चुका है। रविवार का कलेक्शन फिल्म के लिए आखिरी उम्मीद है। अगर आज फिल्म 2.50 करोड़ तक नहीं कमा पाती है, तो जाहिर तौर पर वीक डेज में फिल्म पर 100 करोड़ का आंकड़ा टच नहीं कर सकेगी।

हाल ही में फिल्म की प्रोडक्शन कंपनी साजिद नाडियाडवाला एंड ग्रैंडसन के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर की गई है, जिसके मुताबिक फिल्म ने वर्ल्डवाइड 178.16 करोड़ रुपए कमा लिए हैं। इसके साथ लिखा गया है, ये जर्नी आपके बिना वैसी नहीं होती, आपके प्यार के लिए शुक्रिया।

साजिद नाडियाडवाला एंड ग्रैंडसन द्वारा शेयर किए गए पोस्टर के अनुसार, फिल्म सिकंदर ने भारत में पहले दिन यानी 30 मार्च को 35.95 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया था, जबकि ओवरसीज कमाई 19.25 हुई थी। जबकि सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने भारत में पहले दिन महज 26 करोड़ रुपए कमाए थे। वेबसाइट के मुताबिक फिल्म ने 6वें दिन 3.5 करोड़ कमाए हैं, तो वहीं मेकर्स का दावा है कि फिल्म ने 6वें दिन 5.38 करोड़ कमाए हैं।

इसके बावजूद भी अगर मेकर्स के 178 करोड़ वर्ल्डवाइड कलेक्शन होने के दावे को सही मान लिया जाए, तब भी फिल्म बजट निकालती नजर नहीं आ रही है। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म की कमाई में 41.67% की गिरावट आई है। अगर वीकेंड में ये हाल है, तो वीक डेज में कमाई और कम रहेगी। ऐसे में फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 200 करोड़ पहुंचना मुश्किल होगा। जबकि फिल्म का बजट ही 200 करोड़ रुपए है।

इस फिल्म में पहली बार सलमान खान के साथ रश्मिका मंदाना नजर आई हैं। गजनी जैसी बेहतरीन फिल्म डायरेक्ट कर चुके एआर मुरुगदास ने इसे डायरेक्ट किया है। वहीं, फिल्म में शरमन जोशी, काजल अग्रवाल, सत्यराज, प्रतीक बब्बर भी अहम किरदारों में हैं।

रश्मिका ने ओमान में सेलिब्रेट किया 29वां बर्थडे : फैंस बोले- विजय देवरकोंडा ने क्लिक की फोटोज; रिलेशनशिप में होने की अफवाहें

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा काफी समय से रिलेशनशिप की अफवाहों को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना 29वां बर्थडे सेलिब्रेट किया। रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर ओमान में बर्थडे सेलिब्रेट करते हुए कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इसके बाद यूजर्स ने एक्ट्रेस से कमेंट सेक्शन में उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड विजय को लेकर कई सवाल किए।

ओमान में बर्थडे सेलिब्रेशन की तस्वीरें शेयर की

रश्मिका मंदाना ने अपने इंस्टाग्राम पर ओमान की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। पोस्ट के कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा कि उनका बर्थडे फैंस के प्यार और उनकी विशेज से और भी ज्यादा खास हो गया। साथ ही रश्मिका ने अपने फॉलोअर्स का शुक्रिया अदा किया और उन्हें बेस्टटेस्ट कहा।

फैंस ने कमेंट कर विजय के बारे में पूछा

रश्मिका के पोस्ट शेयर करने के बाद फैंस ने कमेंट करके उनसे विजय देवरकोंडा को लेकर सवाल किए। एक यूजर ने विजय को टैग करते हुए लिखा, 'क्या आप विजय देवरकोंडा के साथ हैं?' कुछ लोगों ने एक्ट्रेस से सवाल पूछा कि क्या उनकी फोटोज विजय ने क्लिक की थीं।

अक्सर साथ नजर आते हैं रश्मिका-विजय

रश्मिका और विजय को अक्सर साथ देखा जाता है। दोनों को कई बार डेट पर जाते देखा गया है। जिसके चलते दोनों के रिलेशनशिप में होने की अफवाह है। हालांकि, दोनों ने अब तक अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियली एक्सेप्ट नहीं किया है। रश्मिका मंदाना हाल ही में फिल्म सिकंदर में सलमान खान के साथ नजर आ रही हैं। फिल्म 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म रिलीज होने के कुछ घंटे बाद रश्मिका को मुंबई के एक रेस्टोरेंट में रूमर्ड बॉयफ्रेंड विजय देवरकोंडा के साथ देखा गया था। ऐसा कहा जा रहा था कि दोनों लंच डेट पर गए थे।

एक्ट्रेस ने मच अवेटेड रोमांटिक ड्रामा 'गर्लफ्रेंड' का अपडेट दिया

रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपनी मच अवेटेड रोमांटिक ड्रामा 'गर्लफ्रेंड' के बारे में अपडेट शेयर किया था। एक्ट्रेस ने कहा था कि टीम और मेकर्स फिल्म के लिए काफी मेहनत कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक आस्क मी एनीथिंग का स्टोरी सेशन किया था। इसमें एक फैन ने एक्ट्रेस से 'गर्लफ्रेंड' अपडेट के बारे में पूछा। इस पर रश्मिका ने जवाब देते हुए कहा, 'आपके लिए बेस्ट फिल्म बना रहा हैं, यहां तक कि मैं खुद अपडेट का इंतजार कर रही हूं, जब मुझे पता चलेगा तो मैं जरूर शेयर करूंगी।'

सिकंदर में सलमान खान के साथ नजर आईं

बात करें रश्मिका मंदाना की हालिया रिलीज फिल्म सिकंदर की तो इस को ए. आर. मुरुगदास ने डायरेक्ट किया है। सलमान खान ने फिल्म सिकंदर में रश्मिका मंदाना के साथ स्क्रीन शेयर की है। फिल्म में शरमन जोशी, प्रतीक बब्बर, अंजिनी धवन, काजल अग्रवाल भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सिकंदर 30 मार्च को रिलीज हुई।

ओरल हेल्थ पर ध्यान न देना पड़ सकता है भारी

अच्छी सेहत चाहते हैं तो आपको संपूर्ण स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है। दुनियाभर में बढ़ती समस्याओं जैसे डायबिटीज हों या ब्लड प्रेशर इन्हें कंट्रोल रखने के लिए तो हम सभी निरंतर प्रयास करते रहते हैं पर क्या आप अपने ओरल हेल्थ पर ध्यान देते हैं? ये सिर्फ मुंह को साफ रखने तक सीमित नहीं है, ओरल हेल्थ का आपके संपूर्ण स्वास्थ्य पर असर हो सकता है।

मौखिक स्वास्थ्य की समस्याएं दुनियाभर में तेजी से बढ़ती जा रही हैं। बच्चे हों या बुजुर्ग हर उम्र के लोग दांतों से संबंधित दिक्कतों से परेशान देखे जा रहे हैं। खान-पान में गड़बड़ी और ओरल हेल्थ का ध्यान न रखना इसका प्रमुख कारण माना जाता है।

दांतों में सड़न की दिक्कत काफी आम है। शुगर या कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थ खाने और दांतों की ठीक तरीके से सफाई न करने के कारण ये समस्याएं होती है। इसके अलावा मसूड़ों में सूजन,मुंह से बदबू आना, दांतों में गरम या ठंडे का एहसास होते रहना भी ओरल हेल्थ की समस्या का संकेत हो सकता है।

डब्ल्यूएचओ का अलर्ट

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) कहता है मौखिक रोग कई देशों के लिए एक बड़ा स्वास्थ्य बोझ बन गए हैं और लोगों को जीवन भर प्रभावित करते हैं। अनुमान है कि वैश्विक स्तर पर मौखिक रोग लगभग 3.5 बिलियन (350 करोड़) लोगों को प्रभावित करते हैं। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज 2019 के अनुसार दांतों की सड़न सबसे आम स्वास्थ्य समस्या है। इसपर समय रहते ध्यान देकर खतरे को कम किया जा सकता है।

मौखिक समस्याओं के दुष्प्रभाव

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि लगभग 50% भारतीय वयस्क पेरिओडोंटल बीमारी से पीड़ित हैं, वहीं बच्चों में दांतों की सड़न व्यापक रूप से देखी जाती है। पेरिओडोंटल रोग, जिसे मसूड़ों की बीमारी के रूप में भी जाना जाता है, ये आमतौर पर बैक्टीरियल संक्रमण के कारण होता है जो मसूड़ों और दांतों को सहारा देने वाली हड्डी को नुकसान पहुंचाता है। ओरल हाइजीन पर ध्यान न देना इसका प्रमुख कारण माना जाता है।

अध्ययनों से पता चला है कि मौखिक स्वास्थ्य पर ध्यान न देने वाले लोगों में हृदय रोग और स्ट्रोक की दर अधिक होती है। कुछ शोधकर्ताओं का मानना है कि पेरिओडोंटाइटिस और मसूड़े में सूजन पैदा करने वाले बैक्टीरिया रक्तप्रवाह के माध्यम से शरीर के अन्य हिस्सों में भी पहुंच सकते हैं। इससे हृदय और मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं में सूजन और क्षति का खतरा बढ़ जाता है।

दांतों की साफ-सफाई का रखें ध्यान

ओरल हेल्थ ठीक रखने, विशेषतौर पर दांतों में होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए दिन में कम से कम दो बार अच्छे से ब्रश करना जरूरी है।

ब्रश करने के लिए आप किसी अच्छे टूथपेस्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं।

हर्बल टूथपेस्ट में मौजूद तत्व दांतों को मजबूत और चमकदार बनाने के साथ सांसों की बदबू को कम करने में मददगार हो सकते हैं।

ओरल हेल्थ को ठीक रखने के लिए जरूरी है कि कुछ भी खाने के बाद कुल्ला जरूर करें। इससे दांतों में भोजन के फंसे अवशेष निकल जाते हैं जिन्हें सड़न बढ़ाने का प्रमुख कारण माना जाता है।

इसके अलावा पूरे दिन खूब पानी पिएं। पानी पीने से दांतों से खाद्य पदार्थों के अवशेष नहीं चिपकते। लार के उत्पादन को भी बढ़ावा देने का ये कारगर तरीका है जो एसिड को बेअसर करने के लिए आवश्यक है।

चीनी खाना बिल्कुल बंद कर दें तो शरीर पर क्या असर होगा?

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आहार को ठीक रखना सबसे जरूरी माना जाता है। अगर आप सिर्फ खान-पान को ही ठीक रख लेते हैं तो ये कई गंभीर बीमारियों से बचाए रखने में आपके लिए मददगार हो सकता है। जिन चीजों को सेहत के लिए सबसे ज्यादा नुकसानदायक माना जाता रहा है उसमें ज्यादा चीनी-नमक खाना प्रमुख है। तो क्या हो अगर आप चीनी खाना बिल्कुल ही कम या बंद कर दें? क्या ऐसा करना आपको फायदा दे सकता है?

चीनी हाई कैलोरी वाली होती है, ऐसे में इसके अधिक सेवन के कारण डायबिटीज और मोटापा बढ़ने का खतरा रहता है। तो क्या हो अगर आप चीनी का सेवन बिल्कुल बंद कर दें?

चीनी का सेवन कम कर देने से क्या होता है?

आहार विशेषज्ञ बताते हैं, चीनी का सेवन कम कर देने से आपको कुछ ही दिनों में कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ दिखने लगते हैं। त्वचा में सुधार होने के साथ-साथ ये डायबिटीज, वेट कंट्रोल करने में मदद करता है। चीनी खाना बंद करने से आपके मानसिक स्वास्थ्य में भी सुधार होने लगता है और

इसके शरीर पर और भी कई सकारात्मक प्रभाव दिखने शुरू हो जाते हैं।

खान-पान होने लगता है ठीक

चीनी या इससे बनी चीजों का सेवन अगर आप कम कर देते हैं तो इससे आपके खान-पान में सुधार होने लग जाता है। असल में शरीर में लेप्टिन हार्मोन के कारण आपको भूख लगती है और बार-बार खाने की इच्छा होती है। यही हार्मोन हमें बताता है कि कब खाना चाहिए या कब रुकना चाहिए।

अध्ययनों से पता चलता है कि अगर आप चीनी खाना कम कर देते हैं तो लेप्टिन हार्मोन की कार्यप्रणाली सुधर होता है, जिससे आप कम खाते हैं और वजन बढ़ने से बच सकते हैं।

स्ट्रेस-एंग्जाइटी में सुधार

मेंटल हेल्थ की समस्याओं का जोखिम दुनियाभर में तेजी से बढ़ता जा रहा है। कई अध्ययन इस बात पर भी जोर देते हैं कि अगर आप चीनी अधिक खाते हैं तो इससे स्ट्रेस-एंग्जाइटी सहित कई अन्य प्रकार की मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

वैज्ञानिकों का मानना है कि चीनी के हाई ग्लाइसेमिक इंडेक्स की वजह से मस्तिष्क में सूजन बढ़ जाती है। अधिक चीनी खाने से डिप्रेशन, चिंता और अन्य मानसिक समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए अगर आप चीनी खाना कम कर देते हैं तो इससे स्ट्रेस-डिप्रेशन का खतरा कम हो सकता है।

चीनी कम खाने या छोड़ने के और भी कई फायदे हैं?

अगर आप चीनी खाना छोड़ देते हैं तो इससे कई अन्य लाभ हो सकते हैं।

ज्यादा चीनी खाने से शरीर में (एडवांस्ड ग्लाईकेशन एंड प्रोडक्ट्स) नामक तत्व बनते हैं, जो त्वचा को जल्दी बूढ़ा करने का काम करते हैं।

अगर चीनी कम कर देंगे और अपने शुगर को सामान्य रखेंगे, तो यह प्रक्रिया धीमी होती है। इससे आपकी त्वचा की रंगत सुधरने लगती है।

चीनी कम खाते हैं तो आपका वजन कम होने लगता है। चीनी कम खाने से कैलोरी इंटेक कम हो जाता है और आपके शरीर में फैट की मात्रा भी कम होने लगती है।

क्या आपका भी शुगर लेवल अक्सर बढ़ा रहता है?

डायबिटीज एक गंभीर समस्या है जिसके मामले सभी उम्र के लोगों में देखे जा रहे हैं। यदि आपके परिवार में पहले से किसी को डायबिटीज है, आपका लाइफस्टाइल या खानपान ठीक नहीं है या फिर आप शारीरिक रूप से कम मेहनत करते हैं तो ये सभी स्थितियां आपको भी डायबिटीज का रोगी बना सकती हैं। इसके लक्षणों को पहचानना और बचाव के लिए उपाय करते रहना सभी के लिए जरूरी है।

शुगर हाई रहने के हो सकते हैं कई गंभीर नुकसान

डायबिटीज आपके पूरे शरीर को प्रभावित कर सकती है, यही कारण है कि जिन लोगों का शुगर लेवल अक्सर बढ़ा हुआ रहता है उन्हें आंखों, किडनी और तंत्रिका से संबंधित दिक्कत हो सकती है।

डायबिटीज के कारण तंत्रिकाओं को होने वाली दिक्कत को डायबिटिक न्यूरोपैथी कहा जाता है। यही समस्या पैरों में कालापन और सड़न की दिक्कत बढ़ा देती है। डायबिटीज के कारण पैरों में होने वाली इस दिक्कत को डायबिटिक फुट के नाम से जाना जाता है, जिससे पैरों में अल्सर हो जाता है और गंभीर स्थितियों में पैरों को काटना भी पड़ सकता है।

डायबिटिक न्यूरोपैथी का पैरों पर असर

लगातार बने रहने वाली हाई शुगर की समस्या डायबिटिक न्यूरोपैथी का कारण बनती है, इसमें तंत्रिकाओं को क्षति होने लगती है जिससे पैरों में रक्त का संचार प्रभावित हो जाता है। अगर समय रहते इसपर ध्यान न दिया जाए तो इसमें पैर के हिस्से या उंगलियां काली पड़ने लगती है और इनमें सड़न हो सकता है। यदि इसका उपचार न किया जाए तो संभवतः प्रभावित हिस्सों को काटने की भी नौबत आ जाती है।

इन लक्षणों के दिखते ही हो जाएं सावधान

जिन लोगों को डायबिटिक न्यूरोपैथी की समस्या होती है अक्सर उनके पैरों में दर्द, झुनझुनी बनी रहती है। इसपर अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो पैर की उंगलियां और अन्य हिस्सों में रक्त का प्रवाह बाधित हो जाता है जिससे कोशिकाएं डेड होने लग जाती है। पैरों पर काले धब्बे दिखना इसका संकेत है, शुगर बढ़े रहने के कारण ये अल्सर में बदलने लगते हैं। इस स्थिति में प्रभावित हिस्से को काटने तक की भी नौबत आ सकती है। पैरों में इसका असर अधिक देखा जाता रहा है। कुछ लोगों के पैर से डिस्चार्ज होने लग जाता है। यह समस्या तेजी से बढ़ने लगती है और पूरे पैर में भी फैल सकती है। पैरों में काले दाग, फफोले, असामान्य सूजन, जलन, लालिमा, नीले निशान और अजीब गंध जैसे डायबिटिक फुट के संकेतों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए।

भारतीय महिलाओं में बढ़ रहा जानलेवा कैंसर का खतरा

भारत में कैंसर के मामले साल-दर साल तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। बच्चे हों या बुजुर्ग, महिला हों या पुरुष सभी इसका शिकार पाए जा रहे हैं। हर साल कैंसर के कारण देश में लाखों लोगों की मौत हो जाती है।

साल 2022 के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि इस साल भारत में कैंसर से 9 लाख से अधिक लोगों की मौत हो गई। इतना ही नहीं, हर साल कैंसर के करीब 14 लाख नए मामले भी सामने आ रहे हैं। स्तन कैंसर भारतीय महिलाओं में सबसे आम कैंसर है।

पहले माना जाता था कि कैंसर उम्र बढ़ने के साथ होने वाली बीमारी है, पर हालिया डेटा से पता चलता है कि 20 की उम्र में भी लड़कियां इसका शिकार हो रही हैं। ब्रेस्ट कैंसर क्यों बढ़ रहा है, इसको समझने के लिए किए गए एक अध्ययन में वैज्ञानिकों की टीम को गंभीर बातें पता चली हैं।

भारतीय महिलाओं में बढ़ते ब्रेस्ट कैंसर के मामले

बायोमेड सेंट्रल पब्लिक हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक हालिया रिपोर्ट में शोधकर्ताओं की टीम ने भारतीय महिलाओं में बढ़ते इस गंभीर कैंसर के जोखिमों को लेकर अलर्ट किया है। शोधकर्ताओं ने बताया कि भारत में महिलाएं इस कैंसर का जांच ही नहीं करा रही हैं, जिसके कारण बीमारी पकड़ में नहीं आती है। अधिकतर मामलों में इसका पता भी तब चल पाता है जब कैंसर अपने गंभीर चरणों में पहुंच चुका होता है। यहां से रोग का इलाज करना और जान बचा पाना काफी कठिन हो जाता है।

शोधकर्ताओं ने बताया कि देश में 45 साल से ज्यादा उम्र की केवल 1% महिलाएं ही ब्रेस्ट कैंसर जांच कराती हैं, जोकि बहुत चिंताजनक है।

स्तन कैंसर की जांच कराएं

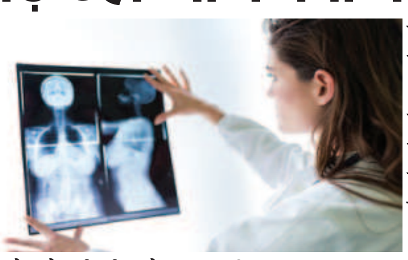

विशेषज्ञों की टीम ने बताया कि देश में केवल एक फीसदी महिलाएं ही ऐसी हैं जो मैमोग्राफी करवाती हैं। यह दर दुनिया के अन्य देशों की तुलना में काफी कम है। राज्य स्तर पर देखें तो केरल में सबसे ज्यादा 4.5% और कर्नाटक में 2.9% महिलाएं मैमोग्राफी करवा रही हैं। आंध्र प्रदेश में यह दर क्रमशः 0.1% और उत्तराखंड में 0.27% ही है, जबकि नागालैंड में यह दर शून्य है। मैमोग्राम स्तन का एक प्रकार का एक्स-रे है जिसका उपयोग स्तन कैंसर और स्तन के ऊतकों में परिवर्तनों का पता लगाने के लिए किया जाता है। मैमोग्राम से स्तन कैंसर का प्रारंभिक अवस्था में भी पता लगाया जा सकता है, यहां से इसका उपचार करना आसान हो जाता है।

मैमोग्राम टेस्ट से लगा सकते हैं कैंसर का पता

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, प्रारंभिक स्तर पर स्तन कैंसर की पहचान और उपचार से इसके पूर्ण रूप से ठीक होने की संभावना बढ़ जाती है। 40-75 वर्ष की आयु वाली सभी महिलाओं को हर साल में मैमोग्राम करवाना चाहिए। अगर आपको स्तन कैंसर होने का ज्यादा जोखिम है जैसे धूम्रपान या शराब का सेवन करती हैं या फिर परिवार में पहले से किसी को ये दिक्कत रही है तो 40 की आयु से पहले भी डॉक्टर की सलाह पर स्क्रीनिंग जरूर करानी चाहिए।

स्तन कैंसर के खतरे को जानिए

स्तन कैंसर के मामले जिस तरह से बढ़ते जा रहा हैं इसे ध्यान में रखते हुए सभी महिलाओं को बचाव के लिए अलर्ट रहना चाहिए।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, 20 से अधिक उम्र की सभी महिलाओं को नियमित रूप से अपने स्तनों की खुद से जांच करते रहना चाहिए।

अगर आपके स्तन के आकार में कोई बदलाव नजर आता है या फिर छूने पर किसी तरह की गांठ महसूस होती है तो आपको सावधान हो जाना चाहिए।

अधिकांश महिलाओं में स्तन कैंसर के मामले में शुरुआत में इन दोनों लक्षणों का अनुभव होता है।

स्तनों में दर्द रहना या निप्पल से किसी प्रकार का डिस्चार्ज होते रहना भी अलार्मिंग है, जिसको लेकर सभी लोगों को सतर्कता बरतनी चाहिए।

नींद व आंखों की दुश्मन बनती जा रही है आपकी ये एक आदत, डॉक्टरों ने किया सावधान

शरीर को स्वस्थ रखने की बात हो तो यहां संपूर्ण स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। आमतौर पर हम सभी हृदय, पाचन, फेफड़ों को स्वस्थ रखने के बारे में सुनते-पढ़ते और इसे ठीक रखने के उपाय करते रहते हैं पर क्या आप अपनी आंखों और नींद को ठीक रखने पर ध्यान देते हैं? ये सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि सभी उम्र के लोग इससे संबंधित समस्याओं का तेजी से शिकार होते जा रहे हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण कई प्रकार की दिक्कतें बढ़ी हैं। नींद और आंखों पर भी इसका गंभीर नकारात्मक असर देखा जा रहा है। जिस आदत को इसके लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार पाया गया है, स्क्रीन पर हमारा बढ़ता समय उसमें प्रमुख है।

अगर आप भी अक्सर मोबाइल-लैपटॉप या किसी अन्य प्रकार की स्क्रीन से चिपके रहते हैं तो सावधान हो जाइए, ये आपके लिए कई तरह की समस्याएं बढ़ाने वाली हो सकती है।

स्क्रीन टाइम और इसके नुकसान

स्क्रीन टाइम का मतलब फोन-टैबलेट, कंप्यूटर और टीवी जैसे स्क्रीन पर बिताए जाने वाले समय से है। कई अध्ययनों से पता चलता है कि इलेक्ट्रॉनिक स्क्रीन के सामने ज्यादा समय बिताने से

कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होती है, जिनमें मोटापा, आंखों की बीमारी और अनिद्रा शामिल हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बच्चों का स्क्रीन टाइम कम करने की सलाह देते हैं, ये मस्तिष्क के विकास में बाधा उत्पन्न करने के साथ कम उम्र में ही क्रॉनिक बीमारियों का खतरा बढ़ाने वाली हो सकती है।

स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी को बहुत नुकसानदायक पाया गया है, जिससे आंखों और मस्तिष्क की समस्याएं बढ़ती हैं। इसके अलावा स्क्रीन पर अधिक समय बिताने के कारण आपकी शारीरिक गतिविधि भी कम हो जाती है जिससे मोटापा, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है।

स्क्रीन टाइम आंखों को कर रहा है कमजोर

नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अनुपम सिंह बताते हैं कि स्क्रीन टाइम आंखों की रोशनी कमजोर कर रहा है, इसका असर सभी उम्र के लोगों पर देखा जा रहा है। ओपीडी में 30 प्रतिशत बच्चे इसी शिकायत के साथ पहुंच रहे हैं।

वहीं आई स्पेशलिस्ट डॉ विक्रांत शर्मा ने बताया कि आंखों की समस्या वाले ज्यादातर बच्चों में स्क्रीन टाइम बहुत ज्यादा देखा जा रहा है। इसके कारण कम दिखाई देने, आंखों में दर्द की शिकायत बढ़ जाती है।

कंप्यूटर पर काम करने वालों को ध्यान रखना चाहिए कि आप हर 40 से 50 मिनट तक काम करने के बाद 5 से 7 मिनट का ब्रेक लें, ताकि आंखें और शरीर को आराम मिल सके। इस दौरान दूर की चीजों को देखकर अपनी आंखों को आराम दें। मोबाइल पर अनावश्यक रील्स देखने या स्क्रॉल करते रहने की आदत को कम करने की जरूरत है।

नींद की भी बढ़ रही है दिक्कत

स्क्रीन टाइम आंखों के साथ सभी उम्र के लोगों में नींद की भी समस्या बढ़ाते जा रहा है। एक नए अध्ययन में पता चला है कि सोने से पहले एक घंटा स्मार्टफोन, टीवी और कंप्यूटर पर बिताने से अनिद्रा का जोखिम लगभग 60 फीसदी बढ़ सकता है। नॉर्वे में 18-28 वर्ष की आयु के 45 हजार से अधिक छात्रों पर किए गए अध्ययन में यह भी पता चलता है कि इससे नींद का समय भी लगभग आधे घंटे कम हो सकता है।

फ्रंटियर्स इन साइकियाट्री जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के मुख्य लेखक गुन्हिल्ड जॉनसन हेटलैंड ने कहा, स्क्रीन टाइम जितना अधिक होता है, नींद उतनी अधिक प्रभावित होती है। नींद की कमी शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत के लिए समस्याएं बढ़ा देती है।

इन बातों का रखें ध्यान

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, शरीर को स्वस्थ रखने के लिए स्क्रीन टाइम को लेकर कुछ बातों पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

अध्ययनकर्ताओं ने सोने से कम से कम एक घंटे पहले मोबाइल या अन्य किसी उपकरण का इस्तेमाल न करने की सलाह दी है।

ब्लू-लाइट फिल्टर ऑन करें। रात को किताब पढ़ें या ध्यान करें।

स्क्रीनटाइम से मायोपिया भी हो सकता है, ये आंखों की गंभीर समस्या है। आंखों को स्वस्थ रखने वाले अभ्यास करें, डॉक्टर की सलाह पर स्क्रीन का इस्तेमाल करते समय चश्मा पहनें।

योग-मेडिटेशन की मदद से नींद मे सुधार का प्रयास करें।

याददाश्त अच्छी करने के उपाय

प्रश्न : मैं दसवीं का छात्र हूं। बार-बार पढ़ने के बाद भी याद किया हुआ भूल जाता हूं। याददाश्त अच्छी हो जाए ऐसा कोई उपाय बताएं।

कखग, हैदराबाद

उत्तर : आप सुबह सूर्योदय से पहले ब्रह्म मुहूर्त में अपने नित्य कर्मों से निवृत्त होकर अध्ययन के लिए बैठा करें। आप के अध्ययन की जगह शांत, वेंटीलेशन से भरपूर और उचित प्रकाशयुक्त हो। आप सुबह - शाम ऊंझा ब्राहमी वटी एवं स्मृति सागर रस टिकिया दूध के साथ लिया करें। भोजन करने के बाद ऊंझा सारस्वतारिष्ट का सेवन करें। रात्रि सोने से पूर्व ऊंझा शंखपुष्पी सिरप 20 मिलीलीटर को आधे कप गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन किया करें। ऐसा कुछ महीने सेवन करने से आपकी स्मृति ठीक होने लगेगी। पढ़ा हुआ याद रहेगा और आप परीक्षा में अपनी स्मृति का प्रयोग कर उत्तीर्ण हो जाओगे।

प्रश्न : मेरी उम्र 65 वर्ष है। पिछले 6 महीनों से चलने पर श्वास भरता है, छाती में भारीपन रहता है, थोड़ा वजन भी बढ़ गया है। उचित परामर्श दें।

- मुकुंद रेड्डी, संगारेड्डी

उत्तर : वजन बढ़ने पर शरीर में ऐसे लक्षणों का आना आम बात है। इनको अभी से नियंत्रित करने पर आप भविष्य में हृदय रोग से अपना बचाव कर सकते हैं। शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने पर श्वास में उठाव, छाती में भारीपन, शूल, वजन का बढ़ना संभव है। अतः आप लैपिड प्रोफाइल टेस्ट करवा लें। तेल-घी की मिठाइयां, तले पदार्थ व गरिष्ठ भोजन करना बंद करें। भोजन के पहले ऊंझा मेदोहर गुग्गुलु व कोलेस्ट्रोजिन टिकिया गुनगुने पानी से लेवें। भोजन के बाद नागार्जुनाभ्र रस, अर्जुन टिकिया लेवें भोजन करने के बाद ही ऊंझा अर्जुनारिष्ट 15 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन करें।

नित्य व्यायाम करें। हर रोज सुबह पैदल चलने की आदत डालें। भरपेट भोजन करने की आदत बदलें। धीरे-धीरे सारे लक्षणों से आपको मुक्ति मिलेगी।

प्रश्न : मेरी उम्र 77 वर्ष है। रीढ़ की हड्डी में दर्द रहने लगा है। जिसके कारण चलने में थोड़ा झुक कर चलने लगा हूं। कृपा कर इससे बचने का उपाय और इलाज बताएं।

- अंजनी कुमार वर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : रीढ़ की हड्डी हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह पूरे शरीर के वजन को ही नहीं उठाता बल्कि हमारे रोजाना के कामकाज में भी ज्यादा जोर इसी पर पड़ता है। आप बैठते उठते समय सही पोश्चर रखें। सही पोश्चर नहीं रहने पर कशेरुकाओं (वर्टीब्रे) पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। बढ़ती उम्र के साथ मेरुदंड में ओस्टियोपोरोसिस, डिस्क डिजनरेशन, स्पाइन ओस्टियोआर्थराइटिस एवं स्पाइनल स्टेनोसिस आदि के होने की संभावना रहती है ।

भोजन में सुधा तत्व वाले खाद्य पदार्थ जैसे दूध, दही, केला, गाजर आदि शामिल करें। धूम्रपान यदि करते हैं तो तुरंत बंद करें। शरीर का वजन बढ़ने ना दें। भारी वस्तुएं ना उठाएं ।

आयुर्वेद में सुधा तत्व की भरपाई के लिए ऊंझा नवरत्न कल्पामृत रस, ऊंझा प्रवाल पंचामृत रस , अश्वगंधादि चूर्ण के साथ गाय के दूध से सुबह-शाम लेवें। मेरुदंड में दर्द की स्थिति में औरा रस रामेश्वर रस टिकिया और शल्लकी टिकिया या ऊंझा रास्नादी गुग्गुलु एवं त्रयोदशांग गुग्गुलु भोजन के बाद पानी से लेवें। फोम के बिस्तर पर नहीं सोएं। रुई की गद्दी पर सो सकते हैं । कोशिश करके सीधा बैठे या सीधा ही चले । झुकें नहीं। धीरे-धीरे इसमें अंतर अवश्य आएगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा
email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

अमेरिका के आगे घुटनों पर आया वियतनाम

टैरिफ खत्म करने का दिया ऑफर ; भारत से था कड़ा मुकाबला

वाशिंगटन,7 अप्रैल (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल को दुनिया के कई देशों पर जवाबी टैरिफ का ऐलान कर दिया। जिसके बाद से ही पूरी दुनिया में हाहाकार मचा हुआ है। एशियाई मार्केट हो, चीनी मार्केट हो या फिर आस्ट्रेलिया का बाजार हो। सभी में गिरावट देखी जा रही है। भारतीय बाजार भी आज खुलते ही 3,000 अंक नीचे चला गया। इसी बीच दक्षिण-पूर्व एशियाई देश वियतनाम से एक खबर सामने आ रही है। अमेरिका ने वियतनाम पर 46 प्रतिशत के टैरिफ का ऐलान किया था, जिसके बाद अब वियतनाम ने

अमेरिका को एक लेटर लिख कर वहां से आने वाले सामानों पर टैरिफ न लगाने का ऑफर दिया है। दक्षिण-पूर्व एशियाई देश वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख टो लैम ने 5 अप्रैल 2025 के दिन अमेरिका को एक लेटर लिखा था, जिसमें अमेरिका से उनके खिलाफ लगाई गई टैरिफ में रियायत देने की बात कही थी। टो लैम की ओर से मांग की गई कि अमेरिका उन्हें 9 अप्रैल के बाद से 45 दिनों तक टैरिफ में छूट दे।

इसके बदले में उन्होंने अमेरिकी प्रोडक्ट्स को बिना टैरिफ के उनके देश में बेचने का ऑफर दिया था।

वियतनाम को बड़ा झटका

डोनाल्ड ट्रंप ने सबसे ज्यादा टैरिफ एशियाई देशों पर लगाई, जिसमें वियतनाम और चीन प्रमुख है। रिपोर्ट के मुताबिक, वियतनाम चीन को प्रमुख बिजनेस पार्टनर बन रहा था। ट्रंप के इस फैसले से न केवल वियतनाम को घाटा होगा। बल्कि चाइना पर भी इसका असर देखने को मिलेगा।

भारतीय बाजार में हाहाकार

अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ की वजह से पूरी दुनिया में हाहाकार मचा हुआ है। खबर लिखे जाने तक मार्केट के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 4 फीसदी से ज्यादा टूट गया है। अभी सेंसेक्स 3049.52 अंकों की गिरावट के साथ 72,315.17 पर कारोबार कर रहा है।

एक दिन में सोने में 1,929 की बड़ी गिरावट

शेयर मार्केट के साथ सोना-चांदी भी धड़ाम

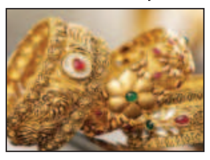

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। शेयर मार्केट में 7 अप्रैल को 2200 अंक से ज्यादा की गिरावट के बीच सोने और चांदी के दाम भी गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1929 गिरकर 89,085 पर आ गया। दिन के कारोबार में इसमें 2600 रुपए से ज्यादा की गिरावट थी, जिसमें बाद में करीब 700 रिकवरी हुई। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 91014 थी। एक किलो चांदी की कीमत 2,518 गिरकर 90,392 प्रति किलो हो गई है। इसमें भी करीब 1400 रुपए की रिकवरी हुई है। इससे पहले चांदी का भाव 92,910 प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 और 3 अप्रैल को सोने ने 91,205 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 83,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,530 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,380 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 82,850 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 90,380 रुपए है। **चेन्नई :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,380 रुपए है। **भोपाल :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,430 रुपए है। **हैदराबाद :** सोने की दर 24 कैरट के लिए रुपए 90380 / 10 ग्राम और 22 कैरट के लिए रुपए 82850/10 ग्राम।

तेज गति की रेलगाड़ियों में भारत ने पहल की

लेकिन आज चीन कहां पहुंच गया...

नई दिल्ली,7 अप्रैल (एजेंसियां)। यह बात साल 1969 की है। उस साल एक मार्च को भारत में 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ने वाली राजधानी एक्सप्रेस की शुरुआत हुई थी। यह देश की पहली राजधानी एक्सप्रेस थी जो कि कोलकाता के हावड़ा रेलवे स्टेशन से नई दिल्ली के बीच दौड़ी थी। उस समय भारत एशिया में जापान के बाद दूसरा देश बना था, जिनके पास 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से दौड़ने वाली ट्रेन थी। उस समय चीन में इतनी तेज दौड़ने वाली रेलगाड़ी थी ही नहीं। आज रेलवे सिस्टम में भारत लगभग वहीं है, लेकिन चीन कहां से कहां पहुंच गया है। चीन के पास दुनिया की सबसे तेज दौड़ने वाली बुलेट ट्रेन है जो कि 450 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ती है। देश में राजधानी एक्सप्रेस चले आज 50 साल से ज़्यादा हो गए हैं। इस बीच हमने 160 किलोमीटर प्रति रफ़्तार से दौड़ने वाली रेलगाड़ी तो बना ली, लेकिन हमारे पास एक भी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर नहीं है। जबकि, चीन ने 45,000 किमी से ज़्यादा का हाई-स्पीड रेल नेटवर्क बना लिया है। इससे पता चलता है कि दोनों देशों ने ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने में अलग-अलग रास्ते अपनाए हैं। भारत में हाई स्पीड रेल की शुरुआत तो जल्दी हुई, लेकिन रफ़्तार धीमी रही। चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फ़ैक्टरी (आईसीएफ) के फ़ाइनेंशियल एडवाइज़र

अनंत रूपनगुडी ने एक्स(पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में यह बात कही है। उन्होंने लिखा, यह मानना भी अजीब है कि जब हमने 1969 में पहली राजधानी शुरू की, तो हम जापान के बाद एशिया में 100 किमी प्रति घंटे से ज़्यादा की रफ़्तार से ट्रेनें चलाने वाले दूसरे देश थे। 55 साल बाद, चीन ने 45,000 से ज़्यादा हाई-स्पीड रेल लाइनें बना ली हैं, जबकि हम पहली एचएसआर लाइन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनके इस कमेंट पर सोशल मीडिया पर कई लोगों ने अपनी राय दी। ज़्यादातर लोग उनकी बात से सहमत थे। उन्होंने बताया कि भारत क्यों पीछे रह गया। एक यूज़र ने इस पर लिखा- भारत चीन से दशकों पीछे है। हमारे इंफ्रास्ट्रक्चर को बनाने की रफ़्तार की तुलना करना बेकार है। कुछ लोगों ने राजनीतिक कारणों की ओर इशारा किया. एक यूज़र ने कहा, एक कारण यह है कि सरकारें स्थिर नहीं रहीं। उनकी प्राथमिकता कभी भी ट्रांसपोर्ट को आसान बनाना नहीं था। कम से कम 2014 तक वे सिर्फ़ नए स्टॉप और ज़्यादा ट्रेनें शुरू कर रहे थे या एक्सप्रेस ट्रेनों के नाम बदल रहे थे।

कीवी भरे कंटेनर को चार महीने पोर्ट पर रोका और फल सड़ गए

अब कस्टम अधिकारी भरेंगे मुआवजा

चंडीगढ़,7 अप्रैल (एजेंसियां)। सरकारी अधिकारियों की लापरवाही पर पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने एक बड़ा फैसला दिया है। मामला दुबई से आयात किए गए कीवी फल का है। 89,420 किलो कीवी फल से भरा कंटेनर सरकारी अधिकारियों की लापरवाही की वजह से चार महीने तक मुंद्रा पोर्ट पर ही फंसा रह गया। अंततः कंटेनर के सारे कीवी सड़ गए और इंपोर्टर को भारी नुकसान हुआ। इसके लुधियाना के इस इंपोर्टर ने सीधे पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

क्या कहा है कोर्ट ने

सरकारी कामकाज में होने वाली देरी पर हाई कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार को 50 लाख रुपये का मुआवजा इंपोर्टर को देने का आदेश दिया है। यह मुआवजा कस्टम विभाग के अधिकारियों की लापरवाही और देरी के कारण हुए नुकसान के लिए दिया जाएगा। कोर्ट ने यह भी कहा है कि यह पैसा उन अधिकारियों से वसूला जाए जिनकी वजह से यह गड़बड़ हुई।

क्या है मामला

ग्रेंडा फ्रेश्ज़्स प्राइवेट लिमिटेड ने दुबई से कीवी फल का एक कंसाइनमेंट इम्पोर्ट किया था। यह फल लुधियाना के इनलैंड कंटेनर डिपो में डिलीवर होना था। लेकिन, कस्टम विभाग के अधिकारियों की लापरवाही की वजह से इस कंसाइनमेंट का इम्पोर्ट जनरल मेनिफेस्ट में जगह नहीं लिखी। इसके बाद इंपोर्टर ने इस कंसाइनमेंट की मैनुअल बिल ऑफ एंट्री फाइल करने की अनुमति मांगी। लेकिन कस्टम विभाग के अधिकारियों ने ऐसा करने से मना कर दिया। इस वजह से फल चार महीने से ज़्यादा समय तक मुंद्रा पोर्ट पर ही पड़ा रहा और आखिर में फल सड़ गए। कीवी का यह कंसाइनमेंट, जो अप्रैल में मुंद्रा पोर्ट पर पहुंचा था, उसे आखिरकार अगस्त में छोड़ा गया। लेकिन तब तक 89,420 किलो का पूरा शिपमेंट इंसानों के खाने लायक नहीं बचा था।

जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संजय वशिष्ठ की बेंच ने कहा कि कस्टम विभाग और शिपिंग कंपनी दोनों ही कानून के हिसाब से काम करने में बुरी तरह से नाकाम रहे। उन्होंने कोर्ट के बार-बार कहने के बावजूद फल को क्लियर करने और उसे आगे भेजने में मदद नहीं की। कोर्ट ने कहा, रिकॉर्ड में मौजूद तथ्यों और इस कोर्ट द्वारा समय-समय पर दिए गए आदेशों को देखने के बाद, हम इस बात से संतुष्ट हैं कि कस्टम विभाग ने गलत तरीके से और गैरकानूनी ढंग से कीवी जैसे जल्दी खराब होने वाले फल को रोक दिया। हमने देखा कि जल्दी खराब होने वाले सामान के इम्पोर्ट के मामलों में तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत होती है। इस मामले में, हमें लगता है कि प्रक्रिया को पूरा करने में बहुत ज़्यादा देरी हुई है। कोर्ट ने कहा, याचिकाकर्ता/इम्पोर्टर को 50 लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा। यह मुआवजा इसलिए दिया जा रहा है क्योंकि कस्टम विभाग की देरी के कारण 89,420 किलो कीवी फल बर्बाद हो गया।

6 दिन में 2.26 लाख करोड़ स्वाहा

52 हफ्ते के लो पर पहुंचा रिलायंस का शेयर, क्या कह रहे हैं एक्सपर्ट्स?

नई दिल्ली,7 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनियाभर के शेयर बाजारों में आज भारी गिरावट देखी जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ और चीन की जवाबी कार्रवाई से निवेशकों के हाथ-पैर फूल गए हैं। दुनिया में मंदी और महंगाई बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। घरेलू शेयर बाजार में भी भारी गिरावट आई है। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 3,000 अंक से अधिक गिर गया। इससे निवेशकों को 19.4 लाख करोड़ रुपये की चपत लगी है। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों में भी सोमवार को भारी गिरावट आई।

बीएसई पर कंपनी का शेयर 7.4% तक की गिरावट के साथ 52 हफ्ते के सबसे निचले स्तर 1,115.55 रुपये पर आ गया। इसके साथ ही कंपनी का शेयर अब इस कारोबारी सत्रों में 12.7% गिर चुका है। इस गिरावट से कंपनी के मार्केट कैप में 2.26 लाख करोड़ रुपये की कमी आई है। कंपनी का मार्केट कैप अब 15.49 लाख करोड़ रुपये रह गया है। रिलायंस का शेयर पिछले एक साल में 21.6%, छह महीने में 17.4% और पिछले एक महीने में 5.3% गिरा है। पिछले एक हफ्ते में ही शेयर 10% गिर गया है। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 1,608.95 रुपये है। कंपनी का शेयर पिछले साल 8 जुलाई को इस स्तर पर पहुंचा था। तकनीकी रूप से देखें तो शेयर

पर अभी भी दबाव है। ये 50-दिन, 150-दिन और 200-दिन के एसएमए से सहित सभी आठ प्रमुख सिंपल मूविंग एवरेज से नीचे कारोबार कर रहा है। 14-दिन का रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स 37.9 है, जो ओवरसोल्ड जोन के करीब है। रिलायंस जल्द ही अपनी पिछली तिमाही की कमाई का रिपोर्ट जारी करने वाली है। इससे पहले कई ब्रोकरेज कंपनियों ने रिलायंस के कारोबार को लेकर अपनी राय दी है। गोल्डमैन सैश का कहना है कि रिलायंस के शेयर खरीदने में फायदा है। पिछले फाइनेंशियल ईयर की चौथी तिमाही में कंपनी का ईबीआईटीडीए स्थिर रहेगा। उम्मीद है कि रिटेल से होने वाली कमाई में 6.5% की बढ़ोतरी होगी। वहीं जियो की कमाई में 4% की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। सबकी नजर इस बात पर होगी कि एफवाई26 में रिटेल की ग्रोथ कैसी रहेगी और कंपनी नए ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर क्या अपडेट देती है। अनुमान है कि एफवाई26 में कंपनी की कमाई 18% तक बढ़ सकती है। इसकी वजह रिटेल में सुधार और जियो से होने वाली कमाई में तेजी होगी।

ट्रंप के टैरिफ का भारतीय इकॉनोमी पर होगा कितना असर? अधिकारियों ने जीडीपी पर की बड़ी भविष्यवाणी

वाशिंगटन,7 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से लगाए गए टैरिफ और उसके बाद ग्लोबल मार्केट में हलचल ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने नई चुनौतियां पैदा कर दी है. लेकिन सवाल उठ रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर ट्रंप के टैरिफ का कितना बुरा असर पड़ सकता है? सरकारी अधिकारियों का कहना है कि वैश्विक आर्थिक संकट का भारत पर काफी कम असर पड़ सकता है.समाचार एजेंसी रायटर्स ने सरकारी अधिकारियों का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा- अमेरिका की तरफ से लगाए गए टैरिफ के बावजूद वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का अनुमानित विकास दर 6.3% से 6.8% के बीच

रह सकता है. साथ ही, तेल की कीम 70 डॉलर प्रति बैरल रह सकती है.सरकारी अधिकारियों की तरफ से जीडीपी को लेकर ये अनुमान ऐसे वक्त पर लगाया गया है, जब कई आर्थिक जानकारों ने देश की जीडीपी की रफ्तार में कमी की आशंका जताई है. गोल्डमेन सैक्स समेत कई आर्थशास्त्रियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से लगाए गए ग्लोबल टैरिफ के असर का हवाला देते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत जीडीपी दर में 20 से 40 बेसिस प्वाइंट्स कमी रहने का अनुमान लगाया. उनका कहना है कि भारत की जीडीपी दर 6.1% तक रह सकती है.भारत के सामानों पर 26 फीसदी टैरिस के साथ ही चीन समेत अन्य देशों पर भारी भरकम टैरिफ के चलते एशियाई शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली. भारतीय शेयर बाजार में भी करीब 4% फिसलकर नीचे आ गया. भारतीय डायमंड सेक्टर, जो अपनी उत्पादन का करीब एक तिहाई अमेरिका को निर्यात करता है, उस पर सबसे ज्यादा खतरा मंडरा रहा है. इस सेक्टर में लगे कई लोगों की नौकरियां जा सकती है. सरकारी अधिकारियों का कहना है कि इसके नतीजों के बारे में आकलन करने के लिए एक्सपोर्ट एसोसिएशंस और संबंधित मंत्रालय के बीच विचार विमर्श चल रहा है. वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से निर्यात उद्योग की मदद के लिए वित्त मंत्रालय चार-पांच सूत्रीय प्रस्ताव दिया है. इस बात की दूसरे सरकारी अधिकारी ने पुष्टि की है. मदद करने के प्रस्ताव में ब्याज सब्सिडी प्रोग्राम्स, डायवर्सिफिकेशन के लिए सहायता और बैंक क्रेडिट को बढ़ाना शामिल है. अधिकारी ने बताया कि सरकार लगातार इस बात का मूल्यांकन करेगी कि किस तरह से बढ़े हुए टैरिफ का निर्यात के अलग-अलग सेक्टर पर असर पड़ता है.

इधर स्टॉक मार्केट धड़ाम, उधर इस शेयर के हो गए वारे न्यारे... बाजार खुलते ही आ गया 16% का उछाल

नई दिल्ली,7 अप्रैल (एजेंसियां)। सोमवार को दुनियाभर के स्टॉक मार्केट में बड़ी गिरावट आई। भारतीय शेयर बाजार भी इस गिरावट से बच नहीं पाए और खुलते ही लहूलुहान हो गए। सोमवार को सुबह-सुबह ही निवेशकों के करीब 19 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए। वहीं दूसरी ओर एक शेयर ऐसा भी रहा जिसने निवेशकों के वारे-न्यारे कर दिए। मार्केट खुलते ही यह शेयर 20 फीसदी के अपर सर्किट के करीब पहुंच गया। इस कंपनी का नाम सूर्यलक्ष्मी कॉटन मिल्स लिमिटेड है। सूर्यलक्ष्मी के शेयर में सोमवार को सुबह ही 15.89% की तेजी आई। इस तेजी के साथ यह शेयर सुबह 10 बजे 67.90 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। हालांकि इससे पहले इसमें गिरावट देखी गई है, लेकिन अमेरिकी टैरिफ का असर शायद इस शेयर पर पॉजिटिव पड़ा। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका ने बांग्लादेश, पाकिस्तान और चीन पर भारत के मुकाबले ज्यादा टैक्स लगाया है।सोमवार को दुनियाभर के शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आई। इस गिरावट का सबसे बड़ा कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ है। ट्रंप ने भारत समेत दुनिया के कई देशों पर भारी टैक्स लगाया है। इससे दुनियाभर के ट्रेड वॉर बढ़ गया है और मंदी की आशंका गहरा गई है। इसके कारण निवेशक अपने शेयर बेच मार्केट से निकल रहे हैं। इस शेयर में उछाल का कारण अमेरिका का टैरिफ माना जा रहा है। अमेरिका की ज्यादातर कपड़ा कंपनियां चीन, बांग्लादेश और पाकिस्तान से अपना व्यापार करती हैं। इसमें बांग्लादेश पहले स्थान पर है। चूंकि बांग्लादेश पिछले साल से आर्थिक संकट से जूझ रहा है और अब टैरिफ ने हालात और खराब कर दिए हैं। भारत पर टैरिफ चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के मुकाबले काफी कम है। ऐसे में कपड़े के लिए अमेरिकी कंपनियां भारत की ओर रुख कर सकती हैं। यही कारण है कि टेक्सटाइल कंपनियों के शेयर में तेजी आ रही है। इसी के चलते सूर्यलक्ष्मी के शेयर में भी उछाल आया। सूर्यलक्ष्मी कॉटन मिल्स की स्थापना 1962 में हुई थी। यह एक कपड़ा कंपनी है और सूर्यलक्ष्मी ग्रुप का हिस्सा है। यह कंपनी कपास और सिंथेटिक यार्न बनाती है। बीएसई की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक इसका मार्केट कैप 127.69 करोड़ रुपये है।

बिटकॉइन, पाई नेटवर्क, डॉगकॉइन: ट्रंप के टैरिफ से क्रिप्टोकरेंसी को लगा झटका, 5 दिन में 20% से ज्यादा की गिरावट

नई दिल्ली,7 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के टैरिफ के असर से क्रिप्टोकरेंसी भी अछूती नहीं रही है। पिछले 24 घंटे में इसमें बड़ी गिरावट आई है। वहीं 2 अप्रैल से इसमें और भी ज्यादा गिरावट आई है। दो अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत समेत दुनिया के कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। इसके बाद से क्रिप्टोकरेंसी में गिरावट आनी शुरू हो गई। दुनिया की टॉप क्रिप्टोकरेंसी में शामिल बिटकॉइन, सोलाना, पाई नेटवर्क, एथेरियम आदि में 2 अप्रैल के बाद से यानी 5 दिनों में बड़ी गिरावट आई है। बिटकॉइन दुनिया की सबसे महंगी क्रिप्टोकरेंसी है। 2 अप्रैल को इसकी कीमत 86.25 हजार डॉलर थी। आज सोमवार को शाम 4 बजे यह 77.26 हजार डॉलर पर ट्रेड कर रही थी। ऐसे में इसमें 5 दिनों में 10% से ज्यादा गिरावट आ चुकी है। वहीं बात अगर 24 घंटे की करें तो यह करीब 7 फीसदी गिर गई है। बिटकॉइन के बाद सबसे महंगी करेंसी में एथेरियम का नंबर आता है। इस क्रिप्टो की 2 अप्रैल को कीमत 1892 डॉलर थी। सोमवार को शाम 4 बजे यह 1503 डॉलर पर ट्रेड कर रही थी। ऐसे में इस क्रिप्टोकरेंसी में 5 दिनों में 20% से ज्यादा गिरावट आ चुकी है। वहीं बात अगर 24 घंटे की करें तो यह करीब 16 फीसदी लुढ़क गई है। पिछले कुछ समय में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली रिपल क्रिप्टोकरेंसी की भी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। 2 अप्रैल को यह 2.14 डॉलर पर थी। अब इसकी कीमत 1.79 डॉलर रह गई है। ऐसे में इसमें 5 दिनों में 16 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। वहीं 24 घंटे में इस क्रिप्टो की वैल्यू 14 फीसदी गिर गई है। क्रिप्टोकरेंसी सोलाना ने भी पिछले कुछ समय में निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। 2 अप्रैल को इसकी कीमत 129 डॉलर थी। सोमवार शाम 4 बजे इसकी कीमत करीब 102 डॉलर रह गई। ऐसे में इसने पिछले 5 दिनों में निवेशकों का करीब 21 फीसदी नुकसान किया है। वहीं 24 घंटे में इसमें करीब 15 फीसदी की गिरावट आई है। निवेशकों को रिटर्न देने में डॉगकॉइन भी पीछे नहीं रही है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-08
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त - 18-27
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन	मे	मीन....	04-52 बजे
चंद्र-	कर्क	मे	मेष---	06-27 बजे
मंगल	कर्क	मे	वृष---	08-12 बजे
बुध-	मीन	मे	मिथुन..	10-13 बजे
गुरु-	वृष	मे	कर्क....	12-25 बजे
शुक्र-	मीन	मे	सिंह---	14-37 बजे
शनि-	मीन	मे	कन्या---	16-44 बजे
राहु-	मीन	मे	तुला----	18-49 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृश्चिक..	21-00 बजे
			धनु......	23-12 बजे
			मकर...	01-19 बजे
			कुंभ....	03-09 बजे

दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी 21-13 तक उपरान्त द्वादशी
मास - चैत्र शुक्ल , मंगलवार 08 April
नक्षत्र - आश्लेषा 07-54 तक उपरान्त मघा
योग - शूल 18-10 तक उप गण्ड
करण- वणिज 08-32 तक उप विष्टी
विशेष:- कामदा एकादशी व्रत सर्वे
व्रत -त्योहार - भद्रा - 08-33 से, लक्ष्मीकांत दोलोत्सव

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:24 से 16:57 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:08 - 07:39	अशुभ	काल.	18:27 - 19:57	अशुभ
उत्पात	07:39 - 09:12	अशुभ	लाभ.	19:57 - 21:24	शुभ
चंचल	09:12 - 10:45	शुभ	उत्पात	21:24 - 22:51	अशुभ
लाभ	10:45 - 12:18	शुभ	शुभ	22:51 - 00:18	शुभ
अमृत.	12:18 - 13:51	शुभ	अमृत	00:18 - 01:45	शुभ
काल	13:51 - 15:24	अशुभ	चंचल	01:45 - 03:12	शुभ
शुभ	15:24 - 16:57	शुभ	रोग	03:12 - 04:38	अशुभ
रोग	16:57 - 18:27	अशुभ			

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आपको अपने कार्यालय पर संचार और बातचीत कौशल का विशेष उपयोग करने की जरूरत है। आपको सावधान रहना होगा की जोर से शिकायत या किसी के पैरो में गिरने की जरुरत नहीं है , इसके बजाय आपको कूटनीति और कुशलता से दबाव के समय में कार्य करने की आवश्यकता होगी । आपकी सफल बातचीत भी काफी हद तक आपके करियर को आगे बढ़ा सकती है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
कुछ भ्रम की स्थिति आज आपके कार्य क्षेत्र में आने की संभावना है। आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी अच्छे तरीके से कार्य कर रहे है , साथ ही साथ आपको एक व्यापार में शामिल होने के लिए एक प्रस्ताव मिल सकता है जो काफी भरोसेमंद है और पुरस्कार से भरपूर भी परन्तु इस तरह का प्रस्ताव आप ने पहले न देखा न सुना इसलिए आप अनिर्णय की स्थिति में रहेंगे । लंबा और सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद अपना निर्णय ले ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
जब आप एक नई परियोजना में तल्लीन हो जाओगे तो शायद ही अन्य बातों के लिए आपको समय मिलेगा । आपको सावधान रहने की जरुरत है की रास्ते में आ रही किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी आप से छूट न जाये ! यह एक उच्च स्थान प्राप्त करने में सहायता करने के लिए महत्वपूर्ण संदेश भी हो सकता है। वित्तीय स्थिति स्थिर रहेगी जिसके लिए आप लम्बे समय से प्रयासरत थे।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपका धैर्य , कर्तव्य और जिम्मेदारी की अपनी भावना आपके रास्ते में आ रही सभी बाधाओं को दूर करने में सहायक सिद्ध होगी । आपको अपने हास्य क्षमता को जागृत करना होगा ताकि आपका कार्य क्षेत्र में एक अच्छे माहौल का निर्माण हो सके जिससे की आप आराम से अपने कार्य को कर सके ।दिन के अंत में एक गंभीर वित्तीय लाभ का मौका आपको मिल सकता है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
चुनौतीपूर्ण समय खत्म हो गया हैं। आपने सफलतापूर्वक बाधाओं को पार कर लिया है , जो की भाग्य ने आप पर फेके थे , इसलिए ये बहुत आवश्यक है की आप अपने को शांत बनाए रखे । इसके अलावा, आप आराम करने की मुद्रा में आ सकते है , क्योंकि कार्य का दबाव आपके कार्यस्थल पर काफ़ी कम हो गया है । अच्छा कार्य प्रदर्शन आपके वित्तीय लाभ का मार्ग भी खोलेगा । लंबी अवधि के निवेश में पैसे का निवेश करने के लिए ये एक अच्छा समय है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज के दिन उधार दिए हुए पैसे आपको वापस मिल सकते है । आज के दिन आप एक ऐसे व्यक्ति से भी मिल सकते है जिसे आप पहले से जानते हो और वो आपकी काफी हद तक आपकी भविष्य में आय को बढाने में मदद कर सकता है और यहाँ तक की ये व्यक्ति आपको अच्छी आय वाली नौकरी दिलाने में भी मदद कर सकता है जिससे आगे चलकर आपके करियर की दिशा भी परिवर्तित हो सकती है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज का दिन अपने प्रयासों को तेज करने और अपनी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सबसे अच्छा समय है । आप अपनी परियोजना के सफलतापूर्वक अंतः के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए आप कड़ी मेहनत करेंगे । आपका संकल्प और अच्छे प्रयास बर्बाद नहीं होंगे और आप निकट भविष्य में अच्छे फल की उम्मीद कर सकते है । आपको इस उद्यम में अपने परिवार का पूरा समर्थन प्राप्त होगा।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
अपने सहयोगियों के साथ तालमेल और कदम से कदम बढाकर चलने का ये एक अच्छा समय है। समीक्षा और हताशा का लम्बा समय अब समाप्त होने की और अग्रसर है इसलिए इस खुशी में आप दोस्तों और परिवार और अपने ऊपर कुछ व्यय भी कर सकते है पर कोशिश करे की ये ज्यादा से ज्यादा एक दिन के लिए हो ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
एक दोस्त या एक गाइड के माध्यम से छात्रों को एक नया करियर विकल्प मिल सकता है और आप अपने करियर के रूप में इसे चुन सकते हैं पर आपको एक गहन अनुसंधान की सलाह दी जाती है। आज पेशेवरो में नयी उर्जा का संचार हो सकता है । यह किसी भी परियोजना को शुरू करने के लिए एक अच्छा दिन है। सहकर्मी आपके मददगार साबित होंगे और आप एक टीम के नेता की भूमिका अच्छी तरह से निभाएंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपके भावनात्मक व्यवहार की वजह से आपका कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। आप इसके आदि हो चुके है और इस से छुटकारा पाने में आपको समय लगेगा । अपनी इस संवेदनशीलता का आसपास के अन्य लोगों के प्रति समानुभूतिक रहकर इसका लाभ आप उठा सकते है । खाली समय में अचल संपत्ति में निवेश के लायक जगह आप तलाश सकते है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप इस समय शांति में नहीं हैं। आपके दिल और दिमाग के बीच एक निरंतर युद्ध है की किस तरह से नैतिक और तार्किक रूप से सही निर्णय लिया जाये । अपने दिल की बात सुने और अपने मन को शांत करने के लिए कुछ करे । अपने आप को एक नई जिम्मेदारी सौपे । अगर आप बिना सोच के खर्च करेंगे तो आपको वित्तीय परेशानी हो सकती है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आपके मालिक केवल वे सुनेंगे जो वे सुनना चाहते हैं और यह स्थिति स्वतंत्र रूप से अपने आप को व्यक्त करने से आपको रोकती है। आपके सहयोगियों ने ऐसी स्थितियों में बहुत अच्छी तरह से आप का समर्थन किया है और ये समय उन लोगों से प्राप्त हुई मदद की सराहना करने का समय है। जब आपके मालिक का मन स्थिर होगा , तब आपके धन प्राप्ति के योग है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

6 साल की मासूम के प्राइवेट-पार्ट को सिगरेट से दागा, मर्डर

कन्याभोज करने गई बच्ची पर सेक्सुअल-असॉल्ट, इलेक्ट्रिक शॉक दिया, कार की डिक्की में छिपाई लाश

दुर्ग, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में कन्या भोज के लिए गई 6 साल की बच्ची का मर्डर हुआ है। बच्ची पर सेक्सुअल असॉल्ट, प्राइवेट पार्ट को सिगरेट से दागा, लाइटर से जलाया, फिर इलेक्ट्रिक शॉक देकर मारा है। इसके बाद लाश को कार की डिक्की में छिपाई। मिली जानकारी के मुताबिक कार की डिक्की में बच्ची के हाथ अकड़े हुए थे। चेहरे पर खरोंच के निशान हैं। होंठ और नाक से खून निकल रहा था।

परिजन ने रेप के बाद हत्या का आरोप लगाया है। वारदात के बाद भीड़ उग्र हो गई। संदेही युवक के घर और कार में तोड़फोड़ कर आग लगा दी।

मृत बच्ची की मां ने बताया कि मेरी बेटी के प्राइवेट पार्ट को दागा है। दोनों तरफ से शरीर के हिस्से को फाड़ दिया है। ऐसा कौन करता है। जानवरों की तरह नोचा है। राक्षसों के जैसे मारा है। आरोपियों को फांसी पर लटकाया

कार में बच्ची की लाश मिलने के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। दुर्ग में भीड़ प्रदर्शन कर रही है

जाए। वहीं पुलिस पर मृत बच्ची के चाचा कि बेटी को भी पीटने का आरोप है। बच्ची कह रही है कि मेरे को पुलिस अंकल पीटे हैं। बोल रहे थे तेरे को यहीं सुला देंगे। बच्ची रो-रोकर पुलिसकर्मियों की पिटाई की बात बता रही है। बताया जा रहा है कि केस को दबाने के लिए राजनीतिक दबाव की बात भी सामने आ रही है। दरअसल, बच्ची रविवार सुबह रविवार सुबह 9 बजे बच्ची पास के मंदिर में अन्य बच्चियों के साथ कन्या भोज के लिए गई थी। जब वह घर नहीं लौटी तो परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। दिनभर तलाश के बावजूद मासूम का पता नहीं चला। परिजन लगातार बच्ची की तलाश कर रहे थे। इसी बीच संदेही बादल (28) ने बताया कि बच्ची की लाश कार की डिक्की में है। परिजन मौके पर पहुंचकर लाश को डिक्की से बाहर निकाला। इस दौरान बच्ची खून से लहूलुहान मिली।

बच्ची बहुत बुरी हालत में कार के अंदर सीट के नीचे पड़ी थी, उसके पूरे शरीर पर चोट के निशान थे, चमड़ी उधड़ी हुई थी। परिजन बच्ची को लेकर दुर्ग जिला अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर ने शुरुआती जांच में बच्ची की मौत इलेक्ट्रिक शॉक लगने से होना बताया है। वारदात के बाद परिजनों ने देर रात संदेही बादल के घर जाकर आग लगा दी। बड़ी मुश्किल में घर के लोगों ने अपनी जान बचाई। आग लगने से घर के बाहर खड़ी बाइक पूरी जल गई। संदेही के परिजन घर में ताला लगाकर दूसरी जगह चले गए थे। इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

वहीं बच्ची की मां ने बताया कि उसकी बच्ची रामनवमी पर सुबह-सुबह हंसते हुए कन्या भोज खाने गई थी, लेकिन लाश मिली।

मुर्गी फार्म में लगी भीषण आग

1200 मुर्गियां जिंदा जलीं, 15 बोरा दाना भी नष्ट, कड़ी मशक्कत के बाद बुझी आग

बोकारो, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के गोबिंदपुर में एक बड़ा हादसा हुआ है। लहारिया टांड़ गांव में किसान बैजनाथ प्रजापति के मुर्गी फार्म में रविवार रात आग लग गई।

आग की चपेट में आने से फार्म में मौजूद करीब 1200 मुर्गियां जल गईं। साथ ही मुर्गियों के लिए रखे 15 बोरा दाना भी जलकर राख हो गया। आग की सूचना मिलते ही गांव में अफरातफरी मच गई।

ग्रामीणों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास किया। बाद में अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। तब तक लाखों रुपए का नुकसान हो चुका था। प्रशासन आग लगने के कारणों की जांच कर रहा है। पीड़ित किसान बैजनाथ प्रजापति ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। रामनवमी की रात हुई इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

मंईयां सम्मान योजना में बड़ा बदलाव

अब 'राशन' की होगी 'पहचान', क्या है नया नियम

रांची, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभार्थियों की पहचान को और भी पुख्ता करने के लिए महिला, बाल विकास और सामाजिक सुरक्षा विभाग अब राशन कार्ड का सत्यापन कराएगा। इसके लिए विभाग खाद्य आपूर्ति विभाग से राशन कार्ड पोर्टल के एप्लीकेशन प्रोग्राम इंटरफेस (एपीआई) के इस्तेमाल की अनुमति लेगा। विभाग अन्य सॉफ्टवेयर इंटरफेस जैसे एनपीसीआई, एनआईसी और पीएफएमएस से भी लाभार्थियों की जांच करेगा। इससे यह पता चलेगा कि महिला लाभार्थी 18 से 50 वर्ष की हैं या नहीं, झारखंड की निवासी हैं या नहीं, और उनका राशन कार्ड आधार से जुड़ा है या नहीं। हाल ही में पश्चिम बंगाल के एक व्यक्ति ने इस योजना का लाभ लेने के लिए एक ही बैंक खाते से 95 बार आवेदन किया था। इन सब चीजों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने

यह कदम उठाया है। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में अब राशन कार्ड का सत्यापन होगा। महिला, बाल विकास और सामाजिक सुरक्षा विभाग यह काम करेगा। वे लाभार्थियों की सही पहचान करना चाहते हैं। इसके लिए वे खाद्य आपूर्ति विभाग से मदद लेंगे। वे राशन कार्ड पोर्टल के एपीआई का इस्तेमाल करेंगे। एपीआई का मतलब है एप्लीकेशन प्रोग्राम इंटरफेस। इससे उन्हें राशन कार्ड की जानकारी मिलेगी. विभाग दूसरे सॉफ्टवेयर से भी जांच करेगा। वे एनपीसीआई, एनआईसी और पीएफएमएस का इस्तेमाल करेंगे। इससे पता चलेगा कि लाभार्थी महिला की उम्र 18 से 50 साल है या नहीं। यह भी पता चलेगा कि वह झारखंड की रहने वाली है या नहीं। जांच में यह भी देखा जाएगा कि लाभार्थी का राशन कार्ड आधार से जुड़ा है या नहीं। कुछ समय पहले पश्चिम बंगाल के एक आदमी ने गड़बड़ी की थी। उसने एक ही बैंक खाते से 95 बार आवेदन किया था। वह इस योजना का गलत फायदा उठाना चाहता था। इसलिए सरकार अब ज्यादा सावधानी बरत रही है।

नक्सलियों के तीन बंकर ध्वस्त, आईईडी बरामद

एक दिन पहले 16 बंकर और 4 आईईडी मिले थे, एक इलेक्ट्रिक डेटोनेटर बरामद

चाईबासा, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों का माओवादियों के खिलाफ ऑपरेशन लगातार जारी है। इस दौरान जराईकेला थाना क्षेत्र के बाबूडेरा गांव के जंगल में सुरक्षा बलों ने तीन नक्सली बंकर ध्वस्त कर दिए। एक आईईडी को बम निरोधक दस्ते ने घटनास्थल पर ही नष्ट कर दिया।

सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए नक्सलियों ने आईईडी लगाया था। सुरक्षा बलों ने जिन तीन बंकरों को ध्वस्त किया, वहां से इलेक्ट्रिक डेटोनेटर-1, पिट्ठू बैग-2, प्रिंटर, नक्सली झंडा, बैनर, वर्दी-2, पोस्टर, नक्सली दस्तावेज, लोहे की कीलें, मैनुअल हैंड ड्रिल, रेडियो-1, बोल्ट कटर, पटाखे, ब्लैक वेब बेल्ट, मल्टीमीटर, जैकेट-3, जूते-7 जोड़ी, चप्पल-4 जोड़े, सिविल ट्राउजर-4, सिविल शर्ट-2, टोपी-1, मच्छरदानी-1, चार्जर-02, पेंट कैन-4, पेंट ब्रश-5, आरी-1, दवाएं मिली हैं।

वहीं, एक दिन पहले जराईकेला थाना क्षेत्र के बाबुडेरा वनग्राम के पास जंगली पहाड़ी इलाके से 4 आईईडी बरामद किए गए थे। बम निरोधक दस्ते की मदद से इन्हें मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

विजयदशमी पर महिलाओं ने सिंदूर खेला

मां दुर्गा को दी गई विदाई, लाल साड़ी में सजी महिलाओं ने एक-दूसरे को लगाया सिंदूर

जमशेदपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। विजयदशमी के अवसर पर सोमवार को जमशेदपुर में परंपरागत हर्षोल्लास के साथ सिंदूर खेला का आयोजन किया गया। खासकर बंगाली समुदाय की महिलाओं ने मां दुर्गा की विदाई से पहले सिंदूर खेला की रस्म निभाई।

इस आयोजन के दौरान महिलाएं लाल साड़ियों में सज-धज कर पंडालों में पहुंचीं और एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर सुख-समृद्धि की कामना की। शहर के सोनारी, कदमा, बिष्टुपुर, साकची और मानगो क्षेत्र के दुर्गा पूजा पंडालों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मां दुर्गा की प्रतिमा के सामने महिलाओं ने आरती की और फिर शुरू हुआ पारंपरिक सिंदूर खेला। इस मौके पर महिलाओं ने एक-दूसरे के सिर और गालों पर सिंदूर लगाकर सौभाग्यवती रहने की कामना की। ढोल-ढाक की थाप और शंखनाद के बीच महिलाओं ने मां को सिंदूर अर्पित किया। आरती के बाद उन्होंने मां का आशीर्वाद लिया।

सिंदूर खेला बंगाली हिंदू परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो विजयदशमी के दिन मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन मां दुर्गा अपने मायके से ससुराल (कैलाश पर्वत) लौटती हैं, और उन्हें विदाई देने से पहले विवाहित महिलाएं उन्हें सिंदूर अर्पित करती हैं।

इसके बाद वे एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर अपने वैवाहिक जीवन की लंबी उम्र और सुख-शांति की कामना करती हैं। इधर, पूजा समितियों और पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू रही। श्रद्धालुओं को कोई असुविधा नहीं हुई।

रायपुर के राम मंदिर में आतिशबाजी

1100 किलो मालपुआ बंटा, 70किलो सोने से श्रृंगार और ज्योति कलश का हुआ विसर्जन

रायपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। रामनवमी पर रविवार को रायपुर के वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर में भव्य आतिशबाजी की गई। साथ ही ड्रोन से हनुमान जी ने दर्शन दिए। इसे देखने लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी श्री राम मंदिर में पूजा-अर्चना की। सीएम साय ने मंदिर परिसर स्थित अंजनी माता और बाल हनुमान मंदिर में भी पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके अलावा रायपुर के दूधाधारी और जैतूसाव मठ में भगवान राम का दूध से अभिषेक कर स्वर्ण श्रृंगार किया गया।

दूधाधारी मंदिर में 1100 किलो मालपूआ का भोग भी लगाया गया। आज मालपुआ का प्रसाद जनता को वितरित किया जाएगा।

रविवार की सुबह राजधानी रायपुर स्थित दूधाधारी मठ में सुबह से ही लोगों ने मंदिर पहुंचकर राम-दरबार का दर्शन

किया। मंदिर परिसर में स्थापित स्वामी बालाजी और श्री राम जानकी को राम नवमी पर 70 किलो के सोने से बने आभूषणों का श्रृंगार किया गया।

मठ के प्रमुख राजेश्री महंत रामसुंदर दास ने कहा कि बताया कि राम नवमी, कृष्ण जन्माष्टमी और विजयादशमी के विशेष अवसर पर ही साल में 3 बार दूधाधारी मठ में स्वामी बालाजी और श्रीराम जानकी को स्वर्ण श्रृंगार से सुसज्जित किया जाता है।

हवन-कन्यापूजन के साथ रविवार को चैत्र नवरात्रि का समापन हुआ। नौ दिन ज्योति कलशों में जवारे की पूजा के बाद रात तक विसर्जन का दौरा जारी रहा। शहर के अलग-अलग समितियां जवारा विसर्जन के लिए गाजे-बाजे और जसगीतों की गूंज में साथ कंकाली तालाब पहुंचते रहे। बिलासपुर और रायगढ़ में भी शोभा यात्रा निकाली गई। वहीं बस्तर, अंबिकापुर समेत प्रदेशभर में रामनवमी धूमधाम से मनाई गई। ज्योतिषाचार्य डॉ. दत्तात्रेय होस्केरे ने बताया कि भगवान राम का जन्म चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को दोपहर के

2 हादसे, 3 दोस्त और 2 शिक्षकों की मौत

कार-बाइक की टक्कर, कोरबा में बारात से लौटते वक्त टीचर्स की गई जान

रायगढ़, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ और कोरबा जिले में रविवार रात सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। रायगढ़ में बाइक सवार 3 दोस्त और कोरबा में कार सवार 2 शिक्षकों की मौत हो गई। मामला कोतरा रोड थाना और दीपका-कुचेना मार्ग का है। मिली जानकारी के मुताबिक तीन दोस्त रायगढ़ से शोभायात्रा देखकर लौट रहे थे, तभी हादसे का शिकार हो गए। एक युवक का सिर और पेट फट गया है। वहीं कोरबा में बारात से लौटते वक्त शिक्षकों की जान गई है, जबकि 2 घायल हैं।

दरअसल, रायगढ़ जिले के कोतरा रोड थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार से बाइक की टक्कर हो गई। छाल थाना क्षेत्र के बेहरामुडा में रहने वाले अमित राठिया (20), अरुण राठिया (16) और रितेश राठिया (16) बाइक पर सवार होकर रामनवमी शोभायात्रा देखने आए थे।

इसके बाद रात में तकरीबन 10 बजे के बाद तीनों बाइक पर सवार होकर वापस अपने घर जाने निकले, तभी गेजामुड़ा के पास एक ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान सामने से बिलासपुर तरफ से आ रही कार से जबरदस्त भिड़ंत हो गई। इसमें अमित राठिया की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं साथी अरुण, रितेश राठिया और कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने इसकी सूचना डॉयल 112 को दी। जहां 112 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल ले जाया गया।

रात में रितेश राठिया का इलाज के दौरान जिला अस्पताल में रात में ही और अरुण राठिया ने सुबह दम तोड़ दिया। घायल कार चालक का इलाज जारी है। हादसे में कार के सामने का हिस्सा भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कोतरा रोड पुलिस शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए आगे की प्रक्रिया में जुट गई है।

वहीं दूसरा हादसा कोरबा जिले के दीपका-कुचेना मार्ग पर शक्तिनगर के पास हुआ है। सेंट जेवियर स्कूल, कोरबा के 4 कर्मचारी बारात से वापस लौट रहे थे। रात करीब 12 बजे उनकी कार सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई।

हादसे में कार में आगे बैठे खरमोरा निवासी 31 वर्षीय हिमांशु सिंह और एमपी नगर निवासी 30 वर्षीय सुभम दीप की मौके पर ही मौत हो गई। ये दोनों शिक्षक थे।

फंदे से लटकती मिली महिला की लाश

2 साल पहले हुई थी शादी, 14 महीने के बेटी, परिजन बोले-ससुराल वालों ने मारकर लटकाया

बिलासपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बिलासपुर में विवाहित महिला की लाश संदिग्ध हालत में फंदे पर लटकती मिली है। मायके वालों ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को मारकर फंदे पर लटकाया गया है, जिसे आत्महत्या बताने की कोशिश की जा रही है। महिला की 14 महीने की बेटी है। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, बलौदाबाजार की रहने वाली सुलोचनी देवांगन (24) की शादी 2 साल पहले सरकंडा के लिंगियाडीह श्याम नगर निवासी अंकित देवांगन से हुई थी। अंकित ऑटो पार्ट्स की दुकान चलाता है। बीते शनिवार को दोपहर सुलोचनी ने कमरे में फांसी लगा ली। इस दौरान परिजनों ने दरवाजा खोलकर उसे फंदे से उतार दिया, जिसके बाद

घटना की जानकारी पुलिस को दी। सुलोचनी के मायकेवालों ने बताया कि उसके ससुरालवालों ने फोन से जानकारी दी कि उनकी बेटी की तबीयत खराब है और उसे अस्पताल लेकर गए हैं। लेकिन, जब परिजन बिलासपुर पहुंचे, तब उसके ससुराल घर के बाहर लोगों की भीड़ लगी थी। वहीं, अंदर कमरे में बेटी सुलोचनी का शव पड़ा हुआ था। कमरे में पंखे से एक कपड़े का फंदा भी लटक रहा था। परिजनों ने आरोप लगाया कि फंदे को देखने से लग रहा था कि यह आत्महत्या नहीं है। बल्कि, उनकी बेटी की हत्या कर उसे फंदे पर लटकाया गया है। जिसके बाद इसे आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया जा रहा है। मायकेवालों ने यह भी आरोप लगाया कि 2 साल पहले जब उन्होंने सुलोचनी की शादी की थी, तब पुस्तैनी जमीन बेच कर दहेज में सब कुछ दिया था। इसके बाद भी उनका दामाद अंकित और ससुरालवाले उससे हमेशा पैसे की मांग करते थे। बेटी खुश रहे इसलिए वो हर दो-तीन महीने में किसी तरह पैसे की व्यवस्था कर भेजती थी।

मृतका सुलोचनी की 14 माह की बेटी भी है। परिजनों ने कहा कि उनकी बेटी की तबीयत खराब रहती थी, तब ससुरालवाले उसका इलाज नहीं कराते थे। वह अपनी मासूम बेटी को छोड़कर आत्महत्या नहीं कर सकती।

हाइवा ने बाइक को मारी टक्कर, महिला की मौत

पति-पत्नी हुए हादसे का शिकार, पति गंभीर, टुंडी जाते वक्त हुआ हादसा

धनबाद, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। धनबाद के गोविंदपुर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ।

बलियापुर निवासी अनिता देवी और उनके पति जग्गू टुडू बाइक से टुंडी के वीरम पहाड़ी जा रहे थे। ऊपर बाजार के पास एक हाइवा ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इसमें बाइक सवार दंपती गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

स्थानीय लोगों की मदद से घायल दंपती को शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ले जाया गया। चिकित्सकों ने अनिता देवी को मृत घोषित कर दिया। बीसीसीएल के लोदना एरिया में कार्यरत जग्गू टुडू की स्थिति अभी गंभीर है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

स्थानीय निवासी उत्तम कुमार ने बताया कि गोविंदपुर में ऐसी दुर्घटनाएं आम हो गई है। जीटी रोड पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं पर जिला प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है।

ऊपर बाजार में कुछ समय पहले की गई ट्रैफिक व्यवस्था भी बिगड़ गई है। यहां लगी ट्रैफिक लाइट सिर्फ दिखावे के लिए है, जो ठीक से काम नहीं करती। धनबाद की ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है।

शराब घोटाला केस, लखमा की 11 अप्रैल तक बढ़ी रिमांड

ईओडब्ल्यू के अफसर 4 दिन और करेंगे पूछताछ, पूर्व मंत्री ने कहा था-सरकार मुझे परेशान कर रही

रायपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा की रिमांड 11 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। अगले 4 दिन ईओडब्ल्यू के अधिकारी उनसे पूछताछ करेंगे। दरअसल, रिमांड खत्म होने के बाद ईओडब्ल्यू ने स्पेशल कोर्ट में पेश किया। जहां मामले की सुनवाई हुई।

इससे पहले, लखमा को प्रोडक्शन वारंट पर लेने के लिए ईओडब्ल्यू ने आवेदन लगाया था। जिसके बाद 2 अप्रैल को सुनवाई के बाद कोर्ट ने कवासी लखमा को 7 अप्रैल तक कस्टोडियल रिमांड पर भेजा था। अधिकारियों ने लखमा से 5 दिन तक पूछताछ की थी। अब फिर रिमांड बढ़ा दी गई है।

पिछली सुनवाई के दौरान

कवासी लखमा ने कोर्ट के बाहर मीडिया से कहा था कि, मैं गरीब आदमी हूं। बस्तर की आवाज विधानसभा में उठाता हूं। जनता की आवाज और बस्तर की आवाज उठाने पर सरकार मुझे परेशान कर रही है। मैं निर्दोष हूं। बता दें कि लखमा 16 जनवरी 2025 से जेल में बंद हैं।

छत्तीसगढ़ के 2161 करोड़ के शराब घोटाले में पूर्व मंत्री कवासी लखमा के बाद ईडी ने 10 मार्च को पूर्व सीएम भूपेश बघेल, उनके करीबी नेताओं और कारोबारियों के 14 ठिकानों पर छापेमारी की थी। सुबह 7 बजे से शुरू हुई जांच शाम 6 बजे तक 11 घंटे चली। करीब 20 ईडी अफसरों की टीम सीआरपीएफ के जवानों के साथ सीधे पदुम नगर स्थित पूर्व मुख्यमंत्री के निवास में कार्रवाई चली और टीम शाम 6 बजे टीम लौट गई थी। ईडी का आरोप है कि, पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक कवासी लखमा सिंडिकेट के अहम हिस्सा थे। लखमा के निर्देश पर ही सिंडिकेट काम करता था। इनसे शराब सिंडिकेट को मदद मिलती थी। वहीं, शराब नीति बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे छत्तीसगढ़ में एफएल-10 लाइसेंस की शुरुआत हुई। ईडी का दावा है कि लखमा को आबकारी विभाग में हो रही गड़बड़ियों की जानकारी थी, लेकिन उन्होंने उसे रोकने के लिए कुछ नहीं किया। ईडी के वकील सौरभ पांडेय ने बताया कि, 3 साल शराब घोटाला चला।

राष्ट्रीय अधिवेशन की लिस्ट में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के 'गायब कोषाध्यक्ष'

गुजरात जाने वालों में फरार नेता रामगोपाल का नाम, बीजेपी बोली- यह घोटालेबाजों का अधिवेशन

रायपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के गुजरात में होने जा रहे राष्ट्रीय अधिवेशन में छत्तीसगढ़ से शामिल होने वाले नेता आज रवाना हो गए हैं। अहमदाबाद जाने के लिए कांग्रेस ने 55 नेताओं की सूची जारी की गई है। इस लिस्ट में नाम तो कई बड़े नेताओं के हैं, लेकिन एक नाम ने सबका ध्यान खींचा है, वो रामगोपाल अग्रवाल है, जो छत्तीसगढ़ कांग्रेस के कोषाध्यक्ष हैं या यूं कहें कि कागज़ों पर अब भी हैं। इस पर भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ने कहा कि, ये कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन है या घोटालेबाजों का अधिवेशन। जो व्यक्ति कई दिनों से फरार चल रहे हैं, उन्हें राष्ट्रीय अधिवेशन में बुलाया गया है। समझना पड़ेगा उन्होंने जेल में बंद सौम्य चौरसिया और पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को भी कही अपेक्षित श्रेणी में तो नहीं रखा।

असल में रामगोपाल अग्रवाल पिछले दो सालों से फरार हैं। उन पर ईडी की रेड के बाद से ही शिकंजा कस गया था। साल 2022 में हुई छापेमारी में कई अहम दस्तावेज और सबूत जब्त किए गए थे। साल 2013 में रामगोपाल अग्रवाल को छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन से पहले और बाद में साल 2022-23 में 2-3 बार उनके ठिकानों पर ईडी ने छापा मारा था। तभी से वे न तो पार्टी के कार्यक्रमों में नजर आए, न ही किसी बैठक में शामिल हुए। खुद कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय में मौजूद कई नेताओं को भी ये याद नहीं कि उन्हें आखिरी बार कब देखा गया था। सवाल यह उठता है कि, क्या पार्टी को नहीं पता कि उनका कोषाध्यक्ष पिछले दो साल से फरार है या फिर कांग्रेस अब भी उस कुर्सी को भरने में असमर्थ है? छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने अब तक इस पद पर किसी नए व्यक्ति की नियुक्ति नहीं की है। यानी प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी दो साल से बिना आधिकारिक कोषाध्यक्ष के ही चल रही है, जो खुद में एक गंभीर सवाल है। पार्टी का फाइनेंशियल मैनेजमेंट आखिर देख कौन रहा है ? कांग्रेस सरकार जाने के बाद रामगोपाल वर्मा पर पार्टी के अंदर से ही गबन का आरोप लगा है। कांग्रेस के पूर्व महामंत्री अरुण सिसोदिया ने दीपक बैज को चिट्ठी लिखी थी। इसमें 5 करोड़ 89 लाख रुपए के गबन करने की बात लिखी गई थी। सिसोदिया ने अपने पत्र में लिखा था कि रामगोपाल अग्रवाल ने अपने मित्र और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा के बेटे की कंपनी टेसू मीडिया लैब गाजियाबाद को 5 करोड़ 89 लाख रुपए दिए हैं।

50 देशों ने टैरिफ पर अमेरिका से संपर्क किया

ट्रम्प बोले– ये हमसे डील करने के लिए बेचैन, मार्केट क्रैश पर मुझे चिंता नहीं

वॉशिंगटन, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को अमेरिका और दुनियाभर के बाजारों में आई गिरावट पर कहा, 'कभी-कभी किसी चीज को ठीक करने के लिए दवा लेनी पड़ती है।' उन्होंने यह बात एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से कही। वे फ्लोरिडा में गोल्फ खेलकर वॉशिंगटन लौट रहे थे। इस बातचीत में उन्होंने अपनी टैरिफ योजना से पीछे हटने के कोई संकेत नहीं दिए।

रॉयटर्स के मुताबिक, ट्रम्प ने कहा कि दूसरे देशों ने हमारे साथ बहुत बुरा बर्ताव किया, क्योंकि हमारा नेतृत्व मूर्खतापूर्ण था, जिसने ऐसा होने दिया। वहीं, अमेरिका और दुनियाभर में ट्रेड मार्केट्स में मची उथल-पुथल पर ट्रम्प ने कहा, 'बाजारों के साथ आगे क्या होगा, मैं नहीं कह सकता, लेकिन हमारा देश अब कहीं ज्यादा मजबूत है। मुझे मार्केट क्रैश से फर्क नहीं पड़ा है क्योंकि ये कुछ ही समय के लिए

है। फिर सब नॉर्मल हो जाएगा।'

ट्रम्प के लगाए टैरिफ के चलते दुनियाभर के बाजारों में गिरावट देखने को मिल रही है। 6 अप्रैल को अमेरिकी टीवी प्रेजेंटर और मार्केट एनालिस्ट जिम क्रैमर ने चेतावनी दी थी कि सोमवार 7 अप्रैल को बाजारों में फिर से एक बड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। इसे उन्होंने ब्लड बाथ कहा था। इसे 1987 के ब्लैक मंडे से जोड़कर देखा जा रहा है, क्योंकि 19 अक्टूबर 1987 को दुनियाभर के स्टॉक मार्केट्स में एक ही दिन में सबसे भारी गिरावट देखने को मिली थी। अमेरिका के डाउ जोन्स इंडसट्रियल ऐवरेज (डीजेआईए) में 22.6% की गिरावट आई थी, जो इतिहास में आज तक की सबसे बड़ी एक दिन की गिरावट है। यह गिरावट अमेरिका से शुरू हुई, लेकिन जल्दी ही ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, कनाडा और एशियाई बाजारों तक फैल गई। वहीं, ट्रम्प ने कहा कि 50 से ज्यादा देश टैरिफ को लेकर हमसे डील करने के लिए मरे जा रहे हैं। ट्रम्प प्रशासन में ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने एनबीसी को बताया कि 50 से ज्यादा देशों ने ट्रम्प प्रशासन से संपर्क किया है, लेकिन किसी भी तरह की बातचीत में समय लगेगा।

बेसेंट ने कहा कि ये देश लंबे समय से हमारे साथ गलत व्यवहार कर रहे हैं। और यह ऐसा मामला नहीं है, जिसे कुछ दिनों या हफ्तों में बातचीत करके सुलझाया जा सके। हमें आगे का रास्ता देखना होगा, क्योंकि जब कोई देश 20, 30, 40 या 50 साल से गलत तरीकों पर चल रहा हो, तो आप एक झटके में सब कुछ साफ नहीं कर सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2 अप्रैल को दूसरे देशों पर लगाया जाने वाला रेसिप्रोकल टैक्स का ऐलान किया था। इसमें भारत पर 26% टैरिफ लगाए जाने की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत बहुत सख्त है। मोदी मेरे अच्छे दोस्त हैं, लेकिन हमारे साथ सही व्यवहार नहीं कर रहे हैं।

भारत के अलावा चीन पर 34%, यूरोपीय यूनियन पर 20%, साउथ कोरिया पर 25%, जापान पर 24%, वियतनाम पर 46% और ताइवान पर 32% टैरिफ लगेगा। अमेरिका ने करीब 60 देशों पर उनके टैरिफ की तुलना में आधा टैरिफ लगाने का फैसला किया है।

बांग्लादेश में महाअष्टमी और पुण्य स्नान के लिए जुटे हजारों हिंदू

सेना ने संभाली सुरक्षा की कमान, भारत की अपील का असर

ढाका, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश में महाअष्टमी, बसंत पूजा और पुण्यस्नान पर शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सेना ने कमान संभाली है। बांग्लादेशी सेना की मीडिया विंग ने शनिवार को बताया कि हजारों की संख्या में सुरक्षाकर्मी पूजा पंडालों, स्नान घाटों और धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा बनाए रखने के लिए तैनात किए गए हैं। देश की राजधानी ढाका समेत कई शहरों में हजारों की तादाद में हिंदू श्रद्धालु अपने अनुष्ठानों के लिए जुट रहे हैं और शांतिपूर्वक इनको निपटा रहे हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं के त्यौहारों पर सुरक्षा के लिए सेना की तैनाती इसलिए अहम है क्योंकि देश में हालिया समय में अल्पसंख्यकों पर लगातार हमले हुए हैं। बांग्लादेश में बीते साल अगस्त के बाद से धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमलों के लिए मोहम्मद यूनुस सरकार लगातार आलोचना का शिकार हुई है। भारत ने भी बांग्लादेश के सामने इस मुद्दे को उठाया है। इसका असर मोहम्मद यूनुस सरकार पर होता दिख रहा है। बांग्लादेश के लंगलबंध में ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे देश और विदेश से लाखों तीर्थयात्री पहुंचे हैं। महाअष्टमी पुण्यस्नान दो दिन तक चलेगा। रविवार को हजारों तीर्थयात्री लंगलबंध के 19 घाटों पर स्नान करेंगे। उत्तरी कुरीग्राम जिले के चिलमारी में भी ब्रह्मपुत्र नदी में भी हजारों लोगों स्नान के लिए जुटे हैं। भारत, श्रीलंका और नेपाल से भी तीर्थयात्री बांग्लादेश पहुंचे हैं। बांग्लादेशी सेना के अपने बयान में कहा है कि देशभर में महाअष्टमी, बसंती पूजा और पुण्यस्नान का त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। सेना के जवान सभी अहम जगहों पर गश्त कर रही है और नजर रख रही है। सेना ट्रैफिक को भी संभाल रही है और चेक पोस्ट के माध्यम से ट्रैफिक को संभालने में मदद कर रही है। सेना के नेतृत्व में पूजा समितियों और पुजारियों के साथ बातचीत करते हुए विश्वास का माहौल बनाने की कोशिश की है। बांग्लादेश में कई जगह पर पूजा पंडालों में महाअष्टमी और बसंती पूजा हो रही है। चिट्टगांव शहर में धलेश्वरी नदी के किनारे वार्षिक मैत्री महामानवित पूजा होगी।

बाबा वेंगा की भविष्यवाणी हुई सच साबित

2025 की शुरुआत में ही कांप उठी धरती, आगे और भी खतरनाक इशारे

रंगून, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। म्यांमार और बैंकॉक में कुछ दिन पहले अचानक धरती हिलने लगी, इमारते ढहने लगीं और लोग चीत्कार करते हुए घरों से बाहर भागने लगे। थाईलैंड और म्यांमार में 7.7 तीव्रता से आए भूकंप के झटकों ने एशिया को झकझोर कर रख दिया। लेकिन इस प्राकृतिक आपदा से कहीं ज्यादा चर्चा में एक और नाम है, जो पिछले तीन दशकों से रहस्य और रोमांच की परछाइयों में घूमता रहा है। वो नाम है बाबा वेंगा का।

दावा किया गया है कि म्यांमार और थाईलैंड में आए भूकंप की भविष्यवाणी बाबा वेंगा ने कई साल पहले ही कर दी थी। अगर ये दावा सच है तो डर इस बात को लेकर है कि अभी तक बस अप्रैल ही है, जिसका मतलब है कि 2025 में अभी भी बहुत कुछ हो सकता है। दावे किए गये हैं कि बाबा वेंगा ने इस साल दुनिया में होने वाली कुछ चौंकाने वाली चीजों की भविष्यवाणी पहले ही कर रखी हैं।

बाबा वेंगा, जिन्हें वेंगेलिया पांडेवा गुशटेरोवा के नाम से भी जाना जाता है, वो एक अंधी बल्गेरियाई मनोवैज्ञानिक थीं, जो अपनी कथित पूर्वज्ञान शक्तियों के लिए व्यापक रूप से जानी जाती थीं।

डेली मेल की एक रिपोर्ट के मुताबिक रहस्यवादी उपचारक बाबा वेंगा ने दुनिया की प्रमुख घटनाओं की भविष्यवाणी कर रखी हैं, जो सचसाबित होती रहती हैं। जिनमें 9/11 अमेरिका पर अलकायदा का हमला, राजकुमारी डायना की मृत्यु और चीन का उदय शामिल है। आपको बता दें कि 1996 में बाबा वेंगा की मृत्यु हो गई थी। लिहाजा 2025 की भविष्यवाणियों को भी अलग करके नहीं रखा जा सकता है। हालांकि क्या उन्होंने वाकई भूकंप की भविष्यवाणी कर रखी ती, इसकी सत्यता जांचने के लिए कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं है।

दावा किया गया है कि बाबा वेंगा की 2025 को लेकर सबसे खतरनाक भविष्यवाणियों में एक यूरोप में जंग छिड़ना शामिल है। कहा गया है कि उन्होंने 2025 में आर्थिक तबाही आने की बात कह रखी है।

उन्होंने यह भी दावा किया कि मानवता का पतन 2025 में शुरू होगा और विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार दुनिया आधिकारिक तौर पर 5079 में खत्म हो जाएगी। उनकी सभी भविष्यवाणियों में से अब तक भूकंप के बारे में उनकी भविष्यवाणी बिल्कुल सटीक थी।

सऊदी अरब ने पाकिस्तान और बांग्लादेश के वीजा बैन की लिस्ट में दोस्त भारत को डाला

रियाद, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। सऊदी अरब ने भारत समेत 14 देशों को वीजा पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। खास बात यह है कि सऊदी अरब ने दोस्त भारत का नाम उन देशों की लिस्ट में डाला है, जिसमें पाकिस्तान और बांग्लादेश शामिल हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, जिन श्रेणियों में वीजा देने पर रोक लगाई गई है, उनमें उमराह वीजा, व्यवसायिक यात्रा वीजा और पारिवारिक यात्रा वीजा शामिल है। सऊदी वीजा प्रतिबंध इस साल जून के मध्य तक जारी रहेंगे, जो हज यात्रा समाप्त होने के समय के आसपास है। जानते हैं कि इस प्रतिबंध की वजह क्या है? सऊदी सरकार का यह कदम 2024 में हुई दुखद घटना के बाद उठाया गया है, जिसमें हज के दौरान 1000 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। इनमें से कई अनिधिकृत तीर्थयात्री थे। भीड़ और भीषण गर्मी ने हालात को बदतर बना दिया था। हालत यह थी कि लोग चिलचिलाती धूप में पैदल चलने को मजबूर हुए और तड़पकर दम तोड़ दिया। सऊदी सरकार अब सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चाहती है कि उचित रूप से पंजीकृत तीर्थयात्री ही हज में भाग लें। सऊदी अधिकारियों ने कहा है कि वीजा निलंबन का उद्देश्य गैरपंजीकृत लोगों को हज यात्रा में भाग लेने से रोकना है। कई लोग उमराह या यात्रा वीजा पर सऊदी अरब में प्रवेश करते हैं और फिर बिना उचित पंजीकरण के हज करने के लिए अवैध रूप से देश में रहते हैं। इस दुरुपयोग को रोकने के लिए सऊदी सरकार ने वीजा नियमों को कड़ा करने का फैसला किया है।

दक्षिण कोरिया भारत को देगा 100 अत्याधुनिक के9 वज्र टी तोपें

चीन की सीमा पर होगी तैनाती, ड्रैगन सेना की अब खैर नहीं

सियोल, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत और दक्षिण कोरिया ने नेक्स्ट जेनरेशन तोप बनाने के लिए ऐतिहासित समझौता किया है। इस सौदे के तहत भारतीय सेना के लिए अगली पीढ़ी के विनाशक तोपों का निर्माण किया जाएगा। 3 अप्रैल 2025 को दक्षिण कोरियाई कंपनी हनवा एयरोस्पेस ने भारतीय कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएण्डटी) के साथ 253 मिलियन डॉलर का अनुबंध किया है, जिसके तहत भारतीय सेना के लिए 100 अतिरिक्त के9 वज्र-टी ऑटोमेटिक होवित्जर तोपों के लिए कंपोनेंट्स की आपूर्ति की जाएगी। भारत और दक्षिण कोरिया के बीच हुई इस रक्षा साझेदारी ने आधुनिक तोपखाने प्रणालियों के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है। यह सहयोग न सिर्फ भारतीय सेना की मारक क्षमता को बढ़ाएगा, बल्कि 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत स्वदेशी उत्पादन को भी अगले स्तर पर ले जाएगा।

नई दिल्ली में दक्षिण कोरियाई दूतावास में इस सौदे पर दस्तखत किए गये हैं। यह समझौता दोनों कंपनियों के बीच चल रही साझेदारी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और 2017 के पिछले अनुबंध पर आधारित है, जिसमें 100 इकाइयों के शुरुआती बैच की डिलिवरी की गई थी। यह सौदा, जो भारत में स्थानीय उत्पादन को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत करता है, सियोल और नई दिल्ली के बीच गहरे होते रक्षा संबंधों को दिखाता है। के9 वज्र-टी, दक्षिण कोरिया की के9 थंडर का भारतीय वैरिएंट है। इसे भारतीय सेना की जरूरतों के मुताबिक ढाला गया है। यह 155 मिमी/52-कैलिबर की ऑटोमेटिक होवित्जर तोप है, जो विस्तारित रेंज के गोला-बारूद के साथ 50 किलोमीटर तक की दूरी तक मार करने में सक्षम है। इसकी उच्च फायरिंग दर और गतिशीलता इसे आधुनिक युद्धक्षेत्र में अत्यंत प्रभावी बनाती है। भारतीय सेना ने फील्ड आर्टिलरी रेशनलाइजेशन प्लान (एफएआरपी) के तहत, विभिन्न प्रकार की 155 मिमी तोपों की खरीद और विकास का लक्ष्य रखा है। इस योजना में करीब 3,000 से 3,600 तोपों की खरीद शामिल है, जिसमें टोव्ड, माउंटेड, स्वचालित पहिएदार और ट्रैक्ड होवित्जर शामिल हैं।

यमन में बुरे फंसी अमेरिकी सेना

हूतियों पर 1 अरब डॉलर बर्बाद करके भी अमेरिका नाकाम, टूट रहा ट्रंप का ख्वाब

सना, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी सेना 15 मार्च के बाद से यमन में हूती चरमपंथियों के खिलाफ लगातार हमले कर रही है, जिसमें तेल रिफाइनरियों, हवाई अड्डों और मिसाइल स्थलों को निशाना बनाना शामिल है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार दोहराते रहे हैं कि जब तक लाल सागर में हूतियों के हमले रुक नहीं जाते हैं, तब तक अमेरिका बल प्रयोग जारी रखेगा। अमेरिकी अभियान कितना बड़ा है, इसका अंदाजा एक रिपोर्ट से लगता है जिसमें कहा गया है कि तीन सप्ताह से भी कम समय में अमेरिकी अभियान की लागत 1 अरब डॉलर के करीब पहुंच गई है।

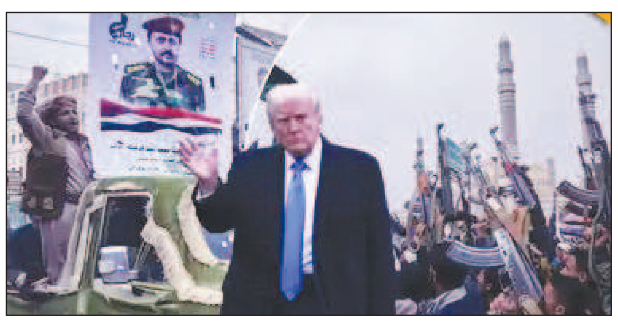

इस भारी खर्च के बावजूद हूती विद्रोहियों ने अभी तक झुकने के संकेत नहीं दिए हैं, जो अमेरिकी रणनीति के बारे में महत्वपूर्ण सवाल खड़े करता है। ट्रंप प्रशासन ने सैन्य अभियान को प्रभावी बताया है। एनएसए माइक वाल्ट्ज ने कई हूती नेताओं की हत्या की बात कही है। विश्लेषकों का अनुमान है कि 80 से अधिक सैन्य अधिकारी मारे गए हैं। लेकिन यह भी सच है कि इन हत्याओं के बावजूद हूतियों का वरिष्ठ नेतृत्व काफी हद तक बरकरार है। हूतियों की मिसाइल लॉन्च सुविधाएं भी बनी हुई हैं। मार्च के मध्य से समूह ने इजारयल की ओर बैलिस्टिक मिसाइलों और अमेरिकी नौसैनिक जहाजों पर ड्रोन और मिसाइलों को दागना जारी रखा है। हालांकि, इनमें से किसी ने गंभीर क्षति नहीं पहुंचाई है, लेकिन खतरा बना हुआ है। एक विश्लेषक ने हूतियों की तुलना जंगली जानवर बिज्जू से की है। बिज्जू की खासियत यह होती है कि उसके ऊपर कोबरा के काटे जाने का भी असर नहीं होता है। हूतियों ने भी इसी तरह की दृढ़ता दिखाई है। इस सप्ताह की शुरुआत में ही हूती प्रवक्ता ने कहा है कि 'यमन पर दर्जनों हवाई हमले उनके धार्मिक, नैतिक और मानवीय कर्तव्यों को पूरा करने से नहीं रोक पाएंगे।'

हालांकि, अमेरिकी अभियान ने कुछ हद तक हूती क्षमता को कमजोर किया है, लेकिन इतिहास गवाह है कि सिर्फ हवाई हमलों से रणनीतिक लक्ष्य कम ही हासिल किए जा सकते हैं। पिछले एक दशक में हूतियों ने हजारों बमबारी झेली है और वे अब भी अडिग हैं।

पाकिस्तानी सेना ने शुरू की खेती तो किसानों ने किया ऐलान-ए-जंग

कॉरपोरेट लॉबी के साथ खड़ी हुई मुनीर आर्मी

इस्लामाबाद, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान में किसानों ने 13 अप्रैल को पूरे देश में कॉरपोरेट फार्मिंग के खिलाफ बड़े स्तर पर आंदोलन करने की घोषणा की है। ये विरोध मल्टीनेशनल कंपनियों को खेती के संसाधनों की बिक्री और किसानों की आजीविका पर आने वाले खतरे के खिलाफ है। किसान संगठनों का कहना है, कि सरकार खेती को पूंजीपतियों के हवाले कर रही है जिससे छोटे किसानों को बेदखल और आर्थिक रूप से कमजोर किया जा रहा है। पाकिस्तान किसान रबीता कमेटी - जो करीब 30 किसान संगठनों का एक नेटवर्क है, उसने 13 अप्रैल को सैन्य संचालित कॉर्पोरेट कृषि परियोजना के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है।

पाकिस्तान के किसानों का कहना है कि ये कदम कृषि के निजीकरण की शुरुआत और कृषि संसाधनों पर बहुराष्ट्रीय कंपनियों की कब्जेदारी का रास्ता खोलने जैसा है।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक विरोध प्रदर्शन के जरिए किसान, कॉर्पोरेट खेती को खत्म करने और किसानों को उन जमीनों से बेदखल नहीं करने की मांग करेंगे, जिस पर वे पीढ़ियों से खेती कर रहे हैं। इसके अलावा प्रदर्शनकारी किसान दक्षिणी पंजाब में विवादास्पद नहरों के निर्माण पर प्रतिबंध लगाने, किसानों के बीच सभी सार्वजनिक क्षेत्र की कृषि भूमि का वितरण करने, लाखों रुपये के बकाया भुगतान के लिए किरायेदारों को दिए गए नोटिस वापस लेने और चालू कटाई के मौसम के दौरान गेहूं की खरीद मूल्य 4,000 पाकिस्तानी रुपये प्रति 40 किलोग्राम तय करने की भी मांग करेंगे।

आपको बता दें कि जीपीआई पाकिस्तान की सरकार की पहल है जिसका मकसद आधुनिक तकनीक, उन्नत सिंचाई प्रणाली, उच्च गुणवत्ता वाले बीज, एआई-संचालित निगरानी और बेहतर कृषि उपकरणों का उपयोग करके बंजर भूमि को उच्च उपज वाले खेतों में बदलकर कृषि विकास को बढ़ाना और पर्यावरणीय मुद्दों से निपटना है। लेकिन किसानों और कार्यकर्ताओं ने आशंका जताई है कि बड़े पैमाने पर कृषि व्यवसाय में परिवर्तन छोटे भूस्वामियों के लिए खतरा पैदा कर सकता है।

भारत के पीओके पर कब्जे का खौफ

जवाबी हमले की तैयारी में जुटी पाकिस्तानी सेना, श्रीनगर के पास बना रही नया एयरबेस

इस्लामाबाद, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सरकार को भारत के पाक अधिकृत कश्मीर पर कब्जे का खौफ सताने लगा है। यही वजह है कि पाकिस्तान की सरकार कश्मीर के पास स्वात घाटी में बने एयरपोर्ट को सैदू शरीफ सैन्य अड्डा बनाने में जुट गई है। ताजा सैटलाइट तस्वीरों में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान की सेना ने फाइटर जेट को रखने के लिए मजबूत शेल्टर बना रही है। साथ ही रनवे का विस्तार करने में जुट गई है। इससे यह एयरबेस ट्रांसपोर्ट प्लेन से लेकर फाइटर जेट तक के लिए काफी मुफीद हो जाएगा। वश्लेिषकों का कहना है कि कश्मीर के दूसरी तरफ स्थित सैदू शरीफ एयरबेस के अपग्रेड हो जाने के बाद पाकिस्तानी वायुसेना आसानी से एलओसी तक आसानी से पहुंच जाएगी और हमले करने में सक्षम हो जाएगी। सैन्य विश्लेषकों का कहना है कि सैदू शरीफ एयरबेस की मदद से पाकिस्तानी वायुसेना भारत की सीमा पर बहुत तेजी से हवाई मदद देने में सक्षम हो जाएगी। स्वात की खूबसूरत घाटी में मौजूद यह नागरिक हवाई अड्डा अब पाकिस्तानी वायुसेना का नया ठिकाना बन रहा है।

इस हवाई ठिकाने पर अब एयरफील्ड को 910 मीटर तक बढ़ाया जा रहा है। इससे यहां पर पाकिस्तानी वायुसेना आसानी से बड़े पैमाने पर अपने जंगी विमानों को तैनात कर सकेगी।

अमेरिका के फैसलों ने पहले भी 4 बार दुनिया हिलाई

पहली मंदी से हिटलर आया, आखिरी मंदी ने प्राइवेट जॉब का क्रेज खत्म किया

वाशिंगटन, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 60 देशों पर टैरिफ लगा दिया है। इस वजह से दुनियाभर के शेयर बाजार में उथल-पुथल मच गई है। भारत में बीएसई में 19 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हो चुका है।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाले दिनों में इसमें और इजाफा हो सकता है। यह पहली बार नहीं है जब अमेरिका के किसी फैसले से दुनिया को हिलाया है। प्रथम विश्वयुद्ध के खत्म होने के बाद अमेरिका का सुपर पावर के तौर पर उभरा था। यहां की इकोनॉमी तेजी से बढ़ रही थी। शेयर बाजार को लेकर तब लोगों की यह समझ बन गई कि यह हमेशा ऊपर ही जाएगा।

इस वजह से लोग कर्ज लेकर भी शेयर खरीद रहे थे। निवेशक अपनी पूंजी का 10 से 20% पैसा लगाते थे, बाकी ब्रोकर से कर्ज ले लेते। अमेरिकी सरकार ने इस जोखिम भरे खेल पर कोई रोक नहीं लगाई। तब शेयर मार्केट को कंट्रोल करने के लिए कोई एजेंसी भी नहीं थी।

1928 के अंत तक बाजार में शेयर की कीमतें बहुत ज्यादा बढ़ गईं। डाउ जोन्स 1921 में 63 अंकों पर था। 8 साल बाद यह 6 गुना बढ़कर 381 अंकों पर पहुंच चुका था। दूसरी तरफ अमेरिका में मजदूरों और किसानों की इनकम बढ़ नहीं रही थी। कंपनियों का मुनाफा आसमान छू रहा था।

इस वजह से मांग और आपूर्ति में भारी अंतर पैदा हो गया था। कंपनियां खूब सारा प्रोडक्ट्स बना रही थी लेकिन उस अनुपात में बिक नहीं रहे थे। इसका असर मार्केट पर पड़ा। जैसे ही शेयर गिरने लगीं, लोगों ने कर्ज चुकाने के लिए अपना शेयर बेचना शुरू कर दिया। यह एक चेन रिएक्शन बन गया। अखबारों ने इस घटना को बढ़ा-चढ़ाकर छापा, जिसने निवेशकों का डर और बढ़ा गया। छोटे निवेशक, जो मार्जिन पर भारी कर्ज में थे, सबसे ज्यादा घबराए। 29 अक्टूबर 1929 को शेयर बाजार में एक ही दिन में 13% की गिरावट हुई। इसके बाद कई महीनों तक शेयर बाजार में गिरावट जारी रही, जिससे लाखों निवेशक भारी नुकसान में आ गए। बैंकों ने अपना कर्ज वसूलने की कोशिश लेकिन निवेशकों के पास पैसा नहीं था। लोन का पैसा हासिल न होने से बैंक फेल होने लगे। लोगों का यकीन बैंक पर से उठ गया। वे अपनी जमा पूंजी निकालने लगे। बैंकों के आगे पैसे निकालने वालों की लंबी-लंबी कतारें लगने लगीं। इससे बैंकों की हालत और खराब हो गई। 1930-33 के बीच अमेरिका में 9,000 से ज्यादा बैंक दिवालिया हो गए।

देश में बेरोजगारी 3% से बढ़कर 25% हो गई। 1.5 करोड़ से ज्यादा लोग बेरोजगार हो गए। कई इंडस्ट्री बंद हो गई और लोग सड़कों पर भीख मांगने लगे। यह मंदी पूरी दुनिया में फैली। भारत में जूट, कपास और चाय के निर्यात पर असर पड़ा।

अमेरिका पर जवाबी टैरिफ नहीं लगाएगा ताइवान

राष्ट्रपति बोले– पांच सूत्रीय रणनीति पर करेंगे काम

ताइपे, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पारस्परिक टैरिफ के विरोध में तमाम देश जवाबी टैरिफ लगा रहे हैं। लेकिन ताइवान ने ऐसा कुछ नहीं करने वाला है। ताइवान ने कहा कि हम अमेरिका की ओर से लगाए गए 32 फीसदी टैरिफ के जवाब में पांच सूत्रीय रणनीति पर काम करेंगे। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने कहा कि हम अमेरिका पर जवाबी टैरिफ नहीं लगाएंगे। राष्ट्रपति लाई चिंग ते ने कहा कि पांच सूत्रीय कार्यक्रम के तहत हमारी पहली रणनीति बातचीत के माध्यम से पारस्परिक टैरिफ दरों में सुधार के लिए हर संभव प्रयास करने की है। दूसरी रणनीति प्रभावित घरेलू उद्योगों के लिए सहायता योजना अपनाना, तीसरी रणनीति मध्यम और दीर्घकालिक आर्थिक विकास योजनाएं अपनाना, चौथी रणनीति नई ताइवान प्लस अमेरिका योजना बनाना और पांचवी रणनीति में औद्योगिक दौरे शुरू करना है। राष्ट्रपति लाई ने कहा कि सरकार और नागरिक समाज ताइवान की अर्थव्यवस्था के लिए व्यापक रास्ता खोलने के लिए कार्यकारी युआन द्वारा उठाए जाने वाले कदमों का समर्थन करने के लिए मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि टैरिफ का बड़ा प्रभाव पड़ेगा। ताइवान एक निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था है।

डोटासरा-जूली सीआईडी-सीबी के सामने पेश

बोले- हम डरने वाले नहीं; बीजीपी के तीन नेताओं पर लगाए गंभीर आरोप

जयपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में तापमान बढ़ने के साथ ही सियासी गर्मी भी तेज़ हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सोमवार को उदयपुर स्थित सीआईडी-सीबी कार्यालय में अपने बयान दर्ज कराए। बता दें, यह बयान कोटा में 24 जून 2024 को हुए धरना-प्रदर्शन के दौरान दर्ज हुई एफआईआर के सिलसिले में लिए गए, जिसमें दोनों नेताओं पर कथित रूप से आईजी रेंज को धमकाने का आरोप लगाया गया है। सीआईडी-सीबी कार्यालय में बयान दर्ज कराने के बाद डोटासरा और जूली ने सरकार पर निशाना साधते हुए इसे विपक्ष की आवाज़ दबाने की साजिश करार दिया। डोटासरा ने कहा कि भाजपा एक नहीं, 100 झूठे मुकदमे दर्ज कर दे, कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता बब्बर शेर है। हम राहुल गांधी की तरह न डरेंगे, न झुकेंगे, डटकर मुकाबला करेंगे, लड़ेंगे और जीतेंगे।

हम कानून का सम्मान करते हैं- डोटासरा

भाजपा 1 नहीं 100 झूठे मुक़दमे दर्ज कर दे, कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता बब्बर शेर है, हम राहुल गांधी की तरह न डरेंगे, न झुकेंगे, डटकर मुकाबला करेंगे, लड़ेंगे और जीतेंगे। कोटा में 24 जून, 2024 को भाजपा सरकार की नाकामियों के खिलाफ शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन के करने पर दर्ज कराई गई झूठी FIR के संबंध में आज उदयपुर स्थित सीआईडी-सीबी कार्यालय में बुलाने पर मैंने एवं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने उपस्थित होकर अपने बयान दर्ज कराएं हैं। डोटासरा ने आगे कहा कि भाजपा सरकार बिजली-पानी, महंगाई, बेरोजगारी, अपराध, महिला अत्याचार, किसानों की दुर्दशा, अवैध खनन और भ्रष्टाचार जैसे असली मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने के लिए झूठे मुकदमे दर्ज करके विपक्ष की आवाज़ को कुचलना चाहती है, मुख्यमंत्री जी.. आपके कैबिनेट में साथी सदस्य शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री और अनेक मंत्रियों व भाजपा विधायकों के खिलाफ संगीन धाराओं में दर्जनों केस दर्ज है। उन्होंने पूछा कि क्या भाजपा सरकार... अपने मंत्रियों व भाजपा विधायकों से पूछताछ में भी इतनी तत्परता दिखाकर सही तफ्तीश से मंत्रियों का बोझ हल्का करेगी? या पुलिस तंत्र के दुरुपयोग से सिर्फ विपक्ष के नेताओं को ही डराने, धमकाने और प्रताड़ित करने का काम करेगी?

परिसीमन को लेकर भी उठाए सवाल

इस दौरान पीसीसी चीफ ने परिसीमन को लेकर भी भजनलाल सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि एक अनाधिकृत कमेटी बना रखी है, जबकि परिसीमन सरकार करती है। राजेंद्र राठौड़, अरुण चतुर्वेदी, घनश्याम तिवाड़ी ओटीएस में अधिकारियों को धमकाते हैं। सीएमओ में मीटिंग लेते हैं, सीएम कुछ नहीं कह पाते क्योंकि न तो उनको अनुभव है और न अधिकार। वहीं उन्होंने कहा कि करप्शन और अपराध इस कदर बढ़ गया है कि सरकार की तरफ से कोई जवाबदेही नहीं है। मंत्री और विधायक अनर्गल बयान देकर जहर घोलने का काम कर रहे हैं।

सरकार सर्कस बन गई है- टीकाराम जूली

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि मेरे तो हाथ में फ्रैक्चर था, फिर भी मेरे खिलाफ FIR दर्ज कर दी गई। ये सिर्फ डराने-धमकाने की साजिश है। लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं। ज़रूरत पड़ी तो जेल भी जाएंगे। जूली ने कहा कि ये सरकार नहीं, सर्कस है। अपराधी खुले घूम रहे हैं और विपक्ष को निशाना बनाया जा रहा है।

उपनेता प्रतिपक्ष ने सरकारी कार्यक्रम में प्रोटोकॉल उल्लंघन का लगाया आरोप

सीएम को पत्र लिखा

जयपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के उपनेता प्रतिपक्ष एवं गंगापुर सिटी विधायक रामकेश मीना ने मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखकर 2 अप्रैल 2025 को गंगापुर सिटी में आयोजित उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के सरकारी समारोह में प्रोटोकॉल के उल्लंघन का आरोप लगाया है। उन्होंने पत्र में कहा कि इस सरकारी कार्यक्रम में उन्हें और क्षेत्रीय सांसद हरिशचंद मीना को आमंत्रित नहीं किया गया, जबकि राज्य सरकार के परिपत्र में स्पष्ट निर्देश हैं कि ऐसे सभी सरकारी कार्यक्रमों में क्षेत्र के सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाना अनिवार्य है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कार्यक्रम में भाजपा के जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर, जो कि कोई निर्वाचित जनप्रतिनिधि नहीं हैं का नाम शिलान्यास पट्टिकाओं पर अंकित करवाया गया और उन्हें मंच पर विशेष सम्मान दिया गया। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक परंपराओं और राज्य सरकार के निर्देशों का खुला उल्लंघन बताया।

अपने पत्र में उन्होंने मुख्यमंत्री से संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है तथा भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कड़े निर्देश जारी करने का अनुरोध किया है। साथ ही उन्होंने मानसिंह गुर्जर पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे पुलिस अधिकारियों और भू-माफियाओं के साथ मिलकर आम जनता को परेशान कर रहे हैं। मीना ने इस पत्र की प्रतिलिपि मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, शासन सचिव, प्रशासनिक सुधार विभाग और जिला कलेक्टर को भी प्रेषित की है।

आईएएस-आईपीएस के ट्रांसफर का काउंटडाउन शुरू, इस बार आएगी जंबो लिस्ट

टॉप लेवल पर भी होगा बदलाव

जयपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में एक बार फिर प्रशासनिक ढांचे में बड़े बदलाव की तैयारी जोरों पर है। IAS और IPS अधिकारियों की तबादला सूची का काउंटडाउन शुरू हो गया है। सूत्रों के अनुसार ट्रांसफर लिस्ट अप्रैल के तीसरे सप्ताह में कभी भी जारी हो सकती है। मुख्यमंत्री कार्यालय से लेकर सचिवालय तक प्रशासनिक हलकों में इस संभावित फेरबदल को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। दरअसल, राजस्थान सरकार के कार्मिक विभाग की वेबसाइट से आईएएल, आईपीएस, आईएफएस, और आरएएस अधिकारियों के मोबाइल नंबर हटाए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक तबादलों के बाद फिर से वेबसाइट पर मोबाइल नंबर की लिस्ट अपडेट की जाएगी।

वहीं, ये भी बताया जा रहा है कि सरकार का फोकस प्रशासनिक कसावट और सुशासन को प्राथमिकता देने पर है, जिसके तहत कई अहम पदों पर अधिकारियों की अदला-बदली की जा सकती है। इस बार के फेरबदल को बजट बाद का सबसे बड़ा प्रशासनिक कदम माना जा रहा है।

टॉप लेवल पर भी हो सकते हैं बड़े बदलाव

सूत्रों की मानें तो प्रिंसिपल सेक्रेटरी और अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर के टॉप अधिकारियों के तबादलों पर भी विचार किया जा रहा है। संभावित बदलावों में ये नाम प्रमुखता से चर्चा में हैं। बताया जा रहा है कि शिखर अग्रवाल को वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी मिल सकती है। वहीं, अखिल अरोड़ा को एसीएस to सीएम की भूमिका सौंपी जा सकती है। आनंद कुमार को वन एवं प्रदूषण नियंत्रण विभाग की बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसके अलावा ACS अभय कुमार सिंह को भी अहम भूमिका मिल सकती है। इसके अलावा चिकित्सा विभाग में चल रही उठापटक के चलते विभाग की मुख्य सचिव, अतिरिक्त सचिव सहित टॉप अधिकारियों को हटाया जा सकता है। इसकी भी तैयारी सीएमओ स्तर पर चल रही है। वहीं, शिक्षा विभाग में भी तबादले की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, इन नियुक्तियों को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन सीएमओ स्तर पर मंथन पूरा हो चुका है।

आरएएस-आरपीएस अधिकारियों पर भी नजर

सूत्रों के अनुसार, कई जिलों के कलेक्टर, एसपी और एडिशनल एसपी के तबादले लगभग तय माने जा रहे हैं। इसके अलावा आरएएस और आरपीएस अधिकारियों की एक साल की परफॉर्मेंस रिपोर्ट के आधार पर भी तबादले की तैयारी चल रही है। सरकार सभी विभागों से इनपुट लेकर अंतिम सूची तैयार कर रही है।

जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा खुद इस प्रक्रिया की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार यह फेरबदल केवल पदों की अदला-बदली नहीं बल्कि प्रशासनिक दक्षता और फील्ड में सुशासन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। बता दें, ब्यूरोक्रेसी में यह हलचल ऐसे समय हो रही है जब सरकार परफॉर्मेंस बेस्ड प्रशासनिक मॉडल को लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

पहले भी हो चुके हैं बड़ी संख्या में तबादले

गौरतलब है कि पिछले बजट सत्र के बाद भी सरकार ने बड़ी संख्या में अधिकारियों के तबादले किए थे, जिसमें पुलिस, प्रशासन और नगरीय निकाय के अफसरों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अब एक बार फिर तबादलों की लंबी सूची सामने आने वाली है, जिससे ब्यूरोक्रेसी में नई ऊर्जा और संतुलन की उम्मीद की जा रही है।

मदन दिलावर को क्यों आया इतना गुस्सा : बोले 'मेरे काकाजी हो या मेरे पिताजी, काम नहीं करें तो कर दो ब्लैक लिस्ट'

कोटा, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने सोमवार को अपने विधानसभा क्षेत्र रामगंजमंडी की बुद्धखान एवं खैराबाद ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण करने के बाद बेहद नाराज नजर आये और कहा कि मेरी विधानसभा में सफाई ना हो तो और जगह क्या बोलूंगा।

'मुझे हर हाल में सफाई चाहिए'

दिलावर ने इन ग्राम पंचायतों के निरीक्षण के दौरान कहा कि मैं पूरे प्रदेश का दौरा कर ग्राम पंचायतों में सफाई के लिए पाबंद कर रहा हूं। लगातार बार बार कहने के बाद भी यदि मेरी विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में रोज सफाई ना हो, रोज कचरा नहीं उठे तो फिर प्रदेश के और जगह पर कैसे कहूंगा। उन्होंने खंड विकास अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी हो मेरे काकाजी हो या मेरे पिताजी या कोई रिश्तेदार यदि सफाई ठीक से नहीं कर रहा है तो उसे ब्लैक लिस्ट कर दो। मुझे हर हाल में सफाई चाहिए।

ग्रामीण महिलाओं से की बात

इससे पहले मंत्री के काफिले को बुद्धखान गांव की तंग गलियों में देख ग्रामवासी दौड़ पड़े। दिलावर ने ग्रामीण महिलाओं से चर्चा करते हुए पूछा कि गांव में अब तो रोज सफाई हो रही है ना। महिलाओं ने कहा कि रोज तो नहीं हो रही। दो तीन दिन में एक बार झाड़ू लगाने वाला आता है।

मंत्री ने नाली सफाई करने वाले के बारे में पूछते हुए कहा कि सब नालियां जाम हो रही है और पानी रास्ते पर बह रहा है। इस पर ग्रामीणों ने बताया कि नाली साफ करने वाला कभी कभार आता है। इस पर मंत्री ने ग्राम विकास अधिकारी प्रेमचंद को फोन किया कि इतना कहने के बाद भी गंदगी क्यों हैं। ग्राम विकास अधिकारी ने कहा कि साहब टेंडर हो गया है। वह बार बार कहते है, लेकिन ठेकेदार नहीं मानता।

ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट करने को कहा

दिलावर ने ग्राम विकास अधिकारी के बाहर रहने पर उससे मूवमेंट रजिस्टर नहीं भरा जाने के बारे में पूछने पर ग्राम विकास अधिकारी ने कहा गलती हो गई आकर भर दूंगा। इसके बाद दिलावर ने खंड विकास अधिकारी समय सिंह मीणा को फोन कर ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट करने, ग्राम विकास अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही करने तथा बुद्खान सरपंच मुकेश बैरवा के खिलाफ रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। इसके बाद दिलावर ने खैराबाद ग्राम पंचायत का दौरा किया। इस दौरान ग्रामीणों ने मंत्री को गांव में रोज सफाई नहीं होने और कचरा उठाने वाली गाड़ी के भी नहीं आने के बारे में बताया।

मंत्री ने ग्रामीणों से कहा कि ठेकेदार को हर रोज सफाई का बोलो, एक कर्मचारी से नहीं बल्कि हर क्षेत्र में रोज झाड़ू लगाना अनिवार्य है। जिस दिन नहीं लगाए उस दिन की हाजरी काट दो और गाड़ी रोज कचरा उठाने आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि ठेकेदार नियमानुसार काम नहीं कर रहा है तो उसको ब्लैक लिस्ट कर दूंगा। दिलावर ने रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र में पेयजल की समस्या के समाधान के लिए महाराजा अग्रसेन अतिथि गृह में आमजन के साथ संवाद भी किया। इस दौरान जलदाय विभाग के मुख्य अभियंता आर के मीणा भी मौजूद थे।

इन्द्रा एसआई परीक्षा में खुद फेल हुई

15 लाख में डमी बनकर परीक्षा पास कराई, पति भी अरेस्ट

जोधपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पुलिस महानिरीक्षक रेंज जोधपुर कार्यालय की साइक्लोनर टीम ने बहुचर्चित एसआइ भर्ती परीक्षा 2021 घोटाले के मामले में गोवा व जोधपुर के खेमे का कुआं में दबिश देकर पति व पत्नी को गिरफ्तार किया। आरोपी पति ने 15 लाख रुपए में पत्नी को एक अन्य युवती की जगह परीक्षा दिलवाई थी। आरोपी महिला खुद तो फेल हो गई थी, लेकिन जिसकी जगह डमी परीक्षार्थी बनी थी उसे पास करवाकर प्लाटून कमाण्डर बनवा दिया था।

आइजी रेंज विकास कुमार ने बताया कि एसआइ भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में एसओजी ने हरखू को गिरफ्तार किया था। उसने फर्जी परीक्षार्थी से एसआइ भर्ती परीक्षा पास की थी।

पूछताछ में नरपतराम का नाम सामने आया था। उसने हरखू से 15 लाख रुपए लेकर पत्नी इन्द्रा को हरखू की जगह परीक्षा में बिठाकर परीक्षा पास करवा दी थी। फिर हरखू प्लाटून कमाण्डर बन गई थी।

हरखू के पकड़े जाने के बाद नरपत व पत्नी इन्द्रा फरार हो गए थे। पति की गिरफ्तारी पर इनाम भी घोषित किया गया था। इनको पकड़ने के लिए एसओजी ने साइक्लोनर टीम की मदद मांगी। पुलिस ने नरपत के रिश्तेदारों से संपर्क साधने का प्रयास किया। तब एक व्यक्ति ने अपनी साली का मोबाइल नंबर देकर दोनों तक पहुंचने की चुनौती दी।

इस नंबर से गोवा के मोबाइल नंबर पर संपर्क हो रहा था। जांच में कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड की महिला के प्रतिदिन तय समय पर खेमे का कुआं आने और वहां से गोवा बात करने का पता लगा। साइक्लोनर टीम को गोवा भेजा गया। तीन दिन तक गोवा में तलाश के बाद उत्तरी गोवा के कालागुट में शराब की दुकान पर नरपत नजर आया। तस्दीक के बाद एसओजी ने उसे पकड़ लिया। ठीक उसी समय एक अन्य टीम ने खेमे का कुआं में मकान पर दबिश देकर नरपत की पत्नी इन्द्रा को पकड़ लिया।

बीजेपी नेता पर जानलेवा हमला

गर्दन और रीढ़ की हड्डी टूटी, सिर में गंभीर चोट

भरतपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में भाजपा नेता और सर्राफा व्यापारी पर पड़ोसी ने हमला कर दिया। जिले के कोतवाली इलाके में पुरोहित मोहल्ले में प्रोपर्टी विवाद के चलते पड़ोसी परिवार के लोगों ने छत पर पत्थर फेंकें। जिससे भाजपा नेता ऋषभ बंसल के सिर पर गहरी चोट लगी, उनकी गर्दन और रीढ़ की हड्डी टूट गई। उन्हें आरबीएम हॉस्पिटल से गंभीर हालत में जयपुर रेफर कर दिया गया है। गौरतलब है कि मुखर्जी मंडल के अध्यक्ष ऋषभ बंसल सर्राफा कारोबार से भी जुड़े हैं। इस मामले को लेकर नगर निगम के पार्षद नरेश कुमार का कहना है कि कुछ दिन पहले ही ऋषभ के भतीजे गौरव ने पुरोहित मोहल्ले में एक मकान खरीदा था। पड़ोसी का दावा है कि मकान के बरामदे में हमारा भी हिस्सा है। उन्होने आगे बताया कि इस मामले को लेकर ऋषभ बंसल पड़ोसी से बात करने गए थे। वे पड़ोसी से बात ही कर रहे थे कि उसके परिवार के लोगों ने छत से ऋषभ के सिर पर पत्थर दे मारा। जिससे वे लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। भरतपुर कोतवाली थाना अधिकारी विनोद मीणा ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद तुरंत पहुंचकर जिस मकान में घटना हुई, उसे सील कर दिया गया है।

चलती ट्रेन में लगी आग

यात्रियों में मच गई अफरा-तफरी

बीकानेर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बीकानेर से बिलासपुर जाने वाली ट्रेन (20846) में आग लग गई। धुआं उठा तो यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन को तराना में रोक कर धुआं उठ रहे कोच को अलग कर दिया गया। इसके बाद ट्रेन को रवाना किया गया। राहत की बात यह रही कि जिस कोच में आग लगी, वह यात्री कोच नहीं था। इंजन के बाद पावर कोच में आग लगी। इसका वीडियो भी सामने आया है। इसमें कुछ लोग कोच के कांच तोडकर और पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास करते नजर आ रहे हैं। रेलवे पीआरओ खेमराज मीणा ने बताया कि आग पर काबू पाने के बाद उज्जैन रेलवे स्टेशन से पावर कोच मंगाया गया। शाम 6.32 बजे ट्रेन को भोपाल के लिए रवाना कर दिया गया। आग की सूचना मिलते ही ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीण मुकेश रावल ने बताया कि ट्रेन में आग उस समय लगी जब वो काली सिंध नदी के ब्रिज पर थी। इस दौरान रेलवे के कर्मचारियों के साथ मिलकर पावर कोच में लगी आग को बुझाने के लिए पानी और अन्य साधनों से प्रयास किए।

89 किलो डोडा पोस्त किया बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

बीकानेर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन फ्लश आउट के तहत जामसर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 89 किलो 220 ग्राम डोडा पोस्त बरामद किया है। साथ ही तस्करी में प्रयुक्त स्विफ्ट कार को भी जब्त किया गया है।कार्रवाई महानिरीक्षक पुलिस रेंज बीकानेर ओमप्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक बीकानेर कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देश पर की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कैलाश सिंह सांदु तथा वृताधिकारी लूनकरनसर नरेन्द्र कुमार पुनिया के मार्गदर्शन में थानाधिकारी जामसर रवि कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर 06 अप्रैल 2025 को रोही नूरसर क्षेत्र में दबिश दी। इस दौरान थाना पांचू क्षेत्र के गांव कूदसू निवासी रामकिशन पुत्र शंकरलाल विश्नोई को डोडा पोस्त के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी से पूछताछ जारी है। उसके खिलाफ थाना जामसर में प्रकरण संख्या 56/2025 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15, 25 में मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच थानाधिकारी कालू श्री धर्मवीर (उनि) को सौंपी गई है।

शादी समारोह से लौट रहे 2 युवकों की मौत

धौलपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के धौलपुर जिले में आज सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जिले के सैपऊ में नेशनल हाईवे 123 पर हुए हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों युवक शादी समारोह से वापस अपने घर लौट रहे थे, तभी हादसे का शिकार हो गए। हादसा बसई नवाब मार्ग पर बने ओवरब्रिज के ऊपर हुआ। लेकिन, दोनों युवकों के शव सड़क पर 15 से 20 फीट दूरी पर पड़े मिले। सुबह स्थानीय लोगों की सूचना पर सीओ अनूप सिंह, थानाधिकारी वीरेंद्र मीणा, एएसआई अजय सिंह पुलिस जाप्ता के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

जानकारी के मुताबिक बसेड़ी थाना क्षेत्र के महू का नगला निवासी दो युवक शादी समारोह में फोटोग्राफी का काम करके वापस अपने घर लौट रहे थे। तभी सुबह के समय ओवरब्रिज पर पहुंचते ही किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में अजय पुत्र घूरेलाल और उसके साथ ही मौके पर ही मौत हो गई।

तालाब में मिट्टी धंसने से दो बच्चों की हुई दर्दनाक मौत

जालौर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के जालौर जिले से एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है। बागरा थाना क्षेत्र के आकोली गांव में तालाब की मिट्टी ढहने से दो मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा उस वक्त हुआ, जब दोनों बच्चे तालाब के किनारे खेल रहे थे। अनिल (11) पुत्र भंवराम और श्रवण (12) पुत्र रमेश, दोनों भील समाज से हैं और आकोली गांव के रहने वाले थे। खेलते-खेलते दोनों तालाब के किनारे पहुंच गए, तभी अचानक मिट्टी ढह गई और वे नीचे दब गए। घटना इतनी तेजी से घटी कि बच्चों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। तीन बच्चे शौच के लिए गए थे, जिनमें से एक ने घटना के बाद गांव पहुंचकर परिजनों को सूचना दी।

बीस दिन पहले युवक की हत्या करके फरार हुआ आरोपी पुलिस हिरासत में, एक किशोर भी निरुद्ध

सिरोही, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। आबूरोड सदर थाना पुलिस ने 20 दिन पहले पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की हत्या के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही इस मामले में शामिल एक किशोर को भी निरुद्ध किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर युवक की बेरहमी से हत्या की थी।

थानाधिकारी दर्शनसिंह राठौड़ के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी जीवाराम पुत्र भूरा राम गरासिया निवासी आंदलिया, थाना आबूरोड सदर को गिरफ्तार किया। आरोपी 16 मार्च 2025 को हुई आंदलिया निवासी शंकर गरासिया की हत्या के मामले में फरार चल रहा था। शंकर पर कुल्हाड़ी, लाठियों और बीयर की बोतलों से जानलेवा हमला किया गया था।

पीड़िता श्रीमती केली पत्नी शंकर गरासिया ने पुलिस में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि होली के दूसरे दिन वे दोनों सियावा से अपने गांव आंदलिया लौटे थे। उसी दौरान शंकर बस स्टैंड की ओर गया, जहां पहले से मौजूद जयंती पुत्र जगाजी गरासिया और अन्य ने पूर्व रंजिश के चलते उस पर हमला कर दिया। हमले में शंकर की मौत हो गई थी।

खूनी संघर्ष, 2 पक्षों में लाठी-डंडे और पत्थरों के साथ जमकर फायरिंग

अलवर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले में दो पक्षों के बीच जमकर खूनी संघर्ष हो गया। झगड़े में लाठी-डंडे और पत्थरों के साथ जमकर गोलियां भी चली। जिसमें 11 लोग घायल हो गए। इस मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों के आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही आरोपियों की निशानदेही पर एक बंदूक भी बरामद की गई है। थाना क्षेत्र के फाहरी गांव में खेत में गाय घुसने को लेकर शनिवार को दो पक्षों के बीच झगड़ा हो गया। झगड़े में लाठी-डंडे और पत्थरों के साथ गोलियां भी चली। इसमें कई लोग घायल हो गए। मामले में 4-5 लोगों को डिटेन किया है। गोविंदगढ़ थाना अधिकारी बनेसिंह मीणा ने बताया कि फाहरी गांव में गेहूं के खेत में गाय घुसने को लेकर विवाद शुरू हुआ था। कुछ ही देर की कहासुनी के बाद विवाद बढ़ गया और जमकर खूनी संघर्ष हो गया। इस झगड़े में दोनों पक्षों की 11 लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया। साथ ही घायल लोगों को अस्पताल भिजवाया गया। इस मामले में पुलिस ने अब तक 8 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र ने अर्धवार्षिक अपराध बैठक की समीक्षा की

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र ने सोमवार को डीजीपी कार्यालय में आयोजित अर्धवार्षिक अपराध बैठक की समीक्षा की। बैठक में डीजी इंटेलिजेंस बी. शिवधर रेड्डी, डीजी सीआईडी श्रीमती शिखा गोयल, सभी एडीजी, आईजी, पुलिस आयुक्त, पुलिस अधीक्षक, अधिकारी और अन्य पुलिस कर्मियों सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल हुए। सत्र के दौरान, डॉ. जितेन्द्र ने अधिकारियों को संबोधित किया और इस बात पर जोर दिया कि पुलिस बल को समर्पित सेवा के माध्यम से जनता का विश्वास और भरोसा हासिल करने की दिशा में काम करना चाहिए। डीजीपी ने सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और नागरिकों के साथ तालमेल बनाने के लिए एक प्रभावी विधि के रूप में दृश्यमान पुलिसिंग के महत्व पर प्रकाश डाला।

डॉ. जितेन्द्र ने अधिकारियों को जनता के साथ सक्रिय रूप से बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित किया और महिला पुलिस अधिकारियों को महिलाओं के आत्म-विकास और सशक्तिकरण पर जागरूकता फैलाने का निर्देश दिया। डीजीपी ने दोषसिद्धि दर बढ़ाने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली जांच की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को जांच प्रक्रिया के दौरान अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (सीसीटीएनएस) का प्रभावी ढंग से उपयोग करने का निर्देश दिया। सिविल और वित्तीय विवादों के बीच अंतर करने में चुनौतियों का जिक्र करते हुए, डॉ. जितेन्द्र ने जांच अधिकारियों को पीड़ित की दुर्दशा के प्रति संवेदनशील रहने और यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि न्याय कुशलतापूर्वक और निष्पक्ष रूप से दिया जाए। जबकि, अपनी प्रस्तुति में डीजी, सीआईडी शिखा गोयल ने बताया कि 2024 की दूसरी छमाही में अपराध पहली छमाही की तुलना में 4.9 प्रतिशत कम हुए हैं। और उन्होंने बताया कि चोरी को छोड़कर सभी बड़े अपराधों में कमी आई है, 2024 का पता लगाने का प्रतिशत 2023 से बेहतर है जबकि पिछले साल 57 प्रतिशत था जबकि 2024 में 76 प्रतियत था। डीजी, सीआईडी ने कहा कि यूआई मामलों के निपटान में 20.49 प्रतियत की वृद्धि हुई है। पुलिस व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर कई अधिकारियों ने प्रस्तुतियां दीं। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त श्री सुधीर बाबू ने आयुक्तालय में अपनाई गई दृश्यमान पुलिस व्यवस्था की पहलों पर प्रस्तुति दी। रामगुंडम के पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने दोषसिद्धि दरों में सुधार के लिए उठाए गए कदमों के बारे में बताया। खम्मम के पुलिस आयुक्त सुनील दत्त ने जांच की गुणवत्ता पर प्रस्तुति दी। गांधी अस्पताल के फोरेंसिक मेडिसिन के प्रमुख डॉ. कृपाकर सिंह ने पोस्टमार्टम प्रक्रियाओं और फोरेंसिक रिपोर्ट पर जानकारी साझा की। एएसपी शुभम ने मामले के निपटान की दर बढ़ाने पर प्रस्तुति दी। सीसीएस की डीसीपी श्रीमती स्वेता रेड्डी आईपीएस ने लंबे समय से लंबित मामलों के निपटान पर बात की। वेस्ट जोन के डीसीपी श्री विजय कुमार ने साइबर अपराधों पर प्रस्तुति दी।

सीआई सेल एसपी ने नैटग्रिड पहल पर चर्चा की। माधापुर के डीसीपी डॉ. प्रणीत ने अपने अधिकार क्षेत्र में हाल ही में हुई हत्या के मामले की जांच के बारे में विस्तार से बताया। एडीजीपी (कानून और व्यवस्था) महेश एम भागवत आईपीएस, एडीजी (तकनीकी सेवाएं) वीवी श्रीनिवास राव, एडीजी (कार्मिक) अनिल कुमार आईपीएस, एडीजी (टीजीएसपी) संजय कुमार जैन, एडीजी (संगठन) श्रीमती स्वाति लाकड़ा, सीपी सुधीर बाबू (राचकोंडा), अविनाश मोहंती (साइबराबाद), आईजी एस.चंद्रशेखर रेड्डी, वी.वी. सत्यनारायण, टीएसएएनबी निदेशक संदीप बैठक में शांडिल्य व अन्य शामिल हुए।

बाबा गंगाराम धाम श्री पंचदेव मंदिर स्वर्ण जयंती समारोह 16 तथा 17 अप्रैल को

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बाबा गंगाराम धाम, श्री पंचदेव मंदिर के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में 16 और 17 अप्रैल को स्वर्ण जयंती समारोह राजस्थान के झुंझुनू नगर में धूमधाम से मनाया जाएगा। इसकी तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे पुष्पों से सजाने के लिए बंगाल के कुशल कारीगर आ रहे हैं। इस बार त्रिपुरा के बांस एवं बेंत से बारीकी से तैयार की गई विभिन्न कलाकृतियों से मंदिर को सजाया जा रहा है, इस के अलावा लेज़र लाइट शो तथा कोलकाता की सुप्रसिद्ध विद्युत सज्जा आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

पंचदेव मंदिर स्वर्ण जयंती समारोह आयोजन समिति अध्यक्ष तथा मंदिर ट्रस्टी अनिल मोदी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 16 अप्रैल को श्रीविग्रहों के रथ यात्रा, ध्वज यात्रा, कलश यात्रा, तथा जयपुर के लवाजमा के साथ विशाल शोभा यात्रा मंदिर परिसर से नगर परिभ्रमण के निकाली जाएगी। शोभा यात्रा के लिए नासिक (महाराष्ट्र) से प्रसिद्ध पथक ढोल बुलाया गया है, जिसमें 75 कलाकार अपने वाद्य यंत्रों से प्रस्तुति देंगे तथा केरल की विशाल देव दर्शन झाकियां भी आकर्षण का केन्द्र रहेंगी। शाम को विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा जिस में कोलकाता के भजन गायक सौरभ मधुकर तथा केशव मधुकर बाबा गंगाराम जी की लीलाओं पर आधारित भव्य नृत्य नाटिका की 21 कलाकारों के साथ प्रस्तुति देंगे। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त तथा इंडियाज गोट टैलेंट फेम, सैंड आर्टिस्ट नीतीश भारती रेत के माध्यम से अपनी कला के हुनर दिखाएंगे तथा पारदर्शी कांच पर रेत से बाबा गंगाराम जी पर आधारित चित्रों को बनाएंगे।

17 अप्रैल की सुबह बाबा गंगाराम जी, भक्त शिरोमणि देवकीनन्दन, एवं माता गायत्री देवी जी का मनोकामना पूर्ति चरण पादुका अभिषेक किया जाएगा, तथा बाबा गंगाराम अमृतवाणी का सामूहिक संगीतमय पाठ होगा, जिसे कोलकाता के नवीन जोशी प्रस्तुत करेंगे। शाम को कोलकाता के भजन गायक श्याम अग्रवाल अपने रासा बैंड के साथ भजनों की प्रस्तुति देंगे। बंगाल के सुप्रसिद्ध धुनुचि एवं ढाक नृत्य की भी प्रस्तुति होगी। मुंबई से भजन सम्राट पद्मश्री अनूप जलोटा अपने चित-परिचित अंदाज में बाबा गंगाराम जी के भजनों की प्रस्तुति देंगे, तथा अंत में बनारस से पधार रहे पंडितों द्वारा भक्ति भावपूर्ण गंगा आरती की जाएगी। इस दो दिवसीय समारोह में देश विदेश से हजारों की संख्या के भक्त पधार रहे हैं जिन के रहने ठहरने की सभी प्रकार की व्यवस्था श्री पंचदेव मंदिर स्वर्ण जयंती समारोह आयोजन समिति द्वारा कराई जा रही हैं।

बुजुर्ग दंपति की हत्या के आरोप में 3 युवक गिरफ्तार

सिद्दीपेट, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने 4 मार्च को नांगनूर स्थित अपने आवास में मृत पाए गए एक बुजुर्ग दंपति की मौत के रहस्य को सुलझा लिया है। राजगोपालपेट पुलिस ने 48 घंटे के भीतर मामले का खुलासा करते हुए पाया कि पड़ोसी बद्दीपदुगा गांव के तीन युवकों ने आभूषणों और पैसों के लिए अवुला कोमुरैया (80) और अवुला बुधव्वा (75) की हत्या कर दी थी। दंपत्ति गांव के बाहरी इलाके में अपने पोल्ट्री फार्म में अकेले रह रहे थे। पुलिस ने बताया कि आरोपी पसुपुला संपत, मालोथ राजू, मालोथ श्रीकांत शराब और अन्य बुरी आदतों के आदी थे। उन्होंने कोमुरैया और उनकी पत्नी से नकदी और गहने लूटने का फैसला किया। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो तीनों ने गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी।

मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य विषय पर बेबीनार का आयोजन

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व स्वास्थ्य दिवस, 7 अप्रैल, 2025 को राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान हैदराबाद, जो पारंपरिक चिकित्सा में साहित्यिक और मौलिक अनुसंधान के लिए डब्ल्यूएचओ का सहयोग केंद्र है, ने 'विश्व स्वास्थ्य संगठन की कार्य योजना के अनुरूप क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान नागपुर के साथ मिलकर मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य' विषय पर एक ज्ञानवर्धक वेबिनार का आयोजन किया। विषय था स्वस्थ शुरुआत, आशाजनक भविष्य। डॉ.जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक ने वक्ताओं का स्वागत किया।

कार्यक्रम की शुरूआत प्रो. वैद्य रबी नारायण आचार्य, महानिदेशक के उद्घाटन भाषण और प्रो.डॉ. पवन गोडतवार, तकनीकी अधिकारी नई दिल्ली के प्रारंभिक वक्तव्य के साथ हुई। डॉ. उर्मिला ढाके (प्रोफेसर, बाल रोग विभाग, एम्स, नागपुर) ने भारत में मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य पर एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया। डॉ.ममता के.वी, प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग, आयुर्वेद महाविद्यालय, उडुपी ने भारत में संबंधित चुनौतियों और आयुर्वेदिक समाधानों पर चर्चा की। डॉ. सूर्यवंशी, प्रभारी सहायक निदेशक नागपुर ने इस क्षेत्र में की गई पहलों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

सत्र के समापन में, डॉ. श्रीकांत नारायणम, उप महानिदेशक ने समापन भाषण दिया। डॉ. साकेत राम थ्रिगुल्ला, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। डॉ. संतोष माने, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. प्रताप माखिजा, सहायक निदेशक (आयुर्वेद), डॉ. विनोद लावनिया, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) और डॉ. सुभाष शर्मा, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) द्वारा किया गया।

मेडचल रेलवे स्टेशन के पास महिला से छेड़छाड़, जांच शुरू

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक युवती ने मेडचल पुलिस से संपर्क कर आरोप लगाया कि रविवार को मेडचल रेलवे स्टेशन के पास एक अज्ञात व्यक्ति ने उसका पीछा किया और उसके साथ दुर्व्यवहार किया। 19 वर्षीय शिकायतकर्ता ने कहा कि यह घटना उस समय हुई जब वह रेलवे ट्रैक के पास से अपने घर की ओर जा रही थी और पीछे से आए संदिग्ध ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया और यौन उत्पीड़न किया। जब उसने संदिग्ध को थप्पड़ मारा और शोर मचाया तो स्थानीय लोगों ने उसे देख लिया और वह मौके से भाग गया। शिकायत के आधार पर मेडचल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत में दिए गए तथ्यों की जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई के लिए मामला राजकीय रेलवे पुलिस को सौंप दिया जाएगा।

एससीआर ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ सकल मूल राजस्व दर्ज किया

जोन ने वित्त वर्ष 2024-25 में 20,452 करोड़ रुपये का सकल मूल राजस्व दर्ज किया

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और माल और यात्री दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर 20,452 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक सकल मूल राजस्व प्राप्त करके राजस्व के मामले में सर्वश्रेष्ठ आंकड़े दर्ज किए हैं।

यह 2023-24 में हासिल किए गए 20,335 करोड़ रुपये के पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से 117 करोड़ रुपये अधिक है, इसके बाद 2022-23 के दौरान दर्ज किए गए 18,973 करोड़ रुपये हैं। इस उपलब्धि के लिए प्रमुख कारकों में से एक जोन द्वारा माल ढुलाई खंड पर दिया गया प्रमुख जोर है। माल ढुलाई सेवाओं के संवर्द्धन पर विशेष ध्यान देते हुए, जोन ने यातायात धाराओं में विविधता लाने और ग्राहक-केंद्रित पहलों के माध्यम से मौजूदा कमोडिटी बास्केट में सुधार करने के अपने प्रयासों को तेज कर दिया है। इसमें माल ढुलाई के बुनियादी ढांचे का विकास, वैगनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना, मालगाड़ियों के मार्ग और आवाजाही की निगरानी करना, माल शेड में काम के माहौल में सुधार करना आदि शामिल हैं। समय-समय पर शुरू की गई नीतिगत पहलों के साथ इन प्रयासों के परिणामस्वरूप एससीआर ने 144.10 मिलियन टन का अपना अब तक का सबसे अधिक मूल लोडिंग और 13,825 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक माल ढुलाई राजस्व हासिल किया, जो जोन के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। यह 2023-24 के दौरान दर्ज किए गए 141.120 मीट्रिक टन और 13,620 करोड़ रुपये के पिछले सर्वश्रेष्ठ आंकड़ों से 27 अधिक है।

जोन ने विभिन्न दिशाओं में यात्री मांग की निरंतर निगरानी की रणनीति अपनाई ताकि जहां भी आवश्यक हो नई ट्रेनें, विशेष ट्रेनें शुरू की जा सकें और अतिरिक्त कोच आदि जोड़कर मौजूदा ट्रेनों की मांग को बढ़ाया जा सके। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, लगभग 3,500 विशेष ट्रेनें चलाई गईं, यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए विभिन्न एक्सप्रेस ट्रेनों में 10,000 से अधिक अतिरिक्त कोच जोड़े गए। इन पहलों के कारण जोन ने 5,710 करोड़ रुपये का मूल यात्री राजस्व हासिल किया है।

जोन ने 2024-25 के दौरान 263.2 मिलियन मूल यात्रियों को ढोया है, जबकि 2023-24 के दौरान 262.5 मिलियन थे। दक्षिण मध्य रेलवे ने वर्ष 2024-25 के दौरान अन्य कोचिंग सेगमेंट में भी 513.6 करोड़ रुपये का अपना सर्वश्रेष्ठ राजस्व प्राप्त किया है। इसमें पार्सल राजस्व, टिकट चेकिंग राजस्व आदि शामिल हैं।

जोन ने पार्किंग, खानपान और विज्ञापन आदि जैसे विविध आय में भी 402.7 करोड़ रुपये दर्ज किए हैं। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने इस शानदार उपलब्धि के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की अपनी टीम के प्रयासों की सराहना की।

अवैध रूप से स्टेरॉयड इंजेक्शन बेचने वाले तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त टास्क फोर्स, साउथ वेस्ट जोन टीम, हैदराबाद और हुमायूं नगर पुलिस के अधिकारियों ने तीन आरोपियों को पकड़ा। आरोपी बिना किसी वैध जानकारी के स्टेरॉयड इंजेक्शन, टैबलेट और कैप्सूल की अवैध रूप से खरीद और बिक्री कर रहे थे और जरूरतमंद ग्राहकों को बेच रहे थे और उनके कब्जे से भारी मात्रा में जब्त किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद नजीर, निवासी याकूतपुरा, हैदराबाद, संजीव निवासी गौलीपुरा, हैदराबाद, इमरान खान, निवासी हकीमपेट, हैदराबाद शामिल हैं। आरोपियों के पास से भारी मात्रा में अवैध इंजेक्शन और टैबलेट बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी मोहम्मद नजीर और संजीव हैदराबाद में सप्लीमेंट स्टोर चलाते हैं जबकि इमरान खान बेरोजगार है। इमरान खान, जो शुरू में एक जिम ट्रेनर था, वित्तीय कठिनाइयों के कारण, उसने तेजी से मांसपेशियों की वृद्धि चाहने वाले युवाओं के बीच स्टेरॉयड इंजेक्शन, टैबलेट और कैप्सूल बेचने की योजना बनाई। वह बिना किसी वैध लाइसेंस या डॉक्टर के पर्चे के इन स्टेरॉयड को ग्राहकों को ऊंचे दामों पर बेचता था और अवैध रूप से पैसा कमाता था। सूचना पर कार्रवाई करते हुए कमिश्नर की टास्क फोर्स, दक्षिण पश्चिम जोन की टीम और हुमायूं नगर पुलिस ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर इमरान खान को उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वह हैदराबाद के मेहदीपट्टनम में एनएमडीसी रोड स्थित सोमा टेलर के पास स्टेरॉयड की शीशियां ले जा रहा था। इसके अलावा, इमरान खान ने खुलासा किया और संजीव के सप्लीमेंट स्टोर का नेतृत्व किया, जहां से कुछ स्टेरॉयड कैप्सूल, शीशियां और टैबलेट जब्त किए गए। इसके अलावा, संजीव अधिकारियों को मुख्य आपूर्तिकर्ता मोहम्मद नजीर के पास ले गया, जिसे भी पकड़ लिया गया और उसके पास से बड़ी मात्रा में स्टेरॉयड कैप्सूल, शीशियां और टैबलेट बरामद किए गए।

स्टेरॉयड इंजेक्शन, टैबलेट और कैप्सूल की बाजार में काफी मांग है। आरोपी व्यक्ति वैध लाइसेंस या संबंधित अधिकारियों से डॉक्टर के पर्चे के बिना ग्राहकों को बढ़ी हुई दरों पर स्टेरॉयड बेच रहे थे, जिससे अवैध तरीकों से पैसा कमाया जा रहा था। आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस स्टेशन हुमायूं नगर में धारा 318(4), 278 बीएनएस के तहत सीआर. नं: 103/2025 में मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी पुलिस निरीक्षक एस. बाला स्वामी, टास्क फोर्स, साउथ वेस्ट जोन की देखरेख में एसआई आर.शरथ चंद्र, टास्क फोर्स, साउथ वेस्ट जोन और हुमायूं नगर पुलिस और उनके कर्मचारियों द्वारा की गई।

हैदराबाद जा रही ट्रेन में चुराया कीमती सामान

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र में चोरों ने दुरंतो एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे एक यात्री दम्पति को निशाना बनाया और कथित तौर पर 15 तोला सोने के आभूषण और 15,000 रुपये नकद से भरा हैंडबैग लेकर फरार हो गए। हालांकि, दंपत्ति ने रविवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पहुंचकर राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) अधिकारियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराई। महाराष्ट्र के महेन्द्र और कविता नामक यात्री अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ ट्रेन में सवार होकर हैदराबाद जा रहे थे, तभी यह घटना घटी। जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र के बिदिरी पहुंचने पर दंपत्ति ने हैंडबैग चेक किया तो उसमें से कीमती सामान गायब था। उन्होंने तुरंत ट्रेन में मौजूद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के अधिकारियों को सूचित किया और सिकंदराबाद पहुंचने पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर सिकंदराबाद स्थित राजकीय रेलवे पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा आगे की जांच के लिए इसे महाराष्ट्र स्थित पुलिस को सौंप दिया जाएगा।

सामुदायिक मध्यस्थता के लिए ग्राम पंचायत मीटिंग हॉल की अनुमति

12 सामुदायिक मध्यस्थता केंद्रों का वर्चुअल उद्घाटन किया

हैदराबाद, 7 अप्रैल (एनएसएस): कलेक्टर, कामारेड्डी के निर्देशानुसार, कामारेड्डी जिले के जिला पंचायत अधिकारी ने सामुदायिक मध्यस्थता स्वयंसेवकों द्वारा सामुदायिक मध्यस्थता के संचालन के लिए ग्राम पंचायत मीटिंग हॉल का उपयोग करने की अनुमति दी, जिन्हें तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित किया गया था। आज, न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश, तेलंगाना राज्य के लिए उच्च न्यायालय और तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के संरक्षक और कार्यकारी अध्यक्ष और न्यायमूर्ति पुल्ला कार्तिक, तेलंगाना राज्य के लिए उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और कामारेड्डी जिले के प्रशासनिक न्यायाधीश ने छोटे विवादों को सुलझाने के लिए ग्राम पंचायत मीटिंग हॉल में स्थापित 12 सामुदायिक मध्यस्थता केंद्रों का वर्चुअल उद्घाटन किया।

इस अवसर पर, न्यायमूर्ति पी. कार्तिक, न्यायाधीश, तेलंगाना राज्य के लिए उच्च न्यायालय ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि सामुदायिक मध्यस्थता केंद्रों की स्थापना जमीनी स्तर पर विवादों को हल करने की दिशा में एक कदम है जिसका लाभ मुकदमेबाज लोगों को मिलेगा। न्यायमूर्ति पी. कार्तिक ने सामुदायिक मध्यस्थता केंद्रों की स्थापना के लिए सामुदायिक मध्यस्थता स्वयंसेवकों को बधाई दी।

न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश और संरक्षक-इन-चीफ, और कार्यकारी अध्यक्ष, टीएसएलएसए ने कामारेड्डी जिले के विभिन्न स्थानों पर 12 सामुदायिक मध्यस्थता केंद्रों की स्थापना के लिए सामुदायिक मध्यस्थता स्वयंसेवकों को बधाई दी। उनके आधिपत्य ने यह भी संबोधित किया है कि इन सामुदायिक मध्यस्थता केंद्रों का उपयोग वैवाहिक विवादों, अन्य छोटे विवादों और वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित मुद्दों को सुलझाने के लिए किया जा सकता है जो दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं और सामुदायिक मध्यस्थता केंद्रों में सामुदायिक मध्यस्थता स्वयंसेवकों की सेवाओं का उपयोग करके, वैवाहिक विवादों, वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित मुद्दों और अन्य विवादों को सुलझाया जा सकता है। जिला प्रशासन यानी कामारेड्डी के कलेक्टर, कामारेड्डी के पुलिस अधीक्षक और डीपीओ ने सामुदायिक मध्यस्थता केंद्रों की स्थापना में अपनी रुचि दिखाई है और उन्होंने कामारेड्डी जिले में सामुदायिक मध्यस्थता केंद्रों की स्थापना में सक्रिय भूमिका निभाई है, जो एक अच्छा संकेत है और यह प्रारंभिक चरण में ही विवादों को सुलझाने में उनकी रुचि को दर्शाता है। यदि केंद्र प्रभावी ढंग से काम करते हैं, तो यह एक लाभकारी परिवर्तन हो सकता है और वादी जनता के लिए अपने विवादों को सुलझाने में उपयोगी होगा। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष ने सामुदायिक मध्यस्थता स्वयंसेवकों को भी बधाई दी है जो बिना किसी अपेक्षा के स्वेच्छा से समाज की सेवा के लिए आगे आए हैं। चौ.वी.आर.आर. प्रसाद, अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कामारेड्डी, चौ. पंचाक्षरी, सदस्य सचिव, तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, आशीष सांगवान, जिला कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट, कामारेड्डी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, कामारेड्डी, जिला पंचायत अधिकारी, कामारेड्डी और सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कामारेड्डी और सामुदायिक मध्यस्थता स्वयंसेवकों, जनता ने भाग लिया और सामुदायिक मध्यस्थता केंद्रों के आभासी उद्घाटन को देखा। उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार ने भी आभासी उद्घाटन में भाग लिया है।

धम्माईगुडा स्थित श्री वैष्णव धाम राम मंदिर में तेलंगाना वैष्णव समाज बन्धुओं द्वारा श्री राम नवमी के अवसर पर आयोजित श्री सीताराम कल्याण महोत्सव में पुजा-अर्चना, शोभा-यात्रा, अभिषेक व अन्नदानम कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष विष्णु रामावत, श्रीराम किशन, सम्पतदास, बाबुलाल टीलावत, ओमप्रकाश, दीनदयाल, पूरबिया सेन समाज अध्यक्ष गौतम सेन, रेखा रामावत, मंजु टीलावत, शालु सोलंकी, समाज बन्धु व भक्तगण।

आश्रम स्कूल के छात्रों को करना पड़ रहा पेयजल संकट का सामना

कुमराम भीम आसिफाबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जैनूर मंडल के पटनापुर गांव में रविवार को आश्रम स्कूल के विद्यार्थियों को पीने के पानी का स्रोत बंद हो जाने के कारण बोरवेल से पीने का पानी लाने को मजबूर होना पड़ रहा है। छात्रावास के बोरवेल में समस्या आने के बाद छात्रों के पास दूसरे बोरवेल पर निर्भर रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। भीषण गर्मी में वे प्लास्टिक की बोतलों में पीने का पानी भरकर लाते थे। इस घटना से आदिवासी कल्याण विभाग द्वारा संचालित छात्रावास-संलग्न स्कूल में पेयजल उपलब्ध कराने में लापरवाही उजागर हुई। छात्रों ने बताया कि उन्हें अपने छात्रावास से दूर स्थित बोरवेल से पीने का पानी लाने में परेशानी हो रही है।

प्रतिबंधित नकली कपास बीजों की आपूर्ति बंद की जानी चाहिए

कुमरमभीम आसिफाबाद, 7 अप्रैल,(स्वतंत्र वार्ता)। नकली बीजों और नकली हर्बल दवाओं के बारे में गांव स्तर पर किसानों को जागरूक किया जाना चाहिए। बीसी यूथ एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अविदापु प्रणय कुमार ने जिला कलेक्टर को एक याचिका सौंपी।

जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे को एक याचिका सौंपने वाले बीसी यूथ एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अविदापु प्रणय कुमार ने कहा कि जिले में लगभग 3.50 लाख एकड़ में कपास की खेती मुख्य फसल के रूप में की जाती है, लेकिन कुछ लोग, गलत तरीके से पैसा कमाने के इरादे से, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश से प्रतिबंधित बीजी-3 नकली कपास के बीज और शाकनाशी आयात कर रहे हैं। कई अध्ययनों से पता चला है कि इन कपास के बीजों की खेती के साथ-साथ शाकनाशियों के उपयोग से मिट्टी की उर्वरता कम हो जाती है और मिट्टी में कैंसरकारी तत्व बढ़ जाते हैं। इसलिए सरकार ने विशेषज्ञों की सलाह पर इन नकली कपास के बीजों और खरपतवारनाशकों पर प्रतिबंध लगा दिया है। यद्यपि इन बीजों की खेती की लागत अस्थायी रूप से कम हो सकती है, लेकिन दीर्घकालिक नुकसान अधिक है। जागरूकता के अभाव में किसान व्यापारियों द्वारा धोखा खा रहे हैं।

चूंकि मई-जून कृषि के लिए महत्वपूर्ण होता है, इसलिए किसान बीज खरीदते हैं। इसलिए जिला पुलिस हर जगह वाहनों की गहन जांच करने के लिए कदम उठाए। गांव स्तर पर व्यापक निरीक्षण और घेराबंदी तलाशी के लिए एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया जाए। इसी प्रकार, नकली बीज बेचने वाले व्यापारियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए।

ईशांत शर्मा पर आईपीएल नियम तोड़ने का आरोप

बीसीसीआई ने मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया, एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया

मुंबई, 7 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात टाइटंस के गेंदबाज ईशांत शर्मा पर आईपीएल के नियमों को तोड़ने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाने साथ ही एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया है।

ईशांत शर्मा पर यह कार्रवाई गुजरात टाइटन्स और सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के बीच हुए मैच के दौरान हुई। ईशांत शर्मा को आर्टिकल 2.2 के तहत दोषी पाया गया है। उन्होंने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। IPL के बयान में कहा गया- ईशांत शर्मा ने अनुच्छेद 2.2 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया और मैच रेफरी के फैसले को मान लिया।

क्या है Bबीसीसीआई का अनुच्छेद 2.2

बीसीसीआई का नियम अनुच्छेद 2.2 में सामान्य क्रिकेट की गतिविधियों से बाहर कोई भी कार्रवाई शामिल है, जैसे कि विकेटों को मारना या लात मारना और कोई भी कार्रवाई जो जानबूझकर, लापरवाही से या असावधानी से (किसी भी मामले में भले ही आकस्मिक हो) विज्ञापन बोर्ड, बाउंड्री फेंस, ड्रेसिंग रूम के दरवाजे, दर्पण, खिड़कियां और अन्य किसी चीज को नुकसान पहुंचाती है। उदाहरण के लिए यह अपराध तब हो सकता है, जब कोई खिलाड़ी निराशा में अपना बल्ला जोर से घुमाता है और विज्ञापन बोर्ड को नुकसान पहुंचाता है।

13 की इकोनॉमी से की गेंदबाजी

ईशांत शर्मा को इस मैच में कोई सफलता नहीं मिली। उन्होंने 4 ओवर में 13.25 की इकोनॉमी से 53 रन दिए। उनके ओवर में 9 चौके और 1 छक्का लगा।

गुजरात टाइटंस को मिली 7 विकेट से जीत

गुजरात टाइटंस ने आईपीएल-18 के 20वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हरा दिया। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 152 रन बनाए। नीतीश कुमार रेड्डी (31 रन) और हेनरिक क्लासन (27 रन) बनाए। गुजरात से सिराज ने 4 विकेट लिए।

153 रन का टारगेट गुजरात ने 16.4 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। कप्तान शुभमन गिल ने नाबाद 61 रन की पारी खेली, जबकि शेरफेन रदरफोर्ड 35 रन पर नाबाद लौटे। वॉशिंगटन सुंदर ने 49 रन बनाए।

2023 से चहल टीम इंडिया के लिए नहीं खेले

खेल का मजा लेता हूं,किस टीम से खेल रहा इस पर नहीं सोचता

मुंबई, 7 मार्च (एजेंसियां)। युजवेंद्र चहल अगस्त 2023 के बाद से राष्ट्रीय टीम के लिए कोई मैच नहीं खेला है। हालांकि, पिछले साल वह 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप में टीम में शामिल थे। चहल ने कहा, 'मैं खेल का लुत्फ उठाता हूं, किस टीम के लिए खेल रहा हूं, इस पर नहीं सोचता।'

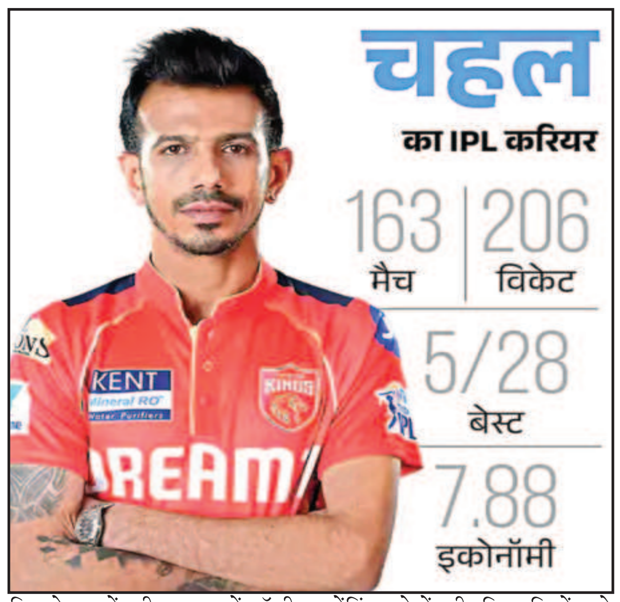

आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए खेल रहे जियोहॉटस्टार प्रेस रूम में चहल ने टीम इंडिया में वापसी को लेकर कहा, 'मैं पिछले साल लगभग पूरे वर्ष टीम से बाहर था, लेकिन टी-20 वर्ल्डकप के लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी करने में सफल रहा। मैं खुद पर दबाव डालने से बचना चाहता हूं। मैं किसी टीम के लिए खेल रहा हूं यह सोचे बिना अपने खेल का लुत्फ उठाता हूं। मैं इस बारे में ज्यादा नहीं सोचता हूं। यह मेरे हाथ में नहीं है।'

पंजाब किंग्स पिछली बार से अलग

चहल ने कहा कि पंजाब किंग्स पिछले सालों की तुलना में ट्रॉफी की प्रबल दावेदार है। यह डिफरेंट टीम है। हमने तीन मैच खेले हैं और सबसे अच्छी बात यह है कि हमने उनमें से दो जीते हैं। टीम का माहौल काफी बेहतर है। कप्तान श्रेयस अय्यर और कोच रिकी पोंटिंग दोनों ही खिलाड़ियों को अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन करने की छूट दी हुई है।

जल्द ही लय हासिल कर लूंगा

वहीं चहल ने अपने प्रदर्शन को लेकर कहा कि टूर्नामेंट अभी शुरू हुआ है और मैं अपनी लय हासिल करने की तरफ बढ़ रहा हूं। मेरा प्रदर्शन अब तक प्रभावी नहीं रहा है। मैं एक ही विकेट ले सका हूं, लेकिन मेरी प्राथमिकता ट्रॉफी जीतने की है।

वहीं पंजाब किंग्स के उन्हें 18 करोड़ के खरीदने को लेकर कहा कि मुझे लगता है कि मैं इस कीमत का हकदार हूं। जब आप खेलते हैं, तो आप यह नहीं सोचते कि आपने पांच करोड़ या 18 करोड़ रुपये गंवा दिए हैं।

कुलदीप यादव की तारीफ की

चहल ने टीम इंडिया के साथी जोड़ीदार कुलदीप यादव की तारीफ की और कहा कि कुलदीप यादव देश के लिए और आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कुलदीप बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। मैं उसके लिए बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि वह अभी दुनिया का नंबर एक कलाई का स्पिनर है। कुलदीप यादव और चहल की जोड़ी को कुलचा के नाम से जाना जाता है।

अश्विन का यू-ट्यूब चैनल अब नहीं कवर करेगा सीएसके के मैच

आईपीएल 2025 के बीच इस फैसले की वजह है बड़ी

चेन्नई, 7 मार्च (एजेंसियां)। रविचंद्रन अश्विन ने ये साफ कर दिया है कि वो अब अपने यू-ट्यूब चैनल पर सीएसके के किसी भी मैच की कवरेज नहीं करेंगे. आईपीएल 2025 में अब तक अश्विन चेन्नई सुपर किंग्स के मैचों के प्रीव्यू और पोस्ट मैच शो करते आ रहे थे. लेकिन अब वो ऐसा करते नहीं दिखेंगे. अश्विन के अचानक लिए इस फैसले को सोशल मीडिया पर उड़ी कंट्रोवर्सी से जोड़कर देखा जा रहा है.

क्या है मामला?

अब सवाल है कि कंट्रोवर्सी पैदा हुई कैसे? दरअसल, सीएसके के मैच से जुड़े एक यूट्यूब शो में गेस्ट बनकर आए साउथ अफ्रीका और आरसीबी के एनालिस्ट प्रसन्ना एगोराम ने फ्रेंचाइजी के टीम सेलेक्शन से जुड़े फैसले पर सवाल उठा दिए थे. उन्होंने अश्विन और जडेजा के ऊपर नूर अहमद को खिलाए जाने के फैसले पर आपत्ति जताई थी. हालांकि, उस वीडियो को बाद में यूट्यूब से हटा दिया गया था. मगर तब तक उस पर कंट्रोवर्सी छिड़ चुकी थी.

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 25 रन से मिली हार के बाद सीएसके के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग से जब इस बारे में सवाल हुआ था तो उन्होंने मामले को बेकार बताया था. फ्लेमिंग ने कहा था कि उन्हें इस बारे में कुछ नहीं पता. उन्हें तो ये भी नहीं मालूम कि अश्विन का यूट्यूब चैनल है.ये सब बेकार की बातें हैं.

6 अप्रैल को अश्विन की ओर से यूट्यूब चैनल पर एक एडमिन नोट पोस्ट किया गया, जिस पर लिखा था कि वो अब सीएसके के मैच कवर नहीं करेंगे.

आईपीएल 2025 में सीएसके के खिलाड़ी हैं अश्विन

आईपीएल 2025 में अश्विन भी चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा है. वो पीली जर्सी वाली टीम से ही खेल रहे हैं. चेन्नई सुपर किंग्स ने अश्विन को 9.75 करोड़ रुपये में खरीदा है. अब जिस टीम से खेल रहे हों, जिससे पैसे कमा रहे हों, उस टीम के खिलाफ ही अश्विन के यूट्यूब चैनल पर ऑनएयर होगा तो इससे कंट्रोवर्सी तो होगी ही. संभवतः इसी को ध्यान में रखकर अश्विन ने सीएसके के मैचों को कवर नहीं करने का फैसला किया. उन्होंने ये भी अपने नोट में लिखा गेस्ट के बयान अश्विन के निजी विचार नहीं हैं.

तेलंगाना, दादरा एवं नगर हवेली की राष्ट्रीय हॉकी में जीत

झांसी, 7 मार्च (एजेंसियां)। तेलंगाना, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव ने यहां 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपनी पहली जीत दर्ज की। तेलंगाना ने दिन के पहले मुकाबले में उत्तराखंड पर 4-0 से जीत दर्ज की। अन्य मैच में दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव ने असम को 2-1 से पराजित किया। मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा पुरुष टूर्नामेंट तीन डिवीजन के नए प्रारूप में खेला जा रहा है।

सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप मार्च में इसी तरह के नए प्रारूप में खेली गई थी।

इस घरेलू प्रतियोगिता में पहली बार प्रमोशन (शीर्ष डिवीजन में जगह बनाना) और रेलीगेशन (निचले डिवीजन में खिसकना) का प्रावधान है। यही कारण है की टीमों को तीन डिविजन ए, बी और सी में विभाजित किया गया है।

काव्या मारन के 39.25 करोड़ डूब गए!

आईपीएल 2025 में कर दिया घाटे का सौदा?

खेल डेस्क, 7 मार्च (एजेंसियां)। सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन ने आईपीएल 2025 सीजन से पहले 3 खिलाड़ियों पर 39.25 करोड़ रुपये खर्चे थे. उन्हें उम्मीद थी कि इसका फायदा टीम को मिलेगा लेकिन आईपीएल 2025 सीजन की शुरुआत के बाद उनका ये फैसला गलत साबित होता दिख रहा है.

आईपीएल में खेलने वाली हर फ्रेंचाइजी के मालिक की यही कोशिश होती है कि जो भी पैसा वो खर्च करें, उसका फायदा टीम को पहुंचे. मगर ऐसा लग रहा है कि सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन को अपने खर्च किए पैसों पर नुकसान झेलना पड़ रहा है. वो भी पूरे 39.25 करोड़ रुपये का नुकसान. ऐसा इसलिए कह रहे हैं कि एसआरएच की मालकिन ने जिन 3 खिलाड़ियों पर ये 39.25 करोड़ रुपये खर्चे, वो इन्वेस्टमेंट पर उस तरह का रिटर्न नहीं दे रहे, जिसकी उम्मीद और जरूरत टीम को है.

3 खिलाड़ियों पर लुटाए 39.25 करोड़

पिछले आईपीएल सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद ने फाइनल तक का सफर तय किया था. फाइनल में टीम को हार मिली थी लेकिन अपने प्रदर्शन से इस टीम ने फैंस का दिल जीता था, जबकि विरोधी टीमों के दिमाग में डर भर दिया था. ऐसे में नए सीजन में भी इस टीम से इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद थी. मगर सीजन के पहले मैच को छोड़कर सनराइजर्स इस सीजन में बार-बार फिसड्डी साबित हो रही है और उसकी एक बड़ी वजह टीम की विस्फोटक बैटिंग लाइन-अप है, जिससे प्रतिष्ठा के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया है.

इसमें भी खास तौर पर वो 3 खिलाड़ी सबसे ज्यादा निराश कर रहे हैं, जिन पर काव्या मारन ने मोटी रकम खर्ची थी. ये तीन खिलाड़ी हैं- ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज ट्रेविस हेड, युवा भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा और विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन. पिछले सीजन के प्रदर्शन को देखते हुए हेड और अभिषेक को 28 करोड़ में रिटेन किया था. दोनों को 14-14 करोड़ देने का फैसला काव्या मारन ने किया था. वहीं मेगा ऑक्शन में ईशान किशन पर 11.25 करोड़ रुपये लुटाए थे.

पापा के साथ बेटे भी आईपीएल 2025 के मैदान में उतरे!

हार्दिक और क्रुणाल पंड्या की टक्कर का रोमांच बढ़ा रहा नजारा

मुंबई, 7 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में 7 अप्रैल को मुकाबला सिर्फ एक है. लेकिन, इस मुकाबले के अंदर भी मुकाबले कई हैं. मुंबई और अ की इस टक्कर में रोहित और विराट का आमना-सामना है. विराट से बुमराह का भिड़ना देखना है. पर जो लड़ाई सबसे रोमांचक रहने वाली है, वो दो प्यार करने वाले भाइयों के बीच की दिखेगी. ये मुकाबला हार्दिक और क्रुणाल पंड्या के बीच का होगा, जिसके लिए उनके बेटे भी कमर कस चुके हैं. उनकी टीमों के रंग में रंग गए हैं. एमआई बनाम आरसीबी की टक्कर से पहले जो तस्वीर सामने आई है, उसने मुकाबले के रोमांच को और बढ़ा दिया है.

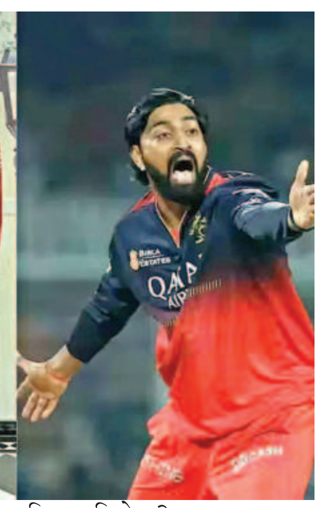

हार्दिक और क्रुणाल पंड्या आमने-सामने

आईपीएल 2025 में पहली बार हार्दिक और क्रुणाल पंड्या आमने-सामने होंगे. दो भाइयों की ये लड़ाई वानखेड़े मैदान पर है, जो कि मुंबई इंडियंस का गढ़ है. हार्दिक मुंबई इंडियंस के कप्तान हैं और अपनी टीम को जिताने को लेकर बेसब्र भी. क्योंकि अभी तक खेले 4 मुकाबलों में मुंबई इंडियंस सिर्फ एक ही जीत सकी है. ऐसे में अब और हार उसके लिए आगे के सफर में मुश्किलें बढ़ा सकती है.

दूसरी ओर हार्दिक के बड़े भाई क्रुणाल पंड्या की बात करें तो आईपीएल 2025 में वो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का हिस्सा हैं. उसके एक भरोसेमंद सिपाहसलार हैं. अब सवाल ये है कि अपने छोटे भाई हार्दिक के खिलाफ क्रुणाल कितने इफेक्टिव होंगे, जिसका फायदा आरसीबी को मिलता दिखेगा?

बल्लेबाज हार्दिक बनाम गेंदबाज क्रुणाल

आईपीएल की पिच पर अब तक 4 पारियों में बल्लेबाज हार्दिक से गेंदबाज क्रुणाल का आमना-सामना हुआ है. उन 4 पारियों में क्रुणाल की 28 गेंदों पर हार्दिक ने 16 रन बनाए हैं. इस दौरान क्रुणाल को एक बार हार्दिक को आउट करने में सफलता मिली है.

बल्लेबाज क्रुणाल बनाम गेंदबाज हार्दिक

ठीक ऐसे ही आईपीएल में बल्लेबाज क्रुणाल ने गेंदबाज हार्दिक की 2 पारियों में कुल 5 गेंदें खेली, जिस पर उन्होंने 6 रन बनाए. मगर आउट नहीं हुए. साफ है कि दोनों भाई जब-जब टकराए हैं टक्कर कांटे की रही है. और, फिर से वैसा ही होने की उम्मीद है.

पापा के साथ बेटे भी मैदान में!

मुंबई और बेंगलुरु के मैच में पंड्या ब्रदर्स की होने वाली टक्कर का रोमांच तब और बढ़ गया जब उनके साथ उनके बेटे भी टीमों की जर्सी के रंग में रंगे दिखे. हार्दिक का बेटा उनके साथ मुंबई इंडियंस की जर्सी में दिखा तो क्रुणाल का बेटा उनके साथ आरसीबी की जर्सी पहने नजर आया.

नवी मुंबई में दिग्गजों की टक्कर, रियल मैड्रिड ने बार्सिलोना को हराया, मोरिएंटेस और बैरल ने दागे गोल

मुंबई, 7 मार्च (एजेंसियां)। रियल मैड्रिड लीजेंड्स ने खेले गए 'लीजेंड्स फेसऑफ' मुकाबले में एफसी बार्सिलोना लीजेंड्स को 2-0 से हरा दिया। यह मैच दोनों दिग्गज स्पैनिश फुटबॉल क्लब के पूर्व दिग्गजों के बीच खेला गया। रियल मैड्रिड की कमान पुर्तगाल के पूर्व कप्तान लुई फिगो संभाल रहे थे, जबकि बार्सिलोना की कप्तानी स्पेन के दिग्गज डिफेंडर कार्लोस पुयोल कर रहे थे। इस मैच के लिए फुटबॉल के कई महान खिलाड़ी नवी मुंबई आए थे। मुकाबला डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला गया।

इस मैच के लिए ब्राजील के महान फुटबॉलर रिवाल्डो, पुर्तगाल के पेपे और स्पेन के जावी जैसे फुटबॉलर भारत आए थे। फैंस उन्हें अपनी आंखों के सामने खेलता देख पाए। फिगो समेत कई फुटबॉलर्स ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें भी साझा की हैं। फिगो ने लिखा- मुंबई आना और कुछ पुराने दोस्तों के साथ फुटबॉल खेलकर अच्छा लगा। वहीं, रिवाल्डो ने भी मैच की तस्वीरें साझा की हैं। यह भारतीय फुटबॉल फैंस के लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।

मैच की बात करें तो फिगो और माइकल ओवेन के बनाए मौकों को मोरिएंटेस ने गोल में बदल कर 14वें मिनट में रियल मैड्रिड की टीम का बढ़त दिला दी। मैच के शुरुआती हाफ में रियल मैड्रिड का दबदबा था तो वहीं दूसरे हाफ में एफसी बार्सिलोना लीजेंड्स ने मैड्रिड के डिफेंडर्स को भेदने के लिए कड़ी मेहनत की। स्टेडियम में मौजूद दर्शक शोर मचाकर फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

दोनों टीमें गोल करने के लिए पूरा जो लगा रही थी। बार्सीलोना के पास स्कोर बराबर करने का मौका था, लेकिन टीम उसका फायदा उठाने में विफल रही। इस बीच रियल मैड्रिड ने 69वें मिनट में अपनी बढ़त को दोगुना कर लिया। डेविड बैरल ने शानदार खेल दिखाते हुए कार्ल्स पुयोल और फ्रैंक डी बोअर जैसे दो दिग्गज डिफेंडर को छकाने के बाद गोलकीपर को चकमा देते हुए गोल कर दिया। इस गोल ने मैड्रिड के खेमे में जोश भर दिया और डीवाई पाटिल स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया। इस मैच को देखने के लिए भारी संख्या में फैंस स्टेडियम पहुंचे थे।

11 साल की उम्र में 55 किलो वजन, वेट कम करने के लिए शुरू की बॉक्सिंग, हितेश ने लगा दी मेडलों की झड़ी

चंडीगढ़, 7 मार्च (एजेंसियां)। 14 अक्टूबर 2014 को झज्जर के जिला स्टेडियम में वजन कम करने की मंशा से बॉक्सिंग रिंग में उतरे 11 वर्षीय बच्चे ने विश्व पटल पर देश और हरियाणा का नाम रोशन कर दिया है। झज्जर के गांव जहांगीरपुर निवासी 20 वर्षीय हितेश गुलिया ने ब्राजील में पहली बार आयोजित वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में भारत के लिए 70 किग्रा भार वर्ग में पहला स्वर्ण पदक जीता है। 15 जनवरी 2022 को भारतीय नौसेना ज्वॉइन करने के बाद हितेश सर्विसेज की टीम के स्टार मुक्केबाज हैं।

सेना में जाने से पहले हितेश के कोच रहे हितेश देसवाल ने बताया कि हितेश के पिता सत्यवान गुलिया पेशे से ठेकेदार हैं। हितेश अपने चार भाई बहनों में सबसे छोटे हैं। 11 वर्ष की उम्र में हितेश का वजन 55 किग्रा से ज्यादा था। इसी को कम करने की मंशा से पिता ने हितेश को उनकी निगरानी में बॉक्सिंग के रिंग में उतारा था। वर्ष 2014 में महर्षि दयानंद सरस्वती स्टेडियम झज्जर में हितेश ने मुक्केबाजी में अपना भविष्य संवारने के लिए कड़ी मेहनत शुरू कर दी।

रिंग में अच्छे प्रदर्शन से माता-पिता का बढ़ा हौसला

कोच हितेश देसवाल ने बताया कि हितेश के रिंग में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने से उसके माता-पिता को भी प्रोत्साहन मिला। हितेश स्कूल नेशनल चैंपियन और तीन बार स्टेट चैंपियन भी रहे। वर्ष 2022 में नौसेना में भर्ती होने के बाद ऑल इंडिया सर्विसेज प्रतियोगिता में भाग लेकर कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं व वर्ल्ड मिलिट्री गेम्स में पदक जीते हैं।

हितेश गुलिया की उपलब्धियां

16 सितंबर 2018 में हरियाणा स्कूल स्टेट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक

19 नवंबर 2019 को अंडर-17 एसजीएफआई मिजोरम में रजत पदक

18 सितंबर 2024 सर्विसेज राष्ट्रीय स्वर्ण पदक

6 जनवरी 2025 को बरेली में स्वर्ण पदक

छत्तीसगढ़ की नई धमनी बनेगी खरसिया-परमालकसा 5वीं-6वीं रेल लाइन : अश्विनी वैष्णव

> स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए अपना रही है रेलवे अब बायपास पद्धति

नई दिल्ली/हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कैबिनेट की ओर से मंजूर खरसिया-नया रायपुर-परमालकसा रेल प्रोजेक्ट के बारे में रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को रेल भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह प्रोजेक्ट छत्तीसगढ़ की रेल कनेक्टिविटी को बदलने वाला है। इस प्रोजेक्ट पर 8741 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इससे पूरे छत्तीसगढ़ को एक छोर से दूसरे छोर तक कवरेज मिलेगा।

रेल मंत्री ने कहा कि खरसिया-परमालकसा 5वीं-6वीं रेल लाइन छत्तीसगढ़ में रेल नेटवर्क की नई धमनी की तरह है। यह ओडिशा की सीमा से महाराष्ट्र की सीमा तक रेल नेटवर्क की सुविधा प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि यह भारत के सबसे बड़े प्रोजेक्ट में से एक है। इससे छत्तीसगढ़ के रायगढ़, जांजगीर चाँपा, बिलासपुर, बलौदा बाजार, दुर्ग और राजनांदगांव जैसे जिले जुड़ेंगे। इसके तहत 21 स्टेशन बनेंगे और 48 बड़े ब्रिज बनाए जाएंगे। साथ ही 349 माइनर ब्रिज बनेंगे। 14 फ्लाईओवर और 184 अंडर पास का निर्माण होगा। स्थानीय स्तर पर निवासियों को दिक्कत ना हो इसके लिए 5 रेल फ्लाईओवर भी निर्मित किए जाएंगे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस प्रोजेक्ट में 615 किलोमीटर लंबी पटरियां बिछेंगी, जिसमें 278 किलोमीटर का रूट है। इस रूट के निर्माण के बाद 8 से ज्यादा मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन किया

जाएगा। इस रेल नेटवर्क के निर्माण से करीब 22 करोड़ लीटर डीजल बचेगा और रेलवे को लगभग 2500 करोड़ रुपये के डीजल की बचत होगी। रेल मंत्री ने कहा कि भगवान राम के वनवास के दौरान माता शबरी के प्रसंग से जुड़े लक्ष्मी नारायण मंदिर का भी इस रेल नेटवर्क से संपर्क स्थापित होगा। बलौदा बाजार और खरसिया जैसे सीमेंट उत्पादन के बड़े इंडस्ट्रियल हब भी इस नेटवर्क से जुड़ेंगे। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए रेलवे अब बायपास पद्धति को अपना रही है। इसके तहत मालगाड़ी को शहर के बाहर से निकालने पर जोर दिया जा रहा है। वहीं यात्री गाड़ियों को शहर के अंदर एंट्री दी जाएगी। इस रेल लाइन के निर्माण के दौरान भी इस पर फोकस रहेगा। साथ ही छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत डोकरा और कोसा सिल्क के उत्पादन वाले इलाके भी रेल लाइन के जरिए जुड़ेंगे। इसके चलते 2 करोड़ मैन डे जॉब क्रिएट होगा। रेल मंत्री ने कहा कि कांग्रेस की अगुवाई वाली यूपीए सरकार के दौरान छत्तीसगढ़ को लगभग 3 सौ करोड़ का रेलवे फंड मिलता था।

वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का रेलवे बजट अब 22 गुना बढ़कर लगभग 6900 करोड़ से ज्यादा हो गया है। साथ ही 2014 के बाद छत्तीसगढ़ में रेलवे के काम में अभूतपूर्व तेजी आई है। इसके तहत 1,125 किमी नए ट्रैक बने हैं, जोकि दुबई के पूरे रेलवे नेटवर्क से ज्यादा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में रेलवे का कुल निवेश 47 हजार करोड़ से अधिक है। इसके तहत 32 स्टेशनों का पुनर्निर्माण हो रहा है, और इन्हें पूरी तरह नया बनाया जा रहा है। इनमें से कई स्टेशनों के विकास का कार्य इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगा। राज्य के महत्वपूर्ण रेल प्रोजेक्ट्स की जानकारी देते हुए रेल मंत्री ने कहा कि दल्ली राझरा से रावघाट नई लाइन पूरी होने वाली है।

अब इसके आगे रावघाट से जगदलपुर रेल लाइन के डीपीआर बनाने का काम लगभग पूरा हो गया है। वैसे ही गेवरा-पेन्ड्रा रोड नई लाइन पर भी तेजी से काम चल रहा है। साथ ही राजनांदगांव से नागपुर तीसरी लाइन, झारसुगुड़ा से बिलासपुर चौथी लाइन, रायपुर-केन्द्री-धमतरी से अभनपुर-राजिम लाइन का गेज कन्वर्जन करके ब्रॉड गेज बनाया जा रहा है। राजनांदगांव से डोंगरगढ़ चौथी लाइन, जगदलपुर से कोरापुट की डबलिंग, धरमजयगढ़ से कोरबा नई लाइन, अनूपपुर से अंबिकापुर के दोहरीकरण के लिए पर्याप्त फंड दिए गए हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुखातिब होते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि राज्य के लोगों ने जिन उम्मीदों के साथ डबल इंजन की सरकार बनाई है, उसे पूरा करने का काम भारतीय रेल कर रही है। वहीं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आई है, छत्तीसगढ़ में रेलवे से जुड़ा हजारों करोड़ का काम हो रहा है। नई परियोजना से छत्तीसगढ़ के छह सात जिले जुड़ते हैं, यह राज्य के लिए सौभाग्य की बात है। स्टेशनों के विकास के लिए सरकार ने करोड़ों का फंड दिया है, इससे रेलवे और छत्तीसगढ़ की तस्वीर बदलेगी।

तेलंगाना के युवाओं को कुशल मानव संसाधन केंद्र में बदल देंगे : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा है कि राज्य सरकार तेलंगाना के युवाओं को विभिन्न उद्योगों की उभरती जरूरतों के अनुरूप शीर्ष स्तरीय कौशल से लैस करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्रीधर बाबू ने सोमवार को गच्चीबावली में इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (ईएससीआई) में यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी के परिसर का दौरा किया। विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद, मंत्री ने तेलंगाना को अत्यधिक कुशल मानव संसाधनों का केंद्र बनाने के उद्देश्य से एक रणनीतिक दृष्टिकोण की रूपरेखा तैयार की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना के युवाओं में अपार क्षमता है और बाजार की मांगों के अनुरूप लक्षित प्रशिक्षण के साथ, उन्हें वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी पेशेवरों में बदला जा सकता है। श्रीधर बाबू ने पाठ्यक्रम तैयार करने में उद्योग के हितधारकों के साथ निरंतर सहयोग की वकालत की, यह सुनिश्चित करते हुए कि पाठ्यक्रम वास्तविक दुनिया की मांगों को प्रतिबिंबित करें। उन्होंने कहा कि उच्च मांग वाले कौशल क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए और ग्रामीण पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों को सॉफ्ट स्किल्स में केंद्रित प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहिए। मंत्री ने जोर देकर कहा कि छात्रों को अपने पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद उद्योग के लिए तैयार होना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय को पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए प्रमुख शैक्षिक और अनुसंधान केंद्रों, टास्क और तेलंगाना के डिजिटल रोजगार एक्सचेंज (डीईईटी) सहित प्रमुख राज्य संस्थानों के साथ निकटता से समन्वय करने का भी निर्देश दिया। बैठक में विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, उप सचिव भावेश मिश्रा, कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति सुब्बा राव, ओएसडी चमन मेहता और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

कविता आज धरना चौक पर एक दिन का अनशन करेंगी

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष और बीआरएस एमएलसी के. कविता 8 अप्रैल को इंदिरा पार्क के धरना चौक पर एक दिन का अनशन करेंगी। उनकी मांग है कि तेलंगाना विधानसभा में समाज सुधारक ज्योतिराव फुले की प्रतिमा तुरंत स्थापित की जाए। तेलंगाना जागृति और यूनाइटेड फुले फ्रंट के नेताओं ने आज सुबह धरना स्थल पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

कविता ने पहले स्पीकर से आग्रह किया था और मांग की थी कि राज्य सरकार 11 अप्रैल को फुले की जयंती से पहले प्रतिमा स्थापित करना सुनिश्चित करे। अभी तक कोई कार्रवाई नहीं होने के कारण, वह फुले की विरासत और सामाजिक न्याय में उनके योगदान का सम्मान करने के लिए विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। वह कल सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक हैदराबाद के इंदिरा पार्क में भूख हड़ताल शुरू करेंगी। तेलंगाना में 14 गोलमेज बैठकों में फैले एक सतत राजनीतिक अभियान के हिस्से के रूप में, कविता ने बीसी (पिछड़े वर्ग) अधिकारों के लिए एक अभूतपूर्व आंदोलन शुरू किया और उसका नेतृत्व किया। उन्होंने बीसी चिंताओं को बढ़ाने के लिए तेलंगाना के जिलों में व्यापक परामर्श किया और विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए कामारेड्डी बीसी घोषणापत्र को लागू करने की मांग की। इसके अलावा, एमएलसी कविता राज्य में बीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग करने में सबसे आगे रही हैं। उनके निरंतर प्रयासों और दबाव के कारण, राज्य सरकार ने राजनीति, रोजगार और शिक्षा में बीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के लिए विधानसभा में दो अलग-अलग विधेयक पेश किए।

प्रजावाणी कार्यक्रम में 56 आवेदन आए

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले की राजस्व अधिकारी संगीत ने कहा कि सार्वजनिक कार्यक्रम में आने वाली समस्याएं बहुत अधिक हैं। जिला प्रशासन को प्राथमिकता के आधार पर शिकायतों का त्वरित समाधान करना चाहिए। राजस्व अधिकारी संगीत ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। एकीकृत जिला कार्यालय परिसर में सोमवार को आयोजित जन सेवा कार्यक्रम के तहत उनकी समस्याओं का समाधान किया गया। जिला राजस्व अधिकारी को जनता से शिकायतें प्राप्त का निस्तारण किया। इस अवसर पर बोलते हुए डीआरओ प्रजावाणी ने कहा कि कार्यक्रम में विभागों द्वारा प्राप्त शिकायतों का त्वरित समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने कहा कि याचिकाओं को लंबित रखे बिनाअधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने और समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

आज आयोजित सार्वजनिक सेवा घोषणा कार्यक्रम के लिए कुल (56) शिकायतें प्राप्त हुई हैं और उन्हें तुरंत हल करने के लिए उचित कदम उठाए गए हैं। संबंधित प्राधिकारियों को कार्रवाई करने की सलाह दी गई। राजस्व विभाग 21, अन्य विभाग 35, कुल 56 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। नगरपालिका अधिकारी, मंडल तहसीलदार, कलेक्ट्रेट अधीक्षक, संबंधित अधिकारी एवं अन्य लोग इसमें शामिल हुए।

डेंटल सर्जनों को एकमात्र सरकारी डेंटल कॉलेज में निवास की अनुमति नहीं

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के कई जिलों से डेंटल सर्जरी में मास्टर्स (एमडीएस) पूरा करने वाले डेंटल सर्जनों को इस साल निराश होना पड़ा, क्योंकि वे अफजलगंज स्थित एकमात्र राज्य संचालित सरकारी डेंटल कॉलेज में सीनियर रेजिडेंट (एसआर) के रूप में शामिल होने की उम्मीद कर रहे थे। तेलंगाना राज्य के सभी जिलों से योग्य उम्मीदवारों में से एक वर्ष की रेजीडेंसी के लिए वरिष्ठ रेजीडेंट (एसआर) का चयन करने की अपनी पिछली प्रथा के विपरीत, इस वर्ष सरकारी डेंटल कॉलेज (जीडीसी) के लिए राज्य स्वास्थ्य विभाग ने मल्टी-जोन-II जिलों से दंत शल्य चिकित्सकों का चयन करने का निर्णय लिया। परिणामस्वरूप, मल्टी जोन-I के अंतर्गत आने वाले जिलों से बीडीएस (बैचलर इन डेंटल सर्जरी) और एमडीएस (मास्टर्स इन डेंटल सर्जरी) पूरा करने वाले डेंटल सर्जन, राज्य द्वारा संचालित अफजलगंज डेंटल कॉलेज में 50 बहुप्रतीक्षित सीनियर रेजीडेंटशिप (एसआर) के लिए आवेदन करने की अपनी पात्रता खो बैठे।

रेजिडेंटशिप के लिए इच्छुक एक वरिष्ठ डेंटल सर्जन ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि मैंने निजामाबाद में बीडीएस और एमडीएस किया है। हालांकि, इस साल से मैं जीडीसी में रेजिडेंटशिप के लिए पात्र नहीं हूं, क्योंकि निजामाबाद मल्टी जोन I के अंतर्गत आता है, जबकि जीडीसी केवल मल्टी जोन II के डेंटल छात्रों पर विचार कर रहा है। मल्टी-ज़ोन-I के अंतर्गत आने वाले कुमारम भीम आसिफाबाद, मनचेरियल, पेडपल्ली, जयशंकर-भूपालपल्ली, आदिलाबाद, निर्मल, निज़ामाबाद, जगतियाल, करीमनगर, सिरसिल्ला, मेदक, कामारेड्डी, कोत्तागुडेम, खम्मम, महबूबाबाद, वारंगल ग्रामीण और वारंगल शहरी जिले शामिल हैं। सूर्यापेट, नलगोंडा, भुवनगिरी-यदाद्री, रंगारेड्डी, संगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल-मलकजगिरी, विकाराबाद, महबूबनगर, जोगुलम्बा-गदवाल और वानापर्थी जिलों सहित शेष सभी जिले मल्टी-जोन-द्वितीय के अंतर्गत हैं। ऑल इंडिया डेंटल स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईडीएसए) के अध्यक्ष डॉ. एमडी मंज़ूर ने बताया कि हमने चिकित्सा शिक्षा निदेशक (डीएमई) के माध्यम से राज्य सरकार को ज्ञापन भी सौंपे हैं। मल्टी जोन-2 जिलों से संबंधित डेंटल छात्रों के लिए यह एक वास्तविक समस्या है। हम राज्य सरकार से आग्रह करते हैं कि वह इस साल उदारता दिखाए और उनकी मदद करे।

आर्थिक विवाद के चलते रिश्तेदार ने की युवक की हत्या

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गोलकोंडा के टोलीचौकी इलाके में रविवार रात एक युवक की उसके रिश्तेदार ने कथित तौर पर वित्तीय मुद्दे पर हत्या कर दी। पीड़ित मोहम्मद मुकीदुद्दीन (20), जो स्क्रैप गोदाम चलाता है, काजी गली इलाके के संदिग्ध मोहम्मद समीर का साला है। जानकारी के अनुसार हाल ही में दोनों ने पास की रिहायशी कॉलोनी से एक बाइक चुराई थी और उसे ठिकाने भी लगा दिया था। आशंका है कि पैसों के बंटवारे को लेकर दोनों के बीच मतभेद था। रविवार की रात को वे टोलीचौकी में एक होटल के पास इस मामले को सुलझाने के लिए मिले, इस दौरान उनके बीच वित्तीय मामले को लेकर बहस हो गई। जिसके बाद समीर ने चाकू उठाया और मुकीदुद्दीन के सीने और शरीर के अन्य हिस्सों पर वार कर दिया। मुकीदुद्दीन को गंभीर चोटें आईं और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गोलकोंडा पुलिस जांच कर रही है और समीर को पकड़ने की कोशिश जारी है।

महाप्रबंधक ने ट्रेन परिचालन की सुरक्षा पर विस्तृत समीक्षा की

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने ट्रेन परिचालन की सुरक्षा और जोन पर कार्य प्रणाली को और मजबूत करने पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। नीरज अग्रवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक, एससीआर ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के डिवीजनल रेलवे प्रबंधक (डीआरएम) ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में शामिल हुए। अरुण कुमार जैन ने पूरे जोन में ट्रेन परिचालन की सुरक्षा की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को समय-समय पर जारी रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुसार सुरक्षा नियमों और प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने ट्रेन संचालन में सुरक्षा सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया और किसी भी शॉर्टकट तरीके का पालन न करने का निर्देश दिया। उन्होंने कर्मचारियों को किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए ड्यूटी के दौरान अधिक सतर्क रहने का निर्देश दिया। श्री अरुण कुमार जैन ने रेल पटरियों और सिग्नलिंग सिस्टम की सुरक्षा से संबंधित जोन पर चलाए जा रहे विभिन्न सुरक्षा अभियानों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने मैकेनिकल, इंजीनियरिंग और सिग्नल और दूरसंचार विभागों की सुरक्षा कार्य योजनाओं की भी जांच की और स्मोक डिटेक्टर, अग्निशामक यंत्र आदि सुरक्षा वस्तुओं की उपलब्धता की समीक्षा की। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने निर्माण कार्यों के दौरान सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं और दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पूरे जोन में अमृत स्टेशन कार्यस्थलों पर चलाए गए सुरक्षा अभियान की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को असुरक्षित घटनाओं से बचने के लिए किसी भी असामान्य स्थिति पर तत्काल कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया।

चेन्नई में सिंगापुर के महावाणिज्य दूत एडगर पैंग ने जुबली हिल्स स्थित आवास पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की।

कांचा गच्चीबावली भूमि विवाद में पुलिस ने बीआरएस नेता को पूछताछ के लिए बुलाया

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस सोशल मीडिया संयोजक कृषांक मन्ने को विवादास्पद कांचा गच्चीबावली भूमि से संबंधित उनके पोस्ट पर दर्ज चार नई एफआईआर के संबंध में पुलिस ने नोटिस भेजा है। उन्हें 9 और 10 अप्रैल को जांच के लिए पेश होने को कहा गया है।

इन अतिरिक्त मामलों के साथ, तेलंगाना में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से सिर्फ 16 महीनों में कृषांक के खिलाफ दर्ज मामलों की कुल संख्या 21 तक पहुंच गई है। ज़्यादातर एफ़आईआर एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर उनके पोस्ट से संबंधित हैं, जिसके बारे में कृषांक का दावा है कि ये आपराधिक कृत्य नहीं बल्कि असहमति की अभिव्यक्तियां हैं।

इसे राजनीतिक प्रतिशोध का स्पष्ट मामला बताते हुए कृषांक ने कहा कि वह जांच में सहयोग करेंगे और जहां भी जरूरत होगी, अपनी आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने उन आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की कि हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) से सटे कांचा गच्चीबावली क्षेत्र में वन्यजीवों और वनों की कटाई को दिखाने वाले वीडियो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके बनाए गए थे। उन्होंने कहा कि जारी किए गए सभी दृश्य वास्तविक हैं। राष्ट्रीय स्तर की एजेंसियों ने पुष्टि की है कि वीडियो में हिरण और मोर दिखाई दे रहे हैं। पर्यावरण को होने वाले नुकसान पर कार्रवाई करने के बजाय, सरकार सच्चाई को उजागर करने वालों को निशाना बना रही है।

राज्यपाल ने भद्राचलम मंदिर में भगवान राम के पट्टाभिषेक में भाग लिया

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने सोमवार को भद्राचलम में सीता रामचंद्र स्वामी मंदिर में श्री राम साम्राज्य पट्टाभिषेक में भाग लिया। भगवान श्री राम के दिव्य राज्याभिषेक के हिस्से के रूप में, राज्यपाल ने मंदिर की परंपरा के अनुसार, देवता को पट्टू वस्त्रालु अर्पित किया।

अपनी आध्यात्मिक खुशी व्यक्त करते हुए, जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि वह ऐसे ऐतिहासिक और धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण मंदिर में पवित्र अनुष्ठान को देखने के लिए बहुत धन्य महसूस करते हैं। उन्होंने भगवान श्री राम के आदर्शों की कालातीत प्रासंगिकता पर जोर दिया और सभी से मर्यादा पुरुषोत्तम द्वारा बताए गए धार्मिकता, करुणा और सत्य के गुणों को बनाए रखने का आह्वान किया। इससे पहले दिन में राज्यपाल ने भद्राद्री मंदिर में मुख्य देवताओं के दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना की। मंदिर के पुजारियों ने विस्तृत वैदिक मंत्रोच्चार और भव्य समारोह के साथ पट्टाभिषेक अनुष्ठान संपन्न कराया, राज्यपाल को आशीर्वाद दिया और प्रसाद भेंट किया। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वरराव, बंदोबस्ती आयुक्त, भद्राद्री कोत्तागुडेम के जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक तथा मंदिर अधिकारी राज्यपाल के साथ दौरे पर थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.